RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 199
लखनऊ, मंगलवार, 11 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
www.dailypioneer.com

अनुचित टिप्पणियों का अमिताभ ने दिया जवाब
विविध-12

टीकाकरण नीति सही, न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत नहीं : केंद्र

● सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में दिया हलफनामा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लखनऊ के लोहिया अस्पताल में कोरोनारोधी टीका लगवाती एक महिला

केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष अपनी टीकाकरण नीति को न्यायोचित बताते हुए कहा कि उसकी प्रतिक्रिया और रणनीति पूरी तरह से विशेषज्ञ चिकित्सीय व वैज्ञानिक राय से प्रेरित है जिसमें न्यायिक हस्तक्षेप की गुंजाइश बेहद कम है और जोर देकर कहा कि देश भर में सभी आयुवर्ग के नागरिकों का मुफ्त टीकाकरण होगा। उसने कहा कि एक कार्यकारी नीति के तौर पर जिस अभूतपूर्व व विशिष्ट परिस्थिति में टीकाकरण अभियान को तैयार किया गया है उसमें कार्यपालिका की समझ पर भरोसा किया जाना चाहिए। सरकार ने कहा कि एक वैश्विक महामारी में जहां राष्ट्र की प्रतिक्रिया और रणनीति पूरी तरह से विशेषज्ञ चिकित्सीय और वैज्ञानिक राय से प्रेरित है, किसी भी तरह का अति उत्साही, यद्यपि उचित अर्थ में न्यायिक हस्तक्षेप के अभूतपूर्व व अनापेक्षित परिणाम हो सकते हैं। शीर्ष अदालत द्वारा कोविड-19 प्रबंधन को लेकर स्वत: संज्ञान से शुरू किए गए मामले में रविवार रात को दायर 218 पन्नों के हलफनामे में केंद्र ने कहा कि यह नीति संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 21 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुरूप है और विशेषज्ञों, राज्य सरकारों तथा टीका उत्पादकों से कई दौर के परामर्श व चर्चा के बाद बनाई गई है, जिसमें इस अदालत के दखल की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि इस स्तर की महामारी से निपटने के लिए व्यापक जनहित में कार्यपालिका के पास स्वतंत्रता होनी चाहिए। सरकार ने हलफनामे में कहा, यह भी बताया जाता है कि 18 से 44 आयुवर्ग के नागरिकों का मुफ्त टीकाकरण हो रहा है क्योंकि सभी राज्य सरकारों ने अपनी 18 से 44 आयुवर्ग की आबादी के लिए मुफ्त टीकाकरण की घोषणा की है। इसलिए देश में सभी आयुवर्ग के सभी लोगों का मुफ्त टीकाकरण होगा। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भारत सरकार के चैनल से यह भी बताया जा रहा है कि उनके पास दोनों टीकों की कितनी खुराक उपलब्ध हैं जिससे वे प्राथमिकता वाले समूहों की पहचान कर सकें। हलफनामे में कहा गया, बेहद सम्मानजनक तरीके से यह बताया जाता है कि ऐसे गंभीर व अभूतपूर्व संकट जिसका देश मुकाबला कर रहा है, ऐसे में सरकार के कार्यकारी कामकाज के उद्देश्य से व्यापक हित में नीति बनाने के लिए काम की स्वतंत्रता की आवश्यकता होती है।

'दवाओं की कालाबाजारी करने वालों पर कठोरतम कार्रवाई करें राज्य'

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान सभी राज्यों को दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ कठोरतम कार्वाई सुनिश्चित करने के लिए विशेष दलों का गठन करना चाहिए और यह स्पष्ट देना चाहिए कि लोगों की तकलीफों का व्यापार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

न्यायालय में दायर एक हलफनामे में केन्द्र ने कहा कि भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने सभी राज्यों के औषधि नियंत्रकों को सूचित कर दिया है कि दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस रखें और कड़ी निगरानी रखने के साथ-साथ सख्त कार्रवाई भी करें। हलफनामे के अनुसार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राज्य सरकारों से अनुरोध किया है कि वे दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए औषधि एवं प्रशासन कानून, आवश्यक वस्तु अधिनियम आदि संबंधित कानूनों के तहत सख्त कार्रवाई करें। केन्द्र ने अपने हलफनामे में कहा, कालाबाजारी की समस्या से आवश्यक रूप से पुलिस प्रशासन और स्थानीय प्रशासन निपटता है। चूंकि कानून-व्यवस्था राज्य का विषय है, ऐसे में सभी राज्य सरकारें सुनिश्चित करें कि राज्य, जिला और तालुका स्तर पर गठित विशेष दल दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और स्पष्ट संदेश दें कि लोगों की तकलीफों का व्यापार किसी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हलफनामे में कहा गया है कि देश भर में अभी तक ऐसे 157 मामलों में कार्वाई की गई है, जिसमें प्राथमिकी दर्ज करना और आरोपियों की गिरफ्तारी शामिल है। महामारी के दौरान आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और सेवा बहाली के मुद्दे पर स्वतं: संज्ञान लेकर सुनवाई कर रही। न्यायमूर्ति धनंजय वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 30 अप्रैल को दवाओं की कालाबाजारी का मुद्दा उठाया था।

होम आइसोलेट लोगों से संवाद करें जनप्रतिनिधि : मुख्यमंत्री

● पिछले 10 दिनों में कोरोना के सक्रिय केसों में 85,000 से अधिक की आई कमी: योगी

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर, लखनऊ

गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कालेज में टीकाकरण अभियान का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में प्रदेश में वृहद स्तर पर चलाए गए अर्ली, अग्रेसिव, ट्रेस, टेस्ट और ट्रीट अभियान के व्यापक परिणाम सामने आए हैं। पिछले 10 दिनों में राज्य में कोरोना के एक्टिव केसों में 85000 से अधिक की कमी आई है। कोरोना के पहली लहर में उत्तर प्रदेश ने बेहतर मुकाबला किया था। दूसरी लहर में भी उसी प्रबंधन के साथ काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि होम आइसोलेशन के कोविड मरीजों के साथ संवाद स्थापित किया जाए। जनप्रतिनिधियों को भी ऐसे लोगों से संवाद कर उनका हौसला बढ़ाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि होम आइसोलेट लोगों की सूची और मोबाइल नंबर सांसद, विधायक को भी उपलब्ध कराएं ताकि वह उनसे संवाद स्थापित कर सकें। उन्होंने कहा कि हर कोविड हास्पिटल में मरीजों के संबंध में जानकारी उनके परिजनों को जरूर दी जाए।

योगी सोमवार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में कोविड नियंत्रण को लेकर गोरखपुर-बस्ती मंडल की समीक्षा बैठक करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना के दूसरी लहर के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पूरे देश में बड़ी मजबूती से अभियान चल रहा है। देश में सबसे अधिक आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश भी कोरोना से पूरी मजबूती से लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े विशेषज्ञ यह आशंका जता रहे थे कि उत्तर प्रदेश में पांच से 10 मई के बीच प्रतिदिन एक लाख कोरोना केस आएंगे लेकिन आज 21 हजार एक्टिव केस हैं। कल यह संख्या 23 हजार थी। एक्टिव केस की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। योगी ने कहाकि एक-एक व्यक्ति का जीवन कीमती है। सरकार इसे बचाने का हर संभव प्रयास कर रही है। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना से बचाव ही सर्वोत्तम उपाय है। कोविड प्रोटोकॉल का पालन कर खुद के साथ समाज की सुरक्षा की जा सकती है।

योगी ने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में वैक्सिन सबसे बड़ा अस्त्र है। प्रदेश में 1.40 करोड़ लोगों का कोविड टीकाकरण हो चुका है। इसमें 1.38 करोड़ 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को और एक लाख से अधिक 18 वर्ष से 44 वर्ष के बीच के लोगों को टीका लगाया गया है। आज से प्रदेश में 4000 केंद्रों पर 45 वर्ष से अधिक के लोगों और 11 जिलों के 200 केंद्रों पर 18 वर्ष से अधिक के लोगों को बिना भेदभाव निशुल्क टीका लगाया जा रहा है।

शर्तें स्वीकार न करने वालों को नहीं मिलेंगी व्हाट्सऐप की सभी सुविधाएं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

व्हाट्सऐप ने आज कहा कि उसके नए निजता अपडेट को स्वीकार न करने के लिए कोई भी खाता डिलीट नहीं किया जाएगा लेकिन कई हफ्तों के बाद इन विवादित शर्तों को स्वीकार न करने वाले उपयोगकर्ता अपनी चैट सूची नहीं देख पाएंगे और आखिरकार उनकी ऐप पर आने वाले फोन कॉल या वीडियो कॉल का जवाब देने की सुविधा के इस्तेमाल पर रोक लग जाएगी। पिछले हफ्ते फेसबुक के स्वामित्व वाली कंपनी ने कहा था कि 15 मई तक की उसकी समयसीमा तक उसकी निजता नीति अपडेट को स्वीकार न करने वाले उपयोगकर्ताओं के खाते डिलीट नहीं किए जाएंगे। व्हाट्सऐप ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि जिन लोगों को शर्तों को पढ़ने या स्वीकार करने का मौका नहीं मिला है, वह उन्हें इन शर्तों के बारे में याद दिला रहा है और कई हफ्तों के बाद लोगों को मिलने वाला यह रिमाइंडर सख्त हो जाएगा। हालांकि कंपनी ने इन रिमाइंडर के लिए तय की गई समयसीमा के बारे में नहीं बताया।

कांग्रेस ने स्थगित किया अध्यक्ष पद का चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● फिलहाल सोनिया गांधी ही अध्यक्ष पद का दायित्व संभालेंगी

कांग्रेस ने कोरोना महामारी के चलते जून में प्रस्तावित पार्टी के अध्यक्ष के चुनाव को सोमवार को अस्थाई तौर पर स्थगित कर दिया और यह फैसला भी किया कि हालिया विधानसभा चुनाव में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के कारणों का पता लगाने के लिए जल्द ही एक समूह का गठन किया जाएगा। फिलहाल सोनिया गांधी ही पार्टी के अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालती रहेंगी। पार्टी की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने सर्वसम्मति से यह फैसला किया कि कोरोना महामारी से जुड़े हालात में सुधार होने तक यह चुनाव स्थगित किया जाता है।

सीडब्ल्यूसी के प्रस्ताव में कहा गया है, कोरोना महामारी के कारण पैदा हुए हालात को देखते हुए सीडब्ल्यूसी इस पर एकमत है कि हमें पूरी ऊर्जा एक-एक जिंदगी को बचाने और कोविड प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए लगानी चाहिए। ऐसे में चुनाव को अस्थाई तौर पर स्थगित करने का संकल्प लिया जाता है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने बताया कि सोनिया गांधी ने स्पष्ट किया है कि यह स्थगन स्थाई नहीं होगा और हालात में सुधार होने पर चुनाव कराया जाएगा। सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस के अध्यक्ष पद का चुनाव अगले दो-तीन महीने में होने की उम्मीद है। उनके मुताबिक, सीडब्ल्यूसी की बैठक में कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पार्टी के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण (सीईसी) की ओर से तैयार चुनाव कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी थी, लेकिन बाद में फैसला किया गया कि मौजूदा स्थिति में चुनाव कराना उचित नहीं है। सूत्रों ने बताया कि सीईसी ने 23 जून को कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव कराने का प्रस्ताव दिया था।

उल्लेखनीय है कि साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद राहुल गांधी ने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था। इसके बाद सोनिया गांधी को पार्टी के अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव उस वक्त स्थगित किया गया है जब हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। असम और केरल में सत्ता में वापसी का प्रयास कर रही कांग्रेस को हार झेलनी पड़ी। वहीं, पश्चिम बंगाल में उसका खाता भी नहीं खुल सका। पुडुचेरी में उसे करारी हार का सामना करना पड़ा जहां कुछ महीने पहले तक वह सत्ता में थी।

कोरोना के कारण जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख के चुनाव टले

लखनऊ (पीएनएस)। यूपी में कोरोना के संक्रमण को देखते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लाक प्रमुख के चुनाव फिलहाल टल गए हैं। पंचायत राज विभाग के सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि गांवों में तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार अभी कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। योगी सरकार पहले कोरोना पर नियंत्रण के बाद ही इस चुनाव पर कोई निर्णय लेगी जबकि प्रधानों के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर सरकार अगले हफ्ते तक कोई निर्णय ले सकती है। पहले जिला पंचायत अध्यक्ष तथा ब्लाक प्रमुख का चुनाव 15 से 20 मई के बीच होना तय माना जा रहा था। सरकार ने 17 मई कोरोना कर्फ्यू लगा रखा है जिसके कारण भी यह संभव नहीं था। इस दौरान तमाम तरह की बंदिश होती है। पंचायत चुनाव के बाद अब प्रदेश में अब 75 जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ 826 ब्लॉक प्रमुखों का चुनाव होना है। नवनिर्वाचित 3050 सदस्य 75 जिला पंचायत अध्यक्षों का चुनाव करेंगे। इनके साथ 75845 क्षेत्र पंचायत सदस्य 826 ब्लॉक प्रमुखों को चुनने के लिए मतदान करेंगे। जिला पंचायत सदस्य पदों के लिए प्रमुख दलों ने समर्थित उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा था। जिला व क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष पदों के चुनाव में प्रमुख दलों के निर्वाचित सदस्यों से अलावा निर्दलीयों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। प्रदेश में इस बार 3050 विजेता में निर्दलीयों की संख्या ही सर्वाधिक है। इसी कारण अब जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में इनकी भूमिका काफी अहम होगी। चुनाव टलने से सभी दलों को और मौका मिल गया है ताकि वह निर्दलीय से लेकर अन्य दलों के विजयी प्रत्याशियों को अपने पाले में कर सकें।

सूबे में कोरोना से ठीक होने वालों की लगातार बढ़ रही संख्या

● 24 घंटे में 29709 रोगी स्वस्थ, 21331 नए मामले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस की सेकेंड वेब में सोमवार को पूरे प्रदेश में 21331 नए केस सामने आए हैं। जबकि इलाज के दौरान 278 मरीजों की मौत हो गई है। राजधानी लखनऊ में 1274 केस के बीच 26 मरीजों की मौत का मामला सामने आया है। पूरे प्रदेश में 225271 एक्टिव केस हैं। वहीं लखनऊ में 21941 केस एक्टिव हैं। आज लखनऊ में 2915 मरीजों को और प्रदेश में 29709 मरीजों को स्वस्थ्य घोषित किया गया है। अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि यूपी में एक दिन पहले 214977 कोरोना टेस्ट किए गए थे। सोमवार से प्रदेश के 18 और जिलों में 18 से 45 साल के लोगों को वैक्सीनेशन भी भी शुरू करा दिया गया है। इससे पहले वैक्सीनेशन सात जिलों में चल रहा था। अब तक 10939775 लोगों ने वैक्सीन की पहली डोज ले ली है। उन्होंने बताया कि 2785013 लोगों ने वैक्सीन की दूसरी डोज भी ली है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 दिन में कोविड के एक्टिव केसों में 85000 तक कमी देखने को मिली है। 30 अप्रैल को सर्वाधिक सक्रिय मामले 310000 थे और इस समय में 225271 एक्टिव केस यूपी में हैं।

भारत में 3,66,161 नए मामले, 3,754 की मौत

नई दिल्ली। लगातार चार दिन कोरोना वायरस संक्रमण के चार लाख से अधिक नए मामले सामने आने के बाद भारत में सोमवार को एक दिन में कोविड-19 के 3,66,161 मामले सामने आए और इसी के साथ देश में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 2,26,62,575 हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार को सुबह आठ बजे तक अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसार, 3,754 और लोगों की संक्रमण के कारण मौत होने के बाद कुल मृतक संख्या बढ़कर 2,46,116 हो गई। देश में उपचाराधीन मामलों की संख्या बढ़कर 37,45,237 हो गई जो संक्रमण के कुल मामलों का 16.53 प्रतिशत है, जबकि संक्रमित लोगों के स्वस्थ होने की दर 82.39 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, अब तक 1,86,71,222 लोग संक्रमित होने के बाद ठीक हो चुके हैं, जबकि मृत्युदर 1.09 प्रतिशत है।

बाजार

सेंसेक्स	49,502	↑ 296	
निफ्टी	14,942	↑ 119	
सोना	47,452	↑ 179	/10g
चांदी	71,540	↑ 826	/kg

क्विक न्यूज

आजम खान कोविड आईसीयू में शिफ्ट

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के चलते मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान कि हालत गम्भीर बताई जा रही है। जबकि उनके पुत्र अब्दुल्ला आजम की तबियत स्थिर बताई गई है। हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. राकेश कपूर की तरफसे जारी मेडिकल बुलेटिन में कहा गया है कि एक दिन पूर्व देर शाम को भर्ती आजम खान को डॉक्टर्स की निगरानी में रखा गया था। उस समय चार लीटर आक्सीजन की जरूरत पड़ रही थी मगर अब 10 लीटर ऑक्सीजन प्रति मिनट की ज़रूरत पड़ रही है। हालत को देखते हुए मेदांता क्रिटिकल केयर टीम उन्हें कोविड आईसीयू में शिफ्ट कर इलाज कर रही है। आजम खान और उनके पुत्र को सीतापुर जेल से यहां के अस्पताल में लाया गया है।

हिमंत बिस्व सरमा बने असम के मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। गुवाहाटी

गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते हिमंत बिस्व सरमा

भाजपा नेता और पूर्वोत्तर प्रजातांत्रिक गठबंधन के संयोजक हिमंत बिस्वा सरमा ने असम के 15वें मुख्यमंत्री के रूप में सोमवार को शपथ ली। राज्यपाल जगदीश मुखी ने उन्हें यहां श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। सरमा ने पारंपरिक पट रेशम की धोती और कुर्ता धारण किया हुआ था तथा अपने गले में मुगा गमोसा डाला हुआ था। उन्होंने असमी भाषा में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। कोविड-19 के सख्त प्रोटोकॉल के बीच उनके साथ 13 और विधायकों ने शपथ ली।

शपथ लेने वाले विधायकों में से, 10 भाजपा के हैं जिनमें पार्टी के प्रदेश प्रमुख रंजीत कुमार दास, पिछली सरकार के मंत्री चंद्र मोहन पटोवारी, परिमल सुक्लाबैद्य, जोगेश मोहन और संजय किशन शामिल हैं। मंत्रिमंडल में शामिल किए गए नए चेहरों में रनोज पेगू, बिमल बोहरा और एकमात्र महिला अंजता नेओग शामिल हैं। गठबंधन साझेदार एजीपी से अतुल बोरा और केशब महंत और यूपीपीएल से पूर्व राज्यसभा सदस्य यूजी ब्रह्मा ने शपथ ली है। बोरा और महंत भूतपूर्व सरकार में मंत्री थे।

शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पिछली सरकार में मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और रमेश तेली, नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो और असम कांग्रेस के प्रमुख रिपूण बोरा समेत अन्य शामिल थे।असम की 126 सदस्ईय विधानसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन को 75 सीटें मिली हैं। भाजपा को 60 सीटें मिली हैं जबकि उसके गठबंधन साझेदार असम गण परिषद (एजीपी) व यूनाइटेड पीपल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) को क्रमश: नौ और छह सीटें मिली हैं। भाजपा नीत गठबंधन राज्य में पहली गैर कांग्रेसी सरकार है जिसने लगातार दूसरी बार चुनाव जीता है।

पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी बने नेता प्रतिपक्ष

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में दूसरे सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में सामने आई भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को शुभेंदु अधिकारी को नेता प्रतिपक्ष चुना। केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पार्टी विधायकों के साथ बैठक करने के बाद शुभेंदु अधिकारी के भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की। अधिकारी ने एक कड़े मुकाबले में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम विधानसभा सीट से 1900 मतों के अंतर से हराया है। ममता सरकार में मंत्री रह चुके अधिकारी चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए थे। नंदीग्राम में कांटे की टक्कर के बाद अब विधानसभा में ममता और अधिकारी दोबारा आमने सामने होंगे। गौरतलब है कि 294 सदस्यों वाली विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस 213 सीटों पर जीत हासिल कर लगातार तीसरी बार सत्ता में आई है जबकि भाजपा ने 77 सीटों पर कब्जा कर दूसरे सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में अपनी जगह बनाई है।

नेपाल के पीएम ओली प्रतिनिधि सभा में विश्वास प्रस्ताव हारे

भाषा। काठमांडू

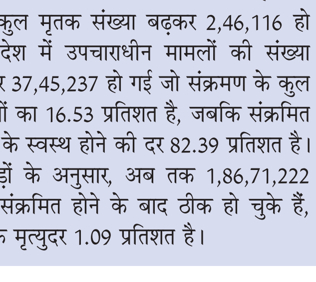

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सोमवार को प्रतिनिधि सभा में पेश विश्वास प्रस्ताव हार गए। राजनीतिक रूप से संकट का सामना कर रहे ओली के लिए इसे एक और झटका माना जा रहा है जो कम्युनिस्ट पार्टी नेपाल (माओवादी केंद्र) नीत पुष्पकमल दहल गुट द्वारा सरकार से समर्थन वापस लिए जाने के बाद पार्टी पर पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। नेपाली संविधान के अनुच्छेद-100 (3) के प्रावधान के तहत प्रधानमंत्री ओली स्वत: ही पद से अवमुक्त हो गए हैं। नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रकाश मान ने कहा कि विश्वास प्रस्ताव हारने के बाद प्रधानमंत्री स्वत: पद से हट गए हैं और अब संवैधानिक प्रक्रिया के तहत नई सरकार बनेगी। सीपीएन माओवादी के वरिष्ठ नेता गणेश शाह ने कहा कि ओली को तुरंत अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए और वैकल्पिक सरकार के गठन के लिए रास्ता साफ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीपीएन-माओवादी , नेपाली कांग्रेस और ओली के खिलाफ मद देने वाली पार्टियों के साथ यथा शीघ्र गठबंधन सरकार बनाने के लिए हाथ मिलाएगी। राष्ट्रपति विद्यादेवी भंडारी के निर्देश पर संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के आहूत विशेष सत्र में प्रधानमंत्री ओली की ओर से पेश विश्वास प्रस्ताव के समर्थन में केवल 93 मत मिले जबकि 124 सदस्यों ने इसके खिलाफ मत दिया। (शेष पेज 9)

संक्रमण रोकने को बढ़ाएं आरआरटी व निगरानी समितियों की संख्या

● मुख्यमंत्री ने की कोरोना प्रबंधन को लेकर गोरखपुर-बस्ती मंडल के जनपदों की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना संक्रमण का फैलाव हर हाल में रोकना है। इसके लिए जिलों में रैपिड रिस्पांस टीमों (आरआरटी) और निगरानी समितियों की संख्या बढ़ाई जाए। सरकार कोरोना पर काबू पाने के लिए सभी प्रकार के संसाधन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने शत प्रतिशत कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग पर जोर दिया और कहा कि कोविड प्रबंधन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अक्षम्य होगी।

गोरखपुर दौरे के दूसरे दिन सीएम योगी सोमवार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में कोविड प्रबंधन को लेकर गोरखपुर-बस्ती मंडल के सात जिलों की समीक्षा बैठक कर रहे थे। बैठक में गोरखपुर जिले के जनप्रतिनिधि और अधिकारी व्यक्तिगत उपस्थित थे, जबकि अन्य छह जिलों के अधिकारी वर्चुअल जुड़े। मुख्यमंत्री योगी ने कोविड नियंत्रण के संबंध में हर जिले से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण रोकने के लिए आरआरटी और निगरानी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। निगरानी समितियों की संख्या तीन से चार गुना तक बढ़ाई जाए। मेडिकल किट का वितरण निगरानी समितियों के माध्यम से हो और उसका सत्यापन भी कराएं। मेडिकल किट की पर्याप्त दवा हर जिले में दी गई है।

सीएम योगी ने निर्देशित किया कि एम्बुलेंस 108 का 75 प्रतिशत प्रयोग कोविड 19 में किया जाए और आरआरटी को वाहन उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि समय पर मरीज को सुविधा दी जाए, तो निश्चित वह आरोग्यता को प्राप्त करेगा। रोग को छिपाया न जाए, अगर बीमारी है, तो उसका उपचार आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक-एक व्यक्ति का जीवन अमूल्य है और उसे हर हाल में बचाना है। लक्षणयुक्त-संदिग्ध की तत्काल जांच कराते हुए रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उसे शीघ्र मेडिकल किट उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि यदि कार्य प्रबंधन टीम भावना से किया जाए, तो निश्चित रूप से शत प्रतिशत सफलता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन स्तर पर आक्सीजन की उपलब्धता, रेमडिसिविर इंजेक्शन, होम आइसोलेशन, स्वच्छता, सेनेटाइजेशन, फागिंग आदि कार्यों की व्यवस्था की निगरानी संबंधी समितियां गठित की गई हैं। इसी प्रकार जनपद स्तर पर भी समिति गठित कर उनके कार्य ,दायित्व निर्धारित किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आक्सीजन की आडिट हर हाल में कराई जाए और यह सुनिश्चित हो कि इसका वेस्टेज न होने पाए। हास्पिटलों में आक्सीजन आडिट कराया जाना नितान्त आवश्यक है। कहीं भी आक्सीजन की कालाबाजारी नहीं होनी चाहिए, इसकी जांच की जाए और पकड़े जाने पर दोषी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

सीएम योगी ने आंशिक कोरोना कर्फ्यू का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि इन दौरान अति आवश्यक सेवाओं के क्षेत्र में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि कोविड अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। हर जिले में प्रतिदिन 24 घंटे के अन्दर पॉजिटिव केस रिकवरी एक्टिव केस आदि की समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि खाद्यान्न वितरण कार्य की निगरानी के लिए एक नोडल अधिकारी नामित करें। मुख्यमंत्री ने स्वच्छता, सेनेटाइजेशन और फॉगिंग को एक अभियान के रूप में संचालित करते रहने और इसके लिए नोडल अधिकारी नामित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह अभियान कोविड के साथ ही बरसात में इंसेफेलाइटिस से बचाव में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने बेड की संख्या बढ़ाने और शासन के आदेशों का शत प्रतिशत अनुपालन करने और पीडियाट्रिक आईसीयू को क्रियाशील रखने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में कमिश्नर जयन्त नार्लिकर ने गोरखपुर मंडल में कोविड प्रबंधन के बारे में बताया कि टेस्टिंग, कांटेक्ट ट्रेसिंग, सेनेटाइजेशनए स्वच्छता, वैक्सीनेशन आदि कार्यों को तेजी से कराया जा रहा है। मंडल में कुल 4856 क्रियाशील निगरानी समितियां हैं, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र 4368 और शहरी क्षेत्र में 488 हैं।

बहराइच में करेंट से मरने वालों को मदद के निर्देश

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बहराइच के राम गांव थाना क्षेत्र में करंट लगने से हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को अनुमन्य राहत राशि तत्काल वितरित किये जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

सैफई आयुर्विज्ञान संस्थान के कुलपति अवकाश पर भेजे गए

लखनऊ। कोरोना प्रबंधन में लापरवाही सहित अन्य शिकायतों के मामले में उत्तर प्रदेश ग्रामीण आयुर्विज्ञान संस्थान सैफई के कुलपति डॉ राजकुमार सिंह को कार्यकाल खत्म होने से पहले ही शासन ने छुट्टी पर भेज दिया है। जबकि वर्तमान कुलपति का कार्यकाल 31 मई को समाप्त हो रहा है। इसके पहले ही शासन ने कुलपति को हटाते हुए कुलपति पद का दायित्व प्रतिकुलपति को सौप दिया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार के स्तर से जारी आदेश में कहा गया है कि सैफई विश्वविद्यालय इटावा अधिनियम 2015 की धारा 11 (10) के अंतर्गत विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति को 31 मई या नए कुलपति की नियुक्ति तक कुलपति के कर्तव्यों के निर्वहन हेतु अधिकृत किये जाने का निर्णय लिया गया है। विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति को बचे शेष कार्यकाल हेतु अवकाश पर जाने हेतु अनुरोध किया जाता है और वह तत्काल प्रभाव से अवकाश पर माने जाएंगे।

योगी सरकार शुरू करेगी कोरोना पर पाठशाला

● आयुर्वेदक के विशेषज्ञ कोरोना संक्रमण को लेकर लोगों को सीधे जानकारी देंगे व उपाय बताएंगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना से बचाव और उपचार के लिये योगी सरकार पाठशाला शुरू करने जा रही है। जिसमें आयुर्वेदक के विशेषज्ञ कोरोना संक्रमण को लेकर लोगों को सीधे जानकारी देंगे तथा उपाय बतायेंगे। इतना ही नयी बल्कि आयुष कवच एप के माध्यम से सुबह आठ बजे से योगाभ्यास और शाम पांच बजे से आयुष संवाद जल्द शुरू होने वाला है। इसमें कोरोना संक्रमण से बचाव, रोकथाम और औषधियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा आयुष विभाग के 20 विशेषज्ञ चिकित्सकों के पैनल से भी एप के माध्यम से सवाल किया जा सकता है, जिसका जवाब विशेषज्ञ चिकित्सक देंगे।

आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि आयुर्वेद पर आधारित यह पाठशाला अगले कुछ दिनों में शुरू हो जाएगी। इसके लिये तैयार एप पर बीस लाख से अधिक लोग अपना पंजीकरण करा चुके हैं। दरअसल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कोरोना की लड़ाई में चिकित्सा की सभी विधाओं को साथ लेकर चल रहे हैं। एलोपैथ से लेकर आयुर्वेद, होम्योपैथ और यूनानी औषधियां होम आइसोलेट संक्रमितों को निशुल्क दी जा रही हैं। सीएम योगी ने हाल ही में आयुष विभाग को निर्देशित किया था कि कोरोना संक्रमितों के उपचार के लिए निशुल्क मेडिकल किट के अलावा आयुष किट भी दी जाए। सीएम के निर्देश पर होम आइसोलेशन में रह रहे 90 फीसदी से ज्यादा लोगों को अभियान चलाकर निशुल्क मेडिकल किट दी गई है। ऐसे ही आयुष विभाग ने भी अभियान चलाकर होम आइसोलेट और क्वारंटीन संक्रमितों को निशुल्क किट दी है। विगत 13 अप्रैल से सात मई तक नौ लाख 18 हजार 577 लोगों को निशुल्क किट दी गई है। इसमें 75572 लोगों को आयुष किट, 58,339 लोगों को आयुष काढ़ा, सात लाख 82 हजार 793 लोगों को होम्योपैथी औषधि, 5450 लोगों को यूनानी किट और 6565 लोगों को यूनानी जोशांदा दिया गया है।

अपर मुख्य सचिव आयुष प्रशांत त्रिवेदी ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर विभाग की ओर से लगातार होम आइसोलेशन में रहे रहे लोगों को किट का वितरण निशुल्क किया जा रहा है, इन दवाओं के सेवन से बड़ी संख्या में लोग घर पर ही उपचार कर स्वस्थ हो रहे हैं। इसके अलावा लोगों को इम्यूनिटी बूस्ट करने के योग आदि के टिप्स भी दिए जा रहे हैं।

आयुष विभाग की ओर से पिछले तीन दिनों में 1,52,159 होम आइसोलेटेड और क्वारंटीन लोगों को निशुल्क किट दी गयी है। सात मई को 9526 लोगों को आयुर्वेदिक, 39,985 लोगों को होम्योपैथिक और 597 लोगों को यूनानी औषधियां दी गई हैं, यानि एक दिन में कुल 50,108 लोगों को निशुल्क औषधियां दी गई हैं। ऐसे ही छह मई को 47,359 और आठ मई को 54692 लोगों को औषधियां दी गई हैं।

अगर सिर्फ पिछले माह अप्रैल की बात करें, तो आयुष विभाग की ओर से सात लाख 23 हजार 190 लोगों को औषधियां दी गई हैं। इसमें 91,692 संक्रमितों को आयुर्वेदिक, 6,28,300 संक्रमितों को होम्योपैथिक और 3198 संक्रमितों को यूनानी दवाइयां दी गई हैं। महज दो दिनों तीन और चार मई को 55,579 संक्रमितों को दवाइयां दी गई हैं। इसमें 6848 आयुष किट, 7644 आयुष काढ़ा, 45904 होम्योपैथी औषधि, 959 यूनानी किट और 1820 यूनानी जोशांदा दी गई है। आयुर्वेद सेवाएं के निदेशक प्रो. एसएन सिंह कहते हैं कि आयुष विभाग की ओर से दिए जा रहे किट संक्रमण को रोकने में सौ फीसदी कारगर है। ऐसा अभी तक कोई मामला संज्ञान में नहीं आया है, जिन्हें दवाएं खाने के बाद भी गंभीर स्थिति हुई हो। होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों को 10 से 15 दिनों में आराम मिल जा रहा है।

बलिया के भी हाल बेहाल, सीएम एक बार करें दौराः रामगोविंद चौधरी

● नेता प्रतिपक्ष ने क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं का हाल बताते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर किया आग्रह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर अपने गृह जनपद बलिया की बदहाल स्वास्थ्य सुविधाओं से अवगत कराया। साथ ही नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे बनारस की तरह बलिया का भी दौरा करें। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बलिया में कोविड से मौतें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि मेरी विधायक निधि के साथ विधायक के रूप में मिलने वाली तनख्वाह का पैसा भी ले लीजिए लेकिन बलिया की स्वास्थ्य सुविधाओं पर ध्यान दीजिए। नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने पत्र के माध्यम स मुख्यमंत्री से कहा कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर से पूरा प्रदेश भयंकर रूप से प्रभावित है । प्रतिदिन 30 हजार के आसपास नए मरीज मिल रहे हैं । हजारों की संख्या में लोगों की जाने जा रही है । गांव-गांव यह बीमारी पसर चुकी है । गांवों में जांच नहीं हो रही। लोग अपनी जान गवा रहे हैं । मेरा गृह जनपद बलिया भी इस बीमारी से बहुत गंभीर रूप से प्रभावित है । जनपद में ऑक्सीजन बिल्कुल ही उपलब्ध नहीं है, चिकित्सालयों में बेड और जीवन रक्षक दवाइयां नहीं है जिस कारण जनपद में मरने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में बलिया के जिला चिकित्सालय में ट्रामा सेंटर का निर्माण कराया गया था । जिसमें 18 वेंटिलेटर ए सिटी स्कैन की मशीन भी लगाई गई थी जो आजतक चालू नहीं हो सकी । साथ ही उसी ट्रामा सेंटर में आरटीपीसीआर जांच लैब भी स्थापित किया गया था । वह भी बेकार पड़ा हुआ है । जिले के लोगों की आरटीपीसीआर की जांच रिपोर्ट चार से पांच दिनों में आती है । इस दौरान सैम्पल देने वाला व्यक्ति कई स्थानों पर जाता है और बीमारी फैलती है। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री से आग्रह आप ने दो दिन पहले ही प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा किया और वहा के स्वास्थ व्यवस्था की जानकारी ली है । उसी प्रकार आप बलिया का भी दौरा किये होते तो मुझे व जनपद के लोगों को खुशी होती। अतः आप से आग्रहपूर्वक कहना है कि बलिया के ट्रामा सेंटर को यथाशीघ्र चालू करने के निर्देश दीजिए ।

अवनीश अवस्थी के पिता का कोरोना से निधन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी के पिता आदित्य कुमार अवस्थी का सोमवार को सुबह लखनऊ के एसजीपीजीआई में निधन हो गया। कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद उन्हें एसजीपीजीआई के कोविड 19 अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भैंसाकुंड श्मशान घाट में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए उनकी अंत्येष्टि की गई। आदित्य कुमार अवस्थी स्वतंत्र भारत के इंजीनियर्स के पहले बैच के सदस्य थे। उन्होंने वाराणसी के आईआईटी-बीएचयू से इंजीनियरिंग की। वह एक मेटलर्जिस्ट और जर्मनी में प्रशिक्षित इंजीनियर थे। उनका देश में लौह व इस्पात बुनियादी ढांचे की नींव रखने में योगदान था। वह बेहद अनुशासनप्रिय थे। वह दृढ़ इच्छाशक्ति और शांत व्यक्तित्व के लिए अपने काम में लगन से जुट जाने के लिए विख्यात थे। उनके निधन पर राज्यपाल व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू व प्रमोद तिवारी ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

एक करोड़ से ऊपर पहुंचा टीकाकरण का आंकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण के खिलाफ चलाए जा रहे वैक्सीनेशन अभियान के तहत सोमवार से प्रवेश के 18 जिलों में कोविड.19 टीकाकरण का कार्य एक साथ शुरू किया गया। वैक्सीनेशन को लेकर स्वास्थ्य विभाग की तरफसे एक दिन पूर्व ही तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। इसके लिए सरकार की तरफ से 5 लाख वैक्सीन के इंतजाम किए गए थे। इनमें 3.30 लाख कोविशील्ड और डेढ़ लाख कोवैक्सीन की डोज शामिल है। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि 18 से 44 वर्ष वाले लोगों के साथ साथ 45 वर्ष से अधिक आयु वालों का वैक्सीनेशन चल रहा है। अब तक 1,09,39,775 लोगों को वैक्सीन की पहली डोज दी गई तथा पहली डोज वाले लोगों में से 27,85,013 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज दी गई। इस प्रकार कुल 1,37,24,788 वैक्सीन की डोज लगायी जा चुकी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 1 मई से 18 से 44 वर्ष वाले लोगों का भी टीकाकरण 7 जनपदों में शुरू किया गया था, जिसे आज से 18 जनपदों में विस्तार करते हुये टीकाकरण किया जा रहा है। वहीं अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने बताया कि प्रदेश में कोविड बेडो की संख्या निरन्तर बढ़ायी जा रही है। इसी क्रम में नॉन आक्सीजन बेड को आक्सीजनयुक्त बेड में बदला जा रहा है। उन्होंने बताया कि 21,000 आक्सीजन कंसंट्रेटर्स खरीदे जा रहे है। कल अस्पतालों में 1003 मीट्रिक टन आक्सीजन की सप्लाई की गयी है।

गांवों की बद्तर होती जिंदगी पर किसी का ध्यान नहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री की अदूरदर्शिता और समय पर निर्णय लेने की अक्षमता के चलते प्रदेश में हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है। राजधानी और महानगरों में उसका सारा ध्यान है फिर भी हालत बेकाबू हैं। ऐसे में गांवों के लाखों ग्रामीणों को उनके अपने भाग्य के भरोसे छोड़ दिया गया है। वहां की बद्तर होती जिंदगी पर किसी का ध्यान नहीं दिया। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक लाख गॉव हैं जहाँ 70 प्रतिशत आबादी रहती है। 24 करोड़ की जनसंख्या वाला यह सबसे बड़ा राज्य है। गतवर्ष कोरोना संक्रमण में लॉकडाउन के दौरान पलायन की विकट स्थिति पैदा हुई। पलायन के दौर में श्रमिकों को अमानवीय स्थितियों से गुजरना पड़ा और कईयों की जानें भी चली गई। आज फिर बड़ी संख्या में लोग गांवों में लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि समस्या यह है कि जब गांवों में भीड़ बढ़ रही है, न तो वहाँ जाँच और इलाज की व्यवस्था है और न ही रोटी रोजगार की व्यवस्था है। कोरोना संक्रमण के चलते कृषि कार्य भी बंद हैं। मुख्यमंत्री की बयानबाजी अपनी जगह पर वास्तविकता यह है कि गेहूँ खरीद बंद है। किसान बेहाल है। क्रय केंद्र पर ताले लटके हुए हैं। सरकारी केंद्र नहीं, बिचौलिए गेहूँ खरीद रहे हैं, वह भी औने पौने दाम पर। सरकार द्वारा गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 1975 रुपए प्रति कुंतल रखा गया है पर वह किसान को मिलता होता तो वह आंदोलन क्यों करता।

कोरोना की रोकथाम को लेकर युद्ध स्तर पर कार्य करने की सख्त जरूरत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पंचायत चुनाव के बाद गांवों में यकायक कोरोना के बढ़ते मामलों से सरकार और प्रशासन चिंतित है। और इससे निपटने की इस बीच बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस पर चिंता जताते हुए कहा है कि यूपी में पंचायत चुनाव की समाप्ति के बाद अब यहां खासकर छोटे कस्बों व देहातों में बहुत तेजी से कोरोना महामारी के फैलने की दिल दहलाने वाली खबरें मिल रही हैं। लोग काफी दहशत में हैं। सरकार को इसकी रोकथाम के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने की सख्त जरूरत है। सोमवार को सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्वीट करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिखा कि यूपी में पंचायत चुनाव की समाप्ति के बाद अब यहाँ खासकर छोटे कस्बों व देहातों में बहुत तेजी से कोरोना महामारी के फैलने की दिल दहलाने वाली खबरें मिल रही हैं। लोग काफी दहशत में हैं। सरकार को इसकी रोकथाम के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने की सख्त जरूरत हैए बीएसपी की यह माँग। मायावती ने आगे लिखा कि साथ ही, अभी हाल ही में देश के जिन राज्यों में विधानसभा आमचुनाव खत्म हुये हैं वहाँ शहरों के साथ साथ देहातों में भी कोरोना महामारी का प्रकोप काफी तेजी से फैल रहा है। वहाँ की राज्य सरकारों को भी इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरतए बीएसपी की यह सलाह। उन्होंने आगे लिखा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी अभी हाल ही में राज्यों को कोरोना इलाज के लिए आक्सीजन के बंटवारे व सप्लाई आदि को लेकर अपने फैसले में केन्द्र सरकार को जो कदम उठाने के खास निर्देश दिये हैं सरकार इस पर शीघ्र ही पूरी तरह से अमल जरूर करे तो यह बेहतर होगा।

राष्ट्रनायकों के नाम पर पौधरोपण किया जाएः दीपक

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया बौद्धिक सभा ने क्रांति दिवस मनाते हुए अमर शहीदों की पुण्य स्मृति में पौधरोपण किया और जानवरों के पेट भरे । बौद्धिक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक मिश्र ने बताया कि 10 मई 1857 को हमारे शूरवीरों ने जालिम ब्रिटानिया हुकूमत के खिलाफ आजादी की लड़ाई शुरू की थी । चंद्रशेखर आज़ाद व उनकी टोली पूरे देश में 10 मई को क्रांति दिवस मनाती थी। श्री मिश्र ने कहा कि आजादी के नायकों के ख्वाब आज भी अधूरे हैं । हमें अपने शहीदों की याद में अभियान चलाकर पौधरोपण करना चाहिए।

लंबित आवेदन पत्रों को शीघ्र निस्तारित किया जाएः रोशन जैकब

लखनऊ। निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म डा रोशन जैकब ने समस्त जिलाधिकारियों से अपेक्षा की है कि खनन परिहार स्वीकृत किए जाने की व्यवस्थाओं के अंतर्गत जनपद स्तर पर लंबित आवेदन पत्रों पर नियमानुसार कार्रवाही कराते हुए शीघ्र निस्तारण किया जाना सुनिश्चित किया जाए ताकि उपखनिजों की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे तथा मानसून अवधि मे खनिजों की उपलब्धता की निरंतरता भी बनी रहे और उनके मूल्य वृद्धि पर नियंत्रण भी हो सके। इस संबंध में उन्होंने अपेक्षा की है कि खनन निदेशालय से निर्गत दिशा निर्देशों एवं नियमावली के प्राविधानों के तहत कार्यवाही करते हुए यथा शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। ज्ञातव्य है कि उत्तर प्रदेश खनिज परिहार नियमावली के अंतर्गत कृषिकीय भूमि पर बाढ़ के कारण एकत्र बालू ,मोरम ,बजरी ,बोल्डर आदि को हटाए जाने के अनुज्ञापत्र निर्गत किये जाने का प्राविधान है।

उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमीशन कारपोरेशन लिमिटेड ई-निविदा संख्या-09-10-ई0टी0सी0(प्र0)ए0/2020-2021 प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों/निर्माताओं से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। ई-निविदायें उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर स्वीकार की जायेंगी। **(1) अल्पकालीन निविदा सं0-09-ई0टी0सी0प्र0ए0/ 2021-2022** :- विद्युत प्रेषण खण्ड-फतेहपुर के अधीन 220 के0वी0 एवं 132 के0वी0 पारेषण लाइनों के वार्षिक परिच.ालन एवं अनुरक्षण कार्य हेतु, **निविदा सं0 09 दिनांक 27-05-2021 को 13.00 बजे खोली जायेगी।** निविदा जमा करने की तिथि तक विवरण के लिये/डाउनलोड के लिए/किसी प्रकार के सुधार/संशोधन/परिवर्तन के लिये कृपया उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट www.etender.up.nic.in से प्राप्त करें। प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। ई-निविदायें उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट www.upptcl.org पर स्वीकार की जायेंगी। **(2) अल्पकालीन निविदा सं0-10-ई0टी0सी0 प्र0ए0/2021-2022** :- विद्युत प्रेषण खण्ड-प्रथम, प्रयागराज के अधीन उपखण्ड तृतीय, फूलपुर के लिये एक अदद डीजल चलित वाहन 14 माह की अवधि हेतु, **निविदा सं0 10 दिनांक 27-05-2021 को 13.00 बजे खोली जायेगी।** निविदा जमा करने की तिथि तक विवरण के लिये/डाउनलोड के लिए/किसी प्रकार के सुधार/संशोधन/परिवर्तन के लिये कृपया उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमीशन कारपोरेशन की वेबसाइट www.upptcl.org से प्राप्त करें। **अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत प्रेषण मण्डल-प्रथम, 57-जार्ज टाउन, प्रयागराज।** पत्रांक-1154 दिनांकः- 10.5.2021 "राष्ट्र हित में बिजली बचायें"।

राज्य में गेहूं खरीद के पुराने सभी रिकार्ड टूटे

पहली अप्रैल से शुरू हुई खरीद में अब तक 18 लाख मीट्रिक टन से ज्याद गेहूं खरीदा जा चुका है

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण का कहर और ऊपर से पंचायत चुनाव को शोर। इन सबके बीच योगी सरकार ने गेहूं खरीद में नया इतिहास रच डाला है। पहली अप्रैल से शुरू हुई गेहूं खरीद में अब तक 18 लाख मीट्रिक टन से ज्याद गेहूं खरीदा जा चुका है। लगभग एक महीना दस दिनों में अब तक की गेहूं खरीद का नया रिकार्ड है। अभी तक शुरूआती दिनों में कभी भी गेहूं की इतनी खरीद नहीं हुई।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक शुरुआती महीने में औसतन सात से आठ लाख मी. टन गेहूं की खरीद होती आयी है। अलबत्ता अंतिम दिनों में खरीद जरूर तेज होती रही है। गेहूं खरीद के शुरुआती तेज रफ्तार से सरकार खुश तो है लेकिन उसे इस बात की भी आशंका है कि कहीं इस खरीद में बिचौलियों का तो कोई खेल नहीं। विदित हो कि तीन साल पहले भी शुरूआती दिनों में गेहूं की भारी खरीद हुई थी लेकिन बाद में छानबीन में पता चला कि सारा खेल बिचौलियों का था। जिसके बाद सरकार ने खरीद प्रक्रिया में व्यापक बदलाव किये थे ताकि गड़बड़ी की गुंजाइश न रहे। सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में अब तक करीब 18 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। सरकार ने 60 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य रखा है। गेहूं खरीद के कार्य में लगे अधिकारियों के अनुसार राज्य में अब तक 18,12,857.42 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है जबकि पिछले साल इसी समयावधि में 11,04,178.12 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई थी। अधिकारियों का अनुमान है कि इस बार राज्य में गेहूं खरीद का एक नया रिकार्ड बनेगा। इसकी वजह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गेहूं की बिक्री करने को लेकर किसानों को दी गई रियायतें है।

किसान बिचौलियों से बचाने के लिए किसी भी सरकारी क्रय केंद्र पर गेहूं बेचने छूट है। इसके अलावा कोरोना संकट को देखते हुए इस बार खेत से 10 किलोमीटर के दायरे में गेहूं की खरीद का प्रबंध किया गया, क्रय केंद्रों पर भीड़ कम से कम हो इसके लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा शुरू की गई। गेहूं खरीद में पारदर्शिता लाने के लिए ई-पॉप मशीनों का इस्तेमाल किया गया। किसानों को उनके अनाज के हर दाने का भुगतान उनके खातों में मिलें इसकी व्यवस्था की गई। अनाज खरीद प्रक्रिया में कृषक उत्पादक संगठनों को भी शामिल किए जाने से प्रदेश के 150 से अधिक गेहूं केंद्रों पर एफ्पीओ खरीद प्रक्रिया का हिस्सा बने। एफपीओ के गेहूं खरीद में शामिल होने तथा गेहूं की खरीद के लिए सरकार द्वारा किए प्रबंधों के चलते सूबे के किसानों ने सरकारी क्रय केंद्रों पर जाकर अपना गेहूं बेचने में रूचि दिखाई।

कालाबाजारी व मिलावटखोरी करने वालों पर हो सख्त कार्रवाईः कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस ने सरकार से रोज मर्रा की जरूरत की चीजों के दामों को तत्काल नियंत्रित करने के साथ कोरोना के इस भीषण संकटकाल में कालाबाजारी, मिलावटखोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अशोक सिंह ने कहा है कि कोरोना संकटकाल के बीच कालाबाजारी व मिलावटखोरों के हौसले बढ़े हुए हैं। कोरोना संक्रमितों के इलाज के लिए एक ओर ऑक्सीजन, जीवन रक्षक दवाओं की कालाबाजारी व नकली दवाएं बेचने वालों का धंधा चल रहा है। जिसे रोकने में राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार पूरी तरह मौन धारण किए है, वहीं जब गरीबों व मध्यमवर्गीय परिवारों के समक्ष रोजी रोटी का संकट खड़ा है तो दूसरी तरफ दलहन, तिलहन, साग, सब्जियों, फलों, आटाए ब्रेड के दामों में बेतहासा वृद्धि के साथ मिलावटखोरों की पौ बारह हो गयी है और जनता की जेब पर डाका डाला जा रहा है और सरकार के मौन से साबित होता है कि उपभोक्ताओं को ठगने वालों के साथ उसकी सहानुभूति और संरक्षण है।

प्रवक्ता ने कहा कि दैनिक उपभोग की आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ना और मिलावटखोरी करने वालो के विरुद्ध कार्रवाई न करने से उनके हौसले बढ़े हुए हैं और जनता के कष्टों की सरकार अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई की मार से पीड़ित जनता का एक बड़ा वर्ग रोटी के संकट से दो चार होने के लिए विवश होकर त्राहिमाम कर रहा है।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, बिसवॉ-सीतापुर

पत्रांक- 318/लेखा/विविध/2021-22 दिनांक- 10-5-2021

निविदा आमंत्रण

विकास खण्ड की शासकीय जीप निष्प्रयोज होने के उपरान्त मनरेगा के निर्माण कार्य/आवासों के सत्यापन तथा निरीक्षण हेतु हल्के कामर्शियल वाहन की आवश्यकता है। इच्छुक प्राईवेट वाहन मालिक/फर्म मासिक किराया तथा गाडी का माइलेज सहित निविदा दिनांक- 15-05-2021 तक कार्याल दिवस में उपलब्ध करायें। हल्के वाहन में पड़ने वाले डीजल एवं मोबिल आयल कार्यालय से आवश्यकतानुसार वहन किया जायेगा। गाड़ी की मरम्मत स्वयं गाड़ी मालिक को करानी होगी। किसी भी समय शासकीय हित में/नया वाहन आने पर किराये के वाहन को अनुबन्ध मुक्त कर दिया जायेगा।

खण्ड विकास अधिकारी
बिसवॉ-सीतापुर

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

खाली बेड के बावजूद भर्ती न करने वाले नौ अस्पतालों को नोटिस

● रेवंता और पूजा हास्पिटल अभी तक पोर्टल पर लॉगिन न करने पर कोविड की सूची से किए गए बाहर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोविड मरीजों के इलाज को लेकर प्रशासन की सख्ती के बावजूद निजी हॉस्पिटल सुधरने का नाम नही ले रहे हैं। रिक्त बेड के बावजूद मरीजों की भर्ती न करने के आरोप में प्रभारी अधिकारी के निर्देश पर नौ हॉस्पिटलों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। जबकि रेवंता और पूजा हास्पिटल द्वारा अभी तक पोर्टल पर लॉगिन न करने से उन्हें कोविड की सूची से बाहर करने के आदेश जिला प्रशासन को दिए गए हैं।

जिन हॉस्पिटलों से स्पष्टीकरण मांगा गया है उनमें श्री साई हास्पिटल, राधा कृष्णन सरकार मल्टी स्पेशिलिटी हास्पिटल, उर्मिला हास्पिटल, एसएचएम हास्पिटल, विनायक हास्पिटल, कामाख्या हास्पिटल, शिवा हास्पिटल, अवतार हास्पिटल, शताब्दी सुपर स्पेशिलिटी हास्पिटल शामिल हैं। सोमवार को प्रभारी अधिकारी द्वारा हास्पिटल एलोकेशन और डीएसओ पोर्टल पर बेड की वास्तविक स्थिति से सम्बंधित बिन्दुओं की गहन समीक्षा की गई। प्रभारी अधिकारी द्वारा निर्देश दिए गए कि शत प्रतिशत एमरजेंसी कॉल्स को प्राप्त करते हुए रोगियों को यथा सम्भव तत्काल स्तर पर हास्पिटल में भर्ती कराना सुनिश्चित कराया जाए। सभी एमरजेंसी कॉल्स महत्वपूर्ण है, सिविएरिटी के आधार पर रोगियों को भर्ती कराना सुनिश्चित कराया जाए। सभी शिफ्ट के अधिकारी आने वाली एमरजेंसी कॉल्स का उसी दिन निस्तारण करना सुनिश्चित कराएंगे। साथ ही निर्देश दिया कि कमाण्ड सेंटर प्रभारी शिफ्ट वार लगाए गए अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित कराएए किसी भी प्रकार की शिथिलता को बर्दाश नही किया जाएगा। प्रभारी अधिकारी ने निर्देश दिया कि जिन हास्पिटलो द्वारा रिक्त बेड होने के बाद भी रोगियों को भर्ती नही किया जा रहा हैए सेक्टर मजिस्ट्रेट के द्वारा उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करना सुनिश्चित कराया जाए। पोर्टल पर अभी तक लॉगिन न करने वाले, पोर्टल में बेड रिक्त होने के बाद भी रोगियों को भर्ती न करने वाले और पोर्टल पर ससमय बेड की स्थिति का विवरण न दर्ज करने वाले हास्पिटलो की सूची तत्काल उपलब्ध कराई जाए। ताकि उनकी जिम्मेदारी तय की जा सके।

बैठक में राजधानी हास्पिटल, संजीवनी हास्पिटल, जीसीआरजी हास्पिटल व लखनऊ हास्पिटल के सम्बंध में प्राप्त शिकायतों का संदर्भ लेते हुए प्रभारी अधिकारी द्वारा शिकायतों का क्रास वेरिफिकेशन कमाण्ड सेंटर द्वारा कराया गया। सत्यापन में संज्ञान में आया कि राजधानी हास्पिटल व संजीवनी हास्पिटल द्वारा पोर्टल ससमय अपडेट किया जा रहा है। परंतु उक्त दोनों हास्पिटल के द्वारा बेड रिक्त होने के बाद भी जल्दी रोगियों को भर्ती नही किया जाता जिसके लिए प्रभारी अधिकारी द्वारा राजधानी हास्पिटल एवं संजीवनी हास्पिटल को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। जीसीआरजी में ऑक्सीजन पाईप लाइन की मरम्मत होने के कारण भर्ती नहीं की जा रही है। उनके द्वारा पोर्टल पर बेड की स्थिति शून्य पाई गई। हास्पिटल द्वारा बताया गया कि कल 2 दिन के बाद से बेड की स्थिति दर्ज कराते हुए हास्पिटल को शुरू कर दिया जाएगा। लखनऊ हास्पिटल द्वारा पोर्टल पर समय से बेड विवरण दर्ज कराया जाता है परंतु उक्त हास्पिटल में सभी बेड खाली पाए गए उनके द्वारा बेड रिक्त होने के बाद भी रोगियों को भर्ती नही किया जा रहा है। जिसके सम्बन्ध में प्रभारी अधिकारी ने जिला प्रशासन को लखनऊ हास्पिटल व जीसीआरजी हास्पिटल को स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। पोर्टल की समीक्षा के दौरान संज्ञान में आया कि रेवंता और पूजा हास्पिटल द्वारा अभी तक पोर्टल पर लॉगिन भी नहीं किया गया। जिसके लिए प्रभारी अधिकारी द्वारा जिला प्रशासन से उक्त दोनों हास्पिटलो कोविड उपचार को श्रेणी से बाहर करने को कहा गया।

लॉक डॉउन का उल्लंघन कर चोरी से मांस बेच रहा कारोबारी गिरफ्तार

कब्जे से भारी मात्रा में मांस बरामद दुकान की गयी सील

लखनऊ। कोरोना महामारी की चेन तोड़ने के प्रयास में जहां सरकार लॉक डाउन का पालन कराने का प्रयास कर रही है वहीं लोग उसका उल्लंघन करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला गाजीपुर इलाके का है जहां पुलिस ने आजाद मार्किट में अवैध रूप से मांस बेच रहे कारोबारी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से भारी मात्रा में मांस बरामद करते हुए कठोर कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार गाजीपुर पुलिस की टीम गश्त पर थी कि तभी मुखबिर से सूचना मिली की इलाके में स्थित आजाद मार्केट में एक मीट शॉप पर चोरी से गोश्त काटकर अधिक दामों पर बेचा जा रहा है पुलिस ने मुखबिर की बात पर भरोसा किया और तत्काल मौके पर पहुँच कर छापा मारा इस दौरान पुलिस ने इंदिरानगर निवासी रिजवान को दबोच लिया और भारी मात्रा में मीट बरामद किया।

राजनाथ करेंगे डीआरडीओ व एचएएल के कोविड अस्पताल का निरीक्षण

● एक दिवसीय दौरे पर आज पहुंचेंगे राजधानी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह अपने एक दिवसीय दौरे पर मंगलवार को राजधानी पहुंचेंगे। यहां पर राजनाथ सिंह हज हाउस में एचएएल द्वारा बन रहे कोविड अस्पताल और फिर अवध शिल्पग्राम में डीआरडीओ द्वारा बनाए गए अस्पताल का निरीक्षण करेंगे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह 11 मई को प्रातः 11:30 बजे लखनऊ अमौसी एयरपोर्ट पहुंचेंगे उसके बाद वहां से 11:45 बजे हज हाउस सरोजनी नगर में तैयार एचएएल कोविड हॉस्पिटल के लिए प्रस्थान करेंगे। वहां पहुंचकर एचएएल व राज्य सरकार के सहयोग से हाल ही में तैयार 255 बेड के कोविड-19 अस्पताल का निरीक्षण करेंगे। इसके उपरांत दोपहर 12:20 बजे वहां से प्रस्थान करके 12:35 बजे अवध शिल्पग्राम पहुंच कर वहां शुरू हो चुके अटल बिहारी वाजपेई कोविड अस्पताल का भी निरीक्षण करेंगे। अपराह्न 1:05 अवध शिल्पग्राम से चलकर सीधे एयरपोर्ट पहुंचेंगे और 1:30 बजे दिल्ली एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। राजनाथ सिंह एयरपोर्ट पर सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ यूपी में कोविड की रोकथाम को लेकर किए गए प्रयासों की जानकारी लेंगे और डीआरडीओ एवं एचएएल के उन अधिकारियों से मुलाकात करेंगे जिन्होंने इन अस्पतालों को मिशन मोड में तैयार किया है। माना जा रहा है कि हज हाउस में बने अस्पताल में भर्तियां भी शुरू हो जाएंगी।

टाटानगर से 15 टैंकर आक्सीजन लेकर लखनऊ पहुंचीं दो ट्रेनें

लखनऊ। कोरोना मरीजों के लिए वर्तमान में सबसे जरूरी ऑक्सीजन गैस के लिए रेलवे लगातार ट्रेन चला रहा है। जिससे मरीजों को समय रहते ऑक्सीजन की आपूर्ति हो सके। ट्रेन का संचालन प्रभावित ना हो इसके लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाने के साथ ही अति शक्तिशाली लोको को लगाया जा रहा है। डीआरएम संजय त्रिपाठी स्वयं ट्रेनों की मॉनिटरिंग करने के साथ ही मौके पर भी पहुच रहे हैं। सोमवार को ऑक्सीजन एक्सप्रेस एवं जीवनदायिनी एक्सप्रेस ट्रेनों के जरिये ऑक्सीजन लखनऊ पहुंची। ऑक्सीजन से भरे 10 कंटेनरों के साथ एक जीवनरक्षक एक्सप्रेस ट्रेन सोमवार दोपहर टाटानगर से चलकर 77.45 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति के साथ और शाम के समय जीवनदायिनी एक्सप्रेस ट्रेन द्वारा 5 भरे टैंकरों में 53.50 मीट्रिक टन ऑक्सीजन के साथ टाटानगर से चलकर लखनऊ आई। इस ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन के 3 टैंकरों को लखनऊ में आपूर्ति के लिए अनलोड किया गया और दो टैंकरों को बरेली में ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए रवाना कर दिया गया। मंडल रेल प्रबंधक संजय त्रिपाठी ने बताया कि कोविड संक्रमित रोगियों के जीवन की रक्षा को ध्यान में रखते हुए ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए जीवनरक्षक एवम ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन लगातार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए राज्य प्रशासन की आवश्यकतानुसार ऑक्सीजन की उपलब्धता के लिए इन ट्रेनों का संचालन जारी रहेगा।

रेडक्रॉस सीएचसी की दो टेस्टिंग यूनिट नारी निकेतन व सदर अर्बन पीएचसी में होंगी स्थापित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रेडक्रॉस की दो टेस्टिंग यूनिट को कैसरबाग बस स्टैण्ड से हटाकर एक को नारी निकेतन एवं दूसरे को सदर अर्बन पीएचसी में स्थापित किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। बस स्टैण्ड पर टेस्टिंग का कार्य टेस्टिंग सेण्ट्रल टीम द्वारा कराने के आदेश दिए गए हैं। सोमवार को यह निर्देश प्रभारी अधिकारी कोविड 19 लखनऊ डॉ रोशन जैकब द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रेडक्रॉस के आरआरटी एवं निगरानी समितियों के कार्यो के निरीक्षण के दौरान दिये गए हैं। प्रभारी अधिकारी ने कहा कि सीएचसी में पर्याप्त स्थान न होने के कारण उचित होगा कि टीकाकारण कैम्प को भी नारी निकेतन में स्थापित कर दें। जिला प्रशासन द्वारा इस विषय में विद्यालय प्रबन्धन से वार्ता कर व्यवस्था किया जाये। टीकाकारण के सही स्थान की सूचना सीएचसी के नोटिस बोर्ड पर कराई जाये जिससे कि जनता द्वारा सुगमता से अपना टीकाकरण कराया जा सके। उन्होंने निर्देश दिये हैं कि अर्बन पीएचसी में दवाइओं की किट और विशेषकर आइवरमेकटिन की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए ताकि सर्विलांस टीम द्वारा अपने दैनिक एक्टिविटी से पूर्व वहाँ से दवायें सुगमता से प्राप्त की जा सके। सर्विलांस टीम में शामिल आशाओं की ड्यूटी अपने ही कार्य क्षेत्र में निर्धारित की जानी चाहिए। जिससे कि उनकी वास्तविक उपयोगिता टीम को प्राप्त हो सके। क्योंकि धनात्मक रोगियों की संख्या इस क्षेत्र में कम हैए सर्विलांस टीम द्वारा घर.घर सम्पर्क करना और लक्षणात्मक व्यक्तियों को चिन्हित किये जाने का कार्य यहाँ अधिक महत्वपूर्ण है। प्रभारी अधिकारी द्वारा निर्देश दिये गए हैं कि रेड क्रॉस सीएचसी क्षेत्र के अन्तर्गत आरटीपीसीआर टेस्ट की संख्या में तत्काल वृद्धि सुनिश्चित करें और धनात्मक पाये जाने वाले व्यक्तियों को समय से दवा उपलब्ध हो पाये इस हेतु रोज की आरआरटी टीम के माइक्रोप्लान की आपके स्तर पर विस्तृत समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित कराया जाये कि टीम की संख्या एवं स्वरूप दिये हुए निर्देशों के अनुरूप हों।

कोरोना के दौर में जरूरतमंदों की मदद को लेकर एलयू ने बनाया कॉमन डेटाबेस

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के दौर में पीड़ितों की मदद को लेकर लखनऊ यूनिवर्सिटी एलुमनाई फाउंडेशन ने इन कठिन समय के दौरान लोगों की ज़रूरत के लिए अपने हाथ बढ़ाते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय एलुमनी की एक संगठित कॉमन डेटाबेस का निर्माण किया है। जिससे देश भर में जरूरतमंदों से प्लाज्मा, रक्त दाताओं को जोड़ा जा सके। सोमवार को कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय के सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्लाज्मा, रक्त दान के लिए पोस्टर और पंजीकरण फॉर्म लिंक जारी करके ड्राइव का शुभारंभ किया। पंजीकरण के लिए लिंक पर जाकर लोग रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

कोरोना के चलते 20 मई तक प्रदेश के विवि व महाविद्यालयों को बंद रखने का आदेश जारी

लखनऊ। कोरोनावायरस के संक्रमण को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सभी राज्य विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों तथा निजी उच्च शैक्षणिक संस्थानों को 20 मई तक के लिए बंद रखने का आदेश सोमवार को जारी कर दिया गया। विशेष सचिव के स्तर से जारी आदेश में 20 मई तक सभी शैक्षणिक गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है। विशेष सचिव उच्च शिक्षा श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, राज्य निजी विश्वविद्यालय तथा उच्च शिक्षण संस्थान 20 मई 2021 तक बंद रहेंगे।

कालाबाजारी में कंपनी का संचालक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण के दौरान अनुचित लाभ उठाने के लिए कई दरिंदे ऊंचे दामों पर जहां ऑक्सीजन कंसंट्रेटर एवं ऑक्सीजन सिलेंडर की कालाबाजारी कर रहे हैं। हुसैनगंज पुलिस ने ऐसी कंपनी का पर्दाफाश करते हुए कंपनी के संचालक सुभाष चंद्रा को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी के पास से अट्ठारह अक्सीजन कांस्ट्रेटर, तीन ऑक्सीजन सिलेंडर, 5 सिलिकॉन फेस मास्क, एक लैपटॉप, एक मोबाइल, 240000 तथा होंडा सिटी गाड़ी समेत अन्य कागज बरामद हुए हैं। प्रभारी निरीक्षक हुसैनगंज दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया कि कुछ दिनों से यह सूचना मिल रही थी कि कोरोना से ग्रस्त मरीजों की मजबूरी का लाभ उठाते हुए एक फर्म काफी महंगी दर पर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उनके परिजनों को उपलब्ध करा रही है। इस सूचना के आधार पर डीसीपी सोमन वर्मा की सर्विलेंस टीम प्रभारी धर्मेंद्र सिंह की अगुवाई में छानबीन की गई उसके बाद पता चला की हुसैनगंज के पास एक व्यक्ति ऑक्सीजन कंसंट्रेटर एवं ऑक्सीजन सिलेंडर को अवैध रूप से बेचने के लिए प्रेरणा केंद्र के पास आया है। पहले से मौजूद टीम ने एक संदिग्ध कार को चेक किया तो गाड़ी में तीन ऑक्सीजन कंसंट्रेटर ऑक्सीजन सिलेंडर समेत बहुत सारे कोरोना से संबंधित सामान रखा हुआ था। जब कार चालक से पूछताछ की तो उसने अपना नाम व पता थाना मुंगरा बादशाहपुर जिला जौनपुर निवासी सुभाष चंद्रा पुत्र रघुराज यादव बताया। उसने यह भी बताया कि वह वर्तमान में आदित्य रॉयल हाउस अपार्टमेंट्स के फ्लैट नंबर 305 रायबरेली रोड वृंदावन योजना थाना पीजीआई लखनऊ में निवास कर रहा है। उसने खुद को सरदार पटेल डेंटल कॉलेज रेलवे रोड के पास मैट्रिक्स हेल्थ केयर सेंटर का प्रोपराइटर बताया। उसने बताया कि मेरा पूर्व से कई हॉस्पिटलों में उपकरणों के सप्लाई का कार्य था इसलिए हॉस्पिटल में आते जाते हॉस्पिटल स्टाफके माध्यम से कोरोना बीमारी से ग्रसित मरीजों के परिजनों से मेरा परिचय हो गया क्योंकि उन्हें ऑक्सीजन कंसंट्रेटर एवं ऑक्सीजन सिलेंडर की आवश्यकता थी इसलिए इसका लाभ उठाने की दृष्टि से उसने काफी ऊंचे दामों पर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, सिलेंडर किराए पर देना प्रारंभ कर दिया।

एंबुलेंस के सामने वाले शीशे पर चस्पा करनी होगी दर की सूची

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना महामारी के बीच एंबुलेंस मालिकों की मनमानी अब बिल्कुल नहीं चलेगी। आरटीओ प्रशासन आरपी द्विवेदी ने इस बावत सख्त कदम उठाया है। जिलाधिकारी द्वारा निर्धारित दरों को एम्बुलेंस के सामने वाले शीशे पर चस्पा करना जरूरी होगा। चेकिंग के दौरान अगर प्रवर्तन दस्ते की टीम को किराया सूची नहीं मिलती है तो पकड़े जाने पर एम्बुलेंस को जब्त कर थाने में बंद करा दिया जाएगा। ऐसे एम्बुलेंस से एमबी एक्ट के साथ ही अन्य कई नियमों के अनुसार जुर्माने की वसूली भी की जाएगी। वहीं सरकारी एम्बुलेंस मरीजों को निशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैंए लिहाजा उन्हें किराया सूची चस्पा करने की जरूरत नहीं होगी। शुक्रवार को डीएम द्वारा जारी एम्बुलेंस के किराया निर्धारण के हिसाब से संचालक बिना ऑक्सीजन वाली एंबुलेंस के लिए 1000 रुपये 10 किलोमीटर तक और उसके बाद 100 रुपये प्रति किलोमीटर। ऑक्सीजन के साथ एंबुलेंस 1500 रुपये 10 किलोमीटर तक उसके बाद 100 रुपये प्रति किलोमीटर और वेंटिलेटर स्पोट एंबुलेंस 2500 रुपये 10 किलोमीटर तक एवं उसके बाद 200 रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से ही किराया ले सकेंगे।

ज्यादा किराया वसूलने वाले एंबुलेंस चालकों को मिली नोटिस, किया गया चालान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना मरीजों एवं उनके परिजनों से निर्धारित किराए से ज्यादा किराया वसूलने वाले चालकों के खिलाफ प्रवर्तन दस्ते के अधिकारियों ने सोमवार को भी अभियान चलाया अभियान में पुलिस के साथ ही ट्रैफिक पुलिस की भी सहायता दी गई वरिष्ठ एआरटीओ प्रवर्तन संजय तिवारी ने बताया कि यात्रियों की शिकायत पर लगातार अस्पतालों के बाहर अभियान चलाकर ज्यादा किराया वसूलने वाले एंबुलेंस संचालकों के खिलाफकई तरह की कार्यवाही की जा रही है सोमवार को मुंशी पुलिया स्थित एंबुलेंस नंबर यूपी 32 केएन 6712 द्वारा मरीजों के परिजन से निर्धारित किराए से ज्यादा की वसूली की शिकायत मिली जिसके बाद इस एंबुलेंस के मालिक को परिवहन विभाग द्वारा नोटिस जारी कर दिया गया है वही परिवहन विभाग के प्रवर्तन दस्ते की टीम ने किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के सामने भी निर्धारित किराए से ज्यादा की वसूली करने वाले एंबुलेंस संख्या यूपी 32 एन 6771 का चालान करने की कार्यवाही की। तिवारी ने बताया कि जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश के निर्देश पर बीते 3 दिनों से लगातार निर्धारित से ज्यादा किराया लेने वाली एंबुलेंस के खिलाफ अभियान चलाकर कार्यवाही की जा रही है बताते चलें कि बीते शुक्रवार को ही कई मरीजों एवं उनके परिजनों की शिकायत मिलने के बाद जिलाधिकारी ने ऑक्सीजन युक्त ऑक्सीजन रहित एवं वेंटीलेटर सपोर्टेड एंबुलेंस की दरें निर्धारित कर दी थी।

शुरू हुई निशुल्क ऑटो एंबुलेंस सेवा 25 मरीजों को पहुंचाया अस्पताल

लखनऊ। ऑटो रिक्शा थ्री व्हीलर महासंघ स्प्रेड स्माइल संस्था के साथ मिलकर लखनऊ में ऑटो एंबुलेंस की निशुल्क सेवा सोमवार से शुरू हो गई। पहले दिन इस सेवा जरिए 25 मरीजों को कोविड व अन्य बिमारी से परेशान लोगों को ऑटो एंबुलेंस के जरिए हास्पिटल तक पहुंचाया गया। इसके लिए ऑटो एंबुलेंस सेवा कोई पैसा नहीं लिया । पांच ऑटो एंबुलेंस आलमबाग, अलीगंज, गोमतीनगर, महानगर व आवास विकास रायबरेली रोड पर चलाए गए हैं। निशुल्क ऑटो एंबुलेंस को बुलाने के लिए हेल्पलाइन नंबर पर फोन करना होगा। ऑटो संघ के अध्यक्ष पंकज दीक्षित बताते है कि ऑटो एंबुलेंस में मरीजों के लिए निरूशुल्क ऑक्सीजन की भी सुविधा दी गई है। उन्होंने बताया कि कोविड.19 से शहर में एंबुलेंस के लिए काफी मारामारी चल रही है हर तरफलोग परेशान दिख रहे थे ऐसे में निशुल्क ऑटो एंबुलेंस सेवा लोगों को राहत का कार्य करेगी स बहुत से ऐसे गरीब है जो पैसे के अभाव में एंबुलेंस की सेवा नहीं ले पा रहे थे उनके लिए यह सेवा वरदान साबित होगी। गौरतलब हो कि राजधानी में कोविड.19 को लेकर एंबुलेंस चालकों की मनमानी चरम पर है। लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर एंबुलेंस संचालक लोगों से मनमाना किराया वसूल रहे थे जिसको देखते हुए लखनऊ ऑटो थ्री व्हीलर रिक्शा महासंघ ने निशुल्क सेवा करने का निर्णय लिया है।

कैनफिन होम्स लिमिटेड

Can Fin Homes Ltd (Sponsor: CANARA BANK)

शाखा का पता– प्रथम तल, स्पीड बिल्डिंग, 3 शाहनजफ रोड, हजरतगंज, लखनऊ–226001, फोन नं0– 0522–4065123, Email: lucknow@canfinhomes.com

माँग सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित अधिनियम 2002 (SARFAESI अधिनियम) के धारा 13(2) के तहत सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 (नियम) के नियम 3 (1) के साथ पढ़ा जाता है।

जबकि अधोहस्क्षारी कैन फिन होम्स लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, SARFAESI अधिनियम के तहत और धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नियम 3 के साथ पढ़े गए, उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत नीचे सूचीबद्ध उधारकर्ताओं/गारंटरों को (बाद में "कहा गया उधारकर्ता" कहा जाता है) को जारी माँग सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर नोटिस में उल्लिखित राशि, जिसका विवरण निम्न लिखित है, को चुकाने के लिए है माँग सुचना जारी किया था।

उक्त नोटिस को डाक अधिकारियों द्वारा बिना वितरण के लौटा दिया गया है/उधारकर्ताओं द्वारा विधिवत स्वीकार नहीं किया गया है। इसलिए कंपनी अत्यधिक सावधानी के साथ माँग सूचना (नियम 3(1) के प्रावधनों के अनुसार) के इस प्रकाशन को प्रभावित कर रही है। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी ने इन नोटिसों को उक्त अधिनियम के अनुसार उक्त उधारकर्ताओं के अंतिम ज्ञात पतों के परिसर में चिपकाया है।

ऋण के देयों के पुनर्भुगतान के लिए सुरक्षा के रूप मे, नीचे दी गई संपत्ति को संबंधित पक्षों द्वारा कंपनी के पास गिरवी रखा गया है।

क्र. स.	ऋणियों / गारंटरों का नाम एवं पता	माँग सूचना के अनुसार दावा की गयी राशि	बंधक संपत्ति का विवरण	एनपीए दिनांक
1.	1. ज्योति श्रीवास्तव पत्नी अभिषेक श्रीवास्तव, 2. अभिषेक श्रीवास्तव पुत्र श्री कमलेश्वर प्रसाद श्रीवास्वव, दोनो निवासी– 631/8, ज्ञान विहार हरिहर नगर, इंदिरानगर लखनऊ, उत्तर प्रदेश–226016, **गारंटर**– वीरेन्द्र कुमार पुत्र गोपी चन्द्र, निवासी–99ए, राजीव नगर, इस्माइल गंज वार्ड2, इंदिरानगर लखनऊ, उत्तर प्रदेश–226016.	रू 15,62,622.*	मकान प्लॉट नं0. 49, पर एरिया– 69.516 वर्ग मी. स्थित खसरा नं0 1 का मिनजुमला, ग्राम–पैकरमऊ, परगना–महोना, तहसील–बख्शी का तालाब, जिला–लखनऊ, उत्तर प्रदेश.	31.10.2020
2.	1. किरन सिंह पत्नी श्री अनील सिंह, 2. शिवम सिंह पुत्र श्री अनील सिंह, दोनो निवासी– प्लॉट नं0. 8, गाटा नं0. 109 का मीन, रसूलपुर कायस्थ, परगना– महोना, तहसील–बख्शी का तालाब, लखनऊ–226021, **गारंटर**– सूर्य प्रताप सिंह पुत्र राम प्रताप सिंह, निवासी– 647बी/170, अभिषेकपुरम, जानकीपुरम, लखनऊ–226021.	रू 15,78,163.*	मकान प्लॉट नं0. 8, पर एरिया– 83.643 वर्ग मी. स्थित गाटा नं0 109 का मीन,रसूलपुर कायस्थ, परगना–महोना, तहसील–बख्शी का तालाब, लखनऊ.	31.10.2020
3.	1. पवन कुमार पुत्र श्री राम स्वरूप, 2. तुलसी कोरी पुत्री श्री राजा राम, दोनो निवासी– प्लॉट नं0. 13, 614 /पी–13 (केएच–184) श्याम विहार कॉलोनी फैजुल्लागंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश–226201, **गारंटर**– परवेज रिजवी पुत्र श्री जावेद रिजवी, निवासी– 450/ 301–ए, जोहरा कॉटेज, हैदर कॉलोनी मुफ्तीगंज मल्लाही टोला 2, लखनऊ, उत्तर प्रदेश–226003.	रू 17,63,409.*	मकान प्लॉट नं0. 3, पर एरिया– 111.245 वर्ग मी. स्थित खसरा नं0 119 का मीन, ग्राम–सरैया, परगना – महोना, तहसील–बख्शी का तालाब, लखनऊ	28.02.2021

** भुगतान की तारीख तक उपरोक्त तारीख से सहमति के अनुसार की दरों पर आगे ब्याज के साथ देय।*

आपको इसके बाद उपरोक्त ब्याज की संविदा दर के साथ उक्त राशि का भुगतान इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिन के अंदर करने के लिए कहा जाता है, जिसके विफल होने पर अधोहस्ताक्षरी SARFAESI अधिनियम के तहत कार्रवाई कर उक्त सुरक्षित को एनफोर्स करने के लिए बाध्य किया जाएगा।

इसके अलावा, उधारकर्ताओं/गारंटरों का ध्यान अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधानों के तहत सुरक्षित संपत्ति को वापिस छुडाने (Redeem) के लिए उन्हें उपलब्ध समय के संबंध में आमंत्रित किया जाता है।

दिनांक– 11.05.2021 स्थान– लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, कैनफिन होम्स लिमिटेड

मामूली बात पर दोस्त को मार डाला

गुडम्बा इलाके की घटना, पुलिस ने शव बरामद कर हत्यारोपी नाबालिग को पकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

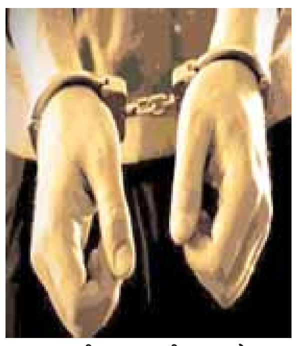

शुक्रवार की सुबह करीब 7 बजे चार हजार रुपये लेकर 15 वर्षीय दोस्त के साथ मंडी जाने की बात कहकर निकला था। दोपहर तक न लौटने पर तलाश शुरू की गई। कुछ पता न चलने पर परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी थी।

गुडम्बा इलाके में सिगरेट पीने के आदी दोस्त को घर में शिकायत करने की धमकी देना किशोर को भारी पड़ गया। नाराज दोस्त ने पहले ब्लेड से उसके दोनों हाथों की नस काट दी। छटपटाता देख गला दबाकर हत्या कर शव को बोरे में भरकर प्लॉट में ईंटों के नीचे दबा दिया। मृतक के पास मौजूद चार हजार रुपये भी आरोपी ने ले लिए। सोमवार को पुलिस ने नाबालिग हत्यारोपी को पकड़ने के बाद उसकी निशानदेही पर शव को बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

सीतापुर के बिसवा निवासी निरंकार गुडम्बा इलाके में झोपड़ी डालकर पत्नी मंजू, 14 वर्षीय बेटे सौरभ व 12 वर्षीय गौरव के साथ रहकर मजदूरी करता है। निरंकार के अनुसार उनका बेटा सौरभ कुमार

सीसीटीवी फुटेज में आरोपित के साथ जाता दिखा था सौरभ

मृतक सौरभ के पिता ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। निरंकार का आरोप है कि सीसीटीवी फुटेज में सौरभ आरोपी के साथ जाता हुआ दिखाई दिया था। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर सौरभ के बारे में पूछताछ की और उसे छोड़ दिया। मां मंजू का आरोप था कि आरोपी युवक की मां एक दरोगा के यहां काम करती है। इसलिए गुडम्बा पुलिस आरोपी के साथ सख्ती नहीं की। अगर आरोपी के साथ सख्ती से पूछताछ की होती तो शायद उनके बेटे की जान बच सकती थी।

कमिश्नर की फटकार के बाद हरकत में आई पुलिस

निरंकार ने गांव के एक स्थानीय नेता से साथ सोमवार को कमिश्नर ऑफिस जाकर घटना बताई। कमिश्नर ऑफिस से गुडम्बा पुलिस को फटकार लगाई गई। जिसके बाद गुडम्बा पुलिस हरकत में आई और आरोपी को दोबारा हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की। जिसके बाद आरोपी की निशानदेही पर गुडम्बा गांव के एक खाली प्लॉट से सौरभ का शव बरामद किया गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि पूछताछ करने पर आरोपी ने बताया कि मंडी जाने के दौरान वह रास्ते में सौरभ के मोबाइल पर लूडू खेलने लगा। खेल के दौरान सौरभ ने उसका मोबाइल ले लिया था। विरोध करने पर उसने सिगरेट पीने के बारे में उसके घर में शिकायत करने की धमकी दी। इससे नाराज होकर उसने ब्लेड से सौरभ के हाथों की नस काट दी। छटपटाने के दौरान गला दबाकर हत्या कर दी और शव को एक बाउंड्री से घिरे प्लॉट में ईंटों के नीचे दबा कर फरार हो गया। सौरभ के पास मौजूद चार हजार रुपये भी आरोपी ने निकाल लिए, जिससे उसने अपनी उधारी चुकता की थी।

रिश्वत नहीं देने पर दूसरे के खाते में भेज दी अनुदान की रकम

संवाददाता। बख्शी का तालाब

अनुदान की रकम के भुगतान के एवज में रिश्वत नहीं देने पर अधिकारियों ने अनुदान की रकम दूसरे के खाते में भेज दी। यही नहीं बार बार शिकायती पत्र देने के बावजूद भी अधिकारी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। मामला बीकेटी के ग्राम दिगोई गांव की किसान मुन्नी देवी का है। जिनका उद्यान विभाग द्वारा संचालित एकीकृत बागवानी मिशन के तहत पैक हाउस निर्माण कराने के लिये दो लाख रुपये का अनुदान स्वीकृत हुआ था। महिला किसान के पुत्र अजय विक्रम सिंह ने बताया कि पैक हाउस बनाने में चार लाख रुपये की लागत लगी है। जिसमें विभाग द्वारा दो लाख रुपये अनुदान मिलता है। लेकिन यहां के अधिकारियों ने उनसे अनुदान दिलाने के एवज में 40 हजार रुपये रिश्वत के रूप में देने को कहा। पिता की बीमारी के दौरान इतने पैसे इकट्ठा नहीं हो सकने की बात उन्होंने अधिकारियों को बताई। लेकिन अधिकारी अपनी ही बात पर अड़े रहे अन्तत: उन्होंने अनुदान की रकम जो बैंक आफ बड़ौदा शाखा बीकेटी में उनकी मां के बैंक खाता संख्या 35080100006269 में भेजी जानी थी उसे अधिकारियों ने जानबूझकर आर्यावर्त ग्रामीण बैंक की शाखा कसमंडी कला मलिहाबाद के किसी ग्राहक के बैंक खाता संख्या 003310110003718 में 31 मार्च को भेज दी गई। अनुदान की रकम जिसके खाते में भेजी गई उसके द्वारा 40 हजार रुपये निकाले भी जा चुके हैं। वह बीकेटी सचल दल इकाई के प्रभारी और जिला उद्यान अधिकारी से कई बार मिला और शिकायत की लेकिन कोई कारवाई नहीं हो रही। इस बारे में प्रभारी दिलीप वर्मा ने बताया लाभार्थी के खाते में अनुदान की रकम वापस करने के लिये जिला उद्यान अधिकारी द्वारा आर्यावर्त बैंक के प्रबंधक को पत्र भेजा गया है।

चन्द्रावल गांव में बांटी गईं आयुर्वेदिक दवाइयां

● आयुष 64, संशमनी वटी, अणु तैल, वासा अवलेह और आयुष क्वाथ का हुआ वितरण

संवाददाता। सरोजनीनगर

मुख्यमंत्री के वर्चुअल संवाद में दिए गए दिशा-निर्देशों में कोविड -19 संक्रमण से बचाव के लिए सोमवार को सरोजनीनगर के चंद्रावल स्थित राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय द्वारा चंद्रावल गांव में दवाइयों का वितरण किया गया। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. सुनीता सिंह के निर्देशन में राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय चंद्रावल की प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. बबीता केन ने फार्मासिस्ट सुरजन लाल और वार्ड बाय संजीव अग्निहोत्री के साथ मिलकर पूरे गांव में कोविड-19 के रोकथाम के लिए लोगों को आयुष 64, संशमनी वटी, अणु तैल, वासा अवलेह और आयुष क्राथ सहित कई अन्य दवाओं का वितरण किया। इस मौके पर डॉ. बबीता केन ने लोगों को दो गज की दूरी मास्क है जरूरी का महत्व बताते हुए कहा कि भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। बार-बार साफपानी और साबुन से हाथ धोएं और आवश्यक होने पर ही सैनिटाइजर का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि गुनगुना पानी जरूर पिएं, साथ ही शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता सही रखने के लिए भूख लगने पर ताजा व सुपाच्य भोजन समय से करें। उन्होंने कहा कि नींबू, आंवला, गिलोय, तुलसी, अश्वगंधा व एलोवेरा आदि का प्रयोग भी जरूरी है। इसके अलावा गर्म दूध में हल्दी मिलाकर पीने के साथ योगासन व प्राणायाम करें और अपने रोजमर्रा के कार्य करते हुए शरीर को एक्टिव रखें। उन्होंने कहा कि अपने घर और आसपास वातावरण को स्वच्छ रखना भी काफी लाभप्रद है।

बीमारी से तंग आकर अधेड़ ने लगाई फांसी

सरोजनीनगर। बंथरा थाना क्षेत्र में बीमारी से तंग आकर एक 45 वर्षीय व्यक्ति ने सोमवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानकारी होने के बाद परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने ग्राम प्रधान की सहमति पर पंचनामा भरकर मृतक का शव उसके परिजनों को सौंप दिया। बंथरा के रामदास पुर गांव निवासी प्रेम शंकर पाल खेती किसानी करता था। जबकि उसका इकलौता बेटा सचिन सरोजनीनगर के अमौसी स्थित टीएसएम अस्पताल में सिक्योरिटी गार्ड पद पर कार्यरत है। ग्रामीणों में चर्चा है कि प्रेम शंकर सोमवार सुबह करीब नौ बजे घर से निकला था और सचिन ड्यूटी जाने के लिए तैयार हो रहा था। तभी कुछ देर बाद ही प्रेम शंकर ने सचिन को फोन कर कहा कि वह फांसी लगाने जा रहा है। सूचना के बाद सचिन जब पिता द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंचा तो घर से कुछ दूर प्रेम शंकर अपने खेत के बगल बाग में आम के पेड़ से प्लास्टिक की रस्सी के सहारे मृत अवस्था में लटका मिला। यह दृश्य देखकर सचिन के होश उड़ गए और उसने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की तो पता चला कि प्रेम शंकर काफी दिनों से लंबी बीमारी से ग्रस्त था। जिसको लेकर उसका मानसिक संतुलन भी खराब हो गया था।

उम्र सीमा के चलते पुलिस भर्ती के 391 अभ्यर्थियों का आवेदन निरस्त

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती बोर्ड ने पुलिस में सब इंस्पेक्टर पीएसी में प्लाटून कमांडर व फॉयर सर्विस में अग्निशमन अधिकारी द्वितीय के 9534 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आवेदन करने वाले 391 अभ्यर्थियों का आवेदन निरस्त कर दिया है। इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 मई है। इसमें 9027 पद सब इंस्पेक्टर के हैं। बोर्ड के अपर सचिव भर्ती का कहना है कि भर्ती के संबंध में 25 फरवरी 2021 को जारी विज्ञप्ति में टंकण त्रुटि के कारण आयु अर्हता को लेकर गलती हो गई थी जिसे सात अप्रैल 2021 को नई विज्ञप्ति जारी करके संशोधित किया गया। अनारक्षित व आरक्षित वर्ग को मिलाकर कुल 391 अभ्यर्थियों ने पुरानी विज्ञप्ति के आधार पर आवेदन कर दिया था। परीक्षण के बाद इनका आवेदन निरस्त किया गया है। इन अभ्यर्थियों की सूची भी बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। बोर्ड ने इन अभ्यर्थियों का आवेदन शुल्क भी वापस लौटाने का फैसला किया है। बोर्ड के अनुसार पहली विज्ञप्ति में टंकण की त्रुटि से यह प्रकाशित हो गया था कि भर्ती के लिए आवश्यक है कि अभ्यर्थी ने पहली जुलाई 2021 को 21 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो और 28 वर्ष से अधिक की आयु पूर्ण न की हो। बाद में सात अप्रैल 2021 को इसे संशोधित किया गया। इसके अनुसार भर्ती के लिए आवश्यक है कि अभ्यर्थी ने पहली जुलाई 2021 को 21 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली हो और 28 वर्ष की आयु प्राप्त न की हो।

ऑटो रिक्शा थ्री व्हीलर संघ ने मांगी आर्थिक सहायता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में कोविड-19 लॉक डाउन को लेकर ऑटो रिक्शा का संचालन बंद है। ऑटो चालक बेरोजगार है जिससे उनका परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है इसको लेकर लखनऊ ऑटो रिक्शा थ्री व्हीलर संघ के अध्यक्ष पंकज दीक्षित ने सोमवार को प्रदेश के नगर विकास मंत्री, लखनऊ के कमिश्नर एवं जिलाधिकारी को पत्र लिखकर कोविड.19 महामारी के दौरान ऑटो चालकों को 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता की मांग की। इसके अलावा उन्होंने 2 माह के राशन भी मांग की है। उन्होंने बताया कि राजधानी में लॉकडाउन के चलते ऑटो का संचालन पूर्ण रूप से बंद है जिससे हजारों ऑटो चालक रोजगार को तरस गए हैं उनके पास खाने को नहीं है उनका परिवार भुखमरी के कगार पर पहुंच गया है। उन्होंने पिछले साल का हवाला देते हुए बताया कि पिछले साल सरकार की ओर से ऑटो चालकों को आर्थिक सहायता दी गई ऐसे में इस बार भी ऑटो चालकों को आर्थिक सहायता दी जाए नहीं तो उनके परिवार के लिए भरण पोषण की समस्या खड़ी हो गई है।

सिटी इण्टरनेशनल स्कूल में धूमधाम से मना मातृ दिवस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सिटी इण्टरनेशनल स्कूल, लखनऊ, बाराबंकी एवं जयपुर के छात्रों बड़े धूमधाम से वर्चुअल मातृ दिवस समारोह मनाया एवं सभी माताओं के प्रति अपना प्यार व आभार व्यक्त किया। माताएं ही बच्चों की वह पहली शिक्षिका है जो बड़े प्यार व स्नेह से उनके सर्वांगीण विकास की नींव रखती है, जिस पर चलकर बच्चे भविष्य में समाज के आदर्श नागरिक बनते हैं। सिटी इण्टरनेशनल स्कूल की डायरेक्टर डा. सुनीता गाँधी ने इस अवसर पर बहाई उपदेशों का उल्लेख करते हुए कहा कि माताएं ही बच्चों की पहली शिक्षिका व संरक्षिका हैं जो यह सुनिश्चित करती हैं कि बच्चे महान बनें, उनमे सीखने और निर्णय करने का गुण विकसित हो और उनका भावी जीवन खुशियों से भरा रहे। इससे पहले, समारोह का शुभारम्भ माताओं को समर्पित सुमधुर भजनों व गीतों से हुआ।

इस अवसर छात्रों ने कविता पाठ, गायन व नृत्य, वाद्ययंत्र वादन एवं क्विज प्रतियोगिता में बढ़चढ़कर प्रतिभाग कर माताओं के प्रति अपने स्नेह का प्रदर्शन किया। सीआईएस की मार्गदर्शक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. भारती गाँधी ने बतौर मुख्य अतिथि मातृ दिवस समारोह में शामिल होकर समारोह की गरिमा को बढ़ाया। इस अवसर डा. गांधी ने अपने उद्बोधन में बच्चों के सुन्दर भविष्य हेतु माताओं के अथक परिश्रम व बलिदान का जिक्र करते कहा कि माँ की महानता की व्याख्या करना संभव नहीं है। माँ तो माँ ही होती है उसकी कोई सानी नहीं होती।

मड़ियांव में महिला ने लगाई फांसी

लखनऊ। मड़ियांव के रहीम नगर डुडौली में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इंस्पेक्टर मड़ियांव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि रहीमनगर डुडौली निवासी यार मोहम्मद अपनी पत्नी अनीशा बानों (35) व तीन बच्चों के रह कर मजदूरी कर जीवन यापन करता है। यार मोहम्मद ने बताया रविवार रात वह बच्चों के साथ एक कमरे में सो रहा था। तभी पत्नी अनीशा ने आंगन में लगे लोहे के जाल में परदे का फंदा बनाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। इंस्पेक्टर ने बताया कि आत्महत्या की वजह तलाशने के प्रयास किया जा रहा है।

जानलेवा हमले का फरार आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। मड़ियांव पुलिस ने वर्ष 2016 से फरार चल रहे जानलेवा हमले के आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। डीसीपी उत्तरी रईश अख्तर ने बताया कि इंस्पेक्टर मड़ियांव मनोज कुमार सिंहए अतिरिक्त निरीक्षक अशोक कुमार सिंहए उपनिरीक्षक चन्द्रकान्त यादवए हेडकांस्टेबलए धीरेन्द्र सिंह ने टीम के साथ मुखबिर की सूचना पर सोमवार को फैजुल्लागंज निवासी ऋषभ राय (23) को भिठौली के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पकड़े गए आरोपित ने अपने साथियों के साथ मिलकर तीन अगस्त 2016 को विशाल यादव के ऊपर जानलेवा हमला कियाा था। पुलिस ने विशाल यादव के पिता सत्यदेव यादव की तहरीर पर आरोपित के खिलाफजानलेवा हमला करने की रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने आरोपित के एक साथी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। तभी से आरोपित फरार चल रहा था।

युवती के साथ धोखाधड़ी कर दुराचार करने वाला गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी की महानगर पुलिस ने एक शातिर जालसाज को गिरफ्तार किया है जो काफी समय से फरार चल रहा था जानकारी के अनुसार इंस्पेक्टर महानगर प्रदीप सिंह ने बताया की कुछ दिनों पहले एक मुकदमा दर्ज हुवा था जिसमे तहरीर देकर बताया गया की आरोपी गोरखपुर निवासी राजेश अवस्थी ने युवती को नौकरी दिलाने का झांसा देकर अपने जाल में फंसाया और फिर इस दौरान उसके साथ दुराचार किया और जब यूवती ने विरोध किया तो उसे जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया था पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है

स्वास्थ्य विभाग को मिले सिर्फ नौ बीमार

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज की ज्यादातर पंचायतों में सर्दी और बुखार से परेशान मरीज आसपास के झोलाछाप डाक्टरों के भरोसे इलाज करा रहे हैं। लेकिन स्वास्थ्य विभाग को मोहनलालगंज में अब तक सिर्फ नौ बीमार ही तलाशे मिल सके हैं। इन आंकड़ों को लेकर हर कोई हैरान है। वहीं मोहनलालगंज की ग्राम पंचायत जबरौली में महीने भर में दर्जनभर लोगों की मौत का मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल होने से सोमवार को प्रशासनिक अमले में हड़कंप मचा रहा। स्वास्थ्य विभाग और प्रशासनिक अधिकारी मातहतों से जानकारी लेकर हकीकत पता लगाने में जुटे रहे। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में गन्दगी का साम्राज्य फैला हुआ है। लेकिन सचिव और ब्लाक अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं।

पूर्वोतर रेलवे ने लांच किया एप

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारियों को एनएफआईआर के प्लेटफार्म से जुड़ने और अपनी बात को आसानी से रखने के लिए रखने के लिए एक ऐप लॉन्च किया है। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवे मैन के महामंत्री डॉ एम राघवैया बताया कि इस ऐप के जरिए कर्मचारी अपने वैक्सीनेशन का रजिस्ट्रेशन, वैक्सीनेशन का शेड्यूल बुक करा सकते हैं वैक्सीनेशन सेंटर की उपलब्धता उनकी जानकारी साथ ही वैक्सीन की उपलब्धता भी इस ऐप के जरिए जाना जा सकता है। महामंत्री ने इस ऐप की और जानकारी देते हुए बताया कि इस ऐप के जरिए कर्मचारी रेलवे बोर्ड की ओर से जारी तमाम तरह की पत्रों का देख पढ़ सकते हैं, ऑर्डर जान सकते हैं।

मुकदमा दर्ज होने के बाद भी सिपाही पर नहीं हुई कार्रवाई

लखनऊ। आशियाना थाने में तैनात सिपाही के खिलाफ रेप का मुकदमा दर्ज होने के बाद भी पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। महिला सिपाही के मुताबिक सिपाही अश्वनी प्रताप सिंह की उससे दोस्ती थी। आरोपी ने शादीशुदा होने के बाद भी महिला से जबरन शारीरिक संबंध बनाए। जिसके बाद वह महिला सिपाही के साथ शादी करने का दावा करने लगा। यह सिलसिला दो साल तक चलता रहा। शादी के लिए दबाव बनाने पर अश्वनी उसके साथ मारपीट करता था। जहां उसने आशियाना थाने में शिकायत की थी। लेकिन उसकी सुनवाई नहीं हुई। थाने में ही तैनात एक सिपाही ने मुकदमा दर्ज कराने को लेकर धमकी दी थी। 20 अप्रैल को महिला ने थाने पहुंच कर हंगामा किया था। जिसके बाद जांच के आदेश दिए गए थे। रविवार को इस मामले में सिपाही अश्वनी प्रताप सिंह के खिलाफ रेप समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। डीसीपी महिला अपराध ने बताया कि मामले की जांच एसीपी कैंट डॉ. अर्चना अर्चना सिंह कर रही हैं।

सीएमएस में हुआ ऑनलाइन रोजा इफ्तार, मांगी अमन-चैन की दुआ

● देश-विदेश की कई हस्तियां हुईं शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सिटी मोन्टेसरी स्कूल, कानपुर रोड कैम्पस द्वारा पवित्र रमजान माह के विशिष्ट अवसर पर आज ऑनलाइन भव्य रोजा-इफ्तार का आयोजन सम्पन्न हुआ, जिसमें कुवैत, कनाडा अमेरिका, तुर्की, सउदी अरब, दुबई, अल्बानिया, बांग्लादेश, फिलीस्तीन, अबूधाबी, रियाद एवं भारत की कई प्रख्यात हस्तियों ने शामिल होकर सम्पूर्ण विश्व में अमन-चैन की दुआ माँगी, साथ ही विश्व मानवता को एकता व शान्ति का संदेश भी दिया। कुवैत के कार्पोरेट प्लानिंग ग्रुपस के एटीसी मैनेजर सलेम सलमान हुमाद अल सबाह इस रोजा-इफ्तार में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए जबकि इस्लामिक सेंटर ऑफ आरलैण्डो, कनाडा के डायरेक्टर इमाम तारिक रशीद ने रोजा-इफ्तार की अध्यक्षता की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सलेम सलमान हुमाद अल सबाहने अपने संबोधन में कहा कि रमजान का महीना अल्लाह का प्रिय महीना है।

इस माह अल्लाह न सिर्फ अपने बंदों की हर दुआ कबूल करता है बल्कि अन्य महीनों में की जाने वाले इबादत से ज्यादा सवाब देता है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए इस्लामिक सेंटर ऑफ आरलैण्डो, कनाडा के डायरेक्टर इमाम तारिक रशीद ने कहा कि इस रोजा इफ्तार में एकता, मैत्री व सामाजिक सद्भाव की भावना सहज ही देखी जा सकती है। सीएमएस संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने कहा कि सर्वधर्म समभाव एवं सभी धर्मों का आदर करना सीएमएस की शिक्षा पद्धति का ही एक अंग है।

इश्योरेंस कर्मचारी होने का दावा कर ठगे रुपए, मुकदमा दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विभूतिखंड थाना क्षेत्र में निजी इश्योरेंस कम्पनी का कर्मचारी होने का दावा कर ठग ने एक व्यक्ति से डेढ़ लाख रुपये ऐंठ लिए। पीड़ित ने विभूतिखंड कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। विनम्रखंड निवासी अतुल त्यागी ने वर्ष 2016 में मैक्स कम्पनी की पालिसी ली थी। स्कीम के तहत पांच साल प्रिमियम देने के बाद निवेशक पालिसी बंद कर ब्याज समेत रकम हासिल कर सकता था। अतुल ने जनवरी 2021 में पांच साल पूरे होने के बाद पालिसी बंद करने का मन बनाया। उन्होंने इंटरनेट से नम्बर तलाश कर कस्टमर केयर पर फोन किया। 11 जनवरी को उनके पास इशयोरेंस कर्मी संजीव कुमार का फोन आया। उसने सत्यापन की बात कहते हुए संजीव से कई जानकारी हासिल की। फिर स्कीम बंद करने पर कई तरह के चार्ज जमा करने के लिए कहा। संजीव का दावा था कि पालिसी बंद होने पर जमा किए गए चार्ज भी मूल धन में जोड़ कर लौटा दिए जाएंगे। ठग की बात पर भरोसा कर अतुल ने बताए गए खाते में डेढ़ लाख रुपये जमा कर दिए। लेकिन उन्हें कम्पनी की तरफ से एक भी रुपये नहीं दिए गए। शक होने पर अतुल ने संजीव के नम्बर पर फोन मिलाया। जो बंद था। कई दिन तक प्रयास करने के बाद भी सम्पर्क नहीं हुआ। जिसके बाद विभूतिखंड कोतवाली पहुंच कर अतुल ने शिकायत दर्ज कराई है।

ओवर टेक करने के दौरान वैन व ट्रक में भिड़ंत

● वैन चालक की मौत, पत्नी व सास गंभीर रूप से घायल

संवाददाता। सरोजनीनगर

बंथरा थाना क्षेत्र में सोमवार को ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान मारुति वैन और ट्रक में भिड़ंत हो गई। इस हादसे में पत्नी को दवा लेने जा रहे मारुति वैन चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि उसकी पत्नी और सास गंभीर रूप से घायल हो गई। दोनों घायलों को इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर घटना के बाद ट्रक चालक अपना वाहन छोड़कर मौके से भाग निकला।

पुलिस के मुताबिक उन्नाव जिले के सदर कोतवाली अंतर्गत नादा खेड़ा निवासी श्रीराम का बेटा सूरज सिंह (28) अपनी बीमार पत्नी अंकिता को मारुति वैन से लेकर सोमवार को राजधानी में इलाज कराने आ रहा था। वैन पर साथ में सूरज की सास मालती भी सवार थी। बताते हैं कि बंथरा बाजार के पास पहुंचते ही कानपुर रोड पर आगे चल रहे एक ट्रक को सूरज सिंह ने ओवरटेक करने की कोशिश की, तभी उक्त ट्रक ने मारुति वैन में जोरदार ठोकर मार दी। जिससे तेज रफ्तार मारुति वैन अनियंत्रित होकर डिवाइडर में लगी लोहे की जाल में जा घुसी। इस हादसे में सूरज सिंह की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि अंकिता और मालती बुरी तरह घायल हो गई। बाद में सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने दोनों घायल महिलाओं को इलाज के लिए पास के निजी अस्पताल पहुंचाया। जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद ट्रक चालक अपना वाहन छोड़कर मौके से भाग निकला।

विधानसभा चुनाव से पहले छोटे दलों ने बढ़ाई बड़े दलों की चिंता

पंचायत चुनाव परिणाम

अभिषेक रंजन। लखनऊ

यूपी में पंचायत चुनाव के जो परिणाम आए, हैं उनसे जहां छोटे दलों में उत्साह है तो वहीं भाजपा, सपा, बसपा जैसे बड़े दलों की चिंता बढ़ा दी है। छोटे दलों ने जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायत सदस्य तथा ग्राम प्रधान पद पिछले साल की अपेक्षा अधिक सीट पर कब्जा किया है। पंचायत चुनाव में अधिक सीट मिलने से उनके चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दे रही है। यह दल अब आगामी विधानसभा के लिए ताल ठोंकने की तैयारी में जुट गये हैं। इसी जीत के आधार पर छोटे दल बड़ी पार्टियों के साथ सीट की हिस्सेदारी भी तय करेंगे। जाहिर है कि विधान सभा चुनाव से पहले छोटे दलों ने बड़े दलों की चिंता बढ़ा दी है।

पंचायत चुनाव को विधान सभा चुनाव का सेमीफाइनल के रूप में देखा जा रहा है और अब परिणाम आने के बाद बड़े दलों को छोटे दलों ने चुनौती दी है। जातीय और स्थानीय मुद्दों को लेकर मैदान में उतरे इन छोटे दलों ने काफी वोट बड़े दलों के काटे हैं। जो बड़े दल सोच रहे थे कि कहीं छोटे दल उनका खेल खराब न कर दें करीब-करीब अब ऐसा ही नजर आ रहा है। सभी राजनीतिक दलों को पता है कि पंचायत चुनाव का प्रदर्शन उनके आगे के राजनीतिक भविष्य का ताना-बाना तैयार करेगा।

पंचायत चुनाव में आमतौर भाजपा, कांग्रेस, सपा और बसपा अधिकृत रूप से प्रत्याशियों की घोषणा नहीं करती है जबकि पार्टी से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को बाहर से समर्थन होता था। इस बार पंचायत चुनाव में सभी बड़ी पार्टियों ने जिला पंचायत सदस्यों की सूची जारी की। यहां तक कि ग्राम प्रधान और क्षेत्र पंचायत सदस्य के लिए समर्थित प्रत्याशी घोषित किया था। अपना दल कृष्णा गुट, अपना दल एस और सुभासपा ने भी पंचायत चुनाव में अपने उम्मीदवार उतारे और उन्हें कामयाबी भी मिली है। भासपा के महासचिव अरूण राजभर के अनुसार भारतीय सुहेल देव पार्टी ने जिला पंचायत सदस्य पद के लिए 265 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतारे थे और जिनमें से 117 प्रत्याशी जीते हैं। 65 सीटों पर पार्टी दूसरे नंबर पर ही जिसमें हर का अंतर काफी कम है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि उन्हें जानबूझकर हराया गया है। इसी प्रकार से औवसी की पार्टी एआईएमआई ने भी 108 प्रत्याशी उतारे थे जिनमें से 22 सीटें जीती हैं। बाबू सिंह कुशवाहा की पार्टी जन अधिकार पार्टी भी 148 सीटों पर चुनाव लड़ी जिसमें से 12 सीटें जीती हैं। राष्ट्रीय भागीदारी पार्टी ने 58 प्रत्याशी लड़ाए और जिसमें से 3 सीटें जीती है। अरूण राजभर के अनुसार इस चुनाव में उनकी पार्टी के समर्थित 1018 प्रधान और 548 प्रत्याशी बीडीसी का चुनाव जीते हैं। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी और पीस पार्टी ने चुनाव लड़ा उन्हें भी कुछ सीटों पर सफलता मिली है। अगले विधान सभा चुनाव को लेकर सभी छोटे दलों ने मिलकर भागीदारी संकल्प मोर्चा बनाया है। इसमें अभी आप पार्टी शामिल नहीं है। अरूण का कहना है कि अगले विधान सभा चुनाव में सपा और बसपा के लिए रास्ते खुले हुए है लेकिन सिद्धांतों से समझौता नहीं किया जाएगा। अभी जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लाक प्रमुख चुनाव में भी इन दलों को अपने पाले में करने की कोशिश शुरू हो गई है ताकि बड़े दल अधिक से अधिक जिला पंचायत अध्यक्ष और प्रमुखी की सीट पर कब्जा कर सकें। बहरहाल अगले विधान सभा चुनाव को देखते हुए छोटे दल बड़े दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की रणनीति में जुट गए हैं जिसकी जितनी भागीदारी उसकी उतनी हिस्सेदारी के फार्मूला पर चुनाव लड़ना तय है।

सरोजनीनगर प्रथम वार्ड के आधा दर्जन मोहल्लों को किया गया सेनेटाइज

● पार्षद रामनरेश रावत के नेतृत्व में गली-मोहल्लों में चला अभियान

संवाददाता। सरोजनीनगर

कोरोना महामारी को लेकर नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे गली-मोहल्लों और कालोनियों के अलावा जल्द ही नगर निगम सीमा में शामिल हुए गांवों को सैनिटाइज करने के अभियान के तहत सोमवार को सरोजनीनगर प्रथम वार्ड में सैनिटाइजेशन किया गया।

सरोजनीनगर प्रथम वार्ड के पार्षद राम नरेश रावत की मौजूदगी में चलाए गए इस अभियान के दौरान वार्ड के गौरी विहार फेस- वन और फेस-टू, सिद्धार्थ नगर कॉलोनी, शक्ति विहार कॉलोनी व शिवमंगल कॉलोनी के अलावा स्कूटर्स इंडिया रोड पर सभी गलियों और मकानों में नगर निगम ट्रैक्टर टैंकर के जरिए सैनिटाइजर का छिड़काव किया गया। इसके अलावा जल्द ही नगर निगम सीमा में शामिल हुए अनौरा गांव में भी सैनिटाइजेशन किया गया। पार्षद रामनरेश ने बताया कि पूरे दिन चले इस सैनिटाइजेशन अभियान में करीब दो हजार लीटर सैनिटाइजर का छिड़काव किया गया।

उन्होंने बताया कि पिछले कई दिनों से चलाए जा रहे सैनिटाइजर छिड़काव अभियान में महापौर संयुक्ता भाटिया, राज्य मंत्री स्वाति सिंह, सांसद कौशल किशोर, नगर आयुक्त अजय द्विवेदी और नगर निगम जोन-5 के जोनल अधिकारी सुभाष त्रिपाठी का पूरा सहयोग मिल रहा है। पार्षद के मुताबिक सोमवार को चलाए गए इस अभियान के दौरान अनौरा गांव में कुलदीप यादव, मनीष शर्मा और विकट यादव ने मौजूद रहकर गांव में नगर निगम टीम द्वारा नालियों की साफ-सफाई भी करवाई।

कोरोना से उबरने के करें सभी उपाय

- मंडलीय समीक्षा बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दिए निर्देश और जनप्रतिनिधियों से की अपील
- बोले-प्रदेश मे तीन सौ ऑक्सीजन प्लांट का निर्माण को रहा है

संवाददाता। अयोध्या

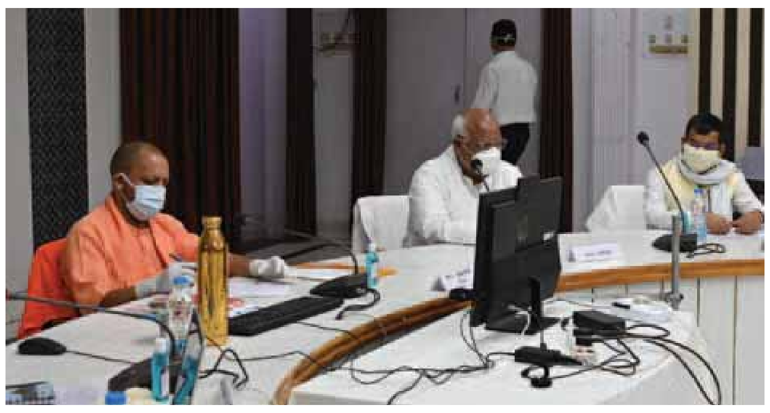

कोरोना की दूसरी लहर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भगवान श्री राम की जन्म स्थली अयोध्या पहुंचे और अयोध्या मंडल के सभी जिलो की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि कोरोना वायरस के संक्रमण से उबरने के लिए सभी उपाय किए जाय। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगभग 3 बजे अयोध्या एयरपोर्ट पहुंची और वहां से सीधे विकास भवन में कोविड कमांड कंट्रोल रूम का निरीक्षण करने के बाद कलेक्ट्रेट सभागार में पहुंचे जहां मंडलीय समीक्षा बैठक कि जिसमें मंडल के पांचो जिलों के कोविड स्वास्थ्य संबंधित ली। समीक्षा बैठक में अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधियों ने भी भाग गया।

कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर से बेहाल उत्तर प्रदेश को बचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार जिलों का दौरा कर रहे हैं। मुरादाबादए बरेलीए लखनऊए वाराणसीए गोरखपुर के बाद उन्होने अयोध्या का दौरा किया जहां उन्होंने कोरोना वायरस से लड़ने के लिए चिकित्सा संबंधी इंतजामों का जायजा लिया। अफसरों के साथ बैठक कर उन्होंने दूसरी लहर से निपटने के लिए दिशा.निर्देश भी दिए अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसी आशंका जताई जा रही थी कि पंचायत चुनाव के बाद गांवों के हालात बिगड़ेंगे। 29 मई को चुनाव संपन्न हुएए 2 और 3 मई को मतगणना के काम हुए और इसके बाद 5 मई से सरकार ने अभियान शुरू कर दिया। सर्विलांस कमिटियों को गांवों में भेजा गया और जिन पर भी संदेह हुआ उनकी जांच की गई। यह अभियान एक सप्ताह से चल रहा है। सीएम ने कहा कि दूसरी लहर ने अचानक ऑक्सीजन की कमी की नई चुनौती पैदा कर दी। अयोध्या के लिए ऑक्सीजन की सप्लाई की गई। यहां से नजदीक के जिलों में भी ऑक्सीजन की आपूर्ति की गई। कहा कि केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने इसके लिए स्पेशल ट्रेनें चलाईं। ऑक्सीजन एक्सप्रेस पटरियों पर दौड़ रही हैंए एयरफोर्स के बड़े एयरक्राफ्ट के जरिए टैंकर्स भेजे जा रहे हैं। इसके साथ.साथ ऑक्सीजन प्लांट भी स्थापित किए जा रहे हैं। प्रदेश में 300 ऑक्सीजन प्लांट के निर्माण का कार्य चल रहा है। सीएम ने कहा कि हमने सभी जिलों को ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर्स उपलब्ध कराए हैं।

कोविड संक्रमित को एमसीएच टांडा में भर्ती कराने के निर्देश

- डीएम ने कहा, प्रतिदिन कम से कम दो बार मरीज का हाल लें चिकित्सक

टीम-9 के साथ बैठक करते जिलाधिकारी

अम्बेडकरनगर। कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु गठित टीम -9 की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में की गई। जिलाधिकारी ने प्रत्येक बिंदुओं पर गहनता से समीक्षा करते हुए सरकारी व निजी चिकित्सालयों में आईसीयू, ऑक्सीजन युक्त बेड्स की उपलब्धता के बारे में पूछा तो अध्यक्ष ध्सदस्य द्वारा अवगत कराया गया कि पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन युक्त बेड्स उपलब्ध हैं। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश देते हुए कहा कि तज-चबत जांच के उपरांत कोरोना पॉजिटिव केस को एमसीएच टांडा में भर्ती कराएं तथा मरीज के गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में भर्ती कराया जाए। उन्होंने अस्पतालों के अधीक्षकों को निर्देश देते हुए कहा कि डॉक्टर प्रतिदिन दो बार मरीजों का हालचाल पूछे। यदि एमसीएच टांडा तथा मेडिकल कॉलेज सदरपुर में बेड खाली है तो मरीज को भर्ती कराया जाए , मना न किया जाए। प्रतिदिन सुबह -शाम अस्पताल की साफ-सफाई कराया जाए। इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल रूम से मरीजों के पास फोन करके उनका हालचाल पूछा जाए। यदि मरीज को कोई दिक्कत है तो उसकी सूचना चिकित्सक को अवश्य बताया जाए तथा शाम के समय मरीज का फीडबैक लिया जाए कि मरीज के पास उपचार हेतु सामग्री पहुंची कि नहीं । इन सभी डिटेल को एक रजिस्टर में नोट किया जाए।तज-चबत की जांच प्रतिदिन 1000 से कम नहीं होना चाहिए ।नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निगरानी समितियों को सक्रिय किया जाए और अध्यक्षध् सदस्य द्वारा प्रतिदिन उनकी समीक्षा किया जाए ।

निगरानी समितियों को पल्स आक्सीमीटर, थर्मल स्कैनिंग व सैनिटाइजर अवश्य उपलब्ध कराएंः डीएम

- मेडिकल कालेज व एमसीएच विंग में तैनात होंगे मजिस्ट्रेट
- प्रतिदिन 1000 लोगो की हो आरटीपीसीआर जांच

समीक्षा बैठक करते डीएम

अम्बेडकरनगर। कोविड-19 संक्रमण के मामलों में हो रहे वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए ग्रामीण शहरी क्षेत्रों में संक्रमण की रोकथाम हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आहूत की गई। डीएम ने सीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि तजचबत की जांच का लक्ष्य बढ़ाया जाए। प्रतिदिन कम से कम 1000 लोगों की जांच कराना सुनिश्चित करें। ग्रामीण/शहरी क्षेत्रों में गठित निगरानी टीम में आशा/ आंगनबाड़ी कार्यकर्ती के अलावा एएनएम को भी शामिल किया जाए। सभी निगरानी समितियों को जांच हेतु पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मल स्कैनिंग ,सैनिटाइजर अवश्य उपलब्ध होना चाहिए। किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। डीएम ने एडीएम को निर्देश देते हुए कहा कि मेडिकल कालेज तथा एमसीएच विंग टांडा में 24 घंटे मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाया जाए जिससे कोरोना पॉजिटिव मरीज भर्ती के लिए वहां जाए तो उनकी भर्ती आसानी से हो जाए। सीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि सभी अस्पतालों में स्टाफ बढ़ाया जाय तथा अस्पताल की साफ-सफाई में कोई लापरवाही न बरती जाए। प्रतिदिन अस्पताल में डॉक्टर मरीजों की देखरेख करते हुए उनका हालचाल पूछे जिससे मरीजों को कोई परेशानी न हो। सीएमओ/ सीएमएस को निर्देश देते हुए कहा कि अस्पताल में मेडिसिन किट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहना चाहिए। इसकी उपलब्धता को बनाए रखने के लिए पहले से ही मांग करते रहे।होम आइसोलेशन मरीजों को कोविड-19 कंट्रोल रूम से उनके स्वास्थ्य के बारे में फीड बैक लेते रहें जिससे मरीजों को कोई दिक्कत न होने पाए।

अवैध खनन में लगी जेसीबी मशीन और दो ट्रैक्टर पुलिस ने किए सीज

पायनियर समाचार सेवा। नैनी

औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने सोमवार को अवैध खनन एवं परिवहन के साथ ओवरलोडिंग के विरुद्ध अभियान चलाया। इस दौरान ओवरलोड बालू एवं मिट्टी लगे दो ट्रैक्टर और खनन कार्य में लगी एक जेसीबी मशीन को पकड़ा। इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि डेज मेडिकल के समीप से यह गिरफ्तारी की गई। मौके से खनन कार्य कराने वाले और ट्रैक्टर चलाने वाले भाग निकले। तीनों वाहनों को सीज कर दिया गया है।

कार्रवाई के दौरान जमकर कटे चालान

नैनी। प्रयागराज तहसील कर्मियों के संग सेक्टर मजिस्ट्रेट ने नैनी बाजार स्टेशन रोड पर सोमवार शाम कोविड महामारी अधिनियम के तहत फलों के ठेलों व अन्य दुकानों पर जाकर जांच की। इस दौरान बिना मास्क लगाए सामान बेचने के आरोप में तीन फल विक्रेता व हनुमान नगर स्टेशन रोड पर दो दुकानदारों का चालान काट दिया। सेक्टर मजिस्ट्रेट की इस कार्यवाही के दौरान चालान काटने को लेकर गहमागहमी भी हुई। व्यापार मण्डल नैनी के अध्यक्ष राकेश जायसवाल ने मजिस्ट्रेट से वार्ता कर चालान की धनराशि में छूट दिलाई। फल विक्रेताओं से एक हजार रुपये शुल्क वसूला गया। जबकि हनुमान नगर के दुकानदारों से एक एक हजार रुपये वसूले गये।

पांच देसी बम के साथ एक गिरफ्तार

नैनी। इलाकाई पुलिस ने सोमवार सुबह गश्त के दौरान एफसीआई गोदाम के पीछे मजार के पास एक युवक को 5 अदद देसी बम के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह तकरीबन 10.30 बजे गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर नैनी पुलिस ने एफसीआई गोदाम के पीछे मजार के पास से एक युवक को संदिग्ध पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान उसके कब्जे से पांच अदद देसी बम बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम राज गौड पुत्र स्वर्गीय संतोष कुमार गौड़ निवासी मुंडी चक नैनी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ धारा 4/5 बम निरोधक अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त को जेल भेज दिया।

क्विक न्यूज

यूपी बोर्ड के अपर सचिव शिव प्रकाश द्विवेदी का निधन

प्रयागराज। यूपी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय प्रयागराज के अपर सचिव शिव प्रकाश द्विवेदी का आज सोमवार हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। वह 52 वर्ष के थे। वह अप्रैल माह में कोरोना पॉजिटिव आये थे। जहाँ कई दिनों से उनका इलाज चल रहा था। ठीक होने के बाद वह अस्पताल से घर आ गए थे। जहाँ आज दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। श्री द्विवेदी के असामयिक निधन से शिक्षा जगत के साथ साथ विभिन्न सांस्कृतिक धार्मिक एवं आधायत्मिक संगठनों में शोक की लहर है। शिक्षक नेता और अटेवा के प्रदेश उपाध्यक्ष डा हरिप्रकाश यादव डा शैलेश कुमार पाण्डेय राम अवतार गुप्ता हरिश्याम मानव शिक्षा शोध एवं अनुसंधान संस्थान के सचिव राजीव मिश्रा प्रधानाचार्य अमिता मिश्रा पंकज दीक्षित सहित अन्य लोगों ने स्व द्विवेदी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कुशल प्रशासक और सभी की मदद करने वाला बताया। समाजसेवी फूलचंद्र दुबे ने श्री द्विवेदी को एक लोकप्रिय व्यक्तित्व वाला अधिकारी बताया। जिनके निधन से आज हर वर्ग क्षेत्र के लोग दुखी हैं। इनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि बहुत ही सारगर्भित एवं सांस्कृतिक सम्पन्न है। इनसे जो भी एक बार मिलता था वह इनका मुरीद बन जाता था। शोक सभा में सुधीर द्विवेदी राम जी शुक्ल देव व्रत साहा अमित तिवारी शाण्डिल्य जितेंद्र त्रिपाठी बजरंग बली गिरी राकेश मिश्रा डा बी के सिंहए कमलेश दुबे श्याम सूरत पांडेय जितेंद्र तिवारी दुकानजी राम बाबू तिवारी गुड्डू शास्त्री सी पी सिंह सत्यप्रकाश पाण्डेय आदि ने दो मिनट का मौन रखकर मृत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

फाइल फोटो शिव प्रकाश

भयानक रूप ले रहा कोरोना वायरस

प्रयागराज। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण में इन दिनों पूरे देश में तहलका मचा रखा है। अब तक लाखों लोगों की जान जा चुकी है। जबकि लाखों लोग इससे संक्रमित भी हैं। इसमें किसी भी प्रकार का जश्न नही मनाया गया। हम सभी के पास मदर इंडिया भी हैं। जिनका हम अधिक उल्लेख नहीं करते हैं। उन्हें हमारे समर्थन की आवश्यकता है। इसलिए चलो उनकी मदद करें और उनके लिए प्रार्थना करें। कुमकुम भाग्य में रिया की भूमिका निभाने वाली पूजा बनर्जी ने खुलासा किया कि कोरोना महामारी के कारण किसी भी किसी तरह का जश्न मनाना अजीब लगता है। अब और इसलिए मदर्स डे के लिए कुछ खास नहीं करेंगी। मेरी अपनी मां हैं पूर्णिमा बैनर्जी मार्गदर्शक शक्ति रही हैं और उन्होंने मेरा साथ दिया। मुझे जीवन भर आगे बढ़ने में मदद की। मेरी सास राजेश सेजवाल भी मां हैं। जिन्होंने मुझे अपनी बेटी की तरह चाहा है। कोरोना महामारी को लेकर अब किसी भी प्रकार का कार्यक्रम आयोजित नही हुआ। बता दें कि महामारी में मेडिकल के क्षेत्र में कई तरह के नए नए प्रयोग किये गए हैं। तमाम कोशिशों और मास्क सेनेटाइजर और दूरी के बाद भी कोरोना भयानक रूप ले रहा है। तीसरी लहर आने के संकेत के साथ इसकी भी तैयारी शुरू की गई है।

गांजे के साथ दो युवक गिरफ्तार

मिल्कीपुर अयोध्या। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेष कुमार पाण्डेय के दिशा दृ निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत इनायत नगर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लग गई है। प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान दो युवकों के कब्जे से अवैध गांजा बरामद कर लिया है प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार ने पकड़े गए दोनों युवकों के विरुद्ध मुकदमा कायम कर जेल भेज दिया है। सोमवार को इनायत नगर थाने के उपनिरीक्षक मनोज कुमार प्रजापति मय हमराही सिपाहियों राघवेन्द्र कुमार एवं सुशील के साथ वाहन चेकिंग कर रहे थे इसी दौरान सहुलारा तिराहा से आगे ग्राम ईटगाँव मोड़ के पास दो संदिग्ध युवक पुलिस के हत्थे चढ़ गए। दोनों युवकों ने पुलिसिया पूछताछ में अपना नाम मनीष कुमार पुत्र राम हरख कोरी निवासी धौराहरा पूरे शुकुल एवं लवकुश कोरी पुत्र लक्ष्मण कोरी निवासी चिरौली थाना खंडासा बताया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से करीब 950 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पकड़े गए दोनों युवकों को पुलिस टीम थाने ले आई जहां प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार ने उनके विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर दोनों युवकों को जेल भेज दिया है।

माँ की उखड़ रही थीं सांसें और बेटा भटक रहा था सिलेंडर लेकर

- प्रशासन के तुगलकी फरमान के कारण घरेलू मरीजों को नहीं मिल पा रहा ऑक्सीजन

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। आक्सीजन के बगैर साँसों की टूटती डोर से एक तरफ मरीज के परिजन हलकान हैं तो वहीं दूसरी तरफ प्रशासन के तुगलकी फरमान के कारण घरेलू मरीजों को ऑक्सीजन मिलने में लाले पड़ गए हैं। मामला जिले के एक मात्र ऑक्सीजन रिफलिंग सेंटर विश्वकर्मा ऑक्सीजन डिस्ट्रीब्यूटर टाण्डा से जुड़ा हुआ है, जिसे कोरोना महामारी से बचाव को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन ने अपने कब्जे में लेकर पुलिस और राजस्व कर्मियों की देख रेख में ऑक्सीजन सिलेंडर के रिफलिंग का कार्य करवा रही है।

कुछ दिन तो यह व्यवस्था सुचारू रूप से चली और अम्बेडकर नगर ही नही बल्कि आसपास के कई जिलों बस्ती, सुल्तानपुर, अयोध्या, जौनपुर और आजम गढ़ को भी यहां से ऑक्सीजन की सप्लाई दिया जाने लगा। तमाम ऐसे मरीज जिनकी किसी भी कोविडसेन्टर पर भर्ती नही हो सकी,उनका इलाज लोग घर पर ही रख कर करा रहे हैं। घर पर इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या जिले में ही काफी है, जिनके सांसो की डोर इसी ऑक्सीजन पर ही टिक हुआ है। कई मामले में तो इधर आक्सीजन खत्म और उधर सांसों की डोर टूट गई। इन सबको देखते हुए प्रदेश सरकार ने मरीज के पर्चे पर डॉक्टर के सुझाव के बाद सभी को ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। विश्वकर्मा ऑक्सीजन डिस्ट्रीब्यूटर से लगभग सभी को थोड़ी परेशानी,थोड़ी आसानी से सिलेंडर मिल भी जाता रहा है, लेकिन स्थानीय प्रशासन बिना यह समझे रविवार को किसी भी व्यक्ति को ऑक्सीजन सिलेंडर के रिफलिंग से रोक लगवा दिया कि अब जो स्टॉक है, वह केवल मेडिकल कालेज के लिए है। ऐसे में हाहाकार मचना तय था, सो मचा भी, लेकिन आम नागरिकों की परेशानी पर स्थानीय प्रशासन के कानों पर जूं तक नही रेंगा।

प्रशासन के इस तुगलकी फरमान के बाद वहां मौजूद पुलिस और राजस्व कर्मी कई घंटो से लाइन में खड़े लोगों को सिलेंडर न मिल पाने का हवाला देकर भगाने का भी प्रयास किया, लेकिन ये बेचारे कहाँ भाग कर जाते, उनके किसी प्रियजन की सांस जो इसी सिलेंडर की आस में अटकी पड़ी थी। ऐसा ही किछौछा निवासी आतिफ नाम का एक युवक रविवार की रात 12 बजे से ही लाइन में लगा रहा। उसे उम्मीद थी कि सुबह उसे सिलेंडर मिल जाएगा और उसकी माँ रजिया की उखड़ी सांसे ठीक हो जाएंगी, लेकिन सुबह होते ही उसकी पर्ची काटने से मना कर दिया गया। शाम को तीन बजे तक वह जिम्मेदार लोगों के सामने गिड़गिड़ाता रहा और भूख प्यास से व्याकुल बदहवासी की हालत में घूमता रहा, लेकिन उसकी किसी ने नही सुनी, जबकि तमाम प्राइवेट लक्जरी गाड़ियों से कई सिलेंडर कई गणमान्य लोग दूसरे गेट से लेकर जाते नजर आए। कुछ लोगों ने इसकी शिकायत एसडीएम टाण्डा अभिषेक पाठक से की तो वे एक काउंटर तहसील में खोलकर वहां से टोकन व्यवस्था लागू कर दी। अब सवाल यह उठता है कि महामारी में जिसे ऑक्सीजन चाहिए पहिले वह तहसील के चक्कर लगाए, वहां के बाबू को संतुष्ट करे।

एनसीआर को मिलेंगे दस ऑक्सीजन कनसंट्रेटर

- केंद्रीय अस्पताल प्रयागराज को मिलेंगे 5 ऑक्सीजन कनसंट्रेटर

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे को शकूरबस्ती स्टोर्स डिपो से 10 लीटर क्षमता के 10 ऑक्सीजन कनसंट्रेटर मिलेंगे। मिशन ऑक्सीजन के तहत एक पहल के रूप में प्लासेर इंडिया लि. ने अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉनसिबिलटी के हिस्से के रूप में शकूरबस्ती रेलवे स्टोर्स डिपो को 70 ऑक्सीजन कनसंट्रेटर प्रदान किए है। केंद्रीय अस्पताल प्रयागराज और झाँसी में कोविड अवसंरचना को मजबूत करने के अपने प्रयासों के क्रम में महाप्रबंधक उमरे वी के त्रिपाठी ने रेलवे बोर्ड से मांग की थी। 10 ऑक्सीजन कनसंट्रेटर को उत्तर मध्य रेलवे के लिए आवंटित किया। प्रयागराज में महामारी से संघर्ष में केंद्रीय रेलवे अस्पताल उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। केंद्रीय अस्पताल प्रयागराज और मंडलीय चिकित्सालय झांसी दोनों को कोविड रोगियों के लिए लेवल टू अस्पतालों के रूप में नामित किया गया है। अस्पताल रेलवे के साथ साथ गैर रेलवे रोगियों को कोविड संक्रमण के संबंध में चिकित्सा सुविधा प्रदान कर रहे हैं। उमरे के प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डा आनंद टंडन ने बताया कि वह रेलवे बोर्ड के संपर्क में हैं। इन ऑक्सीजन कनसंट्रेटर को 11 मई को अस्पताल में दे दिया जाएगा। दस ऑक्सीजन कनसंट्रेटर रेलवे अस्पताल झांसी और प्रयागराज प्रत्येक को पांच पांच समान रूप से उपलब्ध कराए जाएंगे। ऑक्सीजन कनसंट्रेटर की स्थापना के साथ कोरोना के खिलाफ उत्तर मध्य रेलवे की लड़ाई को नई मजबूती मिलेगी। पीसीएमडी डा आनंद टंडन ने बताया कि उत्तर मध्य रेलवे कोविड के खिलाफ स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहा है।

अधिवक्ताओं की मदद को सीएम से गुहार

प्रयागराज। कोरोना संक्रमण काल में अदालत की कार्रवाई धीमी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट और अधीनस्थ न्यायालयों में सिर्फ जरूरी मामलों की सुनवाई हो रही है। कोर्ट का काम ठीक से न चलने से वकीलों की आर्थिक स्थिति खराब होने लगी है। कोरोना संक्रमित वकीलों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। केवल हाईकोर्ट के करीब सौ वकीलों की मृत्यु हो चुकी है। पीड़ितों की संख्या भी सैकड़ों में है लेकिन उन्हें उचित इलाज नहीं मिल रहा है। इसके मद्देनजर वकीलों ने मुख्यमंत्री से आर्थिक व चिकित्सकीय मदद देने की दिशा में शीघ्र कदम उठाने की मांग की है।

हाईकोर्ट बार एसो. के पूर्व अध्यक्ष राधाकांत ओझा का कहना है कि कोरोना महामारी में वकील ज्यादा प्रभावित हैं। नए व बुजुर्ग वकीलों की दशा खराब है। हाईकोर्ट राज्य सरकार यूपी बार काउंसिल और हाईकोर्ट बार एसो. मिलकर वकीलों को आर्थिक मदद मुहैया कराने की दिशा में शीघ्र उचित कार्रवाई करें। यूपी बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष हरिशंकर सिंह का कहना है कि वकीलों को कम से कम पांच हजार रुपये प्रति माह आर्थिक मदद मिलनी चाहिए। इसके लिए काउंसिल के पदाधिकारी महाधिवक्ता से वार्ता करके उचित कार्रवाई कराएं। हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एसके गर्ग व आदर्श अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष शरद चंद्र मिश्र ने कहा कि सीएम जैसे हर वर्ग के लोगों की चिंता कर रहे हैं। उसी प्रकार जरूरतमंद वकील की मदद करें। वकील किसी संगठन के सदस्य हैं अथवा नहींघ् यह न देखा जाए। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरेंद्रनाथ सिंह ने भी सरकार से वकीलों के हित में फंड जारी करने की वकालत किया है। कहा कि मौजूदा समय वकीलों को आर्थिक मदद की ज्यादा जरूरत है। एसोसिएशन अस्पताल में भर्ती वकीलों व मृतकों के आश्रितों को आर्थिक सहयोग दे रहा है। पैसा सभी के खाते में डलवाया जा रहा है। साथ ही वैक्सीनेशन के लिए मेडिकल कालेज से इतर वकीलों के लिए स्थान तय कराया जा रहा है।

इंजीनियर अमित भास्कर और डॉ. आशीष गुप्ता के निधन पर हुई शोकसभा

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि के आईईटी संस्थान एमसीए विभाग के इंजीनियर अमित भास्कर एवं कम्प्यूटर साइंस के एनपीआईयू में कार्यरत डॉ. आशीष गुप्ता की कोविड.19 संक्रमण से आकस्मिक निधन हो गया। ये कुछ दिनों से संक्रमण की चपेट में थे। इंजीनियर अमित भास्कर विवि के एमसीए विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर 2011 से कार्यरत थे। वे अपने गृह जनपद जौनपुर में कोविड से संक्रमित हो गये थे। इलाज कराने के दौरान आज 10 मईए 2021 को देहांत हो गया। दूसरी ओर 01 मईए 2021 को कम्प्यूटर साइंस के डॉ0 आशीष गुप्ता का अपने गृह जनपद शाहजहांपुर में कोरोना संक्रमण से निधन हो गया। डॉ. गुप्ता 2018 में कम्प्यूटर साइंस विभाग में नेशनल प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेंसन यूनिट में कार्यरत थे। ये दोनों शिक्षक अपने पीछे दो साल की एक बेटी एवं पत्नी को छोड़ गये। आज इनके आकस्मिक निधन की सूचना मिलते ही विवि परिवार शोकाकुल हो गया।

मनोवैज्ञानिक प्रतिरोधक क्षमता के लिए लें भरपूर नींद

- स्वस्थ्य नींद के लिए अपनाने होंगे स्लीप हाईजीन के टिप्स

मनीष द्विवेदी। प्रयागराज

कोविड 19 यानी कोरोना संक्रमण से पूरा देश इस समय संघर्ष कर रहा है। कोरोना संक्रमण शारीरिक दिक्कतों के साथ ही साथ मानसिक रूप से भी लोगों को परेशानी में डाल रहा है। कोरोना के भय के कारण लोग मानसिक तनाव में घिर रहे हैं। कोरोना की लड़ाई में व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता को एक बड़ा हथियार माना जा रहा है। उचित पोषण लेने से लोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है लेकिन आज शारीरिक क्षमता के साथ ही साइकोलॉजिकल इम्युनिटी या मनोवैज्ञानिक प्रतिरोधक क्षमता भी बहुत ही आवश्यक है। इसके लिए अच्छी और भरपूर नींद बेहद जरूरी है।

मोतीलाल मंडलीय चिकित्सालय की नैदानिक मनोवैज्ञानिक डा ईशान्य राज कहती हैं कि कोविड 19 के कारण लोग अपने घरों में रहने को मजबूर हैं। रोज़गार के साथ ही भविष्य की चिंता भी लोगों में बढ़ रही है। खासकर कोरोना से किसी भी तरह से प्रभावित लोगों में मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत प्रभाव पड़ा है। चिंता अवसाद और अफवाहों के चलते लोगों की नींद पर भी बहुत असर पड़ रहा है जो चिंता की बात है। क्योंकि नींद शरीर को आराम देने के साथ ही साइकोलॉजिकल इम्युनिटी या मनोवैज्ञानिक प्रतिरोधक क्षमता देने का कार्य भी करती है। इसलिए अच्छी नींद लेना बहुत आवश्यक है। डा ईशान्य राज बताती हैं कि लोगों की नींद पर हुए शोध इस बात को प्रमाणित करते हैं कि रात में छह से आठ घंटे की नींद शरीर के लिए आवश्यक है। पर एक ब्रीफ स्लीप नैप भी सेहत के लिए जरूरी है। दोपहर में या जब हम लंच करते हैं तभी नैप को यूटिलाइज कर सकते हैं। इसका आइडल पीरियड बीस मिनट माना जाता है। फिर भी दिन में तीस मिनट से ज्यादा नहीं सोना चाहिए। ताकि रात की नींद प्रभावित न हो। यह पाया गया है कि नैप लेने वाले लोगों की प्रॉडक्टिविटी और फंक्शनिंग इंप्रूव हो जाती है और मेमोरी बेहतर होती है। वर्क एफिसिएंसी भी बढ़ जाती है। इससे काम करते समय एनर्जी बरकरार रहती है। साथ ही उन्हें ताजगी भी महसूस होती है। बेड पर जाने के समय तक वह चुस्ती फुर्ती महसूस करते हैं।

क्यों है स्वस्थ्य नींद आवश्यक

प्रयागराज। भूख प्यास नींद इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि यह हमारी जैविक कार्यशैली का हिस्सा है। जब जैविक कार्यशैली बिगड़ती है। तो पहले शारीरिक और फिर मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ने लगता है। यह देखा जाता है कि जिस दिन हम अच्छे से नहीं सोते हैं तो दूसरे दिन कुछ करने का मन नहीं करता है। छोटी छोटी बात पर गुस्सा चिड़चिड़ापन काम में मन न लगना आदि परेशानियां होती हैं। इसलिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाये रखना आवश्यक है। पहले लोगों की दिनचर्या निर्धारित थी पर आजकल अधिकतर लोग घर से ही अपने ऑफिस के काम कर रहे हैं। विद्यार्थी बच्चे महिलाएं और वृद्ध सभी घर में ही रहते हैं। इस कारण लोगों की दिनचर्या निर्धारित नहीं रह रही है। जिसकी वजह से भी नींद का समय निश्चित नहीं है। अधिकतर लोग टीवी पर ख़बरें मूवी या वेब सिरीज़ देखने में समय का ध्यान नहीं रखते हैं और रात में देर तक जागते हैं। जो कि गलत है।

बेहतर नींद के लिए अपनाएं स्लीप हाइजीन के टिप्स

- शांत और अँधेरे में सोएं।
- सोने से पहले हल्का खाना खाएं।
- धूम्रपान और शराब का सेवन न करें।
- बिस्तर पर जाने से पहले खुली हवा में थोड़ा टहलें।
- कैफीन युक्त पदार्थ जैसे चाय कॉफ़ी या एनर्जी ड्रिंक से परहेज़ करें।
- आरामदायक मुलायम और बराबर लेवल के बिस्तर पर सोएं।
- सोने के लिए उपयुक्त तापमान का ध्यान भी रखें।
- ज्यादा गर्म या ज्यादा ठण्ड में न सोएं।
- सोने और जागने का समय निश्चित करें और उसका पालन करें।
- सोते समय सिर के पास इलेक्ट्रिकल उपकरण न रखें।
- बिस्तर पर जाने से पहले टीवी न देखें न ही वीडियो गेम खेलें।
- नींद न आने की समस्या पर अधिक ध्यान न दें।
- सोने जाने से पहले दातों को ब्रश करने की आदत डालें।
- चिंता अवसाद और अफवाहों को लेकर लोगों की नींद पर असर पड़ रहा है जो चिंतनीय है। क्योंकि नींद शरीर को आराम देने के साथ ही साइकोलॉजिकल इम्युनिटी या मनोवैज्ञानिक प्रतिरोधक क्षमता देने का कार्य करती है। इसलिए अच्छी नींद लेना बहुत आवश्यक है।

पायनियर
लखनऊ, मंगलवार, 11 मई, 2021

असम का फैसला

सोनोवाल की विदाई

जब भाजपा नेतृत्व ने सर्वानंद सोनोवाल को असम विधानसभा चुनाव के पहले मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं घोषित किया था तो स्पष्ट हो गया था कि इस मुद्दे का फैसला चुनाव के बाद किया जाएगा तथा हिमंत बिश्व शर्मा को मौका मिलने की संभावना थी। सोनोवाल ने मुख्यमंत्री के रूप में सफल सरकार का संचालन किया था, एक भ्रष्टाचार मुक्त सरकार चलाई थी तथा बिना कोई गलती किए अनेक जटिल चुनौतियों का सामना किया था। जब भाजपा के हिंदुत्व समर्थन आधार में आदिवासियों को जोड़ने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले उनके जैसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री पद के उपयुक्त नहीं माना गया तो दीवाल की लिखावट साफ थी। केन्द्रीय नेतृत्व ने चार दिन की वार्ता और विचार-विमर्श की औपचारिकता निभा कर राज्य की कमान ऐसे व्यक्ति को दे दी जो अपने तमाम अनुभवों और वित्तीय शक्ति के बावजूद घोटालों और भ्रष्टाचार में लिप्त रहा है। आखिरकार 2015 में कांग्रेस से पाला बदलने के पहले सीबीआई ने उनके खिलाफ कई भ्रष्टाचार मामलों में जांच की थी। निष्ठा और वैचारिक जुड़ाव को बहुत अधिक महत्व देने का दावा करने वाली भाजपा जैसी पार्टी द्वारा मुख्यमंत्री पद के लिए ऐसे व्यक्ति को पुरस्कृत करना उसके दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव है। निसंदेह सोनोवाल एक गैर-विवादास्पद लोकप्रिय व्यक्ति थे जिन्होंने 2016 में भाजपा का चुनाव अभियान चला कर मजबूत कांग्रेस सरकार को उखाड़ दिया था। लेकिन

सेनोवाल को इस बात का खामियाजा भुगतना पड़ा कि वे राजनीतिक रूप से चालाक व हिमंत की तरह जनता में लोकप्रिय नहीं थे।

सोनोवाल के पास दिल्ली में अमित शाह जैसा गाडफादर भी नहीं था। आदिवासी नेता का असम के बाहर प्रभाव भी अधिक नहीं था, जबकि हिमंत ने पूरे पूर्वोत्तर में भाजपा की पकड़ मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। येन-केन-प्रकारेण उन्होंने सुनिश्चित किया था कि भाजपा इस क्षेत्र में प्रमुख शक्ति के रूप में उभरे। असंदिग्ध रूप से जहां सोनोवाल लोकप्रिय आदिवासी नेता थे, वहीं हिमंत एकसाथ अनेक आयामों वाले नेता थे। हिमंत को पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के शानदार प्रदर्शन का जिम्मेदार माना जाता था और वे सीएए-विरोधी आंदोलन तथा महामारी से निपटने में भी सफल हुए थे। इस बीच सोनोवाल को मोदी सरकार में कैबिनेट पद का प्रस्ताव किया गया है, पर पता चला है कि वे अपने साथ हुए व्यवहार से बहुत दुखी हैं और वे यह प्रस्ताव स्वीकारेंगे या नहीं। उनके अगले कदम पर नजर रहेगी। यदि वे केन्द्र में वापसी के लिए तैयार होते हैं जहां वे असम के मुख्यमंत्री बनने के पहले खेल मंत्री थे तो भाजपा नेतृत्व राहत की सांस लेगा। ऐसा न होने पर वे हिमंत के लिए अनेक आदिवासी समूहों तथा विधायकों का समर्थन प्राप्त करने के मामले में एक मजबूत चुनौती बन सकते हैं। पूर्वोत्तर के प्रभावशाली नेता हिमंत जैसे नेता को 'राहुल गांधी द्वारा मुलाकात के पहले घंटो प्रतीक्षा कराने के अपमान' के कारण कांग्रेस छोड़नी पड़ी थी। इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस की ज्यादातर मुसीबतें स्वयं उसकी पैदा की हुई हैं। हिमंत की पदोन्नति से निसंदेह सोनोवाल को चोट लगी है, पर इससे राहुल गांधी को ज्यादा पीड़ा होगी।

जन-स्वास्थ्य बीमा का पुनरीक्षण जरूरी

अब भारत में नीतिगत चिकित्सकों को वास्तविक चिकित्सकों के साथ समन्वय स्थापित करना होगा जिससे कि ऐसे तीव्र समाधान प्रस्तुत किए जा सकें जो सभी के लिए एक स्वस्थ जगत का निर्माण करने में सक्षम हों।

मोईन काज़ी
(लेखक विकास पेशेवर हैं)

स्वस्थ परिवार स्वस्थ समुदायों की नींव हैं, इस प्रकार, परिवार के लिए अच्छे स्वास्थ्य और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी लोग वित्तीय कठिनाई से पीड़ित हुए बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करें। सबसे बड़ी चुनौती दुनिया के गरीबों और बीमारों को नुकसान पहुंचाने वाले कई संकटों का मुकाबला करना है। वर्तमान महामारी के कारण हम दबाव की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और स्वास्थ्य संबंधी खर्च अब एक प्रमुख मार्ग बन गया है। भारत ने सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा में एक बड़ी छलांग ली जब उसने प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) और आयुष्मान भारत (एबी) योजना शुरू की। ये देश की प्रमुख संरचनाएं हैं जिन्हें सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा में मदद करने के लिए बनाया गया है ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को कर्ज के जंजाल में फंसे बगैर उचित चिकित्सा देखभाल मिल सके । सरकार की लागत लगभग 1,052 रुपए प्रति परिवार है, जिसका 60 प्रतिशत केंद्र और बाकी राज्यों द्वारा वहन किया जाता है।

हालांकि इस योजना के कई प्रशंसनीय उद्देश्य और उपन्यास विशेषताएं हैं, इसकी सीमाएँ हैं। स्पष्ट रूप से दुर्जेय लाभार्थी आधार होने के बावजूद, एबी-पीएमजेएवाई के पास अभी भी समग्र रोगी देखभाल प्रावधान में एक छोटा सा हिस्सा है। यह अस्पतालों के कम समानीकरण के कारण है, एबी-पीएमजेएवाई लाभों के वितरण के लिए निजी प्रदाताओं की एक सामान्य अनिच्छा, और अस्पतालों के समग्र व्यवसाय में एबी-पीएमजेएवाई का सीमित योगदान। सरकार सार्वजनिक और निजी अस्पतालों को कार्यक्रम के तहत कवर किए गए लोगों के इलाज के लिए निर्धारित दरों का भुगतान करती है और यह निजी क्षेत्र की व्यवहार्यता के साथ फिट नहीं है। सार्वजनिक स्वास्थ्य के वितरण में निजी क्षेत्र को किस प्रकार सह-चुना जा सकता है, यह देखने के लिए नए तरीकों की खोज की जानी चाहिए। उसी समय, सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली - विशेष रूप से ग्रामीण भारत में - को पुन: उत्पन्न करना होगा।

गरीबों के लिए, स्वास्थ्य अक्सर समृद्धि के मार्ग या विनाश में एक स्लाइड के बीच विभाजन रेखा है। मामलों को बदतर बनाने के लिए, आमतौर पर अस्थिर और अनिश्चित आय और गुणवत्ता स्वास्थ्य सेवा की अनुपस्थिति के संयोजन का मतलब है कम आय वाले समुदायों को न केवल स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच की आवश्यकता है, बल्कि इसके लिए भुगतान करने की क्षमता भी है। निजी हेल्थकेयर में भयावह लागत है जो रोगियों की कड़ी मेहनत से अर्जित बचत को काट देती है। नतीजों में स्पिलओवर के परिणाम होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप घरों में भोजन, शिक्षा, आवास और अन्य आवश्यकताओं के लिए कम धन उपलब्ध होता है।

असफल फसल की तुलना में स्वास्थ्य आपातकाल किसानों के लिए एक बड़ा जोखिम है। एक बार जब वे अपनी जमीन / पशुधन बेच देते हैं, तो वे गिरमिटिया मजदूर बन जाते हैं और इसे ठीक करने में एक पीढ़ी या उससे अधिक समय लगता है। भारत के सार्वजनिक अस्पतालों में देखभाल तकनीकी रूप से मुफ्त है। लेकिन वास्तव में देखभाल की खराब गुणवत्ता, मानव संसाधनों और उपकरणों की कमी ने उन्हें अत्यधिक रोगी भार का सामना करने से रोक दिया है। परिणामस्वरूप, बहुत से वंचित भारतीयों को महंगे निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए मजबूर किया जाता है जो वे बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं, या बस बिना देखभाल के चलते हैं।

न केवल एक स्वास्थ्य प्रकरण में खड़ी चिकित्सा लागत शामिल है, बल्कि आकस्मिक खर्च भी हैं। यह उस अवधि के दौरान आय के नुकसान से आगे बढ़ जाता है जब कोई व्यक्ति बीमार हो या घायल हो या किसी प्रियजन की देखभाल कर रहा हो। बीमा के बिना, लोग अक्सर इन जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए अनौपचारिक साधनों की ओर रुख करते हैं, लेकिन ऐसी रणनीतियां अपर्याप्त सुरक्षा प्रदान करती हैं। इसलिए जब दुर्भाग्य का प्रहार होता है, तो कई कर्ज के जाल में फंस जाते हैं क्योंकि वे अपने साधनों से परे हो जाते हैं। यह उन्हें उत्पादक संपत्ति बेचने, बच्चों को स्कूल से निकालने या उन्हें काम पर रखने, भोजन पर समझौता करने, या अन्य बीमारियों को छोड़ने के लिए ले जा सकता है। इस गतिशील के कारण, एक स्वास्थ्य मुद्दा आसानी से वित्तीय सिंकहोल बन सकता है। स्वास्थ्य बीमा व्यक्तियों के लिए दो प्राथमिक कार्य करता है। सबसे पहले, यह निवारक सेवाओं और / या उपचार दोनों के लिए स्वास्थ्य सेवा के लिए वित्तीय पहुंच को सुरक्षित करता है। दूसरा, यह उन सेवाओं की लागतों को बढ़ाता है, जो संभावित विनाशकारी आर्थिक झटके से बचाते हैं।

भारत में स्वास्थ्य बीमा नीतियां आम तौर पर आउट पेशेंट या अधिवास उपचार को कवर नहीं करती हैं, जहां प्रमुख खर्चों में फार्मेसी बिल, नैदानिक ??और रोग परीक्षण शामिल हैं। कई स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम बीमारी या अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण वेतन हानि को कवर करते हैं, लेकिन कई नहीं करते हैं। इन कवरेज अंतरालों के कारण, यहां तक ??कि बीमित लाभार्थी उच्च अप्रत्यक्ष लागतों को उकसा सकते हैं, खासकर ऐसे मामलों में जिन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, भारत की प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजना, एबी, अस्पताल में भर्ती होने से जुड़ी अप्रत्यक्ष लागतों को पहचानने और क्षतिपूर्ति करने में विफल है - और ये गरीबों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। इनमें अस्पताल और वापस आने-जाने का खर्च शामिल है। इसके अतिरिक्त, अस्पताल में या घर पर रहकर, अस्पताल में भर्ती होने के बाद, मजदूरी का नुकसान होता है। अक्सर, परिवार से देखभाल करने वाले परिचारकों को भी कई दिनों तक मजदूरी करनी पड़ती है और इलाज के लिए उनके पैतृक शहर से दूर ले जाने की स्थिति में उनके ठहरने की व्यवस्था करनी पड़ती है। गरीब परिवार कर्ज ले सकते हैं, उत्पादक संपत्ति बेच सकते हैं या अपने घर भी।

यह एक नकारात्मक प्रतिक्रिया पाश का खतरा है- गरीबी खराब स्वास्थ्य की ओर ले जाती है, जो आगे गरीबी उत्पन्न करती है। वे उपचार से बचने या देरी करने के लिए मजबूर हो सकते हैं, क्योंकि वे अपना वेतन नहीं खो सकते। इसी तरह, जिन्हें लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने की आवश्यकता होती है, वे काम पर वापस जा सकते हैं भले ही वे पूरी तरह से ठीक न हुए हों। खोई हुई आय, अक्सर वित्तीय झटके के सबसे बड़े घटकों में से एक, बीमाधारक के बीच बहुत कम होती है, क्योंकि यह उन्हें जल्द देखभाल करने की अनुमति देता है।

चूंकि महिलाओं की कई चिंताएं आसानी से बीमा योग्य नहीं हैं, जैसे, मातृत्व लागत, एक अधिक प्रासंगिक उत्पाद वह होगा जो बीमा और बचत को जोड़ता है। इस तरह, उदाहरण के लिए, एक महिला अपनी बचत का उपयोग सामान्य प्रसव की लागत, और अप्रत्याशित जटिलताओं की लागत को कवर करने के लिए बीमा का उपयोग कर सकती है। एबी की सफलता का मूल्यांकन करने में, जो मायने रखता है, यहां तक कि लाभार्थियों की गिनती से भी अधिक मायने रखता है, क्या यह लक्ष्य की आबादी में उनकी दैनिक जरूरतों पर आजीविका को प्राथमिकता देने की आवश्यकता को हटाता है। यह आमतौर पर ज्यादातर गरीब परिवारों के लिए होता है, जिनके पास उपचार के दौरान आय समर्थन की कमी होती है।

यह सिर्फ माध्यमिक और तृतीयक देखभाल के बजाय प्राथमिक, दिन-प्रतिदिन स्वास्थ्य सेवा सहित विचार कर सकता है। इसका कारण यह है कि खराब ढंग से वितरित प्राथमिक देखभाल अनिवार्य रूप से लाइन पर माध्यमिक और तृतीयक स्तरों पर स्वास्थ्य और वित्त पर बोझ बढ़ाती है। पारंपरिक चिकित्सा के नर्सों और चिकित्सकों को नई बीमारियों के भयावह रूपों के बारे में जानकारी रखने के लिए पुल पाठ्यक्रम लेना होगा। रोग स्थिर चीजें नहीं हैं। रोगजनक बदलते हैं, मेजबान बदलते हैं और वातावरण बदलते हैं। हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली संक्रमणों को दूर करने के परिणामस्वरूप बदल जाती है। और, ज़ाहिर है, हमारी जीवन शैली बदलती है, सामाजिक मानकों, चिकित्सा प्रणालियों और सार्वजनिक-स्वास्थ्य कार्यक्रमों के रूप में भी।

इस प्रकार, अस्पताल में भर्ती के दौरान वेतन और आकस्मिक खर्चों को शामिल करने के लिए लाभों को बढ़ाना आवश्यक है। यह पहले से ही विशिष्ट तुलनीय योजनाओं का प्रचलन है। इस तरह की योजनाएं, अस्पताल की नकदी, या वेतन हानि लाभ प्रदान करती हैं, जो कि अस्पताल में भर्ती होने के प्रत्येक दिन के लिए परिवहन और मजदूरी हानि के लिए एक निश्चित राशि है। विकासशील देशों में कुछ योजनाएं अस्पताल में भर्ती होने की प्रत्येक रात के लिए लाभार्थी को एक निश्चित राशि प्रदान करती हैं, भले ही वास्तविक खर्चों के बावजूद। इस टॉप-अप कवरेज का उपयोग किसी भी अन्य सामाजिक सुरक्षा योजना के साथ किया जा सकता है, जिसका सदस्य नामांकन कर सकते हैं। कवरेज को बढ़ाने से यह योजना सही मायने में गरीब हो सकती है। और, यह देखते हुए कि यह अतिरिक्त लाभ पूर्व अस्पताल में भर्ती होने पर सशर्त होगा, नैतिक खतरे या अनुचित दावों का कोई जोखिम नहीं है।

सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज केवल तभी एक वास्तविकता बन जाएगी, जब व्यक्तियों, परिवार और समुदाय को अपनी स्वयं की स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पहचान करने हेतु सशक्त हों तथा उन बीमारियों को संबोधित करने के लिए कदम उठाएं जो देखभाल की लागत में वृद्धि करते हैं और हमारे स्वास्थ्य प्रणालियों पर बोझ को कम करने में योगदान करते हैं।

वैश्विक महामारियों का चरित्र एवं विभीषिका

प्रफुल्ल गोराड़िया
(लेखक लोकप्रिय स्तम्भकार हैं)

हम सभी जानते हैं कि पूरी दुनिया पर भयानक हमला करने वाली कोरोना पहली वैश्विक महामारी नहीं है। ऐसे में केवल यही उम्मीद की जा सकती है कि यह न देशों को पराजित कर सकेगी और न उनके इतिहास की दिशा मोड़ सकेगी। वैश्विक महामारी से मुकाबला करने में उसकी प्रकृति समझना और यह जानना जरूरी है कि वह कैसे पैदा हुई। बीमारी के केन्द्र में क्या नष्ट करने की आवश्यकता है और उसे कैसे नष्ट किया जाए। हालांकि, चिकित्सा वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने इसका रास्ता निकाल लिया है, पर बीमारी ने भयानक विभीषिका पैदा की है। इस बात से सांत्वना मिलती है कि कोरोना पहली वैश्विक महामारी नहीं है। इसके पहले 11 वैश्विक महामारियां आ चुकी हैं और कोरोना बारहवीं है। जहां तक लिखित इतिहास हमें बताता है, पहली विभीषिका ब्यूबोनिक प्लेग ने पैदा की थी सिकी शुरुआत छठी शताब्दी में मिस्र के एक बंदरगाह से अचानक हुई थी। रिकार्ड में इसे ताऊन कहा गया था और वैश्विक महामारी शब्द की खोज बाद में हुई। प्लेग बहुत व्यापक रूप से फैला था और यह एड्रियाटिक समुद्र पार कांस्टैंटिनोपोल तक पहुंचा तथा इसका विस्तार रोम से लेकर उसके साम्राज्य के पश्चिम तक था। शुरुआती वर्षों से प्लेग को 'ब्लैक डेथ' का नाम दिया गया था।

इसके बाद ब्रिटेन समेत इसका विस्तार पश्चिमी यूरोप में हुआ। संयोग से उस समय कांस्टेंटिनोपोल पर जस्टीनियन साम्राज्य का शासन था। मुझे याद है कि उसे इतिहास में हगिया सोफ्यिा के निर्माता, एक शहर के प्रख्यात वास्तुविद व शताब्दियों तक एक साम्राज्य के निर्माता के रूप में जाना जाता था। तुर्क विजेताओं ने इसमें चार मीनारें जोड़ कर इसे मस्जिद में बदल दिया था तथा कमाल मुस्तफ़ा अतातुर्क ने 1920 के दशक में इसे एक संग्रहालय में बदल दिया था। अभी हाल ही में राष्ट्रपति इर्दोगान ने इसे फ्रि एक मस्जिद में बदल दिया है। संयोग से जर्मन बोलने वाले क्षेत्रों में यहूदियों पर आरोप लगाया जाता था कि उन्होंने कुंओं के पानी में जहर मिला दिया था। इसके लिए दंड स्वरूप यहूदियों को या तो ईसाई बनने या मौत की सजा का विकल्प दिया गया था। धर्मांतरण न करने वाले यहूदियों को उनके धर्मस्थलों में ले

जाकर सामूहिक रूप से जला दिया गया था। कुछ इतिहासकारों का विश्वास है कि पलेग ने पूर्वी रोमन साम्राज्य को भारी धक्का दिया था जो बीतते समय के साथ और कमजोर हो गया। आश्चर्य नहीं कि उसके बाद आने वाला बैजेंन्टियम मध्य एशिया से आने वाले तुर्कों का मुकाबला नहीं कर सका। तुर्कों ने पहले एंटोलिया और इसके बाद कांस्टैंटिनोपोल पर हमला कर इसका नाम इस्तांबूल कर दिया। इससे पता चलता है कि कोई वैश्विक महामारी कैसे एक सभ्यता का भविष्य बदल सकती है। पूर्वी यूरोपीय रोमन साम्राज्य के अवतार के रूप में ईसाइयत पर तो कोई प्रभाव नहीं पड़ा, पर साम्राज्य नष्ट हो गया। चर्च का मुख्यालय अब भी इस्तांबूल में है जहां जनसंख्या में दो या तीन प्रतिशत ईसाई बचे हैं।

चेचक अगली वैश्विक महामारी थी जो समय-समय पर व एक या दूसरे स्थान पर उभरती रही। लेकिन इसके बावजूद यह व्यापक रूप से भय पैदा करने वाली बीमारी थी और इसे वैश्विक महामारी माना गया। यह दशकों बाद तक लोगों को डराती रही। इसका भय इतना अधिक था कि एशिया के अधिकांश हिस्सों में हर बच्चे का इसके लिए अनिवार्य टीकाकरण कराया जाता था। इस भय के कारण भारत में बीमारी को शीतला माता के रूप में पूजा जाता था और उनके मंदिर बने थे। विशेषज्ञों को आशंका है कि इसकी शुरुआत गायों, ऊंटों या बंदरों से निकलने वाले वायरस से हुई थी। उन उपयोगी जानवरों से वायरस मनुष्यों में उस समय आए जब इनको पालना शुरू हुआ था। माना जाता है कि इस बीमारी की शुरुआत ईसा से 1,100 साल पहले हुई थी क्योंकि इसे मिस्र की कुछ ममियों में पाया गया। नई सहस्राब्दी शुरू होने के बाद निकट एक या दो रोमन राजा चेचक से मरे थे। चेचक ने पश्चिमी यूरोप व खासकर स्पेन को भी नहीं छोड़ा। वहां से इसका विस्तार 16वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में लैटिन अमेरिका तक हुआ। प्रकाशित विवरणों के अनुसार इसका स्पैनिश समाधान यह था कि पूरे परिवार के संक्रमित होने के बाद पूरी इमारत को गिरा दिया जाता था और इस प्रकार अनेक लोगों को दफ्न करने से बचा जाता था। कालरा एक और विभीषिका थी जिसका विस्तार मुख्यत: पानी या किसी और द्रव के माध्यम से होता था। विश्वास किया जाता है कि इसका जन्म गंगा के मैदान में हुआ था। यहां से इसका प्रसार सारी दुनिया में हुआ और यह रूस समेत 19वीं शताब्दी के प्रारम्भ में यूरोप तक पहुंच गया। इसके बाद यह बीमारी एटलांटिक समुद्र पार कर अमेरिका पहुंच गई तथा इसका विस्तार पूरे अमेरिका के साथ ही लैटिन अमेरिका में हो गया। कालरा वैश्विक महामारी के स्रोत का पता जर्मन वैज्ञानिकों ने 19वीं शताब्दी के अंत में लगाया था। इस खोज के बावजूद कालरा पूरब में इंडोनेशिया तथा दक्षिण-पश्चिम में कुछ अफ्रीकी देशों तक पहुंच गया। कालरा की विभीषिका फैलने से रोकने के लिए लोगों को केवल संदिग्ध पेय जल से दूर रहना था। पश्चिम में इसे 'ब्लू डेथ' का नाम दिया गया था, हालांकि कोलकाता में डाक्टरों ने इसके पहले लक्षण मल के रंग से पहचाने थे। यदि मल सफेद नहीं होता था तो व्यक्ति को कालरा से संक्रमित नहीं माना जाता था।

कुछ अन्य वैश्विक महामारियों में डिप्थीरिया, टायफायड, पोलियो, खसरा, इन्फ्लुएंजा और यलो फीवर शामिल हैं। कालरा की तरह टायफायड भी जल या द्रव-जनित बीमारी थी। पोलियो, खसरा और इन्फ्लुएंजा वायु-जनित बीमारियां हैं। इनके कारण जीव अलग-अलग हैं। इन्फ्लुएंजा ने प्रथम विश्वयुद्ध के बाद दुनिया के अधिकांश हिस्सों में विभीषिका पैदा की थी। मलेरिया इनमें सबसे अलग है। भारत में इसका कारण एक खास प्रजाति के मच्छर का बार-बार पैदा होना है। संयोग से आधुनिक यूरोपीय इतिहास पढ़ते समय मुझे नैपोलियन बोनापार्ट का एक संदर्भ मिला जिसके हजारों सैनिक 'यलो फीवर' के कारण मर गए थे।

आप की बात

दरगाह या आक्सीजन

राजस्थान सरकार के पास अपने अस्पतालों में आवश्यक आक्सीजन प्लांट लगाने के लिए पैसा नहीं था। पर सहसा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पास चिश्ती दरगाह, अजमेर को देने हेतु 100 करोड़ रुपये निकाल आये। सो वे जाकर चढ़ा आये। किसी मीडिया चैनल ने उनसे सवाल पूछने की जहमत नहीं उठायी कि लोगों की जान प्राणवायु से बचेगी या कब्र के श्रृंगार से। वैसे इस प्रश्न के उत्तर में कांग्रेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि जान तो मंदिर बनाने से भी नहीं बचेगी। वे भूल गए कि मंदिर तो जनता खुद के पैसे से बनवा रही है। खैर, गहलोत जहां से प्रेरणा लेते हैं, उस राजीव गांधी फाउंडेशन ने कितना पैसा कोरोना से लड़ाई में खर्च किया? जवाब है शून्य। और हर साल वह भी करोड़ों रुपया चिश्ती दरगाह को देता रहता है। यदि फाउंडेशन निजी रूप से वित्तपोषित होता तो दरगाह को देने की उसकी मर्जी पर शायद किसी को आपत्ति न होती। किन्तु उसका कोष सरकारी अनुदानों से भरा पड़ा है। यूपीए सरकार और उससे भी पहले नरसिम्हा सरकार के दिनों से हर वर्ष 100 करोड़ अथवा उससे ज्यादा जनता के टैक्स का पैसा फाउंडेशन को प्राप्त होता रहा है। इस समय कोरोना के खिलाफ खर्च करके वह जनता के कर्ज को कुछ उतार सकता था।

- **आस्था गर्ग**, मेरठ

शिक्षा की अर्थव्यवस्था

आज पूरा विश्व गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है।ऐसे में शिक्षण संस्थान और शिक्षा दोनों ही बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।पिछले साल महामारी के बाद से लगे लॉकडाउन ने शिक्षा पद्धति को पूरी तरह बदल दिया।आज लगभग सभी देशों के शैक्षिक संस्थान, विद्यार्थियों के सुरक्षा की दृष्टीकोण से ऑनलाइन माध्यम का रुक अख्तियार किए है।जबकि गौर करने वाली बात यह है कि अभी भी भारत में विद्यार्थियों के दो बुनियादी जरूरतें अधूरी है, जिसका नकारात्मक प्रभाव उनकी शिक्षा पर पड़ रहा है।जिसमें एक तो आर्थिक रूप से अपंग और दूसरा जरूरी संसाधन जैसी डिजिटल मोबाइल, लैपटॉप की कमी। ऑनलाइन शिक्षा के अंतर्गत गूगल क्लासरूम, जूम और क्लाउड एप्लिकेशन के कई सारे विकल्प हैं, लेकिन आज भी भारत की आधी आबादी इंटरनेट का उपयोग नहीं करती।जबकि अन्य देशों के मुकाबले, भारत में काफी सस्ता नेट उपलब्ध है। इन्टरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में सिर्फ छत्तीस फीसद लोग ही इन्टरनेट उपयोग कर रहे। जहां एक ओर लगातर बढ़ रहे संक्रमण के मामले सभी तरह से आय के श्रोत को बंद कर दिये हैं। वही दूसरी ओर खर्च अभी भी उतना ही है।

- **अमन जायसवाल**, दिल्ली विश्वविद्यालय

सेवा के विभिन्न रूप

कोरोना संक्रमित परिवारों को भोजन उपलब्ध कराने हेतु लोग आगे आ रहे है। यह बेहद स्वागतयोग्य है। यही मानवता है। इलाज में अधिक खर्च होने के कारण विभिन्न परिवारों की आर्थिक स्थिति बिगड़ जाने से भोजन की पुनीत समाज सेवा का कार्य कर रहे है।जो कि प्रशंसनीय कार्य है।ठीक उसी तरह समाज सेवी लोग एवं समिति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जिन सुविधाओं की आवश्यकता है वहाँ पर आवश्यक सामग्री भेंट कर रहे है।मानवसेवा के ऐसे उदाहरण अब हर गांव, शहरों में देखने को मिल रहे है। कई लोग अस्पताल तक ले जाने में अपनी भूमिका निभा रहे है। सहयोग और समर्पण भाव ने कई पीड़ितों एवं परिजनों के मन को शांति प्रदान कर फिक्र,तनाव को कम किया साथ ही रोग प्रतिरोध शक्ति बढ़ाने वाले अभियान जैसे योग, आर्युवैदिक नुस्खे का मार्गदर्शन दिया। कोरोना गाइड लाइन का पालन, चिकित्सा सुविधा, मानव सेवा आदि से इंसान जल्द संक्रमण से मुक्त होकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकता है।

- **संजय वर्मा**, मनावर, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

प्रत्येक अस्पताल में आक्सीजन की उचित आपूर्ति बनाए रखना कठिन है। हम केंद्र से दिल्ली को प्रतिदिन 700 मीट्रिक टन आक्सीजन देने की मांग करते हैं।

- **मनीष सिसोदिया**
दिल्ली के उपमुख्यमंत्री

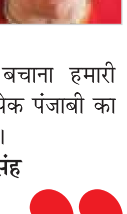

8 मई 1945 मुक्ति का दिन है। उन लोगों की इन स्मृतियों को जीवित रखना हमारा दायित्व है जिनकी उन वर्षों के दौरान अपना जिन्दगियां समाप्त हो गईं।

- **एंजेला मारकेल**
जर्मन चांसलर

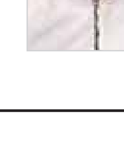

जीवन दांव पर लगे हैं। उन्हें बचाना हमारी प्राथमिकता है और यह दायित्व प्रत्येक पंजाबी का है कि वह उन जिंदगियों को बचाए।

- **कैप्टन अमरिंदर सिंह**
पंजाब के सीएम

आज से भर्ती किए जाने लगे मरीज

डीआरडीओ का अस्थायी कोविड अस्पताल शुरू

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

बीएचयू में डीआरडीओ के द्वारा 750 बेड के स्थापित पंडित राजन मिश्र कोविड अस्पताल का आज शुभारंभ किया गया। सबसे पहले वेंटिलेटर युक्त 250 बेड के पहले वार्ड में क्रिटिकल मरीजों को अन्य अस्पतालों से शिफ्ट करते हुए उनका इलाज चालू किया गया। शाम चार बजे से क्रिटिकल पेशेंट्स को डीआरडीओ के अस्पताल में शिफ्ट करने का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। शाम पांच बजे तक सात मरीज भर्ती हो चुके थे तथा और मरीजों को लाकर भर्ती करने का कार्य जारी है।

इसके अलावा 250.250 बेड के अस्पताल को भी एक सप्ताह के अंदर चालू कर दिया जायेगा। इसमें आक्सीजन सिलिंडर के द्वारा आक्सीजन आपूर्ति की जायेगी। जिलाधिकारी कौशलराज शर्मा ने बताया कि सिपला कंपनी से 94 रेमडिसिविर अपोलो फ़र्मेसी को उपलब्ध करायी गयी है तथा उत्तर प्रदेश शासन की ओर से प्राप्त ज़ायडस कंपनी की 72 रेमडिसिविर पंडित राजन मिश्र कोविड अस्पताल के नोडल आफ़िसर को सौंपी गयी। यह इंजेक्शन पूरी तरह निःशुल्क मरीजों को लगाया जायेगा। उन्होंने कहा कि आगे भी यह इंजेक्शन जरुरत के अनुसार उपलब्ध कराया जाएगा। प्रधानमंत्री के दिशा निर्देशन में सेना द्वारा बनाये गये इस अस्पताल में सेना के डाक्टरए मेडिकल स्टाफ तथा मेडिकल कॉलेज के अंतिम वर्ष के छात्रों को ट्रेनिंग देकर नियुक्त किया गया है। आक्सीजन प्लांट युक्त इस अस्पताल में फ़र्मेसीए लैबए कैन्टीनए सेनिटाइजेशनए साफ सफ़ाई आदि सभी की व्यवस्था की गयी है।मरीजों के तीमारदारों के ठहरनेए खाने पीने आदि के लिए गंगा भारती एनजीओ के द्वारा अस्पताल के साथ सहयोगार्थ निःशुल्क व्यवस्था की गयी है। इस अवसर पर मंडलायुक्त दीपक अग्रवालए जिलाधिकारी कौशलराज शर्माए वीसी बीडीए ईशा दुहनए लेफ्टिनेंट कर्नल नितिन मिश्रा ;प्रबंधकद्ध डीआरडीओए एडीएम सिटीए सीएमओ सहित सभी अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कोटेदार के खिलाफ ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, लगाए अनियमितता के आरोप

संवाददाता। चकिया चन्दौली

इलिया कस्बा स्थित सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानदार द्वारा राशन वितरण में घोर लापरवाही बरते जाने पर आक्रोशित कार्ड धारकों ने सोमवार को दुकान के समक्ष जमकर नारेबाजी करते हुए अपनी भड़ास निकाली।

कार्ड धारक निब्बुल केशरीए मुस्लिमए सोनू जायसवालए विकास गुप्ताए धर्मशिलाए अनीताए किशोरीए मुन्ना शर्माए मुनीर अहमदए मुन्ना गुप्ता सहित दर्जनों कार्डधारकों का आरोप है कि कोटेदार सावित्री देवी के पति कभी भी निर्धारित समय से दुकान नहीं खोलते हैंए घंटों प्रतीक्षा के बाद दुकान खोलने पर अक्सर पास मशीन न चलने का बहाना बनाकर उन्हें वापस लौटा दिया जाता है। इन दिनों जबकि लाकडाउन चल रहा हैए घर से बाहर निकलने में काफ़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऊपर से घर का राशन समाप्त हो गया है ऐसी स्थिति में कोटेदार द्वारा राशन का वितरण समय से न किए जाने से उन्हें काफ़ी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है।कार्डधारकों का कहना है कि कस्बा में एक अन्य राशन की दुकान भी संचालित है। वह भी इस दुकान से महज डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर स्थित हैए जो निर्धारित समय सुबह 6 बजे से दुकान इन दिनों खुल रही है और संबंधित कार्ड धारकों को समय से खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में कोटेदार सावित्री देवी द्वारा गरीबों को खाद्यान्न वितरण न करने से उनके समक्ष खाने को अनाज के दाने को मोहताज होना पड़ सकता है।

पहचान पत्र नहीं होने पर भी लगेगा टीका

- बुजुर्ग, साधु-संत जेल में बंद कैदी मानसिक अस्पतालों में भर्ती मरीज, वृद्धाश्रम के लोग, भिखारी, पुनर्वास केन्द्रों में रह रहे मरीज शामिल होंगे इस श्रेणी में
- स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की गाइडलाइन
- जिला स्तर पर खोजे जाएंगे ऐसे लाभार्थी और किए जाएंगे पंजीकृत

संवाददाता। मिर्जापुर।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोई पहचान पत्र न रखने वाले लोगों का टीकाकरण करने के लिए दिशा.निर्देश जारी किए हैं। इसके मुताबिक ऐसे लोगों को कोविन ऐप में पंजीकृत किया जाएगा और उनके टीकाकरण के लिए विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन लोगों की पहचान करने की जिम्मेदारी जिला शासन की होगी।अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अजय ने बताया कि मंत्रालय की गाइडलाइन के मुताबिक किसी भी व्यक्ति को वैक्सीनेशन कराने के लिए आधार कार्डए वोटर आईडी कार्डए पासपोर्टए ड्राइविंग लाइसेंसए पैन कार्डए एनपीआर कार्ड या पेंशन पेपर में से किसी एक पहचान पत्र का होना जरूरी है लेकिन अगर किसी के पास यह पहचान पत्र नहीं हैं तो उन्हें वैक्सीनेशन से वंचित नहीं रखा जा सकता। इसी के मद्देनजर मंत्रालय ने ऐसे लोगों का टीकाकरण कराने के लिए गाइडलाइन जारी की है। इस श्रेणी में बुजुर्गए साधु.संतए जेल में बंद कैदीए मानसिक अस्पतालों में भर्ती मरीजए वृद्धाश्रम के लोगए भिखारीए पुनर्वास केन्द्रों में रह रहे मरीज शामिल होंगे।ऐसे लोगों को ढूंढने का काम जिले की टास्क फोर्स करेगी। वह अल्पसंख्यक विभागए सामाजिक न्याय विभाग व समाज कल्याण विभाग के सहयोग से ऐसे लोगों की पहचान कर सकती है। इन लोगों का कोविन ऐप में पंजीकरण कराया जाएगा जिसमें लाभार्थी का नामए जन्म का साल और लिंग दर्ज कराया जाएगा। मोबाइल नंबर और पहचान पत्र की अनिवार्यता नहीं होगी। इसका सत्यापन फैसिलिटेटर करेंगे जिसके बाद इन लोगों का वैक्सीनेशन किया जाएगा।गाइडलाइन के मुताबिक जिले की टास्क फोर्स जिलास्तर पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त करेगी जो अलग.अलग समूह के लोगों की पहचान के लिए फैसीलिटेटर नियुक्त करेगा। यह फैसीलिटेटर लाभार्थियों की पहचान करेगा। नोडल अधिकारी उपलब्ध डेटा के मुताबिक इन लोगों के लिए विशेष वैक्सीनेशन सत्र का आयोजन कराएंगे।

दर्जन भर दुकानदारों का पुलिस ने काटा चालान

चंदौली। सदर कोतवाली क्षेत्र में कोविड.19 गाइडलाइन का उल्लंघन करने वाले करीब दर्जनभर दुकानदारों के खिलाफ पुलिस ने रविवार को कार्रवाई की है। पुलिस की इस कार्रवाई से मीटए मुर्गा व मछली बेचने वाले दुकानदारों में हड़कंप मच गया। दरअसल सदर कोतवाल अशोक मिश्रा कोविड 19 महामारी को देखते हुए लाकडाउन के अनुपालन किए जाने के लिए अपने टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। उसी दौरान मीट मछली बेचने वाले करीब दर्जन दुकानदारों द्वारा कोविड.19 गाइड लाइन का उल्लंघन करते हुए मिलेए जिसके बाद पुलिस द्वारा उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पकड़कर थाने ले आई और कार्रवाई करते हुए लाकडाउन उलंघन के आरोप में उनका चालान किया गयाए इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक अशोक मिश्रा ने बताया कि बार.बार सूचना देने के बाद भी इनके द्वारा लॉक डाउन का उल्लंघन किया जा रहा था।

कोरोना से बचने के लिए टीका, सोशल डिस्टिंसिंग ही उपाय

- प्रबन्धन महामारी की समाप्ति तक मुहिम जारी रखने के लिए है प्रतिबद्धः शैलेश सिंह

संवाददाता। सोनभद्र

हिण्डालको रेणुसागर पावर डिवीजन रेणुसागर संस्थान के अध्यक्ष के0पी0 यादव के निर्देश पर फैली महामारी कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के प्रभाव के रोकथाम हेतु प्रभावी अंकुश लगाने के लिए प्रबन्धन की हर सम्भव तैयारी जारी है। महामारी के बढ़ते प्रकोप को देख कर कालोनी के सभी मुख्य द्वारों पर सख्ती बढ़ाकर कड़ी चेकिंग की जा रही है। इस महामारी से बचने के लिए अब तक हर सम्भव उपाय को अपनाये जाने के साथ ही पूरी सतर्कता बरती जा रही है। मैनेजमेन्ट स्तर पर कोविड-19 टीमों का गठन किया गया है जो कालोनी एवं प्लाण्ट परिसर में घूम-घूमकर लोगों को सफ़ाई, सोल डिस्टेन्सिंग एवं अन्य उपायों के प्रति जागरूक कर रहे है। साथ ही साथ लोगों को यह भी निर्देशित किया गया है कि कम से कम अपने घरों से निकलें तथा दुकानदारों के दिये हुए मोबाइल नम्बरों पर बात कर आवश्यक वस्तुओं की होम डिलवरी करायें इसी क्रम में मानव संसाधन प्रमुख शैलेश सिंह ने कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के प्रभाव और उपचार की कमान सभालते हुए बताया कि हमारे कर्मचारी जोश व जज्बे का परिचय देते हुए स्वयं सेवक के रूप में इस महामारी से बचाव हेतु युद्ध स्तर पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बीमारी से बचाव ही इसका उपचार साबित होता नजर आ रहा है। सभी अधिकारियों, कर्मियों व उनके परिवारों को इस महामारी से बचाव हेतु कोविड-19 का टीका लगवाया जा रहा है प्लाण्ट व कालोनी के मुख्य द्वार पर सेनीटाइजर मशीन लगाई गयी है, बाहर से आने वाली गाड़ियों को सेनीटाइज किया जा रहा है इसके साथ ही सभी प्लाण्ट के प्रमुख द्वार पर थर्मल स्कैनिंग की जा रही है। प्लाण्ट को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु कर्मचारी दो शिफ्टों में ड्यूटी कर रहे हैं। आस-पास में बढ़ते कोरोना मरीजों की संख्या से प्रबन्धन ने सावधानी व सख्ती बढ़ा दी है स्थानीय बिड़ला मार्केट शॉपिंग सेन्टर को बन्द कराकर आवयक सेवाओं की आपूर्ति को बहाल कर दिया गया है कालोनी, प्लाण्ट परिसर, बिड़ला मार्केट शॉपिंग सेन्टर व पब्लिक प्लेस को सेनीटाईज कराया जा रहा है। परियोजना में प्रवेश के पहले कर्मियों की थर्मल स्कैनिंग व पी.पी.ई. किट की जांच के उपरान्त ही प्रवेश मिल पा रहा है। प्लाण्ट परिसर में कार्यस्थल पर सोल डिस्टेन्सिंग का पालन किया जा रहा है। अन्त में उन्होंने बताया कि हमारा प्रबन्धन इस महामारी की समाप्ति तक अपने इस मुहिम को जारी रखने हेतु पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

डीएम ने सम्पूर्ण क्षेत्र में नई गाइडलाइन जारी की

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने वाराणसी के सम्पूर्ण क्षेत्र में 10 मई की प्रात: 7 बजे तक कतिपय प्रतिबंधों के साथ लागू कोरोना कर्फ्यू को शासन के निर्देशानुसार जनपद में आंशिक कोरोना कर्फ्यू को 17 मई की प्रात: 07 बजे तक लागू कर दिया है। जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने बताया कि लागू कोरोना कर्फ्यू के दौरान जनसामान्य व उनके वाहनों का आवागमन व जनसामान्य का घर से बाहर निकलना तथा सभी व्यापारिक व व्यवसायिक गतिविधियों को प्रतिबन्धित किया गया है। जनपद वाराणसी में समस्त प्रकार की दुकानए शॉपिंग कॉम्प्लेक्सए मॉलए व्यापारिक प्रतिष्ठानए धार्मिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे तथा किसी भी तरह की सार्वजनिक व धार्मिक गतिविधियां प्रतिबंधित रहेगी।

इस दौरान दूधए सब्जीए ब्रेडए फ्लए बेकरी के सभी उत्पादों के आउटलेटए भोजन सामग्री की दुकानेंए अनाज.गल्ले की रिटेल दुकानेंए मिठाई की दुकानेंए आबकारी दुकानेंए सब्जी मण्डीध्फल मण्डी आदि दिन में एक बजे तक सोशल डिस्टेंसिंग के पालन तथा सेनेटाइजर एवं मास्क के प्रयोग की अनिवार्यता के साथ खोली जा सकती हैं। मेडिकल दुकानेंए मेडिकल आपूर्तिए सर्जिकल दुकानेंए मेडिकल टेस्ट व ब्लड टेस्ट जांच करने वाली लैबए ब्लड कलेक्शन सेंटर एवं उनके ऑफिसए निजी व सरकारी मेडिकल व प्राइवेट प्रैक्टिस वाले क्लीनिकए अस्पतालए एम्बुलेंसए हॉस्पिटल को होने वालीए सामग्रियों की आपूर्तिए आपात चिकित्सा स्थिति वाले व्यक्ति व अन्य मेडिकल सेवाएं इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगी। मेडिकल सप्लाई की आवश्यकताओं के दृष्टिगत सभी कूरियरए ई.कॉमर्सए ट्रांसपोर्ट ऑफिसए गोदाम व उनके कर्मचारी व वाहन इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। पेट्रोल पम्पए गैस एजेंसीए ऑक्सीजन गैस के वेंडर्स धू सप्लायर्सए न्यूज पेपर वेंडर इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। औद्योगिक गतिविधियांए हार्डवेयर की दुकानए सरकारी निर्माण कार्य इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। इस दौरान आवागमन के सरकारी व निजी साधनोंए टैक्सीए ऑटोए ई.रिक्शा आदि पर कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा। बीज व खाद की दुकानए कोटे की उचित दर की दुकान व गेहूँ क्रय केन्द्र इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। दूरसंचार सेवाएंए डाक सेवाएं प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा इंटरनेट सेवा से जुड़े व्यक्ति इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। इस दौरान यात्रीगणए मरीजए कोविड टेस्ट कराने वाले व्यक्तियों तथा वैक्सीनेशन कराने वाले व्यक्तियों के आवागमन व इनके वाहनोंध्टैक्सीध्ऑटोध्ई.रिक्शा पर प्रतिबंध नहीं होगा।सरकारी कर्मचारीगण अपने कर्मचारी पहचान पत्र के साथ और सभी शहर से गुजरने वाले मालवाहक वाहन प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। बस स्टैंडए रेलवे स्टेशन व एयरपोर्ट के यात्रीगण अपनी टिकट के साथ प्रतिबंध से मुक्त होंगे।

रोहनिया विधायक और एसडीएम ने ग्रामीणों को बांटे मास्क व दवा किट

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

कोरोना संक्रमण के इस बढ़ती हुई महामारी को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार वाराणसी के जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में सोमवार को उपजिलाधिकारी सिद्धार्थ यादव तथा एडीएम प्रोटोकॉल बच्चू सिंह की मौजूदगी में रोहनिया विधायक सुरेंद्र नारायण सिंह ने मोहनसराय गांव में ग्राम प्रधान मनोज कुमार वर्मा तथा पयागपुर गांव में ग्राम प्रधान अल्पना पांडेय की उपस्थिति में लोगों को कोरोना जैसी महामारी से बचने के लिए मास्क व निःशुल्क कोविड मेडिसिन कीट का वितरण किया।जिसके दौरान उप जिलाधिकारी सिद्धार्थ यादव ने वितरण किये गये निःशुल्क दवा को सेवन करने के बारे में लोगों को विधिवत विस्तार पूर्वक जानकारी दिया।दवा वितरण के दौरान एडीएम प्रोटोकॉल बच्चू सिंह ने ग्रामीणों को कोरोना संक्रमण जैसे महामारी से बचने हेतु सबको जागरूक करते हुए कोविड.19 के नियमों तीनो नियमो का पालन करने तथा कोविड वैक्सिन टीका लगवाने का अपील किया।इसके अलावा माधोपुर तथा छितौनीकोट गांव में भी मेडिसिन कीट का वितरण किया गया। इस मेडिसिन कीट वितरण के दौरान नायब तहसीलदार नीरज कुमार श्रीवास्तवएग्राम प्रधान मनोज कुमार वर्माएलेखपाल दिवाकर उपाध्यायएलेखपाल लक्ष्मण गिरिएअमित जायसवालएग्रामसरे पाठकएवीरू सिंहएविजय कुमार पांडेयएमुन्ना लाल यादव आदि मौजूद रहे।

कोरोना संक्रमण की रफ्तार हुई कम, मिले 172 रोगी

संवाददाता। सोनभद्र

कोविड-19 के तेजी से बढ़ रहे संक्रमण की रफ्तार में थोड़ी कमी आई है, जो कि जिले के लिए राहत भरी खबर है। रविवार को आई रिपोर्ट में जनपद में कुल 212 लोग पाजिटिव पाए गए जबकि सोमवार को यह आंकड़ा 172 का रहा। रविवार को कोविड-19 के संक्रमण से मुक्त होकर अपने घर वापस जाने वालों की संख्या 433 लोगों की थी जबकि सोमवार को 353 लोग कोविड-19 के संक्रमण से मुक्त हो कर स्वस्थ हो गये। जनपद के लिए राहत भरी खबर यह भी रही की प्रतिदिन कोविड-19 के संक्रमण से मिलने वाले लोगों की तुलना में ठीक होने वाले लोगों की संख्या अधिक है। जनपद मे जन जागरूकता, संक्रमण के रोकथाम को लेकर किये जा रहे तमाम उपायों के बाद भी पिछले लगभग दो हफ्ते से तेजी से संक्रमण बढ़ रहा था। संक्रमण के चलते जनपद के आम लोगों मे कोविड-19 के संक्रमण को लेकर एक डर का वातावरण बना हुआ था जिस पर थोड़ा विराम लगा है। जनपद के जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. राम कुंवर ने बताया कि आंकड़ों की दृष्टि से जनपद सोनभद्र के लिए थोड़ी राहत जरूर है। पर यह समय भी सावधानी बरतने का है। आम तौर पर देखा जाता है कि राहत मिलने के साथ ही आम लोगों के बीच असावधानी शुरू हो जाती है, जो गंभीर रूप धारण कर लेती है। ऐसे समय में और आवश्यकता इस बात की होती है कि अधिक से अधिक सावधानी बरती जाए। अनावश्यक रूप से अपने घरों से बाहर न निकलें ,घर से बाहर निकलना बहुत आवश्यक हो तो मास्क का प्रयोग जरूर करें, एक दूसरे के साथ दो गज की दूरी को बनाये रखें, साबुन पानी से बार बार हाथ धोते रहें, सेनिटाइजर का उपयोग करें। कोविड-19 कोरोना के नियमों व निर्देशो का पालन करके ही संक्रमण को रोका जा सकता है।

ब्लाक प्रमुख चुनाव दमदारी से लड़ेगी सपाः देवी प्रसाद चौधरी

संवाददाता। मिर्जापुर

समाजवादी पार्टी ब्लाक प्रमुख का चुनाव दमदारी से लड़ने की तैयारी कर रही है। इसी क्रम में पार्टी के जिला कार्यालय लोहियाट्रस्ट भवन पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी की अध्यक्षता में पदाधिकारियों व विधानसभा अध्यक्षों एव ब्लाक अध्यक्षों की वर्चुअल बैठक की गई। जिसमें निर्णय लिया गया कि पार्टी बारहों ब्लाक में होने वाले ब्लाक प्रमुख के चुनाव में दमदारी से लड़ेगी जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने सभी पदाधिकारियों से कहा कि क्षेत्र पंचायत सदस्यों से सम्पर्क बनाये रखे और जो भी उम्मीदवार पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी होना चाहता है वह अपना आवेदन पत्र पार्टी कार्यालय लोहियाट्रस्ट पर तत्काल जमा करा दें ताकि कोर कमेटी इसमें निर्णय ले सके। उन्होने लगे हाथ ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता ने पंचायत चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को जीताकर यह साबित कर दिया है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ खड़ी होगी। उन्होंने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से कहा कि कोरोना से बचाव के लिए आस पड़ोस के लोगो की मदद करे और उन्हें सेनेटाइजर लगाने और मास्क पहनने का भी अनुरोध करें। बैठक में पूर्व जि लाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादवए अशोक यादवए रोहित शुक्ला ;लल्लूद्धए सुरेन्द्र सिंह पटेलए अनिल यादवए शैलेष पटेलए जुम्मन खांए रविप्रकाश त्रिपाठीए रामगोपाल बिन्दए रामजी यादवए शिवकुमार यादवए शमशाद खानए अतीक खांए महेन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

दुकानों पर उमड़ रही है खरीदारों की भारी भीड़

सकलडीहा चन्दौली। कोरोना महामारी को लेकर अधिकारी से लेकर डाक्टर सहमे हुए है। इसके बाद भी गांव और कस्बा में कोरोना महामारी का खुलेआम उलंघन हो रहा है। सोमवार को सकलडीहा कस्बा से लेकर चौराहों तक खुलेआम दुकाने खुली रही। खरीदारी के लिये लोगों की भीड़ कस्बा में लगा रहा। इसके बाद भी कोतवाली पुलिस अनभिज्ञ बने हुए है। इस दौरान न तो सामाजिक दूरी का पालन कर रहे है न तो मास्क लगाने के लिये जागरूक है। जिसे लेकर कोरोना वारियर्स में काफ़ी आक्रोश है कोरोना की दूसरी लहर के बाद तीसरी लहर खतरनाक है। जिसे लेकर कोरोना कर्फ्यू की समय सीमा बढ़ा दी गयी है।

एनटीपीसी रिहंद कर रहा कोविड-19 के प्रसार को रोकने के गंभीर प्रयास

बीजपुर/सोनभद्र। कोविड-19 महामारी के प्रसार एवं ऐसे में विद्युत उत्पादन जैसी आवश्यक सेवा को ध्यान में रखते हुये एनटीपीसी रिहंद द्वारा विभिन्न कदम उठाए गए हैं। इस क्रम में सर्वप्रथम एनटीपीसी रिहंद स्थित धन्वन्तरी अस्पताल में दवाओं सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं , टेस्टिंग एवं राज्य स्वास्थ्य विभाग के साथ मिल कर वैक्सीन का प्रबंध किया गया है । साथ ही विद्युत उत्पादन गृह, कार्यालयों में कोविड से सुरक्षा हेतु विभिन्न सावधानियाँ बरती जा रही है द्य विद्युत उत्पादन गृह एवं आवासीय परिसर में मास्क के बिना प्रवेश पर रोक है द्य सामाजिक दूरी एवं अन्य सावधानियों का अनुपालन भी सुनिश्चित करने हेतु कदम उठाए गए हैं।इस विद्युत गृह एवं आवासीय परिसर के गेट पर वृहद चेकिंग की जा रही है द्य साथ ही परिसर में अकारण घूमने आदि पर रोक लगाई गयी है द्य बैंक ,पोस्ट ऑफिस एवं अस्पताल जैसी आवश्यक सेवा हेतु जाने वाले व्यक्तियों को प्रवेश हेतु अनुमन्य किया जा रहा है। इन सभी सावधानियों का उद्देश्य परिसर के अंदर एवं बाहर के व्यक्तियों में कोविड -19 के प्रसार को रोकने का है एवं इसमे सभी का सहयोग अपेक्षित है।

कोविड प्रोटोकॉल का करें पालनः डीएम

संवाददाता। चन्दौली

कोविड-19 महामारी के दृष्टिगत जिलाधिकारी संजीव सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में स्थापित इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर तथा सर्विलांस सेंटर कक्ष में बैठक सम्पन्न हुई। कोविड.19 गाइड लाइन के नियमों का पालन करते हुए बैठक शुरू हुआ। बैठक में जिलाधिकारी ने नोडल अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि सब्जी मंडीयों में बिक्री तय टाइम में होए नोडल अधिकारी स्वंय उपस्थित रहे कोविड प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करते हुए सब्जियों की दुकान का संचालन करवाना सुनिश्चित किया जाय। बाजारोंध्मंडी में लगातार लाउड स्पीकर के माध्यम से कोविड से बचाव के लिए अपील किये जाय। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि होम आइसोलेशन रहने वाले व्यक्तियों का स्वास्थ्य की जानकारी रोजाना प्राप्त कर रजिस्टर में अंकित किया जाय। साथ ही दवाओं का सेवन व सावधानियां बरतने के लिए वार्तालाप कर जानकारी दी जाय। कहा कि कोविड संक्रमण से ग्रस्त ज्यादातर लोग समुचित चिकित्सकीय परामर्श से होम आइसोलेशन में रहते हुए ही स्वस्थ हुए हैं। बहुत कम संख्या ऐसी है जिन्हें अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत होती है। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि गांव में साफसफ़ाई व कूड़े का निस्तारण लगातार सुनिश्चित किया जाए इसके अलावा सोडियम क्लोराइड का छिड़काव भी सुनिश्चित हो। साफसफ़ाई का वीडियो व फ़ोटोग्राफ्स प्रत्येक दशा में जनपद स्तर पर संबंधित अधिकारी को उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि बड़े पैमाने पर जनपद में सफ़ाई कर्मियों द्वारा साफसफ़ाई के साथ सोडियम क्लोराइड का छिड़काव चलाया जा रहा है यह काफ़ी सराहनीय है। इस महामारी के दौर में स्वच्छता कर्मियोंए चिकित्सको एवं नर्स की अहम भूमिका है। कोरोना महामारी के इस दौर में लोगों को अपने घर व आसपास विशेष रूप से साफसफ़ाई रखना होगा। प्रत्येक व्यक्ति अपने घर पर रहकर कोविड प्रोटोकाल का पालन सुनिश्चित करें। भीड़भाड़ वाले जगहों पर जानें से बचें। तभी कोरोना संक्रमण का प्रसार रोकना सम्भव होगा। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि आरटीपीसीआर की जाँच में तेजी लाया जाय। कोविड के मरीजों को निरंतर दवाओं के साथ समुचित स्वास्थ्य संबंधित उपचार सुनिश्चित हो। किसी प्रकार की मरीजों को दिक्कत न हो इसके लिए स्वास्थ्य विभाग बैठक कर समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा दवाओं की उपलब्धता बनी रहे इसके लिए पहले से ही डिमांड कर दिया जाए ताकि किसी भी प्रकार का मरीजों को दिक्कतें न हो इसके लिए शासन बेहद गंभीर है । चिकित्सकों को सख्त निर्देश जारी किया जाए बाहर की दवाएं कतई न लिखें, पाए जाने पर दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित होगी। रोजमर्रा के सामानों को अधिक मूल्य पर बेचने वाले व्यक्तियों के खिलाफ लगाम लगाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने कहा कोरोना महामारी के दौर में दुकानदारों द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक बेचने की शिकायत मिलती तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित होगी।

पूर्व सीएम पलानीस्वामी अन्नाद्रमुक विधायक दल के नेता चुने गए

● नेता प्रतिपक्ष बनना तय

भाषा। चेन्नई

पूर्व मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी को सोमवार को यहां करीब तीन घंटे तक चली अन्नाद्रमुक विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से नेता चुना गया, जिसके बाद उनका तमिलनाडु विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बनना तय हो गया है। विधायक दल का नेता चुनने के लिए पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की तीन दिन में यह दूसरी बैठक थी। खबर है कि नव-निर्वाचित विधायकों की बैठक में पार्टी का एक धड़ा पलानीस्वामी और दूसरा धड़ा पार्टी के समन्वयक ओ. पनीरसेल्वम को पार्टी का नेतृत्व सौंपने की वकालत कर रहा था। अंततः पार्टी ने बैठक के बाद एक बयान में पलानीस्वामी को विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की। पलानीस्वामी और पनीरसेल्वम दोनों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि यह फैसला सर्वसम्मति से लिया गया है इसके बाद, पार्टी के नेता तमिलनाडु विधानसभा के सचिव के. श्रीनिवासन से मिले और उन्हें पलानीस्वामी के चयन के संदर्भ में एक पत्र सौंपा।

विधायकों ने सात मई को भी बैठक की थी, लेकिन उस बैठक में विधायक दल का नेता चुने जाने पर आम सहमति नहीं बन पाई थी। पार्टी में मुख्यालय में आज जब बैठक जारी थी, तब सोशल मीडिया पर कुछ खबरों में यह भी दावा किया गया कि मतभेदों को दूर करने के लिए विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष पी. धनपाल के नाम पर भी विचार किया जा रहा है। विधायकों की बैठक के मद्देनजर अन्नाद्रमुक मुख्यालय और परिसर में कुछ कार्यकर्ता एकत्रित हो गए। दीवारों पर कुछ पोस्टर लगे दिखे, जिसमें पनीरसेल्वम से विपक्ष का नेता बनने की मांग की गई थी।वहीं, पलानीस्वामी के समर्थक उनके चयन को लेकर आश्वस्त दिखे। इसी तरह से पार्टी कार्यालय के पास कुछ पोस्टर वीके शशिकला को स्थाई महासचिव बनाए जाने के पक्ष में भी नजर आए और कई में उन्हें पार्टी का नेतृत्व सौंपने की मांग भी की गई। बता दें कि शशिकला और उनके भतीजे टीटीवी दिनाकरन को वर्ष 2017 में पार्टी से निकाल दिया गया था।

प्रियंका ने सेंट्रल विस्टा को लेकर केंद्र पर निशाना साधा

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सेंट्रल विस्टा परियोजना को लेकर सोमवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि देश में कोरोना महामारी के संकट के समय प्रधानमंत्री के नए आवास के लिए पैसे क्यों खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री का नया आवास और सेंट्रल विस्टा की लागत 20 हजार करोड़ रुपए है। इतने पैसे में टीके की 62 करोड़ खुराक आ जाएगी, 22 करोड़ रेमेडिसिवर आ जाएगा, 10 लीटर के तीन करोड़ ऑक्सीजन सिलेंडर आ जाएंगे या 13 एम्स बन जाएंगे। फिर ए क्यों? प्रियंका के साथ ही पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस के कई अन्य नेता सेंट्रल विस्टा परियोजना को लेकर सवाल उठा चुके हैं। उधर, विदेशी सहायता को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह नया भारत है, जहां नाकामियों से मिली सहानुभूति को खूबी बना दिया जाता है।

कोलकाता में नये मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी

कोरोना वायरस के खिलाफ गांव में कड़ी नाकाबंदी

मंत्री और जिलाधिकारी वापस लौटे

भाषा। इंदौर (मध्य प्रदेश)

मध्य प्रदेश के इंदौर जिले के करीब 7,000 की आबादी वाले ढाबली गांव में कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए ग्रामीणों ने अपने स्तर पर कड़ी नाकाबंदी के जरिए बाहरी लोगों के प्रवेश पर सख्ती कर रखी है। सख्ती का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राज्य सरकार के एक मंत्री और जिलाधिकारी तक ने अपने दौरे में इस गांव के भीतर प्रवेश नहीं किया और ग्रामीणों की जागरूकता का सम्मान करते हुए वापस लौट गए। जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर ढाबली गांव में रविवार को सामने आई इस घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं। इनमें राज्य के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट और जिलाधिकारी मनीष सिंह गांव के प्रवेश द्वार पर लगे बैरिकेड के दूसरी ओर खड़े होकर ग्रामीणों से चर्चा करते नजर आ रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि मंत्री और जिलाधिकारी जनता कर्फ्यू (आंशिक लॉकडाउन) के दौरान महामारी की स्थिति का जायजा लेने ग्रामीण क्षेत्रों के दौरे पर गए थे, लेकिन ढाबली गांव में महामारी से बचाव के लिए ग्रामीणों की जागरूकता को देखते हुए उन्होंने बैरिकेड हटवाकर गांव में प्रवेश करना उचित नहीं समझा और वे बैरिकेड पर तैनात ग्रामीणों से चर्चा कर लौट गए। ढाबली गांव के सरपंच महेश परिहार ने सोमवार को कहा, कोरोना वायरस संक्रमण के चलते गांव के दो-तीन लोगों की मौत के बाद हमने बाहरी लोगों के प्रवेश पर सख्ती करने के लिए बैरिकेड लगा दिया है। गांव के युवा इस बैरिकेड पर बारी-बारी तैनात होते हैं।

नेतृत्व परिवर्तन के लिए नही हुई शाह के साथ बैठक: कर्नाटक के मंत्री

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृहमंत्री बसावराज बोम्मई ने सोमवार को कहा कि हाल में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ हुई उनकी बैठक कोविड-19 महामारी को लेकर थी ना कि राज्य में किसी नेतृत्व परिवर्तन को लेकर। बोम्मई ने यहां पत्रकारों से कहा, मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि हमारे दिल्ली दौरे का कोई राजनीतिक उद्देश्य नहीं था। कोविड-19 महामारी के अलावा हमारे दिल्ली दौरे का कोई और कारण नहीं था। हमने ऐसी चर्चा (नेतृत्व परिवर्तन) तक नहीं की। बोम्मई के साथ कर्नाटक भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री बीएस एदियुरप्पा के बेटे बी वाई विजएंद्र के दिल्ली दौरे से नेतृत्व परिवर्तन को लेकर कयास लगाए जाने लगे थे। यहां तक कि कुछ खबरों में यह तक कहा गया कि बोम्मई कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री होंगे। हालांकि, पत्रकारों से स्थिति स्पष्ट करते हुए मंत्री ने कहा, नेतृत्व परिवर्तन का विचार ही दोषपूर्ण है।

कोविड-19 पर कड़े कदम उठाए गए हैं, सम्पूर्ण लॉकडाउन से रोजी रोटी पर असर पड़ेगा : ममता

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि राज्य में कोविड-19 को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं, लेकिन अगर सम्पूर्ण लॉकडाउन लगाया गया लोगों की जीविका प्रभावित होगी। राज्य में स्थिति शांतिपूर्ण होने का तर्क देते हुए बनर्जी ने कहा कि चुनाव के बाद हिंसा संबंधी फर्जी वीडियो फैलाने वालों के खिलाफ उनकी सरकार कार्वाई करेगी। केन्द्र सरकार से देश में सभी को निःशुल्क टीका लगाने का अनुरोध करते हुए बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार टीकाकरण के लिए किसी से कोई शुल्क नहीं लेगी। अपनी नई सरकार के मंत्रिमंडल की पहली बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा, हमने कड़े कदम उठाए हैं... राज्य में (कोविड-19 के मरीजों के लिए) अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या बढ़ाकर 30,000 कर दी गई है। राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों को ऑक्सीजन प्लांट लगाने को भी कहा गया है और उन्हें अपने हिसाब से बिस्तरों की संख्या बढ़ाने की छूट दी गई है। उन्होंने कहा, सम्पूर्ण लॉकडाउन से लोगों खास तौर से दिहाड़ी मजदूरों की जीविका पर असर पड़ेगा,। मुख्यमंत्री ने लोगों से ईद के अवसर पर छोटे-छोटे समूहों में (50 से कम लोगों) नमाज पढ़ने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने केन्द्र से बंगाल के लिए तीन करोड़ टीके मांगे हैं, जिनमें से एक करोड़ निजी अस्पतालों को दिए जाएंगे।

उन्होंने कहा , वायरस संक्रमण की श्रृंखला तोड़ने के लिए स्थानीय ट्रेन सेवाओं के निलंबन जैसे कई कदम उठाए जा रहे हैं।

बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के 43 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई, विभागों का हुआ बंटवारा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी नीत नई सरकार के मंत्रिमंडल के कम से कम 43 सदस्यों को सोमवार को राजभवन में एक संक्षिप्त समारोह में मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बीच राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने एक संक्षिप्त समारोह में मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। तृणमूल कांग्रेस के अमित मित्रा, ब्रत्य बासु और रतिन घोष को डिजिटल तरीके से शपथ दिलाई गई। मित्रा इस समय अस्वस्थ हैं और बासु तथा घोष कोविड-19 से उबर रहे हैं। आज जिन्हें शपथ दिलाई गई, उनमें 24 कैबिनेट मंत्री एवं 10 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं। आठ महिलाएं भी मंत्रिमंडल में शामिल की गई हैं।

क्विक न्यूज

लोग अपने मताधिकार की कीमत जान से चुका रहे है, हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करूंगा: बंगाल राज्यपाल

कोलकाता। ममता बनर्जी सरकार के मंत्रियो को शपथ दिलाने के कुछ क्षणो बाद ही पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने राज्य में चुनाव बाद हिंसा से उपजी स्थिति पर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि वह प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। धनखड़ ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह भी कहा कि लोगो को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने की कीमत अपनी जान से चुकानी पड़ रही है। रेखांकित किया, चुनाव बाद हिंसा से उपजी स्थिति चिंताजनक है। मै राज्य के हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करूंगा। राज्यपाल ने कहा कि राज्य प्रशासन ने प्रभावित इलाकों का दौरा करने से पहले जरूरी व्यवस्था करने के उनके आग्रह पर अब तक जवाब नही दिया है। धनखड़ ने कहा, अगर आपका वोट आपकी जान जाने या संपत्ति के नष्ट होने का कारण बनता है, अगर यह आगज़नी का कारण बनता है तो फिर लोकतंत्र के खत्म होने का संकेत मिलता है। विधानसभा चुनाव के दो मई को नतीजो के ऐलान के बाद बंगाल के कई हिस्सो से संघर्ष की खबरे मिली है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने हाल मे कहा है कि चुनाव बाद हिंसा मे कम से कम 16 लोगो की मौत हुई है।

कोट कपूरा घटना की जांच छह महीने से पहले पूरी करने के लिए स्वतंत्र है जांच दल: पंजाब सरकार

चंडीगढ़। पंजाब सरकार के एक प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि 2015 के कोट कपूरा गोलीबारी घटना की जांच पूरी करने के लिए उच्च न्यायालय द्वारा तय की गई छह महीने की समयसीमा अधिकतम है और नया विशेष जांच दल (एसआईटी) उससे भी जांच संपन्न करने के लिए स्वतंत्र है। कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने शनिवार को पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिन्दर सिंह पर निशाना साधते हुए कहा था कि घटना की जांच के लिए एसआईटी को छह महीने का समय देने से फरीदकोट में 2015 में बेअदबी मामले के बाद पुलिस गोलीबारी की घटना मे न्याय सुनिश्चित करने में और देरी होगी। विपक्षी दलो आम आदमी पार्टी (आप) और भाजपा ने भी इस मुद्दे पर पंजाब सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह दोषियो को बचाने और न्याय मे देरी का प्रयास कर रही है।सरकार ने पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार शुक्रवार को तीन सदस्ईय नए विशेष जांच दल का गठन करके उसे छह महीने में घटना की जांच पूरी करने का निर्देश दिया था। इस विशेष जांच दल मे एडीजीपी (सतर्कता ब्यूरो) एल के यादव, लुधियाना के पुलिस आयुक्त राकेश अग्रवाल और डीआईजी (फरीदकोट रेंज) सुरजीत सिंह को शामिल किया गया है। जांच दल कोट कपूरा गोलीबारी घटना के संबंध मे दर्ज दो मामलो की जांच करेगी। पंजाब सरकार के एक प्रवक्ता ने रविवार को कहा कि कोट कपूरा गोलीबारी घटना की जांच पूरी करने के लिए एसआईटी को छह महीने की समयसीमा सरकार ने नही बल्कि उच्च न्यायालय ने दी है। प्रवक्ता ने कहा कि अदालत ने एसआईटी को छह महीने से पहले जांच पूरी करने से नही रोका है। बल्कि यदि संभव हो तो वह दो महीने मे भी जांच पूरी कर सकती है।

बाहर आएं माओवादी कोविड-19 के उपचार में मिलेगी मदद

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने सोमवार को माओवादियो से अपील की कि वे सामने आएं और कोविड-19 संक्रमण का उपचार कराएं। भद्राद्री कोठागुडेम के पुलिस अधीक्षक सुनील दत्त ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि उन्हे ऐसी सूचना मिली है कि प्रतिबंधित संगठन के कुछ नेता और सदस्य कोरोना वायरस से संक्रमित है। दत्त ने कहा, अगर माओवादी पार्टी के कोई भी नेता या सदस्य कोविड-19 से जूझ रहा है तो हम अनुरोध करते है कि वे सामने आएं। पुलिस उन्हें उपचार मुहैया कराने मे मदद करेगी। संपर्क किए जाने पर दत्त ने बताया कि अब तक किसी ने भी पुलिस से मदद के लिए संपर्क नही किया है। पुलिस अधिकारी ने प्रतिबंधित संगठन के सदस्यों से अपील की कि अगर माओवादी नेता अपने काडर के पुलिस की मदद लेने पर आपत्ति जताते है तो वे संगठन छोड़ दे।

सरकार ने सीवीसी प्रमुख के लिए आवेदन आमंत्रित किया, आवेदक को लिखना होगा 300 शब्दों में लेख

नई दिल्ली। सरकार ने भ्रष्टाचार रोधी निकाय सीवीसी प्रमुख के लिए आवेदन आमंत्रित किया है जिसमें आवेदक को 300 शब्दों में यह भी बताना होगा कि वह इस पद के लिए क्यों योग्य है। मौजूदा केंद्रीय सतर्कता आयुक्त (सीवीसी) संजय कोठारी अगले महीने अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्होंने पिछले साल अप्रैल में इस पद की जिम्मेदारी संभाली थी। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में कहा गया, केंद्रीय सतर्कता आयोग में केंद्रीय सतर्कता आयुक्त नियुक्त करने का प्रस्ताव किया जाता है जो जून 2021 में मौजूदा केंद्रीय सतर्कता आयुक्त के कार्यकाल पूरा होने की वजह से रिक्त हो रही है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय सतर्कता आयोग में केंद्रीय सतर्कता आयुक्त और अधिकतम दो सतर्कता आयुक्त होते है। सीवीसी में सतर्कता आयुक्त का पद भी खाली है और इस समय सुरेश एन पटेल आयोग में एकमात्र सतर्कता आयुक्त हैं।

रांची में झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कोविड-19 मरीजों के लिए 'बिसरा जीवन आयुष' एम्बुलेन्स का किया उद्घाटन।

राकांपा ने कोविड-19 से निपटने के लिए एक देश, एक नीति की बात कही

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ राकांपा और कांग्रेस ने देश में कोविड-19 से निपटने को लेकर केन्द्र पर निशाना साधा और महामारी से निजात पाने के लिए सोमवार को एक देश, एक नीति की बात कही। राज्य के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री और राकांपा नेता नवाब मलिक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार से सर्वदलीय बैठक बुलाने और इस संबंध में नीति बनाने की मांग की। मलिक ने कहा, ऐसे वक्त में जब देश में मौजूदा कोविड-19 के मद्देनजर एक देश, एक नीति की जरूरत है, कोरोना वायरस सिर्फ विज्ञापनों से नहीं भागेगा।

उन्होंने दावा किया कि बिहार और उत्तर प्रदेश में स्थिति इतनी खराब है कि कोविड-19 से मरने वालों का अंतिम संस्कार शवदाह गृह के स्थान पर नदियों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा, देश में जब तक एक नीति नहीं है, कोविड-19 महामारी से नहीं निपटा जा सकता। नीति निर्धारित करने के लिए मोदी सरकार को सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। किसी को इसपर संदेह नहीं है कि केन्द्र कोविड-19 से उत्पन्न स्थिति से निपट नहीं सकता है। राकांपा नेता ने आरोप लगाया, केन्द्र वह काम नहीं कर रहा है, जो उसे करना चाहिए। इसलिए वह अदालत के आदेश से किए जा रहे हैं। इसका अर्थ यह है कि (केन्द्र) सरकार अपना कर्तव्य निभाने में असफल रहा है। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोराट ने टीकाकरण कार्यक्रम को लेकर केन्द्र पर निशाना साधा और कहा कि दुर्भाग्यवश यह साबित हो गया है कि मोदी सरकार के पास लोगों की रक्षा के लिए कोई उचित नीति या योजना नहीं है। थोराट ने पत्रकारों से कहा, केन्द्र ने (कोविड-19) पहली लहर का सफल प्रबंधन करने का दावा किया। जिस तरह से चुनाव कराए गए, कुंभ मेले का आयोजन हुआ... पूरा देश उसका परिणाम भुगत रहा है।

दो बार के ओलंपिक विजेता सुशील कुमार के खिलाफ लुक आउट नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश के लिए ओलंपिक में पदक जीतने वाले पहलवान सुशील कुमार पर हत्या का आरोप है। हत्या के मामले में आरोपी तलाश में दिल्ली पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है और वह दिल्ली और हरियाणा में लगातार अपने ठिकाने बदल रहा है। इसके चलते वह अब पुलिस की पकड़ से दूर है। अब दिल्ली पुलिस ने सुशील की गिरफ्तारी के लिए लुक आउट सर्कुलर नोटिस जारी किया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को बताया कि रविवार देर शाम नोटिस जारी किया गया है। पुलिस झगड़े के पीड़ितों का बयान पहले ही दर्ज कर चुकी है। उन्होंने कहा कि झगड़ा मॉडल टाउन इलाके में एक फ्लैट को खाली कराने को लेकर हुआ था। पहले बताया था कि इस मामले में कुमार का नाम प्राथमिकी में है और वह फरार है और उनका पता लगाने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने बताया था कि पहलवान को पकड़ने के लिए दिल्ली-एनसीआर समेत आसपास के इलाकों में छापेमारी की जा रही है। पीड़ितों ने आरोप लगाया है कि जब झगड़ा हुआ तब मौके पर कुमार मौजूद थे।

पिछले मंगलवार की रात को छत्रसाल स्टेडियम में झगड़े में 23 वर्षीय पहलवान की मौत हो गई थी। स्टेडियम में उन्हें और उनके दो दोस्तों पर अन्य पहलवानों ने कथित रूप से बर्बरपूर्वक हमला किया था। पुलिस के मुताबिक, झगड़े में कुमार, अजय, प्रिंस दलाल, सोनू, सागर, अमित और अन्य शामिल हैं। मॉडल टाउन थाने में भारतीय दंड संहिता की धाराओं और सशस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। हरियाणा के झज्जर निवासी दलाल (24) को पकड़ लिया गया है।

मरीज के इलाज को डाकिया दवा लाया

मुरादाबाद में गंभीर रोगियों के लिए डाक विभाग की नई पहल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

किसी जमाने में दुनिया और देश के लोगों तक उनकी चिठ्ठी और सूचनाएं पहुंचाने वाले पोस्टमैन (डाकिया) को इंटरनेट और ऑनलाइन के जमाने में लोग भूलने लगे थे। लेकिन इस महामारी और संकट के समय गंभीर रोगियों तक दवा पहुंचा कर एकबार फिर से डाकिया किसी देवदूत की तरह जीवन रेखा साबित हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद का उदाहरण हमारे सामने है, जहां डाकिया बाबू को रविवार को अतिरिक्त काम करना हो रहा है, ताकि गंभीर मरीजों तक उनकी दवा पहुंचा कर उनको सुरक्षित किया जा सके, क्योंकि इन मरीजों के डॉक्टर मुंबई, कोलकाता और दिल्ली में हैं जो उनका ऑनलाइन इलाज कर रहे हैं। करीब 30 मरीज ऑनलाइन अपना इलाज करा रहे हैं, इनमें से कुछ कैंसर से पीड़ित हैं जो अपना इलाज नहीं रोक सकते। लॉकडाउन जैसे हालात में अस्पताल प्रबंधन इन मरीजों की दवाएं डाक सेवाओं के द्वारा उन तक पहुंचा रहा है, जब अधिकांश वायु और रेल सेवाएं बंद हो गई हैं। पोस्ट ऑफिस के वरिष्ठ अधिकारी वीर सिंह के अनुसार, जब मरीज सूचित करता है कि उसकी दवा पोस्टल कूरियर के द्वारा बुक की गई है। हम तत्काल उसको ऑनलाइन चेक करते हैं और यहां आने तक इस पर नजर रखने के साथ उनतक पहुंचाते हैं, ऐसा रविवार रात को भी किया है। पोस्ट ऑफिस से अधिकारी और पोस्टमैन जुड़े रहते हैं और अवकाश के दिन भी मरीजों तक वो दवा पहुंचाते हैं। मझोला में एक कैंसर रोगी को मुंबई के अस्पताल द्वारा लिखीं विशेष दवा को उसके पास सुनिश्चित करने के लिए डाकिया द्वारा दवा पहुंचाया गया ताकि लॉकडाउन और कोरोनोवायरस से उसका जीवन प्रभावित न हो, क्योंकि पिछले साल इसके कारण कई लोग इससे प्रभिवत हुए थे। सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर डाक सेवा को लॉकडाउन से से बाहर रखा है। जारी अधिसूचना के अनुसार डाक सेवा को आवश्यक सेवा में शामिल करते हुए उसे किसी भी आंशिक लॉकडाउन या संबंधित राज्य/ केंद्रशासित प्रदेश सरकारों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से मुक्त रखा गया है। ताकि आवश्यक सेवा किसी भी हालत में न रुके। डाकिया के उत्साह और उसकी कार्य प्रेरणा से यह सुनिश्चत कर दिया कि मरीज का इलाज एक दिन के लिए भी बाधित नहीं होगा। मुरादाबाद में डाक बाबू की इस सेवा को देखते हुए गुलजार द्वारा एक फिल्म के लिखे गीत 'डाकिया डाक लाया' को बदल कर 'डाकिया दवा लाया' करने का समय आ गया है।

चिकमंगलूर में कोविड-19 वैक्सीन के लिए अपनी बारी का इंतजार करते हुए लोग।

डर, अंधविश्वास, अज्ञानता से टीकाकरण में पिछड़े गांव

राजेश कुमार। नई दिल्ली

● देश के अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड वैक्सीन को लेकर एक सी कहानी

उत्तर प्रदेश के बलिया से हरियाणा के नूह तक, बिहार के संपत चाक से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के समीप फरीदाबाद के मंझावाली तक ग्रामीण इलाकों में कोविड 19 टीकाकरण अभियान फेल होता दिख रहा है। इसका कारण वैक्सीन लगने के बाद इसके दुष्प्रभाव का डर, अंधविश्वास और जानकारी के अभाव के चलते ग्रामीण टीकाकरण कराने से झिझकते हैं और इसी कारण उन्होंने कोविड वैक्सीन की डोज अभी तक नहीं लगवाई। अगर रिपोर्ट की मानें तो देशभर में कई जगहों पर कई टीकाकरण केंद्र बंद हो गए, स्वास्थ्य कर्मियों को पीटा गया। फरीदाबाद के मंझावाली गांव के ग्रामीणों ने कुछ दिनों पहले गुरुकुल स्कूल में बनें टीकाकरण केंद्र में तोड़फोड़ की और स्वास्थ्य कर्मी की पिटाई की। उसके बाद यहां से स्वास्थ्यकर्मी चले गए और कोविड टीकाकरण केंद्र बंद कर दिया गया। हरियाणा के ही नूह में एक अन्य मामले में गांव वालों ने स्वास्थ्य कर्मियों को पीटा और टीकाकरण करवाने के प्रयास पर उनको धमकी भी दी।

जिले में वैक्सीन की कमी के अलावा टीकाकरण इसलिए भी धीमा है क्योंकि अधिकांश लोगों का मानना है कि वैक्सीन लगवाने से बांझपन या नपुंसकता हो सकती है। यहां स्वास्थ्य कर्मियों को टीकाकरण करवाने के लिए लोगों को तैयार करने में बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिहार में अधिकांश टीकाकरण केंद्र गांवों से दूर हैं। उदाहरण के लिए बहुआराए कंदपए सोहगी गांवों के लिए टीकाकरण केंद्र संपत चक में है। जो इन गांवों से करीब पांच किलोमीटर या उससे अधिक दूर है। जिसके कारण अधिकांश ग्रामीण पैदल जाकर टीका लगवाने में हिचकिचाते हैं। संपत चक के टीकाकरण प्रभारी कहते हैं कि अगर किसी को समझाने के बाद अगर कोई ग्रामीण 17 से 20 किलोमीटर दूर चलकर पास के टीकाकरण केंद्र किसी तरह पहुंचता भी है तो इंटरनेट की धीमी स्पीड के कारण पंजीकरण में घंटों का समय लग जाता है।

उत्तर प्रदेश के बलिया के बासडीह रोड स्थित टीकाकरण केंद्र के स्वास्थ्यकर्मी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि इस केंद्र पर पांच गांवों की करीब 20ए000 आबादी है लेकिन टीकाकरण सिर्फ 800 से 1000 लोगों का ही हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के पिलाना टीकाकरण केंद्र में भी कुछ इसी तरह की तस्वीर देखने को मिली। घर घर जाकर लोगों को कोविड वैक्सीन के बारे में बताने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने बताया कि यहां 200 घरों में 1500 से 2000 लोग रहते हैं। इनमें से 50 साल से अधिक 500 लोग हैं लेकिन पिछले महीने लक्ष्य से सिर्फ एक तिहाई ही लोगों ने वैक्सीन लगवाया।

देश में मांग ज्यादा और उत्पादन कम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गुरुग्राम में सोमवार को कोरोनारोधी टीका लगवाती एक महिला

भारत वैक्सीन का सबसे बड़ा उत्पादक देश है, लेकिन मांग ज्यादा और टीकों की उपलब्धता कम होने के कारण यहां टीकाकरण अभियान लड़खड़ा गया है। देश में इसी साल 16 जनवरी को कोविड के विरुद्ध टीकाकरण अभियान शुरू किया गया था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अब तक 19 करोड़ से अधिक लोगों ने सरकारी पोर्टल कोविन ऐप पर टीका लगवाने के लिए पंजीकरण कराया है। इसमें 1 से 7 मई के बीच 6.42 करोड़ लोगों ने पंजीकरण कराया। वैक्सीन को लेकर मारामारी ज्यादातर शहरी इलाकों में है। हालाँकि, जब से टीकाकरण शुरू हुआ है तब से अब तक केवल 2.6 प्रतिशत आबादी को ही दोनों टीके लग पाए हैं। दूसरी तरफ संयुक्त राज्य अमेरिका में अब तक 40 प्रतिशत आबादी को दोनों टीके लग चुके हैं।

पंजाब में कुछ मंत्री चाहते हैं सिद्धू पर हो कार्रवाई

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब सरकार के कुछ कैबिनेट मंत्रियों ने क्रिकेट से राजनीति में आए विधायक नवजोत सिंह सिद्धू द्वारा मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह पर किए जा रहे हमले पर कड़ी आपत्ति जताई है और कांग्रेस नेतृत्व से उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्वाई की मांग की है। सिद्धू ने वर्ष 2015 कोटकपुरा गोलीबारी कांड की जांच रिपोर्ट पिछले महीने पंजाब-हरियाण उच्च न्यायालय द्वारा खारिज करने के बाद मुख्यमंत्री के खिलाफ हमलावर रुख अख्तियार कर लिया है।

मंत्रियों के मुताबिक सिद्धू की खुली बगावत से कांग्रेस के हितों को नुकसान पहुंच रहा है और वह भी ऐसे समय जब पंजाब में विधानसभा होने में एक साल से भी कम का समय बचा है। मंत्रियों ने सिद्धू द्वारा मुख्यमंत्री पर निरंतर हमले की निंदा की और उसे घोर अनुशासनहीनता तथा राज्य में कांग्रेस सरकार को कमजोर करने का प्रयास करार दिया। उन्होंने कहा कि विधायक द्वारा अमरिंदर सिंह पर निजी हमले पार्टी विरोधी गतिविधि है और उन्होंने तत्काल अनुशासनात्मक कार्वाई की मांग की। पंजाब कांग्रेस द्वारा जारी बयान के मुताबिक ब्रह्म मोहिंदर, सुंदर शाम अरोड़ा और साधू सिंह धर्मसोत सहित मंत्रियों ने सिद्धू की गतिविधियों और मुख्यमंत्री की खुली आलोचना पर कड़ी आपत्ति जताई, खासतौर पर ऐसे समय में जब राज्य में विधानसभा चुनाव होने में एक साल से भी कम का समय बचा है।

मंत्रियों ने चेतावनी दी है कि सिद्धू के खिलाफ कार्वाई नहीं होने पर कांग्रेस की राज्य इकाई में असंतोष बढ़ेगा जो पार्टी के लिए घातक होगा। मंत्रियों के समूह ने कहा कि यह स्पष्ट हो गया है कि सिद्धू व्यक्तिगत और राजनीतिक हित से काम कर रहे हैं।

एमपी में ब्लाक, ग्राम और नगर वार्ड स्तर पर होगा समूहों का गठन

● मध्यप्रदेश के ग्रामीण इलाकों व कस्बों में तेजी से पैर पसार रहे वायरस की रोकथाम के लिए सरकार ने उठाया कदम

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश के ग्रामीण इलाकों एवं कस्बों में तेजी से फैल रहे कोरोना वायरस संक्रमण के बीच प्रदेश सरकार ने सोमवार को निर्णय लिया कि कोविड-19 महामारी के संक्रमण को प्रभावी रूप से रोकने के लिए ब्लॉक, ग्राम एवं नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर संकट प्रबंधन समूहों का गठन किया जाए। जिला स्तर पर पूर्व में ही जिला संकट प्रबंधन समूह गठित है और उनके द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण के रोकथाम एवं बचाव के लिए सक्रिय भूमिका निभाई जा रही है। मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग के एक अधिकारी ने बताया, मध्य प्रदेश गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजोरा ने कोविड-19 महामारी के संक्रमण को प्रभावी रूप से रोकने के लिए जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर ब्लॉक, ग्राम एवं नगरीय क्षेत्रों में वार्ड स्तर पर संकट प्रबंधन समूहों के गठन के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि इन समूहों द्वारा ब्लॉक, ग्राम एवं नगरीय वार्ड स्तर पर कोरोना वायरस संक्रमण से उत्पन्न आपात स्थिति के नियंत्रण के लिए राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन और कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिए सामाजिक सहभागिता सुनिश्चित करने की कार्यवाही की जाएगी।

राजोरा ने बताया कि विकासखण्ड संकट प्रबंधन समूह में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अध्यक्ष होंगे। इस समूह में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी, विकासखण्ड मुख्यालय के नगरीय क्षेत्र के आयुक्त के प्रतिनिधि अथवा मुख्य नगर पालिका अधिकारी, प्रोजेक्ट ऑफिसर महिला एवं बाल विकास विभाग, क्षेत्रीय सांसद एवं विधायक द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि, कलेक्टर द्वारा नामांकित विकासखण्ड के जन-प्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और स्वयंसेवी संगठन सदस्य होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रत्एक गांव में ग्राम संकट प्रबंधन समूह का गठन किया जाए। ग्राम संकट प्रबंधन के समूह के अध्यक्ष ग्राम पंचायत की प्रशासनिक समिति के अध्यक्ष होंगे। ग्राम पंचायत के सचिव, जन अभियान परिषद, महिला स्व-सहायता समूह, राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ता, प्रशासनिक समिति के संबंधित ग्राम में निवासरत सदस्य, ग्राम रोजगार सहायक, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सहायिका और ग्राम के कोटवारापटेल समूह के सदस्य होंगे।

राजोरा ने बताया कि नगरीय क्षेत्रों में वार्ड वार संकट प्रबंधन समूह के गठन के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में वार्ड संकट प्रबंधन समूह में वार्ड प्रभारी अधिकारी अध्यक्ष होंगे। क्षेत्रीय सांसद एवं विधायक द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि, नगर निगम आयुक्तामुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा नामांकित प्रतिनिधि, सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि, वार्ड के प्रतिष्ठित निजी चिकित्सक, स्वयंसेवी संगठन, जन अभियान परिषद, राजनीतिक एवं सामाजिक संगठन के कार्यकर्ता महिला स्व-सहायता समूह सदस्य होंगे। राजोरा ने बताया कि ब्लॉक संकट प्रबंधन समूह के आदेश जिला कलेक्टर, नगरीय वार्ड संकट प्रबंधन समूह के आदेश सम्बन्धित आयुक्त नगर निगमामुख्य नगर पालिका अधिकारी और ग्राम संकट प्रबंधन समूह के आदेश मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत द्वारा जारी किए जाएंगे। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उक्त समूहों की माह में कम से कम एक बैठक हो। उनके द्वारा सतत इन समूहों के कार्य की समीक्षा भी सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पूर्व में ब्लॉक, वार्ड और ग्राम स्तर पर गठित संकट प्रबंधन समूह इस आदेश से गठित समूहों में समाहित होंगें।

राजस्थान में कोरोना से 160 और मौतें

जयपुर। राजस्थान में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 16,487 नए मामले सामने आए जबकि प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण से 160 और मरीजों की मौत हो गई। चिकित्सा विभाग ने इसकी जानकारी दी। चिकित्सा विभाग की जानकारी में कहा गया है कि राज्य में संक्रमण के अभी 203017 मामले उपचाराधीन हैं और इस घातक वायरस से अब तक कुल 5,825 लोगों की जान जा चुकी है। चिकित्सा विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य में बीते चौबीस घंटे में 16,487 और संक्रमित मिले है। इसमें राजधानी जयपुर में 2918, जोधपुर में 1915, उदयपुर में 1014, कोटा में 945, अलवर में 906, भरतपुर में 877, बीकानेर में 508,चूरू में 503, भीलवाडा में 501 नए रोगी शामिल है। इसके अनुसार बीते चौबीस घंटे में राज्य में इस दौरान 13,499 और मरीज ठीक हुए।

जबलपुर में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान चार सौ बेडों वाले रानी दुर्गावती कोविड-19 केंद्र के उद्घाटन के दौरान

पश्चिम बंगाल में कोविड-19 से 134 मरीजों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सोमवार को कोविड-19 से 134 और मरीजों की मौत हुई जबकि संक्रमण के एक दिन में सर्वाधिक 19,445 नए मामले आए। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि ए मामले गत 24 घंटे के दौरान 62,186 नमूनों की जांच में आए हैं। इस प्रकार राज्य में संक्रमण की दर 31.26 प्रतिशत तक पहुंच गई है। राज्य में इस समय ।,26,663 मरीज उपचाराधीन हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि नए मामलों के आने के साथ ही पश्चिम बंगाल में अबतक संक्रमित हुए मरीजों की कुल संख्या भी 10 लाख के पार यानी 10,12,604 हो गई है। राज्य में 12,461 लोगों की मौत हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि गत 24 घंटे के दौरान राज्य में 18,675 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं जिससे ठीक होने की दर 86.26 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

डॉ. निशंक ने सांसद निधि से कोरोना संबंधी चिकित्सा उपकरणों के लिए 1.5 करोड़ दिए

● कोरोना काल में अपने संसदीय क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने को आगे आए केंद्रीय मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय शिक्षा मंत्री एवं हरिद्वार से लोक सभा सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने आज अपने संसदीय क्षेत्र में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय तथा आईसीएमआर द्वारा कोरोना के मॉडरेट लक्षण वाले मरीजों के लिए चिन्हित किए गए डीसीएचसी केंद्रों में महामारी के इलाज के लिए जरूरी उपकरणों के लिए सांसद निधि से 1.5 करोड़ रुपए की राशि प्रदान की। उन्होंने हरिद्वार के जिलाधिकारी को लिखे गए पत्र में कहा कि मेरी सांसद निधि से तत्काल प्रभाव से चार में से दो केंद्रों - बाबा बर्फानी एवं बेस हॉस्पिटल में 20 बीआईपीएपी मशीनें, 200 टाइप डी ऑक्सीजन सिलेंडर, 2 आई स्टैट एबीजी, 50 आई स्टैट एबीजी 100 कार्ट्रिज, 2 शार्प ब्लास्टर 100 बीआईपीएपी मास्क एवं 1 ऑक्सीजन प्लांट लगाया जाए। गौरतलब है कि कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय एवं आईसीएमआर ने हरिद्वार में चार सरकारी डीसीएचसी बाबा बर्फानी बेस हॉस्पिटल, मेला हॉस्पिटल और सिविल हॉस्पिटल रुड़की चिन्हित किए हैं। इस अवसर पर निशंक ने कहाकि पूरा देश इस महामारी के खिलाफ लड़ाई कर रहा है और हमारे सभी डॉक्टर एवं हेल्थकेयर वर्कर्स मरीजों की देखरेख में लगे हुए हैं। केंद्र सरकार देश के सभी अस्पतालों एवं कोविड केयर केंद्रों में सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हर प्रकार के प्रयास किए जा रहे हैं कि देश में कोरोना से संबंधित इलाज के लिए जरूरी किसी भी चीज की कमी ना हो। केंद्र सरकार के सभी मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के सभी सांसद विधायक एवं कार्यकर्त्ता इस लड़ाई में अपना योगदान दे रहे हैं।

अपनी मां को बता दो, एक दिन मैं असम का मुख्यमंत्री बनूंगा

● हिमंत बिस्व सरमा ने सालों पहले रिनिकी भुइयां से यह बात कही थी जो बाद में उनकी पत्नी बनी

भाषा। गुवाहाटी

युवक 22 साल का था और युवती महज 17 साल की। जब युवती ने कहा कि वह उसके भविष्य के बारे में अपनी मां को क्या बताएगी तो युवक ने जवाब दिया था अपनी मां को बता दो, मैं एक दिन मुख्यमंत्री बनूंगा। ये कहानी फिल्मी नहीं बल्कि एकदम हकीकत है। असम के नए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सालों पहले रिनिकी भुइयां से यह बात कही थी जो बाद में उनकी पत्नी बनीं। यह उस जमाने की बात है जब सरमा स्वयं यहां कॉटन कॉलेज के छात्र थे। सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां बताती हैं कि उनके पति कॉलेज के समय से ही मुख्यमंत्री बनने को लेकर आश्वस्त थे। उन्होंने पीटीआई-भाषा से बातचीत में बताया कि हिमंत छात्र जीवन से ही अपने लक्ष्य को लेकर एकनिष्ठ थे और जानते थे कि उनको भविष्य में क्या बनना है। उल्लेखनीय है कि सरमा ने सोमवार को असम के 15वें मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। भुइयां ने बताया, वह 22 साल के और मैं 17 साल की थी तब हमारी पहली मुलाकात हुई थी। मैंने उनसे पूछा था कि मैं अपनी मां को उनके भविष्य के बारे में क्या बताऊंगी? तब उन्होंने जवाब दिया था कि उनसे कह दो कि मैं असम का मुख्यमंत्री बनूंगा। उन्होंने बताया कि मैं भौंचक रह गई लेकिन बाद में महसूस हुआ कि जिस व्यक्ति से वह शादी करेंगी उसका राज्य को लेकर एक निश्चित लक्ष्य और सपना है, चट्टान की तरह प्रतिबद्धता है। भुइयां ने कहा, जब हमारी शादी हुई तब वह विधायक थे, उसके बाद वह मंत्री बने और फिर राजनीति में बढ़ते चले गए, लेकिन आज मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते हुए देखकर मुझे विश्वास नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा, यहां तक कि कल रात हमारी बात हुई तो उन्होंने नामित मुख्यमंत्री का उल्लेख किया और जब मैंने पूछा कुन (कौन) तब उन्होंने जवाब दिया मुई (मैं)। मेरे लिए वह हमेशा हिमंत रहे हैं और मैं उन्हें मुख्यमंत्री के साथ नहीं जोड़ सकती। इस शब्द से परिचित होने में कुछ समय लगेगा। सरमा की पत्नी मीडिया उद्यमी हैं और दंपति के दो बच्चे हैं- 19 साल के नंदिल बिस्व सरमा और 17 साल की सुकन्या सरमा।

पेज 1 का शेष

नेपाल के पीएम...

प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष अग्नि सपकोटा ने नतीजों की घोषणा करते हुए बताया कि विश्वास प्रस्ताव पर कुल 232 सदस्यों ने मतदान किया जिनमें से 15 सदस्य तटस्थ रहे। ओली (69 वर्षीय) को 275 सदर्स्ईय प्रतिनिधि सभा में विश्वासमत जीतने के लिए 136 मतों की जरूरत थी क्योंकि चार सदस्य इस समय निलंबित हैं। सदन की कार्यवाही को स्थगित करने से पहले सपकोटा ने घोषणा की, प्रस्ताव के पक्ष में पड़े मत मौजूदा प्रतिनिधि सभा के सदस्यों के हिसाब से बहुमत तक नहीं पहुंचे हैं। मैं घोषणा करता हूं कि प्रधानमंत्री द्वारा पेश प्रस्ताव जिसमें उन्होंने विश्वास हासिल करने की इच्छा व्यक्त की है, खारिज हो गया है। ओली के प्रतिद्वंद्वी माधव नेपाल और झाला नाथ खनाल गुट के 28 समर्थक सदस्य विश्वास प्रस्ताव पर मतदान के दौरान अनुपस्थित रहे। मुख्य विपक्षी नेपाली कांग्रेस और नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (माओवोदी केंद्र) के क्रमश: 61 और 49 सदस्यों ने ओली के खिलाफ मतदान किया। जनता समाजवादी पार्टी जिसके सदन में कुल 32 सदस्य है, बंटी हुई दिखी। महंता-ठाकुर नीत गुट मतदान के दौरान तटस्थ रहा जबकि उपेंद्र यादव नीत गुट ने ओली के खिलाफ मतदान किया। प्रचंड की पार्टी द्वारा पिछले हफ्ते समर्थन वापस लेने के बाद ओली सरकार अल्पमत में आ गई थी। नेपाल में राजनीति संकट पिछले साल 20 दिसंबर को तब शुरू हुआ जब राष्ट्रपति भंडारी ने प्रधानमंत्री ओली की अनुशंसा पर संसद को भंग कर 30 अप्रैल और 10 मई को नए सिरे से चुनाव कराने का निर्देश दिया। ओली ने यह अनुशंसा सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी में सत्ता को लेकर चल रही खींचतान के बीच की थी। ओली द्वारा संसद भंग करने के फैसले के बाद प्रतिद्वंद्वी प्रचंड के नेतृत्व वाली पार्टी के बड़े धड़े ने प्रदर्शन किया था। इस साल फरवरी में उच्चतम न्यायालय ने भंग प्रतिनिधि सभा को बहाल किया जो मध्यावधि चुनाव की तैयारी कर रहे ओली के लिए झटका था।

आइवरमेक्टिन दवा से कोरोना होने का खतरा कम

● अमेरिकी जर्नल में छपे शोध में किया गया दावा

भाषा। नई दिल्ली

नई दिल्ली में कोरोना जांच के नमूने व्यवस्थित करता स्वास्थ्यकर्मी

परजीवीरोधी दवा आइवरमेक्टिन के निरंतर उपयोग से कोविड-19 की चपेट में आने का खतरा काफी कम हो सकता है। शोधकर्ताओं ने उपलब्ध आंकड़ों की समीक्षा के बाद ए बात कही है। उनका दावा है कि ए दवा महामारी को समाप्त करने में सहायक हो सकती है। अमेरिकन जर्नल ऑफ थेरेप्यूटिक्स के मई-जून संस्करण में प्रकाशित इस शोध में नैदानिक, कृत्रिम परिवेशीय, पशुओं और अन्य शोध पर आधारित आइवरमेक्टिन के उपयोग को लेकर एकत्र किए गए उपलब्ध आंकड़ों की बेहद बारीकी से समीक्षा की गई है।

शोध का नेतृत्व करने वाले अग्रिम मोर्चा कोविड-19 देखभाल गठबंधन (एफएलसीसी) के अध्यक्ष पियरे कोरी ने एक बयान में कहा, हमने आइवरमेक्टिन पर उपलब्ध आंकड़ों की बेहद बारीकी से समीक्षा की, जिसके बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि यह दवा महामारी को समाप्त कर सकती है। आइवरमेक्टिन दवा का उपयोग परजीवी संक्रमण का इलाज करने के लिए किया जाता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन कोविड-19 मरीजों के उपचार में आइवरमेक्टिन दवा का उपयोग किया गया, वे जल्दी ठीक हुए और मौत के मामलों में भी सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण कमी दर्ज की गई। कोविड-19 से बचाव के संबंध में आइवरमेक्टिन के प्रभाव का पता लगाने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित जांच (आरसीटी) एवं पांच अवलोकन नियंत्रित जांच समेत करीब 2500 मरीजों पर इसके असर का अध्ययन किया गया।

लेखकों ने कहा कि सभी अध्ययन में पाया गया कि आइवरमेक्टिन का निरंतर उपयोग किए जाने पर कोविड-19 की चपेट में आने का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

भारत ने विश्व में सबसे तेज लगाए 17 करोड़ टीके

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि लोगों को कोविड-19 रोधी टीके की 17 करोड़ खुराकें देकर भारत ने दुनिया में सबसे तेजी से टीकाकरण किया है। मंत्रालय ने कहा कि इस आंकड़ा तक पहुंचने में चीन को 119 दिन जबकि अमेरिका को 115 दिन लगे। भारत में स्वास्थ्यकर्मियों को खुराकें देने के साथ 16 जनवरी से टीकाकरण अभियान शुरू किया गया। इसके बाद दो फरवरी से अग्रिम मोर्चे के कर्मियों का टीकाकरण आरंभ हुआ। इसके बाद अलग-अलग उम्र समूहों के लिए टीके देने की शुरुआत की गई। देश में टीके की 17 करोड़ खुराकें दी जा चुकी है। सुबह सात बजे तक अनंतिम रिपोर्ट के मुताबिक कुल 24,70,799 सत्र में 17,01,76,603 खुराकें दी गईं। इनमें से 95,47,102 स्वास्थ्यकर्मियों को पहली खुराक और 64,71,385 को दूसरी खुराक दी गई। वहीं अग्रिम मोर्चे के 1,39,72,612 कर्मियो को पहली खुराक और 77,55,283 को दूसरी खुराक दी गई है। देश में 18-44 उम्र समूह में 20,31,854 लोगों को पहली खुराक दी गई है। जबकि, 45 से 60 वर्ष के समूह में 5,51,79,217 को पहली खुराक और 65,61,851 को दूसरी खुराक दी गई है। वरिष्ठ नागरिकों में 5,36,74,082 को पहली खुराक और।,49,83,217 को दूसरी खुराक दी गई है। देश 66.79 प्रतिशत टीकाकरण में महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, केरल, बिहार और आंध्र प्रदेश की भागीदारी है। मंत्रालय ने कहा कि टीकाकरण के 114 वें दिन (नौ मई) को टीके की 6,89,652 खुराकें दी गई।

कोविड-19 : नासिक में 12 से 23 मई तक लॉकडाउन जैसे कड़े प्रतिबंध

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में कोविड-19 के बढ़ते हुए मामलों के मद्देनजर 12 से 23 मई तक लॉकडाउन जैसी कड़ी पाबंदियां लागू करने की घोषणा की गई है। मंत्री छगन भुजबल ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी। नए प्रतिबंधों के तहत आवश्यक और चिकित्सीय कारणों को छोड़कर लोगों के घरों से बाहर निकलने पर पाबंदी होगी। किराना दुकानें, मिठाई और बेकरी की दुकानों को सुबह सात बजे से दोपहर 12 बजे तक खोलने की इजाजत दी गई है और वह भी केवल होम डिलिवरी के लिए। नासिक में अब तक कोरोना संक्रमण के 3,56,084 मामलों की पुष्टि हो चुकी है जबकि इस महामारी के कारण जिले में 3,865 लोगों की मौत हो चुकी है। भुजबल ने कहा कि पिछले वर्ष के मुकाबले नासिक में इस बार कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़े हैं और हाल के दिनों में करीब 33,000-34,000 नए मामले सामने आए हैं। इसके कारण अस्पतालों में बिस्तरों, ऑक्सीजन और काले फफूंदी की नई समस्या को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

कैरेबियाई खिलाड़ी स्वदेश लौटे

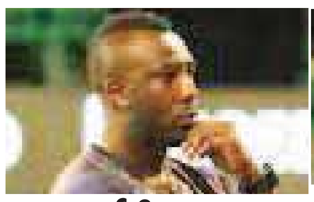

● आईपीएल पर कोरोना कहर ●वेस्टइंडीज सीईओ जॉनी ग्रेव ने दी जानकारी

भाषा। किंगस्टन

क्रिकेट वेस्टइंडीज के सीईओ जॉनी ग्रेव ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और संबंधित फ्रेंचाइजी टीमों के प्रयासों से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भाग लेने वाले सभी कैरेबियाई खिलाड़ी सकुशल स्वदेश लौट गए हैं। कोविड-19 के कई मामले पाए जाने के बाद आईपीएल को चार मई को स्थगित कर दिया गया था। वेस्टइंडीज के शीर्ष खिलाड़ी सीमित ओवरों के कप्तान कीरोन पोलार्ड, जैसन होल्डर, सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, ड्वेन ब्रावो, निकोलस पूरण, शिमरोन हेटमायर और फैबियन एलेन आईपीएल का हिस्सा थे। वेस्टइंडीज के कुल नौ खिलाड़ी लीग में भाग ले रहे थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने ट्वीट किया, आईपीएल के हमारे खिलाड़ी तथा टीवी प्रॉडक्शन से जुड़े कैरेबियाई सकुशल स्वदेश पहुंच गए हैं। हम उनकी सकुशल वापसी की व्यवस्था करने के लिए बीसीसीआई और आईपीएल के आभारी हैं।

अनिवार्य पृथक्वास पूरा करने के बाद घर लौटे वरुण चक्रवर्ती और संदीप वारियर

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लेग स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ओर तेज गेंदबाज संदीप वारियर 10 दिन का अनिवार्य पृथक्वास पूरा करने के बाद अपने शहरों को लौट गए हैं। चक्रवर्ती और वारियर को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के जैव सुरक्षित वातावरण में कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाया गया था। यह लीग बाद में अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी। तमिलनाडु के चक्रवर्ती आधिकारिक तौर पर पहले क्रिकेटर थे जिनका परीक्षण पॉजिटिव पाया गया था। वह कुछ स्कैन कराने के लिए गए थे जहां वह वायरस से संक्रमित हो गए थे। इसके बाद उनके साथी वारियर और प्रसिद्ध कृष्णा भी वायरस की चपेट में आ गए थे। केरल के वारियर इस बीच दिल्ली कैपिटल्स के अमित मिश्रा के संपर्क में आए जिससे यह लेग स्पिनर भी संक्रमित हो गया था। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, हां, चक्रवर्ती और संदीप घर लौट गए है।

मुझे नहीं लगता कि भारत में इस साल फिर से आईपीएल हो पाएगा : नीशाम

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के आलराउंडर जिम्मी नीशाम को नहीं लगता कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाकी बचे 31 मैच इस साल भारत में हो पाएंगे। नीशाम को इस साल के आखिर में टी20 विश्व कप के भारत में आयोजन को लेकर भी संदेह है। भारत अभी कोविड-19 की दूसरी लहर से जूझ रहा है। देश में प्रतिदिन चार लाख से अधिक मामले सामने आ रहे है जबकि हर दिन 4000 से अधिक लोगों की मौत हो रही है। ऐसी स्थिति में आईपीएल और टी20 विश्व कप दोनों का आयोजन यूएई में किए जाने की संभावना है। नीशाम ने न्यूजहब से कहा, यदि आईपीएल फिर से शुरू होता है तो मुझे नहीं लगता कि इसका भारत में आयोजन हो पाएगा।

आईओसी अध्यक्ष बाक ने जापान दौरा रद्द किया

भाषा। तोक्यो

जापान में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाक ने अपने दौरे को रद्द कर दिया है। तोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति ने सोमवार को यह जानकारी दी। बाक को ओलंपिक मशाल रिले में शामिल होने के लिए अगले सोमवार को हिरोशिमा आना था। उसके बाद उनके तोक्यो यात्रा पर भी आने की संभावना थी। आयोजन समिति की अध्यक्ष सीको हाशिमोतो ने पिछले हफ्ते कहा था कि बाक के लिए इस दौरे पर आना मुश्किल होगा, तभी कयास लगाए गए थे कि उनका दौरा रद्द हो जाएगा। तोक्यो और देश के अन्य हिस्सों में आपातकाल लागू है। इसे मंगलवार को खत्म होना था लेकिन अब यह 31 मई तक बढ़ा दिया गया है।

बाबर, हीली सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम और ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की विकेटकीपर एलिसा हीली को सोमवार को अप्रैल महीने में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी महीने का सर्वश्रेष्ठ आईसीसी खिलाड़ी चुना गया। आजम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई श्रृंखला में सभी प्रारूपों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। प्रशंसकों और आईसीसी वोटिंग अकादमी के द्वारा उन्हें अप्रैल महीने का विजेता के रूप में चुना गया।

एटीके मोहन बागान के गोलकीपर अरिंदम की मां का निधन

नई दिल्ली। एटीके मोहन बागान के गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य ने सोमवार को कहा कि उनकी मां का एक पखवाड़े तक कोविड-19 संक्रमण से जूझने के बाद कोलकाता में निधन हो गया। अरिंदम ने ट्विटर के जरिए अपनी मां अंतरा भट्टाचार्य के निधन की सूचना दी।

विलो की जगह बांस के बल्ले के इस्तेमाल पर शोधकर्ता कर रहे अध्ययन

लंदन। क्रिकेट मे कश्मीर या इंग्लिश विलो (विशेष प्रकार के पेड़ की लकड़ी) के बल्ले का इस्तेमाल होता है लेकिन इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्व विद्यालय के एक शोध में पता चला है कि बांस के बने बल्ले का इस्तेमाल कम खर्चीला होगा और उसका स्वीट स्पॉट भी बड़ा होगा। बल्ले में स्वीट स्पॉट बीच के हिस्से से थोड़ा नीचे लेकिन सबसे नीचले हिस्से से ऊपर होता है और यहां से लगाया गया शॉट दमदार होता है। इस शोध को दर्शील शाह और बेन टिक्लेर डेविस ने किया है।

गुणवर्धने के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोप खारिज

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के स्वतंत्र भ्रष्टाचार-रोधी पंचाट ने सोमवार को श्रीलंका के पूर्व खिलाड़ी अविष्का गुणवर्धने पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों से मुक्त कर दिया, जिससे उन्हे तत्काल प्रभाव से क्रिकेट से संबंधित गतिविधियों में भाग लेने की अनुमति मिल गई। गुणवर्धने पर अमीरात क्रिकेट बोर्ड के भ्रष्टाचार के दो आरोप लगे थे। पंचाट ने श्रीलंका के ही नुवान के खिलाफ एक आरोप (2.4.6) को बरकरार रखा लेकिन अन्य तीन आरोपों को खारिज कर दिया।

बेंगलुरू एफसी की टीम मालदीव से लौटी, पृथकवास में गई

नई दिल्ली। आईएसएल क्लब बेंगलुरू एफसी अपने तीन खिलाड़ियों द्वारा मालदीव में कोविड-19 नियमों के उल्लंघन के बाद ईगल्स एफसी के खिलाफ एएफसी कप प्ले आफ मुकाबला स्थगित होने पर सोमवार शाम स्वदेश लौट आया। आईएसएल क्लब ने माले से उड़ान ली और टीम स्थानीय समयानुसार रात लगभग साढ़े आठ बजे बेंगलुरू पहुंची। इसके बाद सभी खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ स्थानीय नियमों के अनुसार अनिवार्य पृथक्वास पर चले गए।

ज्वेरेव दूसरी बार मैड्रिड ओपन का खिताब जीता

● बेरेटिनी को हराया

भाषा। मैड्रिड

एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रेंच ओपन से पहले अपनी शानदार फार्म जारी रखते हुए मैटियो बेरेटिनी को पराजित करके दूसरी बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त राफेल नडाल और सेमीफाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त डोमिनिक थीम को हराने के बाद ज्वेरेव ने फाइनल में दसवीं रैंकिंग के बेरेटिनी को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से हराकर इस सत्र का अपना दूसरा खिताब हासिल किया। जर्मनी के छठी रैंकिंग के खिलाड़ी ने मार्च में अकापुल्को में मैक्सिकन ओपन का खिताब जीता था। उन्होंने इससे पहले 2018 में थीम को हराकर अपना पहला मैड्रिड ओपन खिताब जीता था। चौबीस वर्षीय ज्वेरेव ने कहा, फ्रेंच ओपन में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको क्ले कोर्ट सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत होती है। आखिर में मैने मास्टर्स जीता है। इसलिए यह जीत मेरे लिए महत्वपूर्ण है। मैं इस उपलब्धि से खुश हूं। पुरुष युगल के फाइनल में स्पेन के ग्रैनोलर्स और अर्जेंटीना के जेबालोस ने क्रोएशिया के निकोला मेटकिच और मैट पाविच को।-6, 6-3, 10-8 से हराकर खिताब जीता।

सेरेना कड़े अभ्यास के बाद वापसी करने को तैयार

रोम। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद सेरेना विलियम्स के भावनात्मक इशारे को संन्यास लेने का संकेत समझा गया था लेकिन इस दिग्गज टेनिस खिलाड़ी ने तीन महीने के कड़े अभ्यास के बाद वापसी की तैयारी कर ली है। इस साल फरवरी में मेलबर्न में सेमीफाइनल में नाओमी ओसाका से हार के बाद सेरेना पिछले तीन महीने से मार्गरिट कोर्ट के रिकार्ड 24 ग्रैंड स्लैम खिताब की बराबरी करने के लिए कड़ा अभ्यास कर रही है।

द हंड्रेड में बर्मिंघम फ्रेंचाइजी की ओर से खेलने की तैयारी में शेफाली, बिग बैश में भी खेल सकती हैं

नई दिल्ली। भारत की युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा द हंड्रेड टूर्नामेंट में बर्मिंघम फीनिक्स की ओर से खेलने की तैयारी में हैं और वह इस साल के अंत में महिला बिग बैश टी20 लीग में सिडनी फ्रेंचाइजी की ओर से भी खेल सकती हैं। शेफाली अपनी कप्तान हरमनप्रीत, उप कप्तान मंधाना, जेमिमा और दीप्ति के बाद 100 गेंद के टूर्नामेंट से जुड़ने वाली पांचवीं भारतीय क्रिकेटर हैं।

रीयाल मैड्रिड ने शीर्ष पर पहुंचने मौका गंवाया

भाषा। मैड्रिड

मौजूदा चैंपियन रीयाल मैड्रिड ने सेविला के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच 2-2 से ड्रा खेलकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया। इस परिणाम का लाभ पहले स्थान पर काबिज मैड्रिड को मिला जिसने शनिवार को बार्सिलोना के खिलाफ मैच गोलरहित ड्रा खेला था। एटलेटिको के 35 मैचों में 77 अंक हैं जबकि रीयाल मैड्रिड के इतने ही मैचों में 75 अंक हैं। बार्सिलोना के भी रीयाल के समान ही अंक हैं लेकिन वह गोल अंतर में पीछे है। अब जबकि तीन दौर के मैच बचे हुए हैं तब इन तीनों के अलावा सेविला भी खिताब की दौड़ में है। सेविला के 35 मैचों में 71 अंक हैं। सेविला ने दो बार बढ़त हासिल की। इनमें से दूसरा गोल पेनल्टी पर किया गया जिसके लिए वीडियो समीक्षा प्रणाली (वीएआर) का सहारा लिया गया। रीयाल ने बाद में इसको लेकर शिकायत भी दर्ज कराई। फर्नांडो ने 22वें मिनट में सेविला को बढ़त दिलाई और मध्यांतर तक इसे कायम रखा। एसेनसियो ने 67वें मिनट में रीयाल की तरफ से बराबरी का गोल दागा। सेविला के रेकिटिक ने 78वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला। रीयाल पर हार का खतरा मंडरा रहा था लेकिन हेजार्ड ने दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम के चौथे मिनट में गोल करके उसे एक अंक दिलाया। अन्य मैचों में वेलेंसिया ने मैक्सी के दो गोल तथा थियरी कोरिया के एक गोल की मदद से वल्लाडोलिड को 3-0 से हराया। सेल्टा विगो ने विल्लारीयाल को 4-2 से जबकि इबार ने गेटाफे को।-0 से पराजित किया। एथलेटिक क्लब और ओसासुना का मैच 2-2 से बराबर छूटा।

वूमेन्स सुपर लीग चैंपियन चेल्सिया

मिलान से हारकर पांचवें स्थान पर खिसका युवेंटस

मिलान। इंटर मिलान ने पिछले सप्ताह युवेंटस की इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए का खिताब जीतने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया था और अब एसी मिलान ने उसे 3-0 से हराकर उसकी चैंपियन्स लीग में जगह बनाने की कोशिशों को भी करारा झटका दिया। पिछले नौ साल से सेरी ए में अपना दबदबा रखने वाला युवेंटस इस हार से पांचवें स्थान पर खिसक गया है। उसके और चौथे स्थान पर काबिज नैपोली के बीच एक अंक का अंतर है। लीग से शीर्ष चार मे रहे वाली टीमे चैंपियन्स लीग में जगह बनाती है। युवेंटस के 35 मैचों में 69 अंक है। अटलांटा और एसी मिलान दोनों के समान 72 अंक है। अटलांटा ने एक अन्य मैच में पार्मा को 5-2 से हराया और वह बेहतर गोल अंतर के कारण इंटर मिलान (35 मैचों में 85 अंक) के बाद दूसरे स्थान पर है। इंटर मिलान पहले ही खिताब अपने नाम सुरक्षित कर चुका है। एसी मिलान की तरफ से युवेंटस के खिलाफ ब्राहिम डियाम ने पहले हाफ के इंजुरी टाइम में पहला गोल किया। इसके बाद एंटे रेबिच (78वें) और फिक्रायो टोमोरी (82वें मिनट) ने दूसरे हाफ में गोल किए। अन्य मैचों मे रोमा ने क्रोटोन को 5-0 से जबकि कैगलियारी ने बेनेवेटो को 3-। से शिकस्त दी।

रेन से ड्रा खेलकर पीएसजी खिताब की दौड़ में पिछड़ा

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की रेन के खिलाफ मैच।-। से ड्रा खेलने के कारण फ्रांसीसी फुटबॉल लीग का खिताब अपने पास बरकरार रखने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। पीएसजी ने मध्यांतर से ठीक पहले नेमार के पेनल्टी पर किए गए गोल से बढ़त बनाई। रेन के स्ट्राइकर सरेहु गुएर्सी ने 70वें मिनट में विगर बेजामिन बोरिगीड के कार्नर पर हेडर से गोल करके अपनी टीम को बराबरी दिलाई। अब जबकि दो दौर के मैच बचे हुए है तब पीएसजी शीर्ष पर काबिज लिली से तीन अंक पीछे और तीसरे स्थान की टीम मोनाको से केवल दो अंक आगे है। मोनाको ने एक अन्य मैच में रीम्स को।-0 से हराकर चैंपियन्स लीग में जगह बनाने की अपनी उम्मीदें जीवंत रखी। उसकी तरफ से यह महत्वपूर्ण गोल इलियट मैटाजो ने 20वें मिनट में किया।

पीयूष चावला के पिता का कोविड-19 के कारण निधन

मुंबई। भारतीय लेग स्पिनर पीयूष चावला के पिता प्रमोद कुमार चावला का सोमवार को कोविड-19 बीमारी के कारण निधन हो गया। उनकी उम्र 60 वर्ष के आसपास थी। चावला ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, हम गहरे दुख के साथ यह घोषणा कर रहे हैं कि हमारे प्रिय पिताजी प्रमोद कुमार चावला का 10 मई 2021 को स्वर्गवास हो गया। वह कोविड और उसके बाद की जटिलताओं से जूझ रहे थे। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। चावला की आईपीएल टीम मुंबई इंडियन्स ने भी शोक व्यक्त किया।

हॉकी के पूर्व खिलाड़ी फर्नांडिस का निधन

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सोमवार को पूर्व खिलाड़ी जार्ज फर्नांडिस के निधन पर शोक व्यक्त किया जिनका कोविड-19 के कारण रविवार को बेंगलुरू में निधन हो गया था। फर्नांडिस 67 साल के थे और पिछले कुछ दिनों से कोविड-19 से जूझ रहे थे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोमबाम ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, हॉकी इंडिया में हम सभी जूनियर स्तर पर हमारे देश का प्रतिनिधित्व करने वाले जार्ज फर्नांडिस के असामयिक निधन से बेहद दुखी हैं।

स्वर्ण पदक विजेता फुटबॉलर फ्रेंको नहीं रहे

नई दिल्ली। भारत की 1962 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य रहे फोर्टुनाटो फ्रेंको का सोमवार को निधन हो गया। वह 84 साल के थे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने उनके निधन की पुष्टि की लेकिन इसका कारण नहीं बताया। फ्रेंको के परिवार में पत्नी, बेटा और बेटी हैं। भारत के मध्यपंक्ति के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक फ्रेंको 1960 से 1964 तक भारतीय फुटबॉल के स्वर्णिम युग का हिस्सा थे।

सनराइजर्स के मालिकों ने 30 करोड़ दिए

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम सनराइजर्स हैदराबाद की मालिक सन टीवी ने सोमवार को राज्य और केंद्र सरकारों के अलावा विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों (एनजीओ) के सहयोग से चलाए जा रहे कोविड-19 राहत कार्यों के लिए 30 करोड़ रुपए दान किए। भारत अभी कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है जिसके कारण प्रतिदिन 4000 से अधिक लोगों की मौत हो रही है।

कोहली, पुजारा व इशांत ने पहला टीका लगवाया

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान विराट कोहली और वरिष्ठ तेज गेंदबाज इशांत शर्मा व पुजारा ने सोमवार को कोविड-19 का पहला टीका लगवाया। मुंबई में रहने वाले कोहली ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर पोस्ट की है जबकि इशांत और उनकी पत्नी प्रतिमा ने भी टीकाकरण केंद्र की अपनी फोटो ट्विटर पर डाली है। इशांत ने अपने ट्विटर पेज पर लिखा है, इसके लिए आभारी हूं तथा इस काम में लगे सभी लोगों का भी आभार व्यक्त करता हूं।

पाक ने जिम्बाब्वे का सूपड़ा साफ किया

हरारे। पाकिस्तान ने सोमवार को यहां दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे को पारी और 147 रन से हराकर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया। पाकिस्तान को चौथे दिन जीत के लिए केवल एक विकेट की जरूरत थी। शाहीन शाह अफरीदी ने दिन के पांचवें ओवर में ही ल्यूक जोंगवे (37) को विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराकर जीत की औपचारिकता पूरी की। जिम्बाब्वे ने सुबह अपनी दूसरी पारी नौ विकेट पर 220 रन से आगे बढ़ाई और केवल 11 रन जोड़कर उसकी टीम 231 रन पर आउट हो गई। अफरीदी ने 52 रन देकर पांच विकेट लिए।

लोनाटो विश्व कप में 34वें स्थान पर रहे

नई दिल्ली। भारतीय निशानेबाज गुरजोत सिंह खंगुरा सोमवार को इटली के लोनाटो में आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में पुरुषों की स्कीट स्पर्धा में कुल 120 अंक के साथ 34 वें स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में भाग ले रहे एक अन्य भारतीय अंगद वीर सिंह बाजवा पांच दौर के बाद 118 अंक के साथ 51वें स्थान पर रहे। हाल ही में तोक्यो ओलंपिक के लिए चुनी गई टीम में रिजर्व के तौर पर शामिल किए गए गुरजोत ने प्रतियोगिता के शुरूआती दिन 75 में 74 निशाने लगाए थे और 12वें स्थान पर थे।

पेट्रोल, डीजल की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर, महाराष्ट्र में पेट्रोल 100 रुपए के पार

नई दिल्ली। पेट्रोल और डीजल की कीमतें एक सप्ताह में पांचवीं बढ़ोतरी के साथ ही सोमवार को रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं, जिसके बाद राजस्थान और मध्य प्रदेश के साथ ही महाराष्ट्र में भी पेट्रोल 100 रुपए प्रति लीटर के स्तर को पार कर गया। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों द्वारा जारी मूल्य अधिसूचना के मुताबिक पेट्रोल की कीमत 26 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमत 33 पैसे प्रति लीटर बढ़ी। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के दौरान 18 दिनों तक कीमतों की समीक्षा नहीं की और चार मई से समीक्षा दोबारा शुरू की गई। तब से यह कीमतों में पांचवी बढ़ोतरी है। इस बढ़ोतरी के साथ ही पेट्रोल और डीजल की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। दिल्ली में पेट्रोल अब 91.53 रुपए प्रति लीटर के भाव पर मिल रहा है, जबकि डीजल की कीमत 82.06 रुपए प्रति लीटर है।

सीएनएच इंडस्ट्रियल इंडिया का कोविड-19 के मामलों से निपटने के प्रयास जारी

नई दिल्ली। पूरे देश में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर को देखते हुए सीएनएच इंडस्ट्रियल ने कोविड-19 की रोकथाम के कई कदम उठाये और इस कठिन समय में अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ खड़ा रहने को प्रतिबद्ध है। महामारी की शुरुआत से ही कम्पनी अपने ग्रेटर नोएडा, पुणे, पीथमपुर प्लांट और गुड़गांव कॉर्पोरेट कार्यालय में आवश्यक सावधानियां बरत रही है जैसे कि दैनिक तापमान की जांचए सामाजिक दूरी बनाए रखना, अरोग्य सेतु ऐप पर अनिवार्य पंजीकरण, कम्पनी के सभी केंद्रों पर मास्क और दस्ताने के साथ.साथ आंखों की सुरक्षा के उपकरणों का प्रावधान करना और फिर दैनिक स्वच्छता में नियमितता बरतना। सीएनएच इंडस्ट्रियल इस लिहाज से खास है कि इसने कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए कई अतिरिक्त महत्वपूर्ण उपाय किए हैं। सीएनएच इंडस्ट्रियलए इंडिया और सार्क के कंट्री मैनेजरए रौनक वर्मा ने उपरोक्त कदमों के बारे में कहा कि सीएनएच इंडस्ट्रियल में हमारे लिए सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण कर्मचारियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा है। हम ने अपने कार्मिकों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की रक्षा के सभी उपाय किए हैं। हमारी नेतृत्व टीम और मेरे द्वारा हमारे कार्य स्थलों की स्थिति की रियल टाइम सीधी निगरानी की जाती है ताकि यदि कोई कर्मचारी बीमार हो और अस्पताल में भर्ती हो तो समय से सेवा और सहायता दी जाए।

राज्यों को अंतरण के नाम वैक्सीन के बजट से केंद्र के वैक्सीन खरीदने पर कोई रोक नही

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 2021- 22 के बजट में राज्यों को अंतरण शीर्षक के तहत टीकाकरण के लिए आवंटित 35,000 करोड़ रुपए को कोविड19 के टीके पर इस्तेमाल करने में केंद्र पर कोई रोक नहीं है। अप्रैल से शुरू चालू वित्त वर्ष के लिए अनुदान मांगों की संख्या 40 में प्रशासनिक सुविधाओं की दृष्टि से राज्यों को अंतरण शीर्षक के तहत 35,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

सेंसेक्स, निफ्टी में लगातार चौथे दिन तेजी

● दवा कंपनियों, बैंक शेयरों में खरीदारी का जोर

भाषा। मुंबई

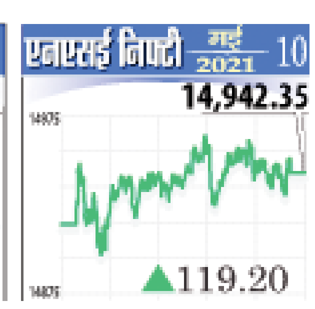

बंबई शेयर बाजार में सोमवार को लगातार चौथे दिन बढ़त दर्ज की गई। दवा, बिजली और बैंक शेयरों में लिवाली निकलने से सेंसेक्स 296 अंक चढ़ गया। एनएसई का निफ्टी भी 14,900 अंक के ऊपर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों के सकारात्मक संकेतों के सामने निवेशकों ने कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों की चिंता को अधिक तवज्जो नहीं दी। बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स 295.94 अंक यानी 0.60 प्रतिशत चढ़कर 49,502.41 अंक पर और निफ्टी 119.20 अंक यानी 0.80 प्रतिशत सुधर कर 14,942.35 अंक पर बंद हुआ। पिछले चार कारोबारी सत्रों में सेंसेक्स।,248.90 अंक यानी 2.58 प्रतिशत चढ़ चुका है। इसी प्रकार निफ्टी में भी पिछले चार दिन में 445.85 अंक यानी 3.07 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की जा चुकी है। सेंसेक्स में चार प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ लार्सन एण्ड टुब्रो सबसे अधिक लाभ में रहा। डा. रेड्डीज लैब, सन फर्मा, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, ओएनजीसी और महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा के शेयरों में भी बढ़त रही। इसके विपरीत अल्ट्राटेक सीमेंट, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचसीएल टेक और एक्सिस बैंक में नुकसान हुआ। सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से इन पांच में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई के धातु, पूंजीगत सामानों, स्वास्थ्य देखभाल, बिजली, जनोपयोगी और औद्योगिकी क्षेत्र के सूचकांक में 3.53 प्रतिशत तक वृद्धि रही। वहीं सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र का सूचकांक गिरावट में रहा।

निवेशकों की संपत्ति 6.44 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली। शेयर बाजारों में पिछले लगातार चार कार्यदिवस में आई तेजी से निवेशकों की संपत्ति 6,44,760.45 करोड़ रुपए बढ़ गई। पिछले चार कारोबारी सत्रों में बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स।,248.90 अंक यानी 2.58 प्रतिशत बढ़ गया। सोमवार को सेंसेक्स में 295.94 अंक यानी 0.60 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और यह 49,502.41 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान, पांच मई के बाद से चार कारोबारी सत्र में बंबई शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 6,44,760.45 करोड़ रुपए बढ़कर 2 करोड़ 13 लाख 28 हजार 685 करोड़ 05 लाख रुपए पर पहुंच गया। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजार से अनुकूल संकेत मिल रहे है, कंपनियों के मार्च तिमाही के परिणाम अनुकूल टिप्पणियों के साथ ठीक ठाक स्तर पर रहे, वहीं रिजर्व बैंक ने कारोबार वृद्धि के लिए तरलता समर्थन की घोषणा की है।

रुपए में तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी, डॉलर के मुकाबले एक माह के उच्च स्तर पर बंद हुआ

मुंबई। वैश्विक मुद्राओं के समक्ष डॉलर के कमजोर होने और घरेलू शेयर बाजार में तेजी जारी रहने के बीच अमेरिकी मुद्रा के समक्ष रुपए में लगातार तीसरे दिन सोवमवार को सुधार रहा और रुपए की विनिमय दर 16 पैसे मजबूत हो 73.35 प्रति डॉलर पर बंद हुई। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हालांकि, कच्चेतेल की कीमतों में वृद्धि और विदेशी संस्थागत निवेशकों की धन निकासी के कारण इस तेजी पर कुछ अंकुश लग गया। अंतरबैंक विदेशी विनिमय बाजार में डॉलर-रुपया दर 73.34 पर खुली।

दिन में डालर 73.33 रुपए के उच्च स्तर और 73.48 के निम्न स्तर के बीच रहा। बाजार बंद होने के समय विनिमय दर 73.35 रुपए प्रति डॉलर थी। यह रुपए में 16 पैसे की मजूती दर्शाता है।

बजाज फिनसर्व ने लॉन्च किया, सावधान रहें, सेफ रहें

मेरठ। भारत के सबसे बड़े वित्तीय समूहों में से एकए बजाज फिनसर्व ने डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफ ॉर्म्स पर अपना सार्वजनिक जागरूकता कैम्पेन श्सावधान रहें, सेफ रहें लॉन्च किया है। यह कैम्पेन ग्राहकों और जनता को वित्तीय धोखाधड़ी के जोखिमों और उनसे सुरक्षित रहने पर शिक्षित करने के लिये है। जागरूकता की इस पहल के माध्यम से बजाज फिनसर्व का लक्ष्य अपने मौजूदा और संभावित ग्राहकों को एक बहुत महत्वपूर्ण संदेश देना है कि वे लोन प्रोसेसिंग फ्री, बैंक चार्जेस, जीएसटी, वेरिफिकेशंस आदि के नाम पर अग्रिम रूप से कोई रिफंडेबल पेमेंट करने से बचें और केवल बजाज फ इनेंस की ऑफिशियल वेबसाइट पर ही लोन के सभी ऑफर्स का सत्यापन करें।

बिग बाजार ने हाफ प्राइस वीक शुरू की

मुंबई। बिग बाजार ने आज हाफ प्राइस वीक् की घोषणा 10 मई से 16 मई तक की है। 26 राज्यों और 150 से अधिक शहरों की अखिल भारतीय उपस्थिति के साथए ष्हाफ प्राइस वीकष् लाखों भारतीयों को 50 प्रतिशत की खरीदारी पर उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला पर वादा करता है। इनस्टोर और ऑनलाइन वद`या बिग बाज़ार ऐप। ग्राहक अपने घर के आराम और सुरक्षा के लिए 2 घंटे के भीतर इसे चुन सकते हैं, खरीद सकते हैं और प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान समय में जब ग्राहक अपने खरीदारी बजट को कम से कम करना चाहते हैंए तो बिग बाजार का आधा मूल्य सप्ताह उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला को बचाने का एक अनूठा अवसर है। ग्राहकों को 1500 रुपये की खरीदारी पर 200 रुपये का कैशबैक भी मिलेगा।

सरकार ने ढील दी

नई दिल्ली। भारत में कोविड-19 के बढ़ते कहर से स्वास्थ्य व्यवस्था के बुरी तरह प्रभावित होने के साथ सरकार ने विभागों के लिए चिकित्सीय आपूर्तियों की खरीद से जुड़े नियमों में ढील दी है।

अप्रैल, मई में अर्थिक गतिविधियां घटीं, लेकिन 2020 से कम गंभीर असर : फिच

भाषा। नई दिल्ली

फिच रेटिंग्स ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 महामारी की ताजा लहर से अप्रैल-मई में आर्थिक गतिविधियां घटी हैं, लेकिन ए झटका 2020 के मुकाबले कम गंभीर होगा। साथ ही फिच ने कहा कि इसके चलते सुधार में देरी होने की आशंका है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी ने कहा कि ऐसे संकेत बढ़ रहे हैं कि कोविड संक्रमण की ताजा लहर से वित्तीय संस्थानों के लिए जोखिम बढ़ सकते हैं और अनुमान है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) वित्तीय क्षेत्र की मदद के लिए अतिरिक्त उपाय कर सकता है। फिच ने एक रिपोर्ट में कहा, हमें उम्मीद है कि भारत में महामारी की ताजा लहर से 2020 के मुकाबले आर्थिक गतिविधियों को कम नुकसान होगा, भले ही संक्रमण का प्रकोप पहले से अधिक है... फिर भी संकेतक अप्रैल-मई में गतिविधियों में कमी दर्शाते हैं, जिससे सुधार में देरी हो सकती है। लगातार चार दिन कोरोना वायरस संक्रमण के चार लाख से अधिक नए मामले सामने आने के बाद भारत में सोमवार को एक दिन में कोविड-19 के 3,66,161 मामले सामने आए और इसी के साथ देश में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 2,26,62,575 हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार को सुबह आठ बजे तक अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसार, 3,754 और लोगों की संक्रमण के कारण मौत होने के बाद कुल मृतक संख्या बढ़कर 2,46,116 हो गई।

एलआईसी उत्तर मध्य क्षेत्र के नए क्षेत्रीय प्रबंधक आरपी गुप्ता ने संभाला कार्यभार

कानपुर। एलआईसी उत्तर मध्य क्षेत्र के नए क्षेत्रीय प्रबंधक अरपी गुप्ता ने सोमवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। इससे पूर्व वह नेशनल इंश्योरेंस अकादमी पुणे में फैकल्टी मेंबबर के रूप में कार्यरत थे।श्री गुप्ता ने वष4 1988 में एलआईसी में डायरेक्ट रिक्रूटट अफसर के तौर पर अपना कॅरियर प्रारंभ किया और निगम में अहम दायित्वों का बखूबी निर्वहन किया। लाइफ इंश्योरेंस मार्केटिंग और इससे जुड़े डिस्ट्रीब्यूशन चैनल्स में कार्य का उन्हें वृहद अनुभव है। औरंगाबाद और सतारा मंडलों के वरिष्ठ मंडल प्रबंधक पद रहहते श्री गुप्ता ने व्यवसाय में अभूतपूर्व वृद्धि की। बिहार, झारखंड और उड़ीसा राज्यों में प्रादेशिक प्रबंधक (विपणन) के पद पर भी उन्होंने कार्य किया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद नए क्षेत्रीय प्रबंधक ने कोविड-19 महामारी ससे संबंधित दावों का निगम ससे प्रमुखता से भुगतान किए जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने ग्राहकों से अनुरोध किया कि वे स्वंय को ससुरक्षित रखें और एलआईसी की डिजिटल सर्विसेज का प्रयोग करें।

छह लोगों की हत्या करने के बाद ली खुद की जान

एपी। कोलोराडो स्प्रिंग्स (अमेरिका),

● कोलोराडो में जन्मदिन समारोह के दौरान घटित हुई घटना

● इससे पहले, कोलोराडो के बाउल्डर सुपरमार्केट में 22 मार्च को एक बंदूकधारी की गोलीबारी में 10 लोगों की मौत हो गई थी। उसके बाद से यह कोलोराडो में गोलीबारी की सबसे भयानक घटना है।

अमेरिका के कोलोराडो में एक जन्मदिन समारोह के दौरान एक बंदूकधारी ने छह लोगों की हत्या करने के बाद गोली मारकर खुद की भी जान ले ली। पुलिस ने बताया कि कोलोराडो स्प्रिंग्स में एक घर में रविवार आधी रात के कुछ देर बाद गोलीबारी हुई। कोलोराडो स्प्रिंग्स गजट के अनुसार, अधिकारियों को घटनास्थल पर छह लोग मृत मिले और एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति मिला, जिसने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध हमलावर पार्टी में मौजूद एक युवती का मित्र था। पार्टी में बच्चे भी शामिल थे। बंदूकधारी भीतर आया और उसने गोलीबारी करने के बाद खुद को गोली मार ली। उसने बताया कि जिस व्यक्ति के लिए समारोह आयोजित किया गया था, गोलीबारी में उसकी भी मौत हो गई ।पड़ोसी एनिफर रेएस ने द डेनवेर पोस्ट को बताया कि वह गोलियां चलने की आवाज सुनकर उठ गई। रेएस ने कहा, मुझे लगा कि बिजली गिरी है। इसके बाद सायरन की आवाज सुनाई देने लगीं। प्राधिकारियों ने बताया कि कि इस गोलीबारी में कोई बच्चा हताहत नहीं हुआ है। पुलिस ने पीड़ितों या हमलावर की पहचान उजागर नहीं की है। प्राधिकारियों ने कहा कि हमले का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। इससे पहले, कोलोराडो के बाउल्डर सुपरमार्केट में 22 मार्च को एक बंदूकधारी की गोलीबारी में 10 लोगों की मौत हो गई थी। उसके बाद से यह कोलोराडो में गोलीबारी की सबसे भयानक घटना है। गर्वनर जारेद पोलिस ने इस घटना में मारे गए लोगों के लिए शोक व्यक्त किया।

व्यक्ति ने पांच लोगों को चाकू घोंपा, तीन की हालत गंभीर

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के सुपरमार्केट में सोमवार को एक व्यक्ति ने लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। घटना में पांच लोग घायल हुए हैं जिनमें से तीन की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने इस बारे में बताया ।पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। डुनिडन शहर के काउंटडाउन सुपरमार्केट में घटना के बाद उसे हिरातस में ले लिया गया। घायलों में सुपरमार्केट के दो कर्मचारी भी शामिल हैं। घटना के वक्त सुपरमार्केट में मौजूद लोगों ने स्थानीय मीडिया को बताया कि उस वक्त लोग चीख-पुकार मचा रहे थे और बाहर की ओर भाग रहे थे। उन्होंने बताया कि कुछ हिम्मती दुकानदारों ने हमलावर को रोकने की कोशिश की और उसे काबू में किया ।प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न ने कहा कि हमले की मंशा का पता लगाया जा रहा है हालांकि इसे घरेलू आतंकवाद बताने के लिए पुलिस के पास कोई सबूत नहीं है ।आर्डर्न ने कहा, इसमें कोई शक नहीं है कि ऐसे हमले गंभीर चिंता का विषय हैं और मैं उन लोगों की सराहना करना चाहती हूं जिन्होंने लोगों की सुरक्षा के लिए हिम्मत दिखाते हुए हमलावर को काबू में किया।

यरुशलमः इज़राइली पुलिस के साथ झड़प में 153 फलस्तीनी घायल

एपी। यरुशलम

● रमजान के पाक महीने में ऐसी कार्रवाई के लिए इज़राइल की लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की जा रही है। इस बीच, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के एक प्रवक्ता ओफिर गेंदलमैन ने एक ट्वीट में दावा किया, फलस्तीनी चरमपंथी साजिश के तहत पवित्र स्थल दंगा करने आए थे

यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद के पास सोमवार को फलस्तीनी प्रदर्शनकारियों और इज़राइली पुलिस के बीच हुई झड़प में करीब 153 फलस्तीनी घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मौके पर मौजूद एसोसिएट प्रेस (एपी) के एक छायाकार ने बताया कि अल-अक्सा मस्जिद के पास आंसू गैस और स्टन ग्रेनेड के दर्जनों गोले आकर गिरे।

फलस्तीनी चिकित्सकों ने बताया कि अल-अक्सा मस्जिद परिसर में हुई इस हिंसा में करीब 215 फलस्तीनी घायल हुए और इनमें से 153 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फलस्तीन श्रद्धालुओं की शुक्रवार देर रात भी अल-अक्सा मस्जिद परिसर में इज़राइली पुलिस के साथ झड़प हो गई थी। इसके बाद से ही फलस्तीनियों और इज़राइल के अधिकारियों के बीच झड़प जारी है। पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों फलस्तीनी और 20 से अधिक पुलिस अधिकारी हताहत हुए हैं। सोमवार सुबह करीब सात बजे के बाद एक बार फिर झड़प शुरू हुई। परिसर के अंदर मौजूद लोग बाहर पुलिस पर पत्थर फेंक रहे थे। वहीं, पुलिस आंसू गैस के गोले और स्टन ग्रेनेड दागते हुए परिसर के अंदर दाखिल हुई। उस समय करीब 400 लोग अल-अक्सा मस्जिद में मौजूद थे। पुलिस ने मस्जिद के अंदर आंसू गैस के गोले और स्टन ग्रेनेड दागे। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने वेस्टर्न वॉल के पास सड़क पर अधिकारियों पर पथराव किया, जहां हजारों इज़राइली यहूदी इबादत करने के लिए एकत्रित हुए थे। मुसलमानों के रमजान के पाक महीने में ऐसी कार्वाई के लिए इज़राइल की लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की जा रही है। इस बीच, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के एक प्रवक्ता ओफिर गेंदलमैन ने एक ट्वीट में दावा किया, फलस्तीनी चरमपंथी साजिश के तहत पवित्र स्थल दंगा करने आए थे।

थाई यात्रियों में मिला कोरोना वायरस का भारतीय स्वरूप

बैंकाक (एपी)। थाइलैंड के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि देश में कोरोना वायरस के भारतीय स्वरूप के पहले मामले मिलने की पुष्टि हुई तथा पाकिस्तान से लौटी एक थाई महिला एवं उसके चार वर्षीय बेटे में इस वायरस का भारतीय स्वरूप मिला है। यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब थाईलैंड अप्रैल में शुरू हुई कोरोना वायरस की नई लहर से जूझ रहा है। इसकी शुरुआत बैंकाक के मनोरंजन स्थलों एवं भीड़भाड़ वाली झुग्गी बस्तियों से हुई थी। हाल के कई मामलों में इस वायरस का ब्रिटिश स्वरूप मिला है जो पिछले साल मिले मूल स्वरूप से अधिक संक्रामक है।

थाईलैंड ने इस मई से भारत से थाई नागरिकों के अलावा अन्य पर पाबंद लगा दी थी। भारत में भी कोरोना वायरस की दूसरी गंभीर लहर चल रही है और वहां 2.26 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और वह अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर है। भारत में 246,000 से अधिक मौतें भी हुई हैं।

रूस में विजय दिवस के मौके पर आयोजित समारोह के दौरान तोप से गोले दागते सेना के जवान

पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के बाद हिंसा के खिलाफ भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने प्रदर्शन किए

भाषा। ह्यूस्टन

● भाजपा ने आरोप लगाया कि नतीजों के बाद तृणमूल कांग्रेस के लोगों ने उसके अनेक कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी और अनेक कार्यकर्ताओं को घायल कर दिया

भारत के राज्य पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणामों के बाद हुई हिंसा के खिलाफ अमेरिका के 30 से अधिक शहरों में बंगाली समुदाय के लोगों समेत अनेक प्रवासी भारतीयों ने प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि दो मई को विधानसभा चुनाव के परिणामों की घोषणा के बाद पश्चिम बंगाल में हिंसा की अनेक घटनाएं हुईं। भाजपा ने आरोप लगाया कि नतीजों के बाद तृणमूल कांग्रेस के लोगों ने उसके अनेक कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी और अनेक कार्यकर्ताओं को घायल कर दिया ।ममता बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस ने राज्य विधानसभा में शानदार जीत दर्ज की है ।चुनाव परिणामों के बाद हत्या की घटनाओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए अमेरिका के विभिनन शहरों में प्रदर्शन कर रहे लोगों ने हाथों में प्लेकार्ड ले रखे थे जिन पर लिखा था, हिंदुओं की जिंदगियां भी मायने रखती हैं , हिंदुओं के नरसंहार के खिलाफ प्रदर्शन। प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विशेषज्ञ एवं उद्यमी जुधाजीत सेन मजुमदार का बंगाल आना जाना लगा रहता है। वह कहते हैं, चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद ऐसे अनेक लोगों ने मेरे मित्रों और मुझ से मदद मांगी, जो निशाना बनाकर किए गए हमले के शिकार हुए थे। दुकानों को लूटा गया और घरों के भीतर बम फेंके गए। इन घटनाओं से क्षुब्ध प्रवासियों ने अमेरिका, ब्रिटेन के प्रमुख शहरों समेत कई स्थानों पर प्रदर्शन किए। उन्होंने बंगाल में बड़े पैमाने पर हुई हिंसा के बाद न्याय और जांच की मांग की। ह्यूस्टन की रहने वाली सहाना सिंह ने कहा, जिस तरह से हिंदू महिलाओं को बाल पकड़कर घसीटा गया, जमीन पर पटका गया और बलात्कार की घटनाओं को अंजाम दिया गया उससे मुझे बहुत आघात पहुंचा है। भाजपा ने हिंसा के लिए तृणमूल कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। उसने दावा किया कि एक महिला समेत उसके कम से कम छह कार्यकर्ताओं और समर्थकों की कथित तौर पर तृणमूल द्वारा शुरू की गई हिंसा में हत्या कर दी गई। दूसरी ओर तृणमूल ने भी दावा किया है कि हिंसक घटनाओं में उसके तीन समर्थकों की हत्या हुई है।

क्विक न्यूज

कनाडा में हवाईअड्डे पर एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या

रिचमॉन्ड (कनाडा)। वैंकूवर अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर रविवार को 28 वर्षीय एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों ने इसे गिरोहों के बीच रंजिश से जुड़ी घटना बताया है। संदिग्धों ने पुलिस पर भी गोली चलाई। रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस बल के एक अधिकारी ने बताया कि मरने वाले व्यक्ति को पुलिस जानती थी और यह घटना क्षेत्र में गिरोहों के बीच संघर्ष से जुड़ी हुई है। उन्होंने बताया कि हमलावरों ने पुलिसकर्मियों को भी निशाना बनाया था। पुलिस बल की ओर से बताया गया गोलीबारी की घटना के बाद जब अधिकारियों ने एक संदिग्ध कार को रोकने का प्रयास किया तो उसमें सवार लोगों ने पुलिसकर्मियों पर गोलियां चलाईं लेकिन पुलिस ने जवाबी कार्वाई नही की क्योंकि वहां पर कई अन्य लोग भी थे। वाहन में कम से कम दो व्यक्ति सवार थे। उन्होंने बताया कि घटना में कोई पुलिस अधिकारी घायल नही हुआ। पुलिस ने बताया कि बाद में, 28 किलोमीटर दूर एक जलती हुई कार बरामद हुई।संघीय लोक सुरक्षा मंत्री बिल ब्लेयर ने इसे गिरोहों के बीच रंजिश से जुड़ी घटना बताया।

पाकिस्तान से आए थाई यात्रियों में मिला कोरोना वायरस का भारतीय स्वरूप

बैंकाक। थाइलैंड के स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि देश में कोरोना वायरस के भारतीय स्वरूप के पहले मामले मिलने की पुष्टि हुई तथा पाकिस्तान से लौटी एक थाई महिला एवं उसके चार वर्षीय बेटे में इस वायरस का भारतीय स्वरूप मिला है। यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब थाईलैंड अप्रैल में शुरू हुई कोरोना वायरस की नई लहर से जूझ रहा है। इसकी शुरुआत बैंकाक के मनोरंजन स्थलों एवं भीड़भाड़ वाली झुग्गी बस्तियों से हुई थी। हाल के कई मामलों में इस वायरस का ब्रिटिश स्वरूप मिला है जो पिछले साल मिले मूल स्वरूप से अधिक संक्रामक है। थाईलैंड ने इस मई से भारत से थाई नागरिकों के अलावा अन्य पर पाबंद लगा दी थी। भारत में भी कोरोना वायरस की दूसरी गंभीर लहर चल रही है और वहां 2.26 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और वह अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर है। भारत में 246,000 से अधिक मौतें भी हुई हैं। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टानी सांग्राट ने बताया इस वायरस के भारतीय स्वरूप को फैलने से रोकने के लिए सोमवार को थाईलैंड ने पाकिस्तान, बांग्लादेश एवं नेपाल से आने वाले विदेशी यात्रियों पर पाबंदी लगा दी।

तालिबान ने ईद के मद्देनजर तीन दिन के संघर्ष विराम की घोषणा की

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान ने मुस्लिम त्योहार ईद के मद्देनजर तीन दिन के संघर्षविराम की सोमवार को घोषणा की जोकि इस सप्ताह मनाया जाएगा। हालांकि, कुछ ही घंटे बाद पूर्वी अफगानिस्तान में एक बस बम धमाके की चपेट में आ गई, जिसमें सवार 11 यात्रियों की मौत हो गई। किसी भी संगठन ने तत्काल इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। संघर्षविराम की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए काबुल में सरकार ने स्थाई संघर्षविराम का आह्वान किया। राष्ट्रपति भवन से जारी एक बयान में देश में बढ़ती हिसा के लिए तालिबान की आलोचना की। साथ ही कहा कि सरकार भी त्योहार के मद्देनजर लागू इस संघर्षविराम का पालन करेगी। तालिबान ने कहा कि यह सघर्षविराम बुधवार या बृहस्पतिवार से प्रभावी होगा जोकि त्योहार की शुरुआत के लिए चांद दिखाई देने पर निर्भर करेगा।उधर, गृह मंत्रालय के प्रवक्ता तारिक आरियन ने कहा कि तालिबान द्वारा किए गए संघर्षविराम उल्लंघन की घोषणा के कुछ ही घंटे बाद दक्षिणी जबूल प्रांत मे बम धमाके की चपेट मे आई एक बस मे सवार 11 यात्रियों की मौत हो गई जबकि 24 अन्य घायल हो गए।

ब्रिटेन ने कोविड-19 अलर्ट का स्तर चार से तीन किया

लंदन। ब्रिटेन के स्वास्थ्य प्रमुख देश का कोविड-19 अलर्ट स्तर चार से तीन करने में सोमवार को सहमत हो गए जिससे संकेत मिलता है कि कोरोना वायरस संचरण अब तेज़ी से नही बढ़ रहा है बल्कि इसका सामान्य प्रसार है। वायरस की रोकथाम के लिए जरूरी लॉकडाउन और सामाजिक दूरी के स्तर का पता लगाने के लिए पिछले साल पांच स्तरीय अलर्ट व्यवस्था लाई गई थी।ब्रिटेन लॉकडाउन की पाबंदियों में ढील दे रहा है और प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन अगले सोमवार से भीड़ जुटने पर लगी और रोकों को हटाने का ऐलान करने की तैयारी में है। इस बीच ब्रिटेन के सभी चार क्षेत्रों के मुख्य चिकित्सा अधिकारी अलर्ट स्तर में बदलाव पर सहमत हुए हैं।उन्होंने संयुक्त बयान में कहा कि ज्वाइंट बायोसिक्यूरिटी सेंटर की सलाह और हालिया आंकड़ों की रोशनी में ब्रिटेन के चिकित्सा अधिकारी और एनएचएस (राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा), इंग्लैंड राष्ट्रीय चिकित्सा निदेशक इस बात पर सहमत हुए है कि ब्रिटेन के अलर्ट स्तर को चार स्तर से हटाकर तीन स्तर पर कर दिया जाना चाहिए।

भारत से लोगों के आने पर रोक के खिलाफ दायर याचिका खारिज

भाषा। मेलबर्न,

सिडनी की एक अदालत ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा कोविड-19 से प्रभावित भारत से आने वाले यात्रियों पर अस्थाई रोक लगाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। यह याचिका बेंगलुरु में फंसे 73 वर्षीय एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक ने दायर की थी। मामले की पहली सुनवाई में न्यायमूर्ति थॉमस थॉवले ने कहा कि कानून जैव सुरक्षा आपात स्थिति को देखते हुए बनाया गया है और भविष्य में इसके खतरे की जानकारी नहीं है। न्यायमूर्ति ने कहा, यह स्पष्ट है कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सोचा कि और लोगों के प्रवेश को रोकने से ऑस्ट्रेलिया के पृथकवास संबंधी प्रयास को राहत मिलेगी, यहां तक उन लोगों को रोकने से जो परोक्ष रूप से ट्रांसजिट केंद्रों के जरिए आ रहे हैं। गैरी न्यूमैन की ओर से पिछले सप्ताह दाखिल आवेदन में स्वास्थ्य मंत्री ग्रेग हंट द्वारा पिछले महीने जैव सुरक्षा अधिनियम के तहत की गई आपात घोषणा को रद्द करने का अनुरोध किया गया था। न्यूमैन पिछले साल मार्च से ही बेंगलुरु में फंसे हुए हैं। उन्होंने प्रतिबंध को असंवैधानिक करार दिया है। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया सरकार द्वारा यात्रा प्रतिबंध की घोषणा पिछले सोमवार को लागू हुई थी और इसमें गत 14 दिनों तक भारत की यात्रा कर स्वदेश लौटने पर पांच साल कारावास या 66 हजार डॉलर का जुर्माना या दोनों का प्रावधान किया गया है। सरकार के मुताबिक अस्थाई रोक का उद्देश्य भारत में कोविड-19 महामारी के चलते यहां जन स्वास्थ्य खतरे को कम करना है। इस फैसले की ऑस्ट्रेलिया में बड़े पैमाने पर आलोचना हुई है। ऑस्ट्रेलियाई-भारतीय समुदाय ने भी इसका विरोध किया।

अमेरिका में पाइपलाइन से साइबर वसूली के प्रयास के बाद गैसोलीन के दाम में वृद्धि

एपी। न्यूयॉर्क

● कंपनी अपने नेटवर्क के संबंधित हिस्से को चालू करने में जुटी है। उसने रविवार को कहा कि उसकी मुख्य पाइपलाइन बंद है लेकिन छोटी पाइपलाइन चालू है

खाड़ी तट से उत्तर पूर्व में ईंधन पहुंचाने वाली अमेरिका की अहम पाइपलाइन पर साइबर वसूली की कोशिश के बाद सोमवार को गैसोलीन के वायदा बाजार में तेजी नजर आई। यह कोलोनियल पाइपलाइन टेक्सास से लेकर न्यूजर्सी तक दस प्रांतों को गैसोलीन एवं अन्य ईंधनों को पहुंचाती है। कंपनी के अनुसार यह पूरे ईस्ट कोस्ट में करीब 45 ईंधन की आपूर्ति करती है।

कोलोनियल पाइपलाइन ने शनिवार को कहा था कि वह रैनसमवेयर हमले का शिकार हुआ है और उसने अपना परिचालन रोक दिया है। जांच से जुड़े दो लोगों ने बताया कि डार्कसाइड नामक एक आपराधिक गिरोह ने यह हरकत की है। इस गिरोह की एक ऐसे रॉबिनहुड की छवि है जो कॉरपोरेट घरानों से चोरी कर वह राशि परमार्थ कार्य के लिए देता है। कच्चे तेल एवं ईंधन का वायदा बाजार हर साल इस समय सीजन रहने के कारण बढ़ने लगता है। इसके तहत व्यापारी भविष्य में किसी खास समय पर आपूर्ति के वास्ते अनुबंध के लिए दाम का पहले ही भुगतान कर देते हैं। वैसे तो पिछले दो सप्ताह में नियमित ग्रेड गैसोलीन के औसत अमेरिकी दाम में वृद्धि हुई है। इस साइबर हमले का यदि निदान नहीं किया गया तो दाम पर दबाव बढ़ सकता है। सोमवार को उसके वायदा बाजार में डेढ़ फीसद वृद्धि हुई। कंपनी अपने नेटवर्क के संबंधित हिस्से को चालू करने में जुटी है। उसने रविवार को कहा कि उसकी मुख्य पाइपलाइन बंद है लेकिन छोटी पाइपलाइन चालू हैं। रैनसमवेयर हमला ऐसा मालवेयर (दुर्भावना से बनाया गया सॉफ्टवेयर) होता है जो किसी कंप्यूटर सिस्टम को ब्लॉक कर देता है और उसका डेटा वापस करने या कंप्यूटर को फिर से खोल सकने के लिए फिरौती की मांग करता है। आपराधिक हैकर ऐसे साइबर हमलों को अंजाम देते हैं। कोलोनियल पाइपलाइन कंपनी ने यह नहीं बताया कि किस चीज की मांग की गई और किसने मांग की है।

'इथियोपिया के शांतिरक्षकों को शरणार्थी शिविर भेजा गया'

काहिरा। सूडान के अधिकारियों ने दारफुर में संयुक्त राष्ट्र के मिशन में काम करने वाले इथियोपिया के करीब तीन दर्जन शांतिरक्षकों को रविवार को एक शरणार्थी शिविर में भेज दिया। सरकारी समाचार एजेंसी ने यह खबर दी ।समाचार एजेंसी एसयूएनए के अनुसार, उत्तर दारफुर प्रांत में शरणार्थी एजेंसी के प्रमुख अल फतेह इब्राहिम मोहम्मद ने बताया कि ए सैनिक तिगरायन जातीय समूह से हैं और 120 इथियोपियाई बलों का हिस्सा है। इस साल की शुरुआत में सूडान में प्रवास की अवधि समाप्त होने के बाद इस जातीय समूह ने देश में शरण मांगी थी। उन्होंने कहा कि सैनिकों में 14 महिलाएं हैं जिन्होंने अपने देश इथियोपिया के वापस बुलाए जाने के बावजूद राजधानी आदिस अबाबा में संघीय सरकार द्वारा हिरासत में लिए जाने के डर से वापस जाने से इनकार कर दिया। इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद ने तिगरे में क्षेत्रीय सरकार के खिलाफ नवंबर से युद्ध छेड़ दिया है।

एफएटीएफ की मांगों को लेकर नए नियम बनायेगा पाक

● धन शोधन रोधी अधिनियम 2010 (एएमएलए) की मौजूदा सूची में कुछ बदलाव के लिए नियम और संबंधित अधिसूचनाएं प्रशासकों और विशेष सरकारी अभियोजकों की नियुक्ति के तुरंत बाद लागू होंगी

भाषा। इस्लामाबाद

वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की ग्रे सूची में से निकलने के लिए तत्पर पाकिस्तान धन शोधन रोधी मामलों के संबंध में नए नियम लाने और अभियोजन प्रक्रिया में बदलाव करने की तैयारी कर रहा है। मीडिया में आई एक खबर में सोमवार को यह जानकारी दी गई है। धनशोधन और आतंकवाद का वित्तपोषण करने के मामलों पर निगरानी करने वाली वैश्विक संस्था पेरिस स्थित एफएटीएफ ने जून 2018 में पाकिस्तान को ग्रे सूची में डाल दिया था और तब से देश इससे निकलने की कोशिश में लगा हुआ है। डॉन अखबार ने खबर दी है कि इन बदलावों में धन शोधन रोधी (एएमएल) मामलों की जांच और अभियोजन का जिम्मा पुलिस, प्रांतीय भ्रष्टाचार रोधी प्रतिष्ठान (एसीई) और अन्य एजेंसियों से लेकर विशिष्ट एजेंसियों को देना शामिल है। ये दो नियमों का हिस्सा है जिनमें एएमएल (ज़ब्त संपत्ति प्रबंधन) नियम 2021 और एएमएल (रेफरल) नियम 2021 शामिल हैं जो नेशनल पॉलिसी स्टेटमेंट ऑन फॉलो मनी के तहत आता है ।खबर में बताया गया है कि इसे कुछ दिन पहले संघीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। धन शोधन रोधी अधिनियम 2010 (एएमएलए) की मौजूदा सूची में कुछ बदलाव के लिए नियम और संबंधित अधिसूचनाएं प्रशासकों और विशेष सरकारी अभियोजकों की नियुक्ति के तुरंत बाद लागू होंगी ।इन उपायों के आधार पर एफएटीएफ यह तय करेगा कि क्या 27 में से तीन शेष मानदंडों को पाकिस्तान ने पूरा किया है या नहीं , जिस वजह से पाकिस्तान इस साल फरवरी में ग्रे सूची से बाहर नहीं निकल सका था। एफएटीएफ की कई समीक्षा बैठकें जून के दूसरे हफ्ते में शुरू होनी हैं और उसका पूर्ण सत्र 21-25 जून को होगा ।अब सरकार ने दर्जनों प्रशासकों को नियुक्त करने का निर्णय किया है जिन्हें संपत्तियों के मूल्य को संरक्षित रखने के लिए जब्त करने, प्राप्त करने, प्रबंधन करने, किराए पर देने, नीलामी करने, हस्तांतरण करने या निपटान करने या अन्य उपाय करने के अधिकार दिए गए हैं।

पाक में सुरक्षा चौकी पर सशस्त्र हमलावरों ने किया हमला, तीन जवानों की मौत

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक सुरक्षा चौकी पर अज्ञात सशस्त्र हमलावरों ने गोलीबारी की, जिसमें अर्द्धसैन्य बल के कम से कम तीन जवानों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह हमला बोलान जिले के मोराट क्षेत्र में रविवार को हुआ। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने बताया कि अज्ञात सशस्त्र लोगों ने क्वेटा से करीब 70 किलोमीटर दूर मोराट में चौकी पर रविवार को हमला किया। अधिकारी ने कहा, हमले में फ्रंटियर कोर्प्स के तीन जवानों की मौत हो गई और एक जवान घायल हो गया। चौकी पर तैनात जवानों ने जवाबी कार्वाई की, लेकिन हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। घटना के बाद जवानों ने इलाके को घेर लिया और निकटवर्ती पर्वतीय इलाकों में तलाश अभियान चलाया, लेकिन अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। जवानों के शवों और घायल जवान को अस्पताल ले जाया गया है। इस हमले से मात्र चार दिन पहले अफगानिस्तान में सीमा पार से आतंकवादियों के हमले में प्रांत के झोब जिले में चार जवानों की मौत हो गई थी।

कोरोना वायरस पर खबर को चीन ने झूठा करार दिया

बीजिंग (भाषा)। चीन ने सोमवार को मीडिया में आई उन खबरों को एकदम झूठ करार दिया, जिनमें कहा गया है कि उसके सैन्य वैज्ञानिकों ने कोविड-19 महामारी के प्रकोप से पांच साल पहले कोरोना वायरस को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने के बारे में जांच की थी। चीन ने कहा कि यह अमेरिका द्वारा देश को बदनाम करने का प्रयास है। गौरतलब है कि अमेरिकी विदेश विभाग को प्राप्त हुए दस्तावेजों के हवाले से मीडिया रिपोर्टों में यह दावा किया गया है कि चीन के वैज्ञानिकों ने कोविड-19 महामारी से पांच साल पहले कथित तौर पर कोरोना वायरस को हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने के बारे में जांच की थी और उन्होंने तीसरा विश्व युद्ध जैविक हथियारों से लड़े जाने का पूर्वानुमान लगाया था। ब्रिटेन के द सन अखबार ने द ऑस्ट्रेलियन की तरफ से सबसे पहले जारी रिपोर्ट के हवाले से कहा कि अमेरिकी विदेश विभाग के हाथ लगे विस्फोटक दस्तावेज कथित तौर पर दर्शाते हैं कि चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी (पीएलए) के कमांडर यह घातक पूर्वानुमान जता रहे थे।

सीओल में बुद्ध के जन्मदिन को लेकर सजे बाजार के बीच से मास्क पहनकर निकलते लोग

कलर्स डाँस दीवाने प्रतियोगी उदय ने हृदयस्पर्शी डाँस परफॉमेंस के जरिए सुनाई मार्मिक कहानी

कलर्स डाँस दीवाने का आगामी एपिसोड सशक्त परफॉर्मेंस के साथ मदर्स डे के अवसर पर सभी माताओं को समर्पित होगा। जज तुषार कालियाए धर्मेश येलंडे और मेहमान नोरा फतेही के साथ कुछ विशेष मेहमानए सभी प्रतियोगियों की माताएं शामिल होकर बच्चों की परफॉर्मेंस देखेंगे। यह वक्त भावनाओं से सराबोर होगा। उदय सिंह अपने खुद के जीवन की एक कहानी पर परफॉर्म करेंगे और यह कहानी सबको सुनाएंगे। इस कहानी में बताया गया है कि उनके साथ उनकी माँ ने किस प्रकार जीवन के सबसे मुश्किल चरणों को पार किया।

यह एक्ट उदय की माँ को समर्पित होगा। इस एक्ट में बताया गया कि उनके पिता ने किस प्रकार उनकी माँ की गंभीर दुर्घटना के बाद उसके इलाज के लिए कर्ज लिया। दैनिक मजदूर होने के चलते उनके पिता रिकवरी एजेंट्स को पैसा नहीं लौटा पाए और उनके इस अपमान का असर उनके दिमाग पर हो गया और उन्होंने आत्महत्या कर ली। भारी वित्तीय संकट के बीच उदय और उसकी माँ अकेले रह गए। जैसे जैसे यह एक्ट आगे बढ़ता हैए हर कोई भावनाओं में डूब जाता है और सबकी आंखों में आँसू आ जाते हैं। मां और बेटे के बीच का यह अनकहा प्यार हर किसी के दिल को छू लेगा। उदय अपनी माँ को धन्यवाद देंगे कि वह सदैव से उनकी सबसे बड़ी सपोर्ट बनी रही। उदय के संघर्षों को सुनकर जज तुषार कालिया ने उन्हें हर संभव मदद देने का वादा किया। तुषार कालिया ने कहा मैं नहीं जानता कि यह सुनने के बाद क्या कहूँ। इन संघर्षों से गुजरना बहुत मुश्किल है और केवल आप ही समझ सकते हो कि आपने किन संघर्षों का सामना किया है। यह बहुत मर्मस्पर्शी है। मैं आपको एक चीज कहना चाहता हूँए मुझे नहीं पता कि आप इस शो में कितना आगे जाएंगे, लेकिन जो कुछ भी होए जब आपको मेरी जरूरत पड़े तो मैं आपको हर संभव मदद दूंगा।

अमेज़न प्राइम वीडियो ने शो मार्केट डाउन है की घोषणा की

मुंबई। अमेज़न प्राइम वीडियो ने लोकप्रिय स्टैंड.अप कॉमेडियन गौरव गुप्ता द्वारा पेश किए जाने वाले अपने आगामी अमेज़न फनीज स्टैंड.अप स्पेशल मार्केट डाउन है का टीजर जारी करते हुए आज इस शो की घोषणा कर दी है। दुनिया भर के दर्शकों को हंसी की जबर्दस्त खुराक देने का वादा करने वाले इस शो का प्रीमियर 14 मई, 2021 को होगा। इस टीजर में गौरव गुप्ता हमें हंसी के उस सफर पर ले जाते दिख रहे हैं, जहां वह एक पिता, पति, बेटे, एक दिल्लीवाला और इस सबके ऊपर एक बनिया होने के हास्यप्रद अनुभव सुनाएंगे!स्टैंड.अप कॉमेडियन गौरव गुप्ता ने बताया, अमेज़न प्राइम वीडियो जैसे एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म से जुड़ कर मैं बेहद खुश हूं और अपने कॉमेडी स्पेशल के जरिए दुनिया भर के स्टैंड.अप प्रेमियों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हूं। उनकी ही बदौलत ढेर सारे कॉमेडियन लाइमलाइट हासिल कर पाए हैं और मैं भी एक व्यापक दर्शक.वर्ग तक पहुंचने तथा नए प्रशंसक बनाने हेतु उत्सुक हूं। अगर लोगों को पता चले कि कोई शो अमेज़न प्राइम वीडियो पर मौजूद है, तो हर कोई उसे देखना चाहता है। इतना कहने के बावजूद मार्केट डाउन है मेरे लिए वाकई एक बेहद खास शो है, क्योंकि अमेज़न प्राइम वीडियो पर यह मेरा पहला स्टैंड.अप स्पेशल है। इसमें मैंने अपने जीवन के असली हास्यप्रद अनुभवों को पेश किया है। मैं एक बनिया हूं और बनिया बिरादरी पर चुटकुले छोड़ना मुझे कभी पुरानी बात नहीं लगती। मुझे पूरी उम्मीद है कि मार्केट डाउन है को दर्शक उतना ही पसंद करेंगे जितना कि उन्होंने मेरे दूसरे स्टैंड.अप परफॉर्मेंस को प्यार दिया है। मार्केट डाउन है का अमेज़न प्राइम वीडियो पर 14 मई 2021 को विशेष प्रीमियर होगा।

भोजपुरी लोकगीतों के मर्मज्ञ और रचयिता जितेन्द्र नाथ सिंह का निधन

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

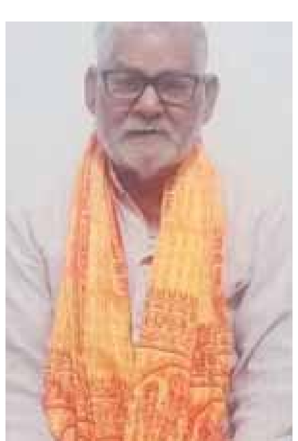

भोजपुरी लोकगीतों के मर्मज्ञ एवं रचयिता जितेंद्र नाथ सिंह जीत का रविवार को कोरोना से निधन हो गया। वह 76 साल के थे। सांस की तकलीफहोने पर उन्हें बीएचयू में भर्ती कराया गया था। दो हफ्ते पहले कोविड संक्रमण से उनकी पत्नी लीलावती सिंह का निधन हो गया था। उनके परिवार में पुत्र शमशेरए दो पुत्रियां और नाती पोतों का भरापूरा परिवार है। गाजीपुर के पातेपुर निवासी जितेंद्र नाथ सिंह जीत ने भारतीय सेना में सिग्नल ऑपरेटर के पद पर रहते हुए 1965 और 71 की लड़ाई में हिस्सा लिया था। वहां से सेवानिवृति होने के बाद आकाशवाणी वाराणसी में सुरक्षा अधिकारी के पद पर तैनात हुए। वे आकाशवाणी के बी हाई ग्रेड के कलाकार और गीतकार थे। उनके गीतों को मनोज तिवारीए महुआ बनर्जीए रेवती साकलकर जैसे कलाकारों ने गाया है। उन्होंने जइब देवी के दुअरियाए गीत गुंजनए बाजे मेरी वीणा के तारए चटक चांदनीए लोक संगीत सागर आदि पांच पुस्तके लिखी हैं।

चीन अब माउंट एवरेस्ट के शिखर पर भी खींचेगा सीमा की लकीर

बीजिंग। चीन दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट पर सीमा रेखा खींचेगा ताकि नेपाल से आने वाले पर्वतरोहियों को अपने इलाके में आने से रोका जा सके। चीन के सरकारी मीडिया ने इस कदम के लिए कोरोना वायरस महामारी को वजह बताया है। इस कार्य के तिब्बती पर्वतारोहियों का समूह बनाया जाएगा।

सरकारी संवाद एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि चीन की ओर से पर्वतरोहियों के चोटी पर पहुंचने से पहले रेखा बनाई जाएगी। हालांकि, आभी यह स्पष्ट नहीं है कि चीन द्वारा यह विभाजन रेखा किस चीज से बनाई जाएगी। उत्तर में चीन की ओर से चोटी की चढ़ाई करने वाले पर्वतरोहियों को इस विभाजन रेखा को पार करने से रोका जाएगा ताकि वे दक्षिण की ओर से चढ़ाई करने वाले किसी व्यक्ति या वस्तु या नेपाली के संपर्क में नहीं आएं। नेपाल सरकार या पर्वतारोहण अधिकारियों ने इस विभाजन रेखा को लेकर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। गौरतलब है कि पिछले साल कोरोना वायरस महामारी के चलते नेपाल और चीन ने माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई पर रोक लगा दी थी लेकिन इस साल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नेपाल ने 408 विदेशियों को माउंट एवरेस्ट की चोटी फतह करने की अनुमति दी थी। शिन्हुआ के मुताबिक, 21 चीनी पर्वतरोहियों को उत्तरी हिस्से से एवरेस्ट की चढ़ाई करने की अनुमति दी गई है। चीन में जहां कोरोना वायरस के संक्रमण पर काफी हद तक लगाम लगी हुई है वहीं नेपाल में इस बीमारी के मामलों में इन दिनों तेजी आई है।

कश्मीर में जीवन का अक्स दिखाती है लाइफ इन द क्लॉक टावर वैली

नई दिल्ली। प्रेम कहानियों के माध्यम से एक नए उपन्यास में कश्मीर घाटी में रोजर्मा की जिंदगी और भावनाओं को दर्शाया गया है। लाइफ इन द क्लॉक टावर वैली प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पीटीआई) के पत्रकार शकूर राथेर की पहली किताब है। किताब का प्रकाशन स्पीकिंग टाइगर ने किया है। इसमें कश्मीर के सुन्दर अतीत, तकलीफदेह वर्तमान और हमेशा अनिश्चित रहने वाले भविष्य के बारे में बात की गई है। इसमें कश्मीर के इतिहास और राजनीति के अलावा पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर भी चर्चा की गई है, जिनपर सामान्य रूप से कोई बात नहीं करता। घाटी में जीवन के विभिन्न पहलुओं के अलावा लेखक अपनी किताब में रोज-रोज के जीवन में उभरने वाले अलग-अलग किरदारों पर भी चर्चा करता है। प्रेम कहानियों की बात करें तो लेखक बताता है कि कैसे मेटाडोर, कैम्पस कॉरिडोर और शहर के ऐतिहासिक विरासतों में

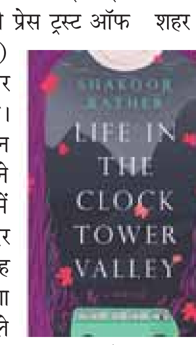

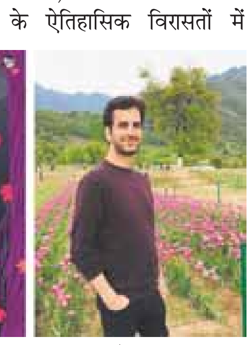

घूमते-घूमते समर और राबिया एक-दूसरे को जानते हैं और करीब आते हैं। लेकिन साथ ही घाटी में बार-बार लगने वाले कर्फ्यू और अपने परिवारों के राजनीतिक झुकाव के कारण उनके प्रेम पर संकट के बादल भी मंडराते हैं। इसके अलावा भी कई अन्य प्रेम कहानियां इस उपन्यास का हिस्सा हैं।

कोविड से जंग हार गये यूट्यूबर राहुल वोहरा

नई दिल्ली। अभिनेता-यूट्यूबर राहुल वोहरा का कोविड-19 के कारण यहां एक अस्पताल में रविवार को निधन हो गया। थिएटर निर्देशक-नाटककार अरविंद गौड़ ने इसकी पुष्टि की।वोहरा (35) ने एक फेसबुक पोस्ट पर इस हफ्ते की शुरुआत में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने की खबर दी थी। उन्हें राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, ताहिरपुर में भर्ती कराया गया था और शनिवार शाम को द्वारका के आयुष्मान हॉस्पिटल में ले जाया गया था। गौड़ ने वोहरा के निधन की खबर की फेसबुक पर पुष्टि की। उन्होंने लिखा, राहुल वोहरा चला गया। मेरा होनहार अभिनेता अब नहीं रहा। कल ही राहुल ने कहा था कि मुझे अच्छा इलाज मिल जाता तो मैं भी बच जाता। कल शाम ही उसे राजीव गांधी अस्पताल से आयुष्मान, द्वारका में स्थानांतरित किया गया था। राहुल हम तुम्हें नहीं बचा पाए, मुआफ करना, हम तुम्हारे अपराधी हैं। आखिरी नमन। वोहरा ने शनिवार को फेसबुक पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को टैग किया था और उनसे बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए कहा था। वोहरा ने लिखा था, अगर मुझे भी बेहतर इलाज मिल जाता तो मैं भी बच जाता। दिल्ली में शनिवार को कोविड-19 से 332 लोगों की मौत हो गई थी और 17,364 नए मामले आए।

कोरोना वायरस संक्रमण से और एक संत की मृत्यु

देहरादून। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर श्रीमहंत विमल गिरि की कोरोना वायरस संक्रमण से मृत्यु हो गई है। संक्रमित होने के बाद 45 वर्षीय महंत को यहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां बृहस्पतिवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। जूना अखाड़ा के थानापति रवींद्रानंद सरस्वती ने बताया कि हाल में संपन्न हुए हरिद्वार कुंभ के दौरान आचार्य महामंडलेश्वर श्रीमहंत अवधेशानंद गिरि ने उनका पट्टाभिषेक किया था। वह पिछले 20 वर्षों से वह अखाड़े से जुड़े थे। शनिवार को उन्हें हरिद्वार के कांगड़ी ग्राम स्थित श्रीमहंत प्रेम गिरि आश्रम में भूसमाधि दे दी गई। हाल में संपन्न कुंभ के दौरान कई संत कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं जिनमें से छह से ज्यादा साधुओं की मृत्यु हो गई है।

उच्च हिमालई घाटियों में जाने वाले लोगों के लिए आरटी-पीसीआर जांच जरूरी

पिथौरागढ। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला उप मंडल की दारमा, व्यास और चौदास की उच्च हिमालई घाटियों में प्रवेश से पहले आदिवासी ग्रामीणों तथा अन्य लोगों के लिए आरटीपीसीआर जांच अनिवार्य कर दी गई है।

धारचूला के उपजिलाधिकारी ए के शुक्ला ने सोमवार को बताया कि आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही किसी व्यक्ति को इन घाटियों में प्रवेश करने दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रशासन ने इस संबंध में स्थानीय लोगों से बात की थी और उन्होंने इस बात पर अपनी सहमति व्यक्त की है। शुक्ला ने कहा, उच्च हिमालई घाटियों में कोविड 19 के प्रसार को रोकने के लिए हमने यह कदम उठाया है।

पुलिस के अभियान के बाद कोटा में एक दिन में 75 शादियां स्थगित

कोटा। राजस्थान में कोविड-19 को नियंत्रित करने के लिए लागू लॉकडाउन का अनुपालन कराने के अभियान के तहत कोटा ग्रामीण जिले की पुलिस ने उन परिवारों से संपर्क किया जहां शादी होनी थी और एक दिन में ही 75 शादियां स्थगित कराई।

पुलिस उपाधीक्षक और इटावा के सीओ विजयशंकर शर्मा ने पीटीआई-भाषा को बताया कि उप पुलिस महानिरीक्षक (डीआईजी) रविदत्त गौड़ के इलाके के दौरे के दौरान आश्रम दिगोड पुलिस थाने के दो बीट सिपाहियों और कैथुन पुलिस थाने के नवनीत ने बताया कि उन्होंने तीन परिवारों से संपर्क किया और इस महीने होने वाली शादी को स्थगित करने के लिए मनाया। उन्होंने बताया कि उक्त सिपाहियों को।,100 रुपए का पुरस्कार दिया गया है। शर्मा ने बताया कि डीआईजी ने इसके बाद अधिकारियों को ग्राम पंचायत स्तर पर प्रभावशाली लोगों और जन प्रतिनिधियों की मौजूदगी में परिवारों के साथ बैठक करने और उनके यहां होने वाली शादी को स्थगित करने के लिए मनाने का निर्देश दिया। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि कोटा ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी के मार्गदर्शन में शनिवार सुबह ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान चलाया गया जिसमें बीट कांस्टेबल और थाना प्रभारियों ने परिवारों से संवाद किया और एक दिन में ही 75 शादियां स्थगित कराई। गौरतलब है कि राजस्थान मंत्रिमडल ने बृहस्पतिवार को 10 मई से 24 मई के बीच राज्य में सख्त लॉकडाउन लगाने का फैसला किया है।

परमार्थ कार्यों को लेकर अनुचित टिप्पणियों का अमिताभ ने ब्लॉग लिखकर दिया जवाब

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने महामारी के दौरान उनके द्वारा किए जा रहे परमार्थ कार्यों को लेकर उठ रहे सवालों पर सोमवार को ब्लॉग लिखकर जवाब देते हुए बताया कि वह परोपकार के अपने काम का ज्यादा जिक्र नहीं करना चाहते। उन्होंने हालांकि ऐसे कुछ परोपकारी कामों का जिक्र ब्लॉग में किया है, जो उन्होंने कोविड के इस दौर में किए।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने ट्वीट कर बताया था कि नई दिल्ली के गुरुद्वारा रकाब गंज में श्री गुरु तेग बहादुर कोविड देखभाल केंद्र के लिए अमिताभ बच्चन ने दो करोड़ रुपए दान दिए हैं। इसके कुछ घंटों बाद 78 वर्षीय अभिनेता ने अपने ब्लॉग पर परोपकार के लिए अपने योगदान का जिक्र करते हुए लंबी पोस्ट लिखी।

इस पोस्ट में बच्चन ने कहा कि पिछले साल देश में जब महामारी का प्रकोप बढ़ा था तबसे उन्होंने जहां तक संभव हो सका लोगों की मदद की। सोशल मीडिया पर उपयोगकर्ताओं के एक वर्ग द्वारा फिल्मी सितारों की तरफ से कोविड-19 महामारी से उबरने की दिशा में योगदान न करने को लेकर की जा रही आलोचनाओं पर बच्चन ने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा अपने परमार्थ कार्यों का प्रचार करना शर्मिंदा करने वाला लगता है।

इस पोस्ट में बच्चन ने कहा कि पिछले साल देश में जब महामारी का प्रकोप बढ़ा था तबसे उन्होंने जहां तक संभव हो सका लोगों की मदद की। सोशल मीडिया पर उपयोगकर्ताओं के एक वर्ग द्वारा फिल्मी सितारों की तरफ से कोविड-19 महामारी से उबरने की दिशा में योगदान न करने को लेकर की जा रही आलोचनाओं पर बच्चन ने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा अपने परमार्थ कार्यों का प्रचार करना शर्मिंदा करने वाला लगता है।

उन्होंने ब्लॉग में लिखा, हां मैं परमार्थ कार्य करता हूं, लेकिन हमेशा से मानना रहा है कि यह किया जाना चाहिए, न कि इसके बारे में बोला जाना चाहिए। आत्म चेतना में भी ऐसा करना शर्मिंदा करने वाला है। ऐसे पेशे में होने के बावजूद सार्वजनिक रूप से मौजूदगी दिखाने में शर्म महसूस होती है।

बच्चन ने कहा कि उन्होंने अपने व्यक्तिगत कोष से अग्रिम पंक्ति के कर्मियों को मास्क और

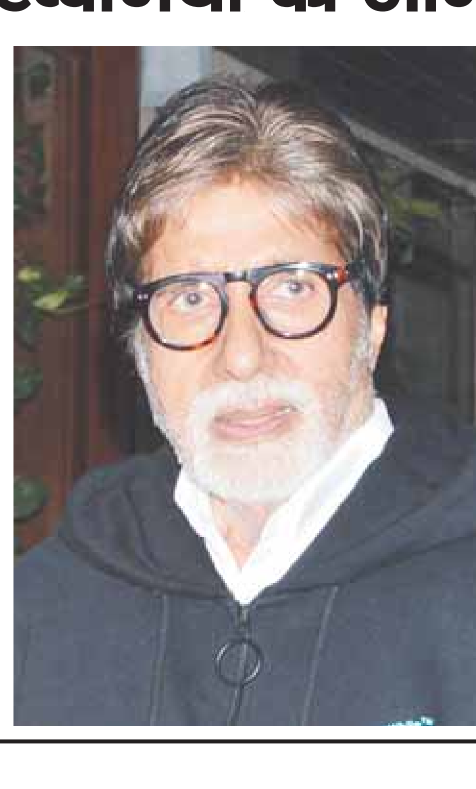

पीपीई किट मुहैया कराया जबकि रकाबगंज साहिब गुरुद्वारा में दान के जरिए 250-450 बिस्तरों वाले देखभाल केंद्र की स्थापना में मदद की तथा दिल्ली और मुंबई में दान देने के लिए विदेशों से ऑक्सीजन सांद्रक खरीदे।

उन्होंने कहा, दिल्ली में आज रकाबगंज साहिब गुरुद्वारा में 250-450 बेड के केयर सेंटर की स्थापना की गई है और जल्द उनके लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स का इंतज़ाम किया जाएगा। इसका सीमित स्टॉक है , इसलिए जहां ज़रूरत है वहां दिल्ली और मुंबई में दिया जाएगा।

उन्होंने आगे लिखा है, 15 मई तक उनमें से 50 पोलैंड से आ रहे हैं जबकि 150 संभवत: अमेरिका..अन्य जगहों से। कुछ आ गए हैं और उन्हें अस्पतालों को दिया गया है। अभिनेता ने कहा कि जब वायरस का प्रसार हो रहा था तो

उन्होंने ब्लॉग में लिखा, हां मैं परमार्थ कार्य करता हूं लेकिन हमेशा से मानना रहा है कि यह किया जाना चाहिए न कि इसके बारे में बोला जाना चाहिए। आत्म चेतना में भी ऐसा करना शर्मिंदा करने वाला है। ऐसे पेशे में होने के बावजूद सार्वजनिक रूप से मौजूदगी दिखाने में शर्म महसूस होती है। बच्चन ने कहा कि उन्होंने अपने व्यक्तिगत कोष से अग्रिम पंक्ति के कर्मियों को मास्क और पीपीई किट मुहैया कराया।

उन्होंने दिल्ली के बंगला साहिब गुरुद्वारा में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के जरिए एक पूरा डायग्नोस्टिक सेंटर दान किया था। यह उन्होंने अपनी मां और सामाजिक कार्यकर्ता तेजी बच्चन तथा उनके माता-पिता के सम्मान में किया था। अभिनेता ने कहा कि वह और उनका परिवार इंटरनेट पर रोजाना उनके बारे में की जाने वाली भद्दी बातों से कभी दबाव महसूस नहीं करता और चुपचाप लोगों की मदद करता है। बच्चन ने अपने कुछ और परमार्थ कार्यों का जिक्र किया जिनमें 1500 किसानों का कर्ज चुकाकर उनकी आर्थिक मदद करना शामिल है। अभिनेता ने यह भी साझा किया कि उन्होंने पुलवामा में 14 फरवरी 2019 को आतंकी हमले में मारे गए सीआरपीएफ के 40 कर्मियों के परिवार की भी मदद की। बच्चन ने कहा कि पिछले साल उन्होंने देश भर में एक महीने तक चार लाख से ज्यादा दिहाड़ी मजदूरों को भोजन उपलब्ध कराया जबकि शहर में रोजाना करीब पांच हजार लोगों के भोजन की व्यवस्था की।

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 199
लखनऊ, मंगलवार, 11 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

अनुचित टिप्पणियों का अमिताभ ने दिया जवाब
विविध-12

www.dailypioneer.com

टीकाकरण नीति सही, न्यायिक हस्तक्षेप की कोई जरूरत नहीं

● केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में दिया हलफनामा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष अपनी टीकाकरण नीति को न्यायोचित बताते हुए कहा कि उसकी प्रतिक्रिया और रणनीति पूरी तरह से विशेषज्ञ चिकित्सीय व वैज्ञानिक राय से प्रेरित है जिसमें न्यायिक हस्तक्षेप की गुंजाइश बेहद कम है और जोर देकर कहा कि देश भर में सभी आयुवर्ग के नागरिकों का मुफ्त टीकाकरण होगा। उसने कहा कि एक कार्यकारी नीति के तौर पर जिस अभूतपूर्व व विशिष्ट परिस्थिति में टीकाकरण अभियान को तैयार किया गया है उसमें कार्यपालिका की समझ पर भरोसा किया जाना चाहिए। सरकार ने कहा कि एक वैश्विक महामारी में जहां राष्ट्र की प्रतिक्रिया और रणनीति पूरी तरह से विशेषज्ञ चिकित्सीय और वैज्ञानिक राय से प्रेरित है, किसी भी तरह का अति उत्साही, यद्यपि उचित अर्थ में न्यायिक हस्तक्षेप के अभूतपूर्व व अनापेक्षित परिणाम हो सकते हैं। शीर्ष अदालत द्वारा कोविड-19 प्रबंधन को लेकर स्वत: संज्ञान से शुरू किए गए मामले में रविवार रात को दायर 218 पन्नों के हलफनामे में केंद्र ने कहा कि यह नीति संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 21 में प्रदत्त प्रावधानों के अनुरूप है और विशेषज्ञों, राज्य सरकारों तथा टीका उत्पादकों से कई दौर के परामर्श व चर्चा के बाद बनाई गई है, जिसमें इस अदालत के दखल की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि इस स्तर की महामारी से निपटने के लिए व्यापक जनहित में कार्यपालिका के पास स्वतंत्रता होनी चाहिए। सरकार ने हलफनामे में कहा, यह भी बताया जाता है कि 18 से 44 आयुवर्ग के नागरिकों का मुफ्त टीकाकरण हो रहा है क्योंकि सभी राज्य सरकारों ने अपनी 18 से 44 आयुवर्ग की आबादी के लिए मुफ्त टीकाकरण की घोषणा की है। इसलिए देश में सभी आयुवर्ग के सभी लोगों का मुफ्त टीकाकरण होगा। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भारत सरकार के चैनल से यह भी बताया जा रहा है कि उनके पास दोनों टीकों की कितनी खुराक उपलब्ध हैं जिससे वे प्राथमिकता वाले समूहों की पहचान कर सकें। हलफनामे में कहा गया, बेहद सम्मानजनक तरीके से यह बताया जाता है कि ऐसे गंभीर व अभूतपूर्व संकट जिसका देश मुकाबला कर रहा है, ऐसे में सरकार के कार्यकारी कामकाज के उद्देश्य से व्यापक हित में नीति बनाने के लिए काम की स्वतंत्रता की आवश्यकता होती है।

गुरुग्राम में कोरोनारोधी टीका लगवाती एक महिला

दवाओं की कालाबाजारी करने वालों पर कठोरतम कार्रवाई करें राज्यः केंद्र

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय से कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान सभी राज्यों को दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ कठोरतम कार्वाई सुनिश्चित करने के लिए विशेष दलों का गठन करना चाहिए और यह स्पष्ट देना चाहिए कि लोगों की तकलीफों का व्यापार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

न्यायालय में दायर एक हलफनामे में केन्द्र ने कहा कि भारत के औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने सभी राज्यों के औषधि नियंत्रकों को सूचित कर दिया है कि दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस रखें और कड़ी निगरानी रखने के साथ-साथ सख्त कार्रवाई भी करें। हलफनामे के अनुसार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राज्य सरकारों से अनुरोध किया है कि वे दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए औषधि एवं प्रशासन कानून, आवश्यक वस्तु अधिनियम आदि संबंधित कानूनों के तहत सख्त कार्रवाई करें। केन्द्र ने अपने हलफनामे में कहा, कालाबाजारी की समस्या से आवश्यक रूप से पुलिस प्रशासन और स्थानीय प्रशासन निपटता है। चूंकि कानून-व्यवस्था राज्य का विषय है, ऐसे में सभी राज्य सरकारें सुनिश्चित करें कि राज्य, जिला और तालुका स्तर पर गठित विशेष दल दवाओं की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और स्पष्ट संदेश दें कि लोगों की तकलीफों का व्यापार किसी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हलफनामे में कहा गया है कि देश भर में अभी तक ऐसे 157 मामलों में कार्वाई की गई है, जिसमें प्राथमिकी दर्ज करना और आरोपियों की गिरफ्तारी शामिल है। महामारी के दौरान आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और सेवा बहाली के मुद्दे पर स्वतं: संज्ञान लेकर सुनवाई कर रही। न्यायमूर्ति धनंजय वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 30 अप्रैल को दवाओं की कालाबाजारी का मुद्दा उठाया था।

होम आइसोलेट लोगों से संवाद करें जनप्रतिनिधि : मुख्यमंत्री

● पिछले 10 दिनों में कोरोना के सक्रिय केसों में 85,000 से अधिक की आई कमीः योगी

भाषा। गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में प्रदेश में वृहद स्तर पर चलाए गए अर्ली, अग्रेसिव, ट्रेस, टेस्ट और ट्रीट अभियान के व्यापक परिणाम सामने आए हैं। पिछले 10 दिनों में राज्य में कोरोना के एक्टिव केसों में 85000 से अधिक की कमी आई है। कोरोना के पहली लहर में उत्तर प्रदेश ने बेहतर मुकाबला किया था। दूसरी लहर में भी उसी प्रबंधन के साथ काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि होम आइसोलेशन के कोविड मरीजों के साथ संवाद स्थापित किया जाए। जनप्रतिनिधियों को भी ऐसे लोगों से संवाद कर उनका हौसला बढ़ाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि होम आइसोलेट लोगों की सूची और मोबाइल नंबर सांसद, विधायक को भी उपलब्ध कराएं ताकि वह उनसे संवाद स्थापित कर सकें। उन्होंने कहा कि हर कोविड हास्पिटल में मरीजों के संबंध में जानकारी उनके परिजनों को जरूर दी जाए।

गोरखपुर के एम्स में कोविड मरीजों के लिए व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

योगी सोमवार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में कोविड नियंत्रण को लेकर गोरखपुर-बस्ती मंडल की समीक्षा बैठक करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना के दूसरी लहर के खिलाफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पूरे देश में बड़ी मजबूती से अभियान चल रहा है। देश में सबसे अधिक आबादी वाला राज्य उत्तर प्रदेश भी कोरोना से पूरी मजबूती से लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि बड़े-बड़े विशेषज्ञ यह आशंका जता रहे थे कि उत्तर प्रदेश में पांच से 10 मई के बीच प्रतिदिन एक लाख कोरोना केस आएंगे लेकिन आज 21 हजार एक्टिव केस हैं। कल यह संख्या 23 हजार थी। एक्टिव केस की संख्या में लगातार गिरावट आ रही है। योगी ने कहाकि एक-एक व्यक्ति का जीवन कीमती है। सरकार इसे बचाने का हर संभव प्रयास कर रही है। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोरोना से बचाव ही सर्वोत्तम उपाय है। कोविड प्रोटोकॉल का पालन कर खुद के साथ समाज की सुरक्षा की जा सकती है।

योगी ने कहा कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में वैक्सिन सबसे बड़ा अस्त्र है। प्रदेश में 1.40 करोड़ लोगों का कोविड टीकाकरण हो चुका है। इसमें 1.38 करोड़ 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को और एक लाख से अधिक 18 वर्ष से 44 वर्ष के बीच के लोगों को टीका लगाया गया है। आज से प्रदेश में 4000 केंद्रों पर 45 वर्ष से अधिक के लोगों और 11 जिलों के 200 केंद्रों पर 18 वर्ष से अधिक के लोगों को बिना भेदभाव निशुल्क टीका लगाया जा रहा है।

हिमंत बिस्व सरमा बने असम के मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। गुवाहाटी

भाजपा नेता और पूर्वोत्तर प्रजातांत्रिक गठबंधन के संयोजक हिमंत बिस्वा सरमा ने असम के 15वें मुख्यमंत्री के रूप में सोमवार को शपथ ली। राज्यपाल जगदीश मुखी ने उन्हें यहां श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। सरमा ने पारंपरिक पट रेशम की धोती और कुर्ता धारण किया हुआ था तथा अपने गले में मुगा गमोसा डाला हुआ था। उन्होंने असमी भाषा में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। कोविड-19 के सख्त प्रोटोकॉल के बीच उनके साथ 13 और विधायकों ने शपथ ली।

शपथ लेने वाले विधायकों में से, 10 भाजपा के हैं जिनमें पार्टी के प्रदेश प्रमुख रंजीत कुमार दास, पिछली सरकार के मंत्री चंद्र मोहन पटोवारी, परिमल सुक्लाबैद्य, जोगेश मोहन और संजय किशन शामिल हैं। मंत्रिमंडल में शामिल किए गए नए चेहरों में रनोज पेगू, बिमल बोहरा और एकमात्र महिला अंजता नेओग शामिल हैं। गठबंधन साझेदार एजीपी से अतुल बोरा और केशब महंत और यूपीपीएल से पूर्व राज्यसभा सदस्य यूजी ब्रह्मा ने शपथ ली है। बोरा और महंत भूतपूर्व सरकार में मंत्री थे।

शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पिछली सरकार में मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और रमेश तेली, नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो और असम कांग्रेस के प्रमुख रिपूण बोरा समेत अन्य शामिल थे।असम की 126 सदस्ईय विधानसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन को 75 सीटें मिली हैं। भाजपा को 60 सीटें मिली हैं जबकि उसके गठबंधन साझेदार असम गण परिषद (एजीपी) व यूनाइटेड पीपल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) को क्रमश: नौ और छह सीटें मिली हैं। भाजपा नीत गठबंधन राज्य में पहली गैर कांग्रेसी सरकार है जिसने लगातार दूसरी बार चुनाव जीता है।

गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते हिमंत बिस्व सरमा

पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी बने नेता प्रतिपक्ष

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में दूसरे सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में सामने आई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को शुभेंदु अधिकारी को नेता प्रतिपक्ष चुना। केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पार्टी विधायकों के साथ बैठक करने के बाद शुभेंदु अधिकारी के भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा की। अधिकारी ने एक कड़े मुकाबले में बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम विधानसभा सीट से 1900 मतों के अंतर से हराया है। ममता सरकार में मंत्री रह चुके अधिकारी चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए थे। नंदीग्राम में कांटे की टक्कर के बाद अब विधानसभा में ममता और अधिकारी दोबारा आमने सामने होंगे। गौरतलब है कि 294 सदस्यों वाली विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस 213 सीटों पर जीत हासिल कर लगातार तीसरी बार सत्ता में आई है जबकि भाजपा ने 77 सीटों पर कब्जा कर दूसरे सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में अपनी जगह बनाई है।

कोरोना के कारण जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख के चुनाव टले

लखनऊ (पीएनएस)। यूपी में कोरोना के संक्रमण को देखते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लाक प्रमुख के चुनाव फिलहाल टल गए हैं। पंचायत राज विभाग के सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि गांवों में तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार अभी कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। योगी सरकार पहले कोरोना पर नियंत्रण के बाद ही इस चुनाव पर कोई निर्णय लेगी जबकि प्रधानों के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर सरकार अगले हफ्ते तक कोई निर्णय ले सकती है। पहले जिला पंचायत अध्यक्ष तथा ब्लाक प्रमुख का चुनाव 15 से 20 मई के बीच होना तय माना जा रहा था। सरकार ने 17 मई कोरोना कर्फ्यू लगा रखा है जिसके कारण भी यह संभव नहीं था। इस दौरान तमाम तरह की बंदिश होती है। पंचायत चुनाव के बाद अब प्रदेश में अब 75 जिला पंचायत अध्यक्ष के साथ 826 ब्लॉक प्रमुखों का चुनाव होना है। नवनिर्वाचित 3050 सदस्य 75 जिला पंचायत अध्यक्षों का चुनाव करेंगे। इनके साथ 75845 क्षेत्र पंचायत सदस्य 826 ब्लॉक प्रमुखों को चुनने के लिए मतदान करेंगे। जिला पंचायत सदस्य पदों के लिए प्रमुख दलों ने समर्थित उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा था। जिला व क्षेत्र पंचायत अध्यक्ष पदों के चुनाव में प्रमुख दलों के निर्वाचित सदस्यों से अलावा निर्दलीयों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। प्रदेश में इस बार 3050 विजेता में निर्दलीयों की संख्या ही सर्वाधिक है। इसी कारण अब जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में इनकी भूमिका काफी अहम होगी। चुनाव टलने से सभी दलों को और मौका मिल गया है ताकि वह निर्दलीय से लेकर अन्य दलों के विजयी प्रत्याशियों को अपने पाले में कर सकें।

सूबे में कोरोना से ठीक होने वालों की लगातार बढ़ रही संख्या

● 24 घंटे में 29709 रोगी स्वस्थ, 21331 नए मामले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना वायरस की सेकेंड वेब में सोमवार को पूरे प्रदेश में 21331 नए केस सामने आए हैं। जबकि इलाज के दौरान 278 मरीजों की मौत हो गई है। राजधानी लखनऊ में 1274 केस के बीच 26 मरीजों की मौत का मामला सामने आया है। पूरे प्रदेश में 225271 एक्टिव केस हैं। वहीं लखनऊ में 21941 केस एक्टिव हैं। आज लखनऊ में 2915 मरीजों को और प्रदेश में 29709 मरीजों को स्वस्थ्य घोषित किया गया है। अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि यूपी में एक दिन पहले 214977 कोरोना टेस्ट किए गए थे। सोमवार से प्रदेश के 18 और जिलों में 18 से 45 साल के लोगों को वैक्सीनेशन भी भी शुरू करा दिया गया है। इससे पहले वैक्सीनेशन सात जिलों में चल रहा था। अब तक 10939775 लोगों ने वैक्सीन की पहली डोज ले ली है। उन्होंने बताया कि 2785013 लोगों ने वैक्सीन की दूसरी डोज भी ली है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 दिन में कोविड के एक्टिव केसों में 85000 तक कमी देखने को मिली है। 30 अप्रैल को सर्वाधिक सक्रिय मामले 310000 थे और इस समय में 225271 एक्टिव केस यूपी में हैं।

भारत में 3,66,161 नए मामले, 3,754 की मौत

नई दिल्ली। लगातार चार दिन कोरोना वायरस संक्रमण के चार लाख से अधिक नए मामले सामने आने के बाद भारत में सोमवार को एक दिन में कोविड-19 के 3,66,161 मामले सामने आए और इसी के साथ देश में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 2,26,62,575 हो गए। स्वास्थ्य मंत्रालय के सोमवार को सुबह आठ बजे तक अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसार, 3,754 और लोगों की संक्रमण के कारण मौत होने के बाद कुल मृतक संख्या बढ़कर 2,46,116 हो गई। देश में उपचाराधीन मामलों की संख्या बढ़कर 37,45,237 हो गई जो संक्रमण के कुल मामलों का 16.53 प्रतिशत है, जबकि संक्रमित लोगों के स्वस्थ होने की दर 82.39 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, अब तक 1,86,71,222 लोग संक्रमित होने के बाद ठीक हो चुके हैं, जबकि मृत्युदर 1.09 प्रतिशत है।

बाजार

सेंसेक्स	49,502	↑ 296
निफ्टी	14,942	↑ 119
सोना	47,452	↑ 179 /10g
चांदी	71,540	↑ 826 /kg

क्विक न्यूज

कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव स्थगित हुआ

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कोरोना महामारी की गंभीर स्थिति के मद्देनजर जून में प्रस्तावित पार्टी के अध्यक्ष पद के चुनाव को अस्थाई तौर पर स्थगित कर दिया है और फिलहाल सोनिया गांधी ही पार्टी के अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालती रहेंगी। कांग्रेस कार्य समिति ने सर्वसम्मति से यह फैसला किया कि कोरोना महामारी से जुड़े हालात में सुधार होने तक यह चुनाव स्थगित किया जाता है। सीडब्ल्यूसी के प्रस्ताव में कहा गया है, कोरोना महामारी के कारण पैदा हुए हालात को देखते हुए सीडब्ल्यूसी इस पर एकमत है कि हमें पूरी ऊर्जा एक-एक जिंदगी को बचाने और कोविड प्रभावित लोगो की मदद करने के लिए लगानी चाहिए। ऐसे में चुनाव को अस्थाई तौर पर स्थगित करने का संकल्प लिया जाता है।

आइवरमेक्टिन दवा से कोरोना होने का खतरा कम

● अमेरिकी जर्नल में छपे शोध में किया गया दावा

भाषा। नई दिल्ली

परजीवीरोधी दवा आइवरमेक्टिन के निरंतर उपयोग से कोविड-19 की चपेट में आने का खतरा काफी कम हो सकता है। शोधकर्ताओं ने उपलब्ध आंकड़ों की समीक्षा के बाद ए बात कही है। उनका दावा है कि ए दवा महामारी को समाप्त करने में सहायक हो सकती है। अमेरिकन जर्नल ऑफ थेरेप्यूटिक्स के मई-जून संस्करण में प्रकाशित इस शोध में नैदानिक, कृत्रिम परिवेशीय, पशुओं और अन्य शोध पर आधारित आइवरमेक्टिन के उपयोग को लेकर एकत्र किए गए उपलब्ध आंकड़ों की बेहद बारीकी से समीक्षा की गई है।

शोध का नेतृत्व करने वाले अग्रिम मोर्चा कोविड-19 देखभाल गठबंधन (एफएलसीसी) के अध्यक्ष पियरे कोरी ने एक बयान में कहा, हमने आइवरमेक्टिन पर उपलब्ध आंकड़ों की बेहद बारीकी से समीक्षा की, जिसके बाद हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि यह दवा महामारी को समाप्त कर सकती है। आइवरमेक्टिन दवा का उपयोग परजीवी संक्रमण का इलाज करने के लिए किया जाता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि जिन कोविड-19 मरीजों के उपचार में आइवरमेक्टिन दवा का उपयोग किया गया, वे जल्दी ठीक हुए और मौत के मामलों में भी सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण कमी दर्ज की गई। कोविड-19 से बचाव के संबंध में आइवरमेक्टिन के प्रभाव का पता लगाने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित जांच (आरसीटी) एवं पांच अवलोकन नियंत्रित जांच समेत करीब 2500 मरीजों पर इसके असर का अध्ययन किया गया।

नई दिल्ली में कोरोना जांच के नमूने व्यवस्थित करता स्वास्थ्यकर्मी

भारत ने विश्व में सबसे तेज लगाए 17 करोड़ टीके

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि लोगों को कोविड-19 रोधी टीके की 17 करोड़ खुराकें देकर भारत ने दुनिया में सबसे तेजी से टीकाकरण किया है। मंत्रालय ने कहा कि इस आंकड़ा तक पहुंचने में चीन को 119 दिन जबकि अमेरिका को 115 दिन लगे। भारत में स्वास्थ्यकर्मियों को खुराकें देने के साथ 16 जनवरी से टीकाकरण अभियान शुरू किया गया। इसके बाद दो फरवरी से अग्रिम मोर्चे के कर्मियों का टीकाकरण आरंभ हुआ। इसके बाद अलग-अलग उम्र समूहों के लिए टीके देने की शुरुआत की गई। देश में टीके की 17 करोड़ खुराकें दी जा चुकी है। सुबह सात बजे तक अनंतिम रिपोर्ट के मुताबिक कुल 24,70,799 सत्र में 17,01,76,603 खुराकें दी गईं। इनमें से 95,47,102 स्वास्थ्यकर्मियों को पहली खुराक और 64,71,385 को दूसरी खुराक दी गई। वहीं अग्रिम मोर्चे के 1,39,72,612 कर्मियो को पहली खुराक और 77,55,283 को दूसरी खुराक दी गई है। देश में 18-44 उम्र समूह में 20,31,854 लोगों को पहली खुराक दी गई है। जबकि, 45 से 60 वर्ष के समूह में 5,51,79,217 को पहली खुराक और 65,61,851 को दूसरी खुराक दी गई है। वरिष्ठ नागरिकों में 5,36,74,082 को पहली खुराक और।,49,83,217 को दूसरी खुराक दी गई है। देश 66.79 प्रतिशत टीकाकरण में महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, केरल, बिहार और आंध्र प्रदेश की भागीदारी है।

नेपाल के पीएम ओली प्रतिनिधि सभा में विश्वास प्रस्ताव हारे

भाषा। काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सोमवार को प्रतिनिधि सभा में पेश विश्वास प्रस्ताव हार गए। राजनीतिक रूप से संकट का सामना कर रहे ओली के लिए इसे एक और झटका माना जा रहा है जो कम्युनिस्ट पार्टी नेपाल (माओवादी केंद्र) नीत पुष्पकमल दहल गुट द्वारा सरकार से समर्थन वापस लिए जाने के बाद पार्टी पर पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। नेपाली संविधान के अनुच्छेद-100 (3) के प्रावधान के तहत प्रधानमंत्री ओली स्वत: ही पद से अवमुक्त हो गए हैं। नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रकाश मान ने कहा कि विश्वास प्रस्ताव हारने के बाद प्रधानमंत्री स्वत: पद से हट गए हैं और अब संवैधानिक प्रक्रिया के तहत नई सरकार बनेगी।

सीपीएन माओवादी के वरिष्ठ नेता गणेश शाह ने कहा कि ओली को तुरंत अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए और वैकल्पिक सरकार के गठन के लिए रास्ता साफ करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सीपीएन-माओवादी , नेपाली कांग्रेस और ओली के खिलाफ मद देने वाली पार्टियों के साथ यथा शीघ्र गठबंधन सरकार बनाने के लिए हाथ मिलाएगी। राष्ट्रपति विद्यादेवी भंडारी के निर्देश पर संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के आहूत विशेष सत्र में प्रधानमंत्री ओली की ओर से पेश विश्वास प्रस्ताव के समर्थन में केवल 93 मत मिले जबकि 124 सदस्यों ने इसके खिलाफ मत दिया।

संक्रमण रोकने को बढ़ाएं आरआरटी व निगरानी समितियों की संख्या

● मुख्यमंत्री ने की कोरोना प्रबंधन को लेकर गोरखपुर-बस्ती मंडल के जनपदों की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना संक्रमण का फैलाव हर हाल में रोकना है। इसके लिए जिलों में रैपिड रिस्पांस टीमों (आरआरटी) और निगरानी समितियों की संख्या बढ़ाई जाए। सरकार कोरोना पर काबू पाने के लिए सभी प्रकार के संसाधन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने शत प्रतिशत कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग पर जोर दिया और कहा कि कोविड प्रबंधन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अक्षम्य होगी।

गोरखपुर दौरे के दूसरे दिन सीएम योगी सोमवार को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में कोविड प्रबंधन को लेकर गोरखपुर-बस्ती मंडल के सात जिलों की समीक्षा बैठक कर रहे थे। बैठक में गोरखपुर जिले के जनप्रतिनिधि और अधिकारी व्यक्तिगत उपस्थित थे, जबकि अन्य छह जिलों के अधिकारी वर्चुअल जुड़े। मुख्यमंत्री योगी ने कोविड नियंत्रण के संबंध में हर जिले से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण रोकने के लिए आरआरटी और निगरानी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। निगरानी समितियों की संख्या तीन से चार गुना तक बढ़ाई जाए। मेडिकल किट का वितरण निगरानी समितियों के माध्यम से हो और उसका सत्यापन भी कराएं। मेडिकल किट की पर्याप्त दवा हर जिले में दी गई है।

सीएम योगी ने निर्देशित किया कि एम्बुलेंस 108 का 75 प्रतिशत प्रयोग कोविड 19 में किया जाए और आरआरटी को वाहन उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि यदि समय पर मरीज को सुविधा दी जाए, तो निश्चित वह आरोग्यता को प्राप्त करेगा। रोग को छिपाया न जाए, अगर बीमारी है, तो उसका उपचार आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक-एक व्यक्ति का जीवन अमूल्य है और उसे हर हाल में बचाना है। लक्षणयुक्त-संदिग्ध की तत्काल जांच कराते हुए रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उसे शीघ्र मेडिकल किट उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि यदि कार्य प्रबंधन टीम भावना से किया जाए, तो निश्चित रूप से शत प्रतिशत सफलता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन स्तर पर आक्सीजन की उपलब्धता, रेमडिसिविर इंजेक्शन, होम आइसोलेशन, स्वच्छता, सेनेटाइजेशन, फागिंग आदि कार्यों की व्यवस्था की निगरानी संबंधी समितियां गठित की गई हैं। इसी प्रकार जनपद स्तर पर भी समिति गठित कर उनके कार्य ,दायित्व निर्धारित किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आक्सीजन की आडिट हर हाल में कराई जाए और यह सुनिश्चित हो कि इसका वेस्टेज न होने पाए। हास्पिटलों में आक्सीजन आडिट कराया जाना नितान्त आवश्यक है। कहीं भी आक्सीजन की कालाबाजारी नहीं होनी चाहिए, इसकी जांच की जाए और पकड़े जाने पर दोषी के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

सीएम योगी ने आंशिक कोरोना कर्फ्यू का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि इन दौरान अति आवश्यक सेवाओं के क्षेत्र में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि कोविड अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। हर जिले में प्रतिदिन 24 घंटे के अन्दर पॉजिटिव केस रिकवरी एक्टिव केस आदि की समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि खाद्यान्न वितरण कार्य की निगरानी के लिए एक नोडल अधिकारी नामित करें। मुख्यमंत्री ने स्वच्छता, सेनेटाइजेशन और फॉगिंग को एक अभियान के रूप में संचालित करते रहने और इसके लिए नोडल अधिकारी नामित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह अभियान कोविड के साथ ही बरसात में इंसेफेलाइटिस से बचाव में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने बेड की संख्या बढ़ाने और शासन के आदेशों का शत प्रतिशत अनुपालन करने और पीडियाट्रिक आईसीयू को क्रियाशील रखने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में कमिश्नर जयन्त नार्लिकर ने गोरखपुर मंडल में कोविड प्रबंधन के बारे में बताया कि टेस्टिंग, कांटेक्ट ट्रेसिंग, सेनेटाइजेशनए स्वच्छता, वैक्सीनेशन आदि कार्यों को तेजी से कराया जा रहा है। मंडल में कुल 4856 क्रियाशील निगरानी समितियां हैं, जिसमें ग्रामीण क्षेत्र 4368 और शहरी क्षेत्र में 488 हैं।

बहराइच में करेंट से मरने वालों को मदद के निर्देश

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बहराइच के राम गांव थाना क्षेत्र में करंट लगने से हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को अनुमन्य राहत राशि तत्काल वितरित किये जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

सैफई आयुर्विज्ञान संस्थान के कुलपति अवकाश पर भेजे गए

लखनऊ। कोरोना प्रबंधन में लापरवाही सहित अन्य शिकायतों के मामले में उत्तर प्रदेश ग्रामीण आयुर्विज्ञान संस्थान सैफई के कुलपति डॉ राजकुमार सिंह को कार्यकाल खत्म होने से पहले ही शासन ने छुट्टी पर भेज दिया है। जबकि वर्तमान कुलपति का कार्यकाल 31 मई को समाप्त हो रहा है। इसके पहले ही शासन ने कुलपति को हटाते हुए कुलपति पद का दायित्व प्रतिकुलपति को सौप दिया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार के स्तर से जारी आदेश में कहा गया है कि सैफई विश्वविद्यालय इटावा अधिनियम 2015 की धारा 11 (10) के अंतर्गत विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति को 31 मई या नए कुलपति की नियुक्ति तक कुलपति के कर्तव्यों के निर्वहन हेतु अधिकृत किये जाने का निर्णय लिया गया है। विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति को बचे शेष कार्यकाल हेतु अवकाश पर जाने हेतु अनुरोध किया जाता है और वह तत्काल प्रभाव से अवकाश पर माने जाएंगे।

योगी सरकार शुरू करेगी कोरोना पर पाठशाला

● आयुर्वेदक के विशेषज्ञ कोरोना संक्रमण को लेकर लोगों को सीधे जानकारी देंगे व उपाय बताएंगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना से बचाव और उपचार के लिये योगी सरकार पाठशाला शुरू करने जा रही है। जिसमें आयुर्वेदक के विशेषज्ञ कोरोना संक्रमण को लेकर लोगों को सीधे जानकारी देंगे तथा उपाय बतायेंगे। इतना ही नयी बल्कि आयुष कवच एप के माध्यम से सुबह आठ बजे से योगाभ्यास और शाम पांच बजे से आयुष संवाद जल्द शुरू होने वाला है। इसमें कोरोना संक्रमण से बचाव, रोकथाम और औषधियों के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा आयुष विभाग के 20 विशेषज्ञ चिकित्सकों के पैनल से भी एप के माध्यम से सवाल किया जा सकता है, जिसका जवाब विशेषज्ञ चिकित्सक देंगे।

आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि आयुर्वेद पर आधारित यह पाठशाला अगले कुछ दिनों में शुरू हो जाएगी। इसके लिये तैयार एप पर बीस लाख से अधिक लोग अपना पंजीकरण करा चुके हैं। दरअसल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कोरोना की लड़ाई में चिकित्सा की सभी विधाओं को साथ लेकर चल रहे हैं। एलोपैथ से लेकर आयुर्वेद, होम्योपैथ और यूनानी औषधियां होम आइसोलेट संक्रमितों को निशुल्क दी जा रही हैं। सीएम योगी ने हाल ही में आयुष विभाग को निर्देशित किया था कि कोरोना संक्रमितों के उपचार के लिए निशुल्क मेडिकल किट के अलावा आयुष किट भी दी जाए। सीएम के निर्देश पर होम आइसोलेशन में रह रहे 90 फीसदी से ज्यादा लोगों को अभियान चलाकर निशुल्क मेडिकल किट दी गई है। ऐसे ही आयुष विभाग ने भी अभियान चलाकर होम आइसोलेट और क्वारंटीन संक्रमितों को निशुल्क किट दी है। विगत 13 अप्रैल से सात मई तक नौ लाख 18 हजार 577 लोगों को निशुल्क किट दी गई है। इसमें 75572 लोगों को आयुष किट, 58,339 लोगों को आयुष काढ़ा, सात लाख 82 हजार 793 लोगों को होम्योपैथी औषधि, 5450 लोगों को यूनानी किट और 6565 लोगों को यूनानी जोशांदा दिया गया है।

अपर मुख्य सचिव आयुष प्रशांत त्रिवेदी ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश पर विभाग की ओर से लगातार होम आइसोलेशन में रहे रहे लोगों को किट का वितरण निशुल्क किया जा रहा है, इन दवाओं के सेवन से बड़ी संख्या में लोग घर पर ही उपचार कर स्वस्थ हो रहे हैं। इसके अलावा लोगों को इम्यूनिटी बूस्ट करने के योग आदि के टिप्स भी दिए जा रहे हैं।

आयुष विभाग की ओर से पिछले तीन दिनों में 1,52,159 होम आइसोलेटेड और क्वारंटीन लोगों को निशुल्क किट दी गयी है। सात मई को 9526 लोगों को आयुर्वेदिक, 39,985 लोगों को होम्योपैथिक और 597 लोगों को यूनानी औषधियां दी गई हैं, यानि एक दिन में कुल 50,108 लोगों को निशुल्क औषधियां दी गई हैं। ऐसे ही छह मई को 47,359 और आठ मई को 54692 लोगों को औषधियां दी गई हैं।

अगर सिर्फ पिछले माह अप्रैल की बात करें, तो आयुष विभाग की ओर से सात लाख 23 हजार 190 लोगों को औषधियां दी गई हैं। इसमें 91,692 संक्रमितों को आयुर्वेदिक, 6,28,300 संक्रमितों को होम्योपैथिक और 3198 संक्रमितों को यूनानी दवाइयां दी गई हैं। महज दो दिनों तीन और चार मई को 55,579 संक्रमितों को दवाइयां दी गई हैं। इसमें 6848 आयुष किट, 7644 आयुष काढ़ा, 45904 होम्योपैथी औषधि, 959 यूनानी किट और 1820 यूनानी जोशांदा दी गई है। आयुर्वेद सेवाएं के निदेशक प्रो. एसएन सिंह कहते हैं कि आयुष विभाग की ओर से दिए जा रहे किट संक्रमण को रोकने में सौ फीसदी कारगर है। ऐसा अभी तक कोई मामला संज्ञान में नहीं आया है, जिन्हें दवाएं खाने के बाद भी गंभीर स्थिति हुई हो। होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों को 10 से 15 दिनों में आराम मिल जा रहा है।

बलिया के भी हाल बेहाल, सीएम एक बार करें दौराः रामगोविंद चौधरी

● नेता प्रतिपक्ष ने क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं का हाल बताते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर किया आग्रह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर अपने गृह जनपद बलिया की बदहाल स्वास्थ्य सुविधाओं से अवगत कराया। साथ ही नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि वे बनारस की तरह बलिया का भी दौरा करें। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बलिया में कोविड से मौतें हो रही हैं। उन्होंने कहा कि मेरी विधायक निधि के साथ विधायक के रूप में मिलने वाली तनख्वाह का पैसा भी ले लीजिए लेकिन बलिया की स्वास्थ्य सुविधाओं पर ध्यान दीजिए। नेता प्रतिपक्ष रामगोविंद चौधरी ने पत्र के माध्यम स मुख्यमंत्री से कहा कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर से पूरा प्रदेश भयंकर रूप से प्रभावित है। प्रतिदिन 30 हजार के आसपास नए मरीज मिल रहे हैं। हजारों की संख्या में लोगों की जाने जा रही है। गांव-गांव यह बीमारी पसर चुकी है। गांवों में जांच नहीं हो रही। लोग अपनी जान गवा रहे हैं। मेरा गृह जनपद बलिया भी इस बीमारी से बहुत गंभीर रूप से प्रभावित है। जनपद में ऑक्सीजन बिल्कुल ही उपलब्ध नहीं है, चिकित्सालयों में बेड और जीवन रक्षक दवाइयां नहीं है जिस कारण जनपद में मरने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। समाजवादी पार्टी की सरकार के कार्यकाल में बलिया के जिला चिकित्सालय में ट्रामा सेंटर का निर्माण कराया गया था। जिसमें 18 वेंटिलेटर ए सिटी स्कैन की मशीन भी लगाई गई थी जो आजतक चालू नहीं हो सकी। साथ ही उसी ट्रामा सेंटर में आरटीपीसीआर जांच लैब भी स्थापित किया गया था। वह भी बेकार पड़ा हुआ है। जिले के लोगों की आरटीपीसीआर की जांच रिपोर्ट चार से पांच दिनों में आती है। इस दौरान सैम्पल देने वाला व्यक्ति कई स्थानों पर जाता है और बीमारी फैलती है। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री से आग्रह आप ने दो दिन पहले ही प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी का दौरा किया और वहा के स्वास्थ व्यवस्था की जानकारी ली है। उसी प्रकार आप बलिया का भी दौरा किये होते तो मुझे व जनपद के लोगों को खुशी होती। अतः आप से आग्रहपूर्वक कहना है कि बलिया के ट्रामा सेंटर को यथाशीघ्र चालू करने के निर्देश दीजिए।

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी के पिता का कोरोना संक्रमण से निधन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी के पिता आदित्य कुमार अवस्थी का सोमवार को सुबह लखनऊ के एसजीपीजीआई में निधन हो गया। कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद उन्हें एसजीपीजीआई के कोविड 19 अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भैंसाकुंड श्मशान घाट में कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए उनकी अंत्येष्टि की गई।

आदित्य कुमार अवस्थी स्वतंत्र भारत के इंजीनियर्स के पहले बैच के सदस्य थे। उन्होंने वाराणसी के आईआईटी-बीएचयू से इंजीनियरिंग की। वह एक मेटलर्जिस्ट और जर्मनी में प्रशिक्षित इंजीनियर थे। उनका देश में लौह व इस्पात बुनियादी ढांचे की नींव रखने में योगदान था। वह बेहद अनुशासनप्रिय थे। वह दृढ़ इच्छाशक्ति और शांत व्यक्तित्व के लिए अपने काम में लगन से जुट जाने के लिए विख्यात थे। अपनी जुझारू प्रवृति के कारण ही उन्होंने लम्बे समय तक कोरोना वायरस से संक्रमित हो जाने के बाद भी संघर्ष किया। उनके परिवार में पत्नी उषा अवस्थी, तीन पुत्र अवनीश कुमार अवस्थी, मनीष कुमार अवस्थी व आशीष कुमार अवस्थी और तीन पुत्रवधू पद्मश्री मालिनी अवस्थी, मनाली अवस्थी व जूही अवस्थी हैं। अवनीश कुमार अवस्थी उत्तर प्रदेश कैडर के सीनियर आईएएस अफसर हैं जबकि मनीष व आशीष अमरीका में कार्यरत हैं।

राज्यपाल ने जताया गहरा शोक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी के पिता आदित्य कुमार अवस्थी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राज्यपाल ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए कहा कि मैं अपनी संवेदनाये शोक संतप्त परिजनों के साथ सम्बद्ध करती हूं। वहीं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने उनके निधन पर गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को इस असह्य दुख को सहन करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

गांवों की बद्तर होती जिंदगी पर किसी का ध्यान नहीं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री की अदूरदर्शिता और समय पर निर्णय लेने की अक्षमता के चलते प्रदेश में हर तरफ हाहाकार मचा हुआ है। राजधानी और महानगरों में उसका सारा ध्यान है फिर भी हालत बेकाबू हैं। ऐसे में गांवों के लाखों ग्रामीणों को उनके अपने भाग्य के भरोसे छोड़ दिया गया है। वहां की बद्तर होती जिंदगी पर किसी का ध्यान नहीं दिया। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक लाख गॉव हैं जहाँ 70 प्रतिशत आबादी रहती है। 24 करोड़ की जनसंख्या वाला यह सबसे बड़ा राज्य है। गतवर्ष कोरोना संक्रमण में लॉकडाउन के दौरान पलायन की विकट स्थिति पैदा हुई। पलायन के दौर में श्रमिकों को अमानवीय स्थितियों से गुजरना पड़ा और कईयों की जानें भी चली गई। आज फिर

बड़ी संख्या में लोग गांवों में लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि समस्या यह है कि जब गांवों में भीड़ बढ़ रही है, न तो वहाँ जाँच और इलाज की व्यवस्था है और न ही रोटी रोजगार की व्यवस्था है। कोरोना संक्रमण के चलते कृषि कार्य भी बंद हैं। मुख्यमंत्री की बयानबाजी अपनी जगह पर वास्तविकता यह है कि गेहूँ खरीद बंद है। किसान बेहाल है। क्रय केंद्र पर ताले लटके हुए हैं। सरकारी केंद्र नहीं, बिचौलिए गेहूँ खरीद रहे हैं, वह भी औने पौने दाम पर। सरकार द्वारा गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य 1975 रुपए प्रति कुंतल रखा गया है पर वह किसान को मिलता होता तो वह आंदोलन क्यों करता।

कोरोना की रोकथाम को लेकर युद्ध स्तर पर कार्य करने की सख्त जरूरत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पंचायत चुनाव के बाद गांवों में यकायक कोरोना के बढ़ते मामलों से सरकार और प्रशासन चिंतित है। और इससे निपटने की इस बीच बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस पर चिंता जताते हुए कहा है कि यूपी में पंचायत चुनाव की समाप्ति के बाद अब यहां खासकर छोटे कस्बों व देहातों में बहुत तेजी से कोरोना महामारी के फैलने की दिल दहलाने वाली खबरें मिल रही हैं। लोग काफी दहशत में हैं। सरकार को इसकी रोकथाम के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने की सख्त जरूरत है। सोमवार को सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्वीट करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती ने लिखा कि यूपी में पंचायत चुनाव की समाप्ति के बाद अब यहाँ खासकर छोटे कस्बों व देहातों में बहुत तेजी से कोरोना महामारी के फैलने की दिल दहलाने वाली खबरें मिल रही हैं। लोग काफी दहशत में हैं। सरकार को इसकी

रोकथाम के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने की सख्त जरूरत हैए बीएसपी की यह माँग। मायावती ने आगे लिखा कि साथ ही, अभी हाल ही में देश के जिन राज्यों में विधानसभा आमचुनाव खत्म हुये हैं वहाँ शहरों के साथ साथ देहातों में भी कोरोना महामारी का प्रकोप काफी तेजी से फैल रहा है। वहाँ की राज्य सरकारों को भी इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरतए बीएसपी की यह सलाह। उन्होंने आगे लिखा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी अभी हाल ही में राज्यों को कोरोना इलाज के लिए आक्सीजन के बंटवारे व सप्लाई आदि को लेकर अपने फैसले में केन्द्र सरकार को जो कदम उठाने के खास निर्देश दिये हैं सरकार इस पर शीघ्र ही पूरी तरह से अमल जरूर करे तो यह बेहतर होगा।

राष्ट्रनायकों के नाम पर पौधरोपण किया जाएः दीपक

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया बौद्धिक सभा ने क्रांति दिवस मनाते हुए अमर शहीदों की पुण्य स्मृति में पौधरोपण किया और जानवरों के पेट भरे। बौद्धिक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीपक मिश्र ने बताया कि 10 मई 1857 को हमारे शूरवीरों ने जालिम ब्रिटानिया हुकूमत के खिलाफ आजादी की लड़ाई शुरू की थी। यह दिन हम भारतीयों के लिए प्रेरक दिन है जिससे देशभक्ति, त्याग व शहादत की प्रेरणा मिलती है। चंद्रशेखर आज़ाद व उनकी टोली पूरे देश में 10 मई को क्रांति दिवस मनाती थी। अप्रैल 1928 में किरती में भगत सिंह व भगवतीचरण वोहरा ने लेख लिख कर 10 मई को स्वतंत्रता के लिए संकल्प लेने के दिन के रूप में मनाने की अपील की थी। लोहिया व लोकनायक जयप्रकाश ने 1953 में गस्ती चिट्ठी लिखकर 10 मई को जनपर्व मनवाया था।

लंबित आवेदन पत्रों को शीघ्र निस्तारित किया जाएः रोशन जैकब

लखनऊ। निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म डा रोशन जैकब ने समस्त जिलाधिकारियों से अपेक्षा की है कि खनन परिहार स्वीकृत किए जाने की व्यवस्थाओं के अंतर्गत जनपद स्तर पर लंबित आवेदन पत्रों पर नियमानुसार कार्रवाही कराते हुए शीघ्र निस्तारण किया जाना सुनिश्चित किया जाए ताकि उपखनिजों की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे तथा मानसून अवधि मे खनिजों की उपलब्धता की निरंतरता भी बनी रहे और उनके मूल्य वृद्धि पर नियंत्रण भी हो सके। इस संबंध में उन्होंने अपेक्षा की है कि खनन निदेशालय से निर्गत दिशा निर्देशों एवं नियमावली के प्राविधानों के तहत कार्यवाही करते हुए यथा शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। ज्ञातव्य है कि उत्तर प्रदेश खनिज परिहार नियमावली के अंतर्गत कृषिकीय भूमि पर बाढ़ के कारण एकत्र बालू ,मोरम ,बजरी ,बोल्डर आदि को हटाए जाने के अनुज्ञापत्र निर्गत किये जाने का प्राविधान है।

उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमीशन कारपोरेशन लिमिटेड ई-निविदा संख्या-09-10-ई0टी0सी0(प्र0)ए0/2020-2021 प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों/निर्माताओं से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। ई-निविदायें उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर स्वीकार की जायेंगी। **(1) अल्पकालीन निविदा सं0-09-ई0टी0सी0प्र0ए0/ 2021-2022** :- विद्युत प्रेषण खण्ड-फतेहपुर के अधीन 220 के0वी0 एवं 132 के0वी0 पारेषण लाइनों के वार्षिक परिच. ालन एवं अनुरक्षण कार्य हेतु, **निविदा सं0 09 दिनांक 27-05-2021 को 13.00 बजे खोली जायेगी।** निविदा जमा करने की तिथि तक विवरण के लिये/डाउनलोड के लिए/किसी प्रकार के सुधार/संशोधन/परिवर्तन के लिये कृपया उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट www.etender.up.nic.in से प्राप्त करें। प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। ई-निविदायें उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट www.upptcl.org पर स्वीकार की जायेंगी। **(2) अल्पकालीन निविदा सं0-10-ई0टी0सी0 प्र0ए0/2021-2022** :- विद्युत प्रेषण खण्ड-प्रथम, प्रयागराज के अधीन उपखण्ड तृतीय, फूलपुर के लिये एक अद्द डीजल चलित वाहन 14 माह की अवधि हेतु, **निविदा सं0 10 दिनांक 27-05-2021 को 13.00 बजे खोली जायेगी।** निविदा जमा करने की तिथि तक विवरण के लिये/डाउनलोड के लिए/किसी प्रकार के सुधार/संशोधन/परिवर्तन के लिये कृपया उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमीशन कारपोरेशन की वेबसाइट www.upptcl.org से प्राप्त करें। **अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत प्रेषण मण्डल-प्रथम, 57-जार्ज टाउन, प्रयागराज।** पत्रांक-1154 दिनांकः- 10.5.2021 ''राष्ट्र हित में बिजली बचायें''।

राज्य में गेहूं खरीद के पुराने सभी रिकार्ड टूटे

पहली अप्रैल से शुरू हुई खरीद में अब तक 18 लाख मीट्रिक टन से ज्याद गेहूं खरीदा जा चुका है

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण का कहर और ऊपर से पंचायत चुनाव को शोर। इन सबके बीच योगी सरकार ने गेहूं खरीद में नया इतिहास रच डाला है। पहली अप्रैल से शुरू हुई गेहूं खरीद में अब तक 18 लाख मीट्रिक टन से ज्याद गेहूं खरीदा जा चुका है। लगभग एक महीना दस दिनों में अब तक की गेहूं खरीद का नया रिकार्ड है। अभी तक शुरूआती दिनों में कभी भी गेहूं की इतनी खरीद नहीं हुई।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक शुरुआती महीने में औसतन सात से आठ लाख मी. टन गेहूं की खरीद होती आयी है। अलबत्ता अंतिम दिनों में खरीद जरूर तेज होती रही है। गेहूं खरीद के शुरुआती तेज रफ्तार से सरकार खुश तो है लेकिन उसे इस बात की भी आशंका है कि कहीं इस खरीद में बिचौलियों का तो कोई खेल नहीं। विदित हो कि तीन साल पहले भी शुरूआती दिनों में गेहूं की भारी खरीद हुई थी लेकिन बाद में छानबीन में पता चला कि सारा खेल बिचौलियों का था। जिसके बाद सरकार ने खरीद प्रक्रिया में व्यापक बदलाव किये थे ताकि गड़बड़ी की गुंजाइश न रहे।

सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में अब तक करीब 18 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। सरकार ने 60 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का लक्ष्य रखा है। गेहूं खरीद के कार्य में लगे अधिकारियों के अनुसार राज्य में अब तक 18,12,857.42 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है जबकि पिछले साल इसी समयावधि में 11,04,178.12 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हुई थी। अधिकारियों का अनुमान है कि इस बार राज्य में गेहूं खरीद का एक नया रिकार्ड बनेगा। इसकी वजह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गेहूं की बिक्री करने को लेकर किसानों को दी गई रियायतें है।

किसान बिचौलियों से बचाने के लिए किसी भी सरकारी क्रय केंद्र पर गेहूं बेचने छूट है। इसके अलावा कोरोना संकट को देखते हुए इस बार खेत से 10 किलोमीटर के दायरे में गेहूं की खरीद का प्रबंध किया गयाए क्रय केंद्रों पर भीड़ कम से कम हो इसके लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा शुरू की गई। गेहूं खरीद में पारदर्शिता लाने के लिए ई-पॉप मशीनों का इस्तेमाल किया गया। इस व्यवस्था से गेहूं खरीद में धांधली और गड़बड़ी की आशंका पूरी तरह से समाप्त हो गई। किसानों को उनके अनाज के हर दाने का भुगतान उनके खातों में मिलें इसकी व्यवस्था की गई। अनाज खरीद प्रक्रिया में कृषक उत्पादक संगठनों को भी शामिल किए जाने से प्रदेश के 150 से अधिक गेहूं केंद्रों पर एफपीओ खरीद प्रक्रिया का हिस्सा बने। एफपीओ के गेहूं खरीद में शामिल होने तथा गेहूं की खरीद के लिए सरकार द्वारा किए प्रबंधों के चलते सूबे के किसानों ने सरकारी क्रय केंद्रों पर जाकर अपना गेहूं बेचने में रूचि दिखाई। और अब हर दिन गेहूं की खरीद का एक नया रिकार्ड बन रहा है। गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 1,975 रुपये तय किया है। किसान इन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए बड़ी संख्या में क्रय केंद्रों पर पहुंच रहे हैं। किसानों के रुख को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि गेहूं खरीद के लिए तय किया गया लक्ष्य जल्दी ही पूरा हो जाएगा।

कालाबाजारी व मिलावटखोरी करने वालों पर हो सख्त कार्रवाईः कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस ने सरकार से रोज मर्रा की जरूरत की चीजों के दामों को तत्काल नियंत्रित करने के साथ कोरोना के इस भीषण संकटकाल में कालाबाजारी, मिलावटखोरी करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अशोक सिंह ने कहा है कि कोरोना संकटकाल के बीच कालाबाजारी व मिलावटखोरों के हौसले बढ़े हुए हैं। कोरोना संक्रमितों के इलाज के लिए एक ओर ऑक्सीजन, जीवन रक्षक दवाओं की कालाबाजारी व नकली दवाएं बेचने वालों का धंधा चल रहा है। जिसे रोकने में राज्य की योगी आदित्यनाथ सरकार पूरी तरह मौन धारण किए है, वहीं जब गरीबों व मध्यमवर्गीय परिवारों के समक्ष रोजी रोटी का संकट खड़ा है तो दूसरी तरफ दलहन, तिलहन, साग, सब्जियों, फलों, आटाए ब्रेड के दामों में बेतहासा वृद्धि के साथ मिलावटखोरों की पौ बारह हो गयी है और जनता की जेब पर डाका डाला जा रहा है और सरकार के मौन से साबित होता है कि उपभोक्ताओं को ठगने वालों के साथ उसकी सहानुभूति और संरक्षण है।

प्रवक्ता ने कहा कि दैनिक उपभोग की आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ना और मिलावटखोरी करने वालो के विरुद्ध कार्रवाई न करने से उनके हौसले बढ़े हुए हैं और जनता के कष्टों की सरकार अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई डायन की मार से पीड़ित जनता का एक बड़ा वर्ग रोटी के संकट से दो चार होने के लिए विवश होकर त्राहिमाम कर रहा है। उन्होंने कहाकि सरकार की खामोशी से यह लगता है कि वह जनता के नहीं महंगाई बढ़ाने व मिलावटखोरी करने वाले के साथ खड़ी होकर उन्हें पूरा संरक्षण देती हुई दिखायी दे रही है।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, बिसवॉ-सीतापुर

पत्रांक- 318/लेखा/विविध/2021-22 दिनांक- 10-5-2021

निविदा आमंत्रण

विकास खण्ड की शासकीय जीप निष्प्रयोज होने के उपरान्त मनरेगा के निर्माण कार्य/आवासों के सत्यापन तथा निरीक्षण हेतु हल्के कामर्शियल वाहन की आवश्यकता है। इच्छुक प्राईवेट वाहन मालिक/फर्म मासिक किराया तथा गाडी का माइलेज सहित निविदा दिनांक- 15-05-2021 तक कार्याल दिवस में उपलब्ध करायें। हल्के वाहन में पड़ने वाले डीजल एवं मोबिल आयल कार्यालय से आवश्यकतानुसार वहन किया जायेगा। गाड़ी की मरम्मत स्वयं गाड़ी मालिक को करानी होगी। किसी भी समय शासकीय हित में/नया वाहन आने पर किराये के वाहन को अनुबन्ध मुक्त कर दिया जायेगा।

खण्ड विकास अधिकारी
बिसवॉ-सीतापुर

आज से भर्ती किए जाने लगे मरीज

डीआरडीओ का अस्थायी कोविड अस्पताल शुरू

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

बीएचयू में डीआरडीओ के द्वारा 750 बेड के स्थापित पंडित राजन मिश्र कोविड अस्पताल का आज शुभारंभ किया गया। सबसे पहले वेंटिलेटर युक्त 250 बेड के पहले वार्ड में क्रिटिकल मरीजों को अन्य अस्पतालों से शिफ्ट करते हुए उनका इलाज चालू किया गया। शाम चार बजे से क्रिटिकल पेशेंट्स को डीआरडीओ के अस्पताल में शिफ्ट करने का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। शाम पांच बजे तक सात मरीज भर्ती हो चुके थे तथा और मरीजों को लाकर भर्ती करने का कार्य जारी है।

इसके अलावा 250.250 बेड के अस्पताल को भी एक सप्ताह के अंदर चालू कर दिया जायेगा। इसमें आक्सीजन सिलिंडर के द्वारा आक्सीजन आपूर्ति की जायेगी। जिलाधिकारी कौशलराज शर्मा ने बताया कि सिपला कंपनी से 94 रेमडिसिविर अपोलो फार्मेसी को उपलब्ध करायी गयी है तथा उत्तर प्रदेश शासन की ओर से प्राप्त ज़ायडस कंपनी की 72 रेमडिसिविर पंडित राजन मिश्र कोविड अस्पताल के नोडल आफिसर को सौंपी गयी। यह इंजेक्शन पूरी तरह नि:शुल्क मरीजों को लगाया जायेगा। उन्होंने कहा कि आगे भी यह इंजेक्शन जरुरत के अनुसार उपलब्ध कराया जाएगा। प्रधानमंत्री के दिशा निर्देशन में सेना द्वारा बनाये गये इस अस्पताल में सेना के डाक्टरए मेडिकल स्टाफ तथा मेडिकल कॉलेज के अंतिम वर्ष के छात्रों को ट्रेनिंग देकर नियुक्त किया गया है। आक्सीजन प्लांट युक्त इस अस्पताल में फार्मेसीए लैबए कैन्टीनए सेनिटाइजेशनए साफ सफाई आदि सभी की व्यवस्था की गयी है।मरीजों के तीमारदारों के ठहरनेए खाने पीने आदि के लिए गंगा भारती एनजीओ के द्वारा अस्पताल के साथ सहयोगार्थ नि:शुल्क व्यवस्था की गयी है। इस अवसर पर मंडलायुक्त दीपक अग्रवालए जिलाधिकारी कौशलराज शर्माए वीसी वीडीए ईशा दुहनए लेफ्टिनेंट कर्नल नितिन मिश्रा ;प्रबंधकद्ध डीआरडीओए एडीएम सिटीए सीएमओ सहित सभी अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कोटेदार के खिलाफ ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, लगाए अनियमितता के आरोप

संवाददाता। चकिया चन्दौली

इलिया कस्बा स्थित सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानदार द्वारा राशन वितरण में घोर लापरवाही बरते जाने पर आक्रोशित कार्ड धारकों ने सोमवार को दुकान के समक्ष जमकर नारेबाजी करते हुए अपनी भड़ास निकाली।

कार्ड धारक निब्बुल केशरीए मुस्लिमए सोनू जायसवालए विकास गुप्ताए धर्मशिलाए अनीताए किशोरीए मुन्ना शर्माए मुनीर अहमदए मुन्ना गुप्ता सहित दर्जनों कार्डधारको का आरोप है कि कोटेदार सावित्री देवी के पति कभी भी निर्धारित समय से दुकान नहीं खोलते हैंए घंटों प्रतीक्षा के बाद दुकान खोलने पर अक्सर पास मशीन न चलने का बहाना बनाकर उन्हें वापस लौटा दिया जाता है। इन दिनों जबकि लाकडाउन चल रहा हैए घर से बाहर निकलने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऊपर से घर का राशन समाप्त हो गया है ऐसी स्थिति में कोटेदार द्वारा राशन का वितरण समय से न किए जाने से उन्हें काफी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है।कार्डधारकों का कहना है कि कस्बा में एक अन्य राशन की दुकान भी संचालित है। वह भी इस दुकान से महज डेढ़ सौ मीटर की दूरी पर स्थित हैए जो निर्धारित समय सुबह 6 बजे से दुकान इन दिनों खुल रही है और संबंधित कार्ड धारकों को समय से खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में कोटेदार सावित्री देवी द्वारा गरीबों को खाद्यान्न वितरण न करने से उनके समक्ष खाने को अनाज के दाने को मोहताज होना पड़ सकता है।

पहचान पत्र नहीं होने पर भी लगेगा टीका

- बुजुर्ग, साधु-संत जेल में बंद कैदी मानसिक अस्पतालों में भर्ती मरीज, वृद्धाश्रम के लोग, भिखारी, पुनर्वास केन्द्रों में रह रहे मरीज शामिल होंगे इस श्रेणी में
- स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की गाइडलाइन
- जिला स्तर पर खोजे जाएंगे ऐसे लाभार्थी और किए जाएंगे पंजीकृत

संवाददाता। मिर्जापुर।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोई पहचान पत्र न रखने वाले लोगों का टीकाकरण करने के लिए दिशा.निर्देश जारी किए हैं। इसके मुताबिक ऐसे लोगों को कोविन ऐप में पंजीकृत किया जाएगा और उनके टीकाकरण के लिए विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन लोगों की पहचान करने की जिम्मेदारी जिला शासन की होगी।अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अजय ने बताया कि मंत्रालय की गाइडलाइन के मुताबिक किसी भी व्यक्ति को वैक्सीनेशन कराने के लिए आधार कार्डए वोटर आईडी कार्डए पासपोर्टए ड्राइविंग लाइसेंसए पैन कार्डए एनपीआर कार्ड या पेंशन पेपर में से किसी एक पहचान पत्र का होना जरूरी है लेकिन अगर किसी के पास यह पहचान पत्र नहीं हैं तो उन्हें वैक्सीनेशन से वंचित नहीं रखा जा सकता। इसी के मद्देजनर मंत्रालय ने ऐसे लोगों का टीकाकरण कराने के लिए गाइलाइन जारी की है। इस श्रेणी में बुजुर्गए साधु.संतए जेल में बंद कैदीए मानसिक अस्पतालों में भर्ती मरीजए वृद्धाश्रम के लोगए भिखारीए पुनर्वास केन्द्रों में रह रहे मरीज शामिल होंगे।ऐसे लोगों को ढूंढने का काम जिले की टास्क फोर्स करेगी। वह अल्पसंख्यक विभागए सामाजिक न्याय विभाग व समाज कल्याण विभाग के सहयोग से ऐसे लोगों की पहचान कर सकती है। इन लोगों का कोविन ऐप में पंजीकरण कराया जाएगा जिसमें लाभार्थी का नामए जन्म का साल और लिंग दर्ज कराया जाएगा। मोबाइल नंबर और पहचान पत्र की अनिवार्यता नहीं होगी। इसका सत्यापन फैसिलिटेटर करेंगे जिसके बाद इन लोगों का वैक्सीनेशन किया जाएगा।गाइडलाइन के मुताबिक जिले की टास्क फोर्स जिलास्तर पर एक नोडल अधिकारी नियुक्त करेगी जो अलग.अलग समूह के लोगों की पहचान के लिए फैसीलिटेटर नियुक्त करेगा। यह फैसीलिटेटर लाभार्थियों की पहचान करेगा। नोडल अधिकारी उपलब्ध डेटा के मुताबिक इन लोगों के लिए विशेष वैक्सीनेशन सत्र का आयोजन कराएंगे।

दर्जन भर दुकानदारों का पुलिस ने काटा चालान

चंदौली। सदर कोतवाली क्षेत्र में कोविड.19 गाइडलाइन का उल्लंघन करने वाले करीब दर्जनभर दुकानदारों के खिलाफ पुलिस ने रविवार को कार्रवाई की है। पुलिस की इस कार्रवाई से मीटए मुर्गा व मछली बेचने वाले दुकानदारों में हडकंप मच गया। दरअसल सदर कोतवाल अशोक मिश्रा कोविड 19 महामारी को देखते हुए लाकडाउन के अनुपालन किए जाने के लिए अपने टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। उसी दौरान मीट मछली बेचने वाले करीब दर्जन दुकानदारों द्वारा कोविड.19 गाइड लाइन का उल्लंघन करते हुए मिलेए जिसके बाद पुलिस द्वारा उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पकड़कर थाने ले आई और कार्रवाई करते हुए लाकडाउन उलंघन के आरोप में उनका चालान किया गयाण् इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक अशोक मिश्रा ने बताया कि बार.बार सूचना देने के बाद भी इनके द्वारा लॉक डाउन का उल्लंघन किया जा रहा था।

कोरोना से बचने के लिए टीका, सोशल डिस्टिंसिंग ही उपाय

- प्रबन्धन महामारी की समाप्ति तक मुहिम जारी रखने के लिए है प्रतिबद्धः शैलेश सिंह

संवाददाता। सोनभद्र

हिण्डालको रेणुसागर पावर डिवीजन रेणुसागर संस्थान के अध्यक्ष के0पी0 यादव के निर्देश पर फैली महामारी कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के प्रभाव के रोकथाम हेतु प्रभावी अंकुश लगाने के लिए प्रबन्धन की हर सम्भव तैयारी जारी है। महामारी के बढ़ते प्रकोप को देख कर कालोनी के सभी मुख्य द्वारों पर सख्ती बढ़ाकर कड़ी चेकिंग की जा रही है। इस महामारी से बचने के लिए अब तक हर सम्भव उपाय को अपनाये जाने के साथ ही पूरी सतर्कता बरती जा रही है। मैनेजमेन्ट स्तर पर कोविड-19 टीमों का गठन किया गया है जो कालोनी एवं प्लाण्ट परिसर में घूम-घूमकर लोगों को सफाई, सोल डिस्टेनि्ंसग एवं अन्य उपायों के प्रति जागरूक कर रहे है। साथ ही साथ लोगों को यह भी निर्देशित किया गया है कि कम से कम अपने घरों से निकलें तथा दुकानदारों के दिये हुए मोबाइल नम्बरों पर बात कर आवश्यक वस्तुओं की होम डिलवरी रेणुसागर बिड़ला मार्केट से करायें।इसी क्रम में मानव संसाधन प्रमुख शैलेश सिंह ने कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के प्रभाव और उपचार की कमान सभालते हुए बताया कि हमारे कर्मचारी जोश व जज्बे का परिचय देते हुए स्वयं सेवक के रूप में इस महामारी से बचाव हेतु युद्ध स्तर पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बीमारी से बचाव ही इसका उपचार साबित होता नजर आ रहा है। सभी अधिकारियों, कर्मियों व उनके परिवारों को इस महामारी से बचाव हेतु कोविड-19 का टीका लगवाया जा रहा है प्लाण्ट व कालोनी के मुख्य द्वार पर सेनीटाइजर मशीन लगाई गयी है, बाहर से आने वाली गाड़ियों को सेनीटाइज किया जा रहा है इसके साथ ही सभी प्लाण्ट के प्रमुख द्वार पर थर्मल स्कैनिंग की जा रही है। प्लाण्ट को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु कर्मचारी दो शिफ्टो में ड्यूटी कर रहे हैं। आस-पास में बढते कोरोना मरीजों की संख्या से प्रबन्धन ने सावधानी व सख्ती बढ़ा दी है स्थानीय बिड़ला मार्केट शॉपिंग सेन्टर को बन्द कराकर आवयक सेवाओं की आपूर्ति को बहाल कर दिया गया है तथा कालोनी, प्लाण्ट परिसर, बिड़ला मार्केट शॉपिंग सेन्टर व पब्लिक प्लेस को सेनीटाईज कराया जा रहा है। परियोजना में प्रवेश के पहले कर्मियों की थर्मल स्कैनिंग व पी.पी.ई. किट की जॉच के उपरान्त ही प्रवेश मिल पा रहा है। प्लाण्ट परिसर में कार्यस्थल पर सोल डिस्टेनि्ंसग का पालन किया जा रहा है। अन्त में उन्होंने बताया कि हमारा प्रबन्धन इस महामारी की समाप्ति तक अपने इस मुहिम को जारी रखने हेतु पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

डीएम ने सम्पूर्ण क्षेत्र में नई गाइडलाइन जारी की

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने वाराणसी के सम्पूर्ण क्षेत्र में 10 मई की प्रात: 7 बजे तक कतिपय प्रतिबंधों के साथ लागू कोरोना कर्फ्यू को शासन के निर्देशानुसार जनपद में आंशिक कोरोना कर्फ्यू को 17 मई की प्रात: 07 बजे तक लागू कर दिया है। जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा ने बताया कि लागू कोरोना कर्फ्यू के दौरान जनसामान्य व उनके वाहनों का आवागमन व जनसामान्य का घर से बाहर निकलना तथा सभी व्यापारिक व व्यवसायिक गतिविधियों को प्रतिबन्धित किया गया है। जनपद वाराणसी में समस्त प्रकार की दुकानए शॉपिंग कॉम्प्लेक्सए मॉलए व्यापारिक प्रतिष्ठानए धार्मिक प्रतिष्ठान बंद रहेंगे तथा किसी भी तरह की सार्वजनिक व धार्मिक गतिविधियां प्रतिबंधित रहेगी।

इस दौरान दूधए सब्जीए ब्रेडए फलए बेकरी के सभी उत्पादों के आउटलेटए भोजन सामग्री की दुकानेंए अनाज.गल्ले की रिटेल दुकानेंए मिठाई की दुकानेंए आबकारी दुकानेंए सब्जी मण्डीध्फल मण्डी आदि दिन में एक बजे तक सोशल डिस्टेंसिंग के पालन तथा सेनेटाइजर एवं मास्क के प्रयोग की अनिवार्यता के साथ खोली जा सकती हैं। मेडिकल दुकानेंए मेडिकल आपूर्तिए सर्जिकल दुकानेंए मेडिकल टेस्ट व ब्लड टेस्ट जांच करने वाली लैबए ब्लड कलेक्शन सेंटर एवं उनके ऑफिसए निजी व सरकारी मेडिकल व प्राइवेट प्रैक्टिस वाले क्लीनिकए अस्पतालए एम्बुलेंसए हॉस्पिटल को होने वालीए सामग्रियों की आपूर्तिए आपात चिकित्सा स्थिति वाले व्यक्ति व अन्य मेडिकल सेवाएं इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगी। मेडिकल सप्लाई की आवश्यकताओं के दृष्टिगत सभी कुरियरए ई.कॉमर्सए ट्रांसपोर्ट ऑफिसए गोदाम व उनके कर्मचारी व वाहन इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। पेट्रोल पम्पए गैस एजेंसीए ऑक्सीजन गैस के वेंडर्स ध् सप्लायर्सए न्यूज पेपर वेंडर इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। औद्योगिक गतिविधियांए हार्डवेयर की दुकानए सरकारी निर्माण कार्य इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। इस दौरान आवागमन के सरकारी व निजी साधनोंए टैक्सीए ऑटोए ई.रिक्शा आदि पर कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा। बीज व खाद की दुकानए कोटे की उचित दर की दुकान व गेहूँ कय केन्द्र इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। दूरसंचार सेवाएंए डाक सेवाए प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया तथा इंटरनेट सेवा से जुड़े व्यक्ति इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। इस दौरान यात्रीगणए मरीजए कोविड टेस्ट कराने वाले व्यक्तियों तथा वैक्सीनेशन कराने वाले व्यक्तियों के आवागमन व इनके वाहनोंध्टैक्सीध्ऑटोध्व ई.रिक्शा पर प्रतिबंध नहीं होगा।सरकारी कर्मचारीगण अपने कर्मचारी पहचान पत्र के साथ और सभी शहर से गुजरने वाले मालवाहक वाहन प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। बस स्टैंडए रेलवे स्टेशन व एयरपोर्ट के यात्रीगण अपनी टिकट के साथ प्रतिबंध से मुक्त होंगे।

रोहनिया विधायक और एसडीएम ने ग्रामीणों को बांटे मास्क व दवा किट

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

कोरोना संक्रमण के इस बढ़ती हुई महामारी को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार वाराणसी के जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में सोमवार को उपजिलाधिकारी सिद्धार्थ यादव तथा एडीएम प्रोटोकॉल बच्चू सिंह की मौजूदगी में रोहनिया विधायक सुरेंद्र नारायण सिंह ने मोहनसराय गांव में ग्राम प्रधान मनोज कुमार वर्मा तथा पयागपुर गांव में ग्राम प्रधान अल्पना पांडेय की उपस्थिति में लोगों को कोरोना जैसी महामारी से बचने के लिए मास्क व नि:शुल्क कोविड मेडिसिन कीट का वितरण किया।जिसके दौरान उप जिलाधिकारी सिद्धार्थ यादव ने वितरण किये गये नि:शुल्क दवा को सेवन करने के बारे में लोगों को विधिवत विस्तार पूर्वक जानकारी दिया।दवा वितरण के दौरान एडीएम प्रोटोकॉल बच्चू सिंह ने ग्रामीणों को कोरोना संक्रमण जैसे महामारी से बचने हेतु सबको जागरूक करते हुए कोविड.19 के नियमों तीनो नियमो का पालन करने तथा कोविड वैक्सिन टीका लगवाने का अपील किया।इसके अलावा माधोपुर तथा छितौनीकोट गांव में भी मेडिसिन कीट का वितरण किया गया। इस मेडिसिन कीट वितरण के दौरान नायब तहसीलदार नीरज कुमार श्रीवास्तवएग्राम प्रधान मनोज कुमार वर्माएलेखपाल दिवाकर उपाध्यायएलेखपाल लक्ष्मण गिरिएअमित जायसवालएरामासरे पाठकएवीरू सिंहएविजय कुमार पांडेयएमुन्ना लाल यादव आदि मौजद रहे।

कोरोना संक्रमण की रफ्तार हुई कम, मिले 172 रोगी

संवाददाता। सोनभद्र

कोविड-19 के तेजी से बढ़ रहे संक्रमण की रफ्तार में थोड़ी कमी आई है, जो कि जिले के लिए राहत भरी खबर है। रविवार को आई रिपोर्ट में जनपद में कुल 212 लोग पाजिटिव पाए गए जबकि सोमवार को यह आंकड़ा 172 का रहा। रविवार को कोविड-19 के संक्रमण से मुक्त होकर अपने घर वापस जाने वालों की संख्या 433 लोगों की थी जबकि सोमवार को 353 लोग कोविड-19 के संक्रमण से मुक्त हो कर स्वस्थ हो गये। जनपद के लिए राहत भरी खबर यह भी रही की प्रतिदिन कोविड-19 के संक्रमण से मिलने वाले लोगों की तुलना में ठीक होने वाले लोगों की संख्या अधिक है। जनपद मे जन जागरूकता, संक्रमण के रोकथाम को लेकर किये जा रहे तमाम उपायों के बाद भी पिछले लगभग दो हफ्ते से तेजी से संक्रमण बढ रहा था। संक्रमण के चलते जनपद के आम लोगों मे कोविड-19 के संक्रमण को लेकर एक डर का वातावरण बना हुआ था जिस पर थोडा विराम लगा है। जनपद के जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. राम कुंवर ने बताया कि आंकड़ों की दृष्टि से जनपद सोनभद के लिए थोडी राहत जरूर है। पर यह समय भी सावधानी बरतने का है। आम तौर पर देखा जाता है कि राहत मिलने के साथ ही आम लोगों के बीच असावधानी शुरू हो जाती है, जो गंभीर रूप धारण कर लेती है। ऐसे समय में और आवश्यकता इस बात की होती है कि अधिक से अधिक सावधानी बरती जाए । अनावश्यक रूप से अपने घरों से बाहर न निकलें ,घर से बाहर निकलना बहुत आवश्यक हो तो मास्क का प्रयोग जरूर करें, एक दूसरे के साथ दो गज की दूरी को बनाये रखें, साबुन पानी से बार बार हाथ धोते रहें, सेनिटाइजर का उपयोग करें । कोविड-19 कोरोना के नियमों व निर्देशो का पालन करके ही संक्रमण को रोका जा सकता है।

ब्लाक प्रमुख चुनाव दमदारी से लड़ेगी सपा: देवी प्रसाद चौधरी

संवाददाता। मिर्जापुर

समाजवादी पार्टी ब्लाक प्रमुख का चुनाव दमदारी से लड़ने की तैयारी कर रही है। इसी क्रम में पार्टी के जिला कार्यालय लोहियाट्रस्ट भवन पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी की अध्यक्षता में पदाधिकारियों व विधानसभा अध्यक्षों एव ब्लाक अध्यक्षों की वर्चुअल बैठक की गई। जिसमें निर्णय लिया गया कि पार्टी बारहों ब्लाक में होने वाले ब्लाक प्रमुख के चुनाव में दमदारी से लड़ेगी जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने सभी पदाधिकारियों से कहा कि क्षेत्र पंचायत सदस्यों से सम्पर्क बनाये रखे और जो भी उम्मीदवार पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी होना चाहता है वह अपना आवेदन पत्र पार्टी कार्यालय लोहियाट्रस्ट पर तत्काल जमा करा दें ताकि कोर कमेटी इसमें निर्णय ले सके। उन्होने लगे हाथ ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता ने पंचायत चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों को जीताकर यह साबित कर दिया है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी के साथ खड़ी होगी। उन्होने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से कहा कि कोरोना से बचाव के लिए आस पड़ोस के लोगो की मदद करे और उन्हें सेनेटाइजन लगाने और मास्क पहनने का भी अनुरोध करें। बैठक में पूर्व जि लाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादवए अशोक यादवए रोहित शुक्ला ;लल्लूद्धए सुरेन्द्र सिंह पटेलए अनिल यादवए शैलेष पटेलए जुम्मन खांए रविप्रकाश त्रिपाठीए रामगोपाल बिन्दए रामजी यादवए शिवकुमार यादवए शमशाद खानए अतीक खांए महेन्द्र यादव आदि मौजूद रहे।

दुकानों पर उमड़ रही है खरीदारों की भारी भीड़

सकलडीहा चन्दौली। कोरोना महामारी को लेकर अधिकारी से लेकर डाक्टर सहमे हुए है। इसके बाद भी गांव और कस्बा में कोरोना महामारी का खुलेआम उलंधन हो रहा है। सोमवार को सकलडीहा कस्बा से लेकर चौराहों तक खुलेआम दुकाने खुली रही। खरीदारी के लिये लोगों की भीड़ कस्बा में लगा रहा। इसके बाद भी कोतवाली पुलिस अनभिज्ञ बने हुए है। इस दौरान न तो सामाजिक दूरी का पालन कर रहे है न तो मास्क लगाने के लिये जागरूक है। जिसे लेकर कोरोना वारिर्यस में काफी आक्रोश है।कोरोना की दूसरी लहर के बाद तीसरी लहर खतरनाक है। जिसे लेकर कोरोना कर्फ्यू की समय सीमा बढ़ा दी गयी है।

एनटीपीसी रिहंद कर रहा कोविड-19 के प्रसार को रोकने के गंभीर प्रयास

बीजपुर/सोनभद्र। कोविड-19 महामारी के प्रसार एवं ऐसे में विद्युत उत्पादन जैसी आवश्यक सेवा को ध्यान में रखते हुये एनटीपीसी रिहंद द्वारा विभिन्न कदम उठाए गए हैं। इस क्रम में सर्वप्रथम एनटीपीसी रिहंद स्थित धन्वन्तरी अस्पताल में दवाओं सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं , टेसिं्टग एवं राज्य स्वस्थ्य विभाग के साथ मिल कर वैक्सीन का प्रबंध किया गया है । साथ ही विद्युत उत्पादन गृह, कार्यालयों में कोविड से सुरक्षा हेतु विभिन्न सावधानियां बरती जा रही है द्य विद्युत उत्पादन गृह एवं आवासीय परिसर में मास्क के बिना प्रवेश पर रोक है द्य सामाजिक दूरी एवं अन्य सावधानियों का अनुपालन भी सुनिश्चित करने हेतु कदम उठाए गए हैं।इस विद्युत गृह एवं आवासीय परिसर के गेट पर वृहद चेकिंग की जा रही है द्य साथ ही परिसर में अकारण घूमने आदि पर रोक लगाई गयी है द्य बैंक ,पोस्ट ऑफिस एवं अस्पताल जैसी आवश्यक सेवा हेतु जाने वाले व्यक्तियों को प्रवेश हेतु अनुमान्य किया जा रहा है। इन सभी सावधानियों का उद्देश्य परिसर के अंदर एवं बाहर के व्यक्तियों में कोविड -19 के प्रसार को रोकने का है एवं इसमे सभी का सहयोग अपेक्षित है।

कोविड प्रोटोकॉल का करें पालनः डीएम

संवाददाता। चन्दौली

कोविड-19 महामारी के दृष्टिगत जिलाधिकारी संजीव सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में स्थापित इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कंट्रोल सेंटर तथा सर्विलांस सेंटर कक्ष में बैठक सम्पन्न हुई। कोविड.19 गाइड लाइन के नियमों का पालन करते हुए बैठक शुरू हुआ। बैठक में जिलाधिकारी ने नोडल अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि सब्जी मंडीयों में बिक्री तय टाइम में होए नोडल अधिकारी स्वंय उपस्थित रहे कोविड प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करते हुए सब्जियों की दुकान का संचालन करवाना सुनिश्चित किया जाय। बाजारोंध्मंडी में लगातार लाउड स्पीकर के माध्यम से कोविड से बचाव के लिये अपील किये जाय। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि होम आइसोलेट रहने वाले व्यक्तियों का स्वास्थ्य की जानकारी रोजाना प्राप्त कर रजिस्टर में अंकित किया जाय। साथ ही दवाओं का सेवन व सावधानियां बरतने के लिए वार्तालाप कर जानकारी दी जाय। कहा कि कोविड संक्रमण से ग्रस्त ज्यादातर लोग समुचित चिकित्सकीय परामर्श से होम आइसोलेशन में रहते हुए ही स्वस्थ हुए हैं। बहुत कम संख्या ऐसी है जिन्हें अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत होती है। जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि गांव में साफसफाई व कूड़े का निस्तारण लगातार सुनिश्चित किया जाए इसके अलावा सोडियम क्लोराइड का छिड़काव भी सुनिश्चित हो। साफसफाई का वीडियो व फोटोग्राफ्स प्रत्येक दशा में जनपद स्तर पर संबंधित अधिकारी को उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि बड़े पैमाने पर जनपद में सफाई कर्मियों द्वारा साफसफाई के साथ सोडियम क्लोराइड का छिड़काव चलाया जा रहा है यह काफी सराहनीय है। इस महामारी के दौर में स्वच्छता कर्मियोंए चिकित्सको एवं नर्स की अहम भूमिका है। कोरोना महामारी के इस दौर में लोगों को अपने घर व आसपास विशेष रूप से साफसफाई रखना होगा। प्रत्येक व्यक्ति अपने घर पर रहकर कोविड प्रोटोकाल का पालन सुनिश्चित करें। भीड़भाड़ वाले जगहों पर जानें से बचें। तभी कोरोना संक्रमण का प्रसार रोकना सम्भव होगा। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि आरटीपीसीआर की जाँच में तेजी लाया जाय। कोविड के मरीजों को निरंतर दवाओं के साथ समुचित स्वास्थ्य संबंधित उपचार सुनिश्चित हो। किसी प्रकार की मरीजों को दिक्कत न हो इसके लिए स्वास्थ्य विभाग बैठक कर समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा दवाओं की उपलब्धता बनी रहे इसके लिए पहले से ही डिमांड कर दिया जाए ताकि किसी भी प्रकार का मरीजों को दिक्कतें न हो इसके लिए शासन बेहद गंभीर है । चिकित्सकों को सख्त निर्देश जारी किया जाए बाहर की दवाएं कत्तई न लिखेंए पाए जाने पर दंडात्मक कार्यवाही सुनिश्चित होगी। रोजमर्रा के सामानों को अधिक मूल्य पर बेचने वाले व्यक्तियों के खिलाफ लगाम लगाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। जिलाधिकारी ने कहा कोरोना महामारी के दौर में दुकानदारों द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक बेचने की शिकायत मिली तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित होगी।

पंचायत चुनाव की प्रक्रिया पर उठे सवाल

- तिंगाई जिला पंचायत सदस्य के मतदान व मतगणना से शुरू हुआ सिलसिला नहीं ले रहा थमने का नाम
- अकबरपुर के दो क्षेत्र पंचायतों का परिणाम नहीं हुआ घोषित, मैथा ब्लाक के लमहरा गांव में मतगणना के दौरान 12 मतपत्र ही कम निकले
- अकबरपुर के ही तोड़ा मोहम्मदपुर गांव में उम्मीदवार ने पक्षपात के चलते दोबारा मतगणना की मांग उठाई

रविकान्त दुबे। कानपुर देहात

जनपद में सम्पन्न हुयी त्रिस्तरीय पॅचायत चुनाव की निष्पक्ष प्रक्रिया पर गम्भीर प्रश्न खडे हो गये है। सबसे पहले मतदान प्रक्रिया के दौरान तिंगाई जिला पॅचायत क्षेत्र की भाजपा प्रत्याशी रीता कठेरिया ने सपा प्रत्याशी व नकली शराब माफिया पर बूथ कैप्चरिंग का गम्भीर आरोप लगा भटौली गॉव के बूथों पर दोबारा मतदान की मॉग की थी, इस जिला पॅचायत सीट पर सपा प्रत्याशी के नौकरी पेशा रिश्तेदारों व तथाकथित एक कद्दावर सत्ताधारी पार्टी के जनप्रतिनिधि के साथ विपक्षी प्रत्याशी नकली शराब सहित अन्य अवैध कमाई के जरिये प्रशासनिक मशीनरी को खरीद कर चुनाव परिणाम बदलने के भी आरोप लगे।

इसी कडी में अकबरपुर के वार्ड संख्या 21 गहोलिया व वार्ड संख्या 26 क्षेत्र पॅचायत समिति को चुनाव परिणामों की तालिका में दर्शाया ही नहीं गया है। जबकि प्रशासनिक मशीनरी के शीर्ष निर्वाचन अधिकारी चुनाव प्रक्रिया पूर्ण होने का हवाला दे पीडितों को गुमराह करने में लगे हुये है। मैथा ब्लाक के लमहरा ग्राम पॅचायत के प्रधान पद हेतु 26 अप्रैल को सम्पन्न हुये मतदान में कुल मतदान 1365 लोगों ने किया मतगणना के दौरान बैलेट बॉक्स में 1353 मतों की ही गिनती प्रदर्शित की गयी जिसमें प्रधान पद के उम्मीदवारों को 1283 मत प्राप्त हुये तथा 70 वोट अवैध घोषित किये गये, इसी प्रकार तोडा मोहम्मदपुर गॉव में प्रधान पद के चुनाव में दूसरे नम्बर पर रहे प्रत्याशी ने अपने पक्ष के मतदाताओं पर जबरन मतपत्र लेने के दौरान हस्ताक्षर के स्थान पर अॅगूठा निशान लगाने से मतपत्रों में मोहर लगाने के दारान हाथ में लगे अॅगूठे की स्याही से मतों के अवैध हो जाने का आरोप लगाया। शीर्ष प्रशासनिक मशीनरी की मॅशा पर सवाल इसलिये उठने शुरू हुये जब उन्होंने पीडित उम्मीदवारों की शिकायतों को बिना किसी जॉच के सिरे से खारिज करना शुरू कर दिया। जबकि शिकायत पर सम्बन्धित रिटर्निंग आफीसर से जवाब तलब किया जाता है तो दूध का दूध व पानी हो जाता तथा शिकायतकर्ता को आमने सामने कर तथ्यात्मक ऑकडों के जरिये संतुष्ट कर न्याय प्रदान किया जाता। इस त्रिस्तरीय पॅचायत चुनाव में रिटर्निंग आफीसर पर चुनाव प्रक्रिया के परिणामों को प्रभावित करने के गम्भीर आरोप लगे है। वहीं रिटर्निंग आफीसर सिरे से अपनी संलिप्तता अस्वीकार कर माननीय न्यायालय जाने की सलाह शिकायतकर्ताओं को दे रहे है। अनुभवी प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायतकर्ताओं को न्याय प्रदान करने के लिये निष्पक्ष जॉच की आवश्यकता महसूस की जा रही है। जॉच में दोषी पाये जाने वालों के खिलाफ कार्यवाही से लोगों का भरोसा और ज्यादा प्रशासनिक प्रणाली पर पडेगा। न्याय न मिलने से पीडित प्रदेश शासन व सत्ताधारी पार्टी को ही दोषी ठहराने लगे है इसलिये यह और ज्यादा जरूरी हो गया है कि शिकायतों को सॅज्ञान में लेकर उचित कार्यवाही कर पीडित पक्ष को हर हाल में न्याय मिले।

गेहूं की सरकारी खरीद हो गई ठप

बांगरमऊ उन्नाव। गंगा कटरी क्षेत्र स्थित एकमात्र सरकारी गेहूं क्रय केंद्र में बीते करीब एक पखवारे से किसानों की कृषि उपज गेहूं की सरकारी दर पर खरीद ठप्प है। क्रय केंद्र प्रभारी बारदाना उपलब्ध न होने का बहाना बना रहे हैं। सरकारी खरीद बंद होने से किसान अपनी कृषि उपज बिचौलियों के हाथों औने.पौने भाव पर बेचने को मजबूर हैं।जिला प्रशासन द्वारा किसानों का गेहूं सरकारी दर पर खरीद हेतु गंगा और कल्याणी नदियों के दोआबा क्षेत्र में स्थित ग्राम माढापुर की साधन सहकारी समिति को क्रय केंद्र घोषित किया गया था। इसी घोषणा के तहत सुदूर गंगा कटरी के सैकड़ों किसानों ने अपनी कृषि उपज बिक्री हेतु ऑनलाइन पंजीकरण भी करा दिया था। लेकिन सरकारी गेहूं क्रय केंद्र पर मात्र एक पखवारा तक कृषि उपज की खरीद होने के बाद समिति के सचिव द्वारा खरीद बंद कर गोदाम में ताला जड़ दिया गया।

क्विक न्यूज

अधेड़ की पीटने से मौत, एक आरोपी गिरफ्तार

नवाबगंज, फर्रुखाबाद। दबंगों ने घर में घुसकर अधेड़ को मारापीटा तथा गला दबा दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने पहुंचकर जांच पड़ताल की तथा तहरीर के आधार पर एक आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया।जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव दौलतपुर निवासी वीर सिंह शाक्य पुत्र मातादीन की पत्नी ने जानकारी देते हुए बताया कि घर के समीप बनी नाली में शनिवार रात लगभग दस बजे गांव का ही निवासी मंजनू पुत्र लालाराम लघुशंका करने लगा। घर के समीप लघुशंका करने पर मेरे मूक बधिर पुत्र प्रवीन कुमार के आपत्ति करने पर मंजनू ने गाली गलौज कर प्रवीन को पीट दिया। जिसका विरोध करने पर दबंग ने वीर सिंह को मारपीट कर जमीन पर पटककर गला दबा दिया। जिससे वीर सिंह बेहोश हो गए। घायल वीर सिंह ने रात में दम तोड़ दिया। पुलिस को प्रवीन कुमार ने घटना की सूचना दी। जिस पर थानाध्यक्ष अंकुश कुमार राघव ने मौके पर जाकर जांच पड़ताल की तथा शव का पंचनामा भरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मौके से आरोपी मंजनू पुत्र लालाराम को हिरासत में ले लियाए जबकि अन्य आरोपी भागने में सफल रहे। वहीं थानाध्यक्ष का कहना है कि शीघ्र ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की जायेगी। फिलहाल घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है।

दो महिलाओं समेत तीन की मौत

कायमगंज फर्रुखाबाद। अलग.अलग घटनाओं में कोरोना व बीमारी के चलते दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गयी। सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम घसिया चिलौली निवासी भैसज्य पाठक की कोरोना बीमारी के चलते मौत हो गई। चर्चा के अनुसार 11 दिन में इनके घर में तीन लोगों की मौत हो चुकी हैं। वहीं इसी मुहल्ले की विद्यादेवी 65 वर्षीय पत्नी रामसेवक की भी बीमारी के चलते रविवार को मौत हो गई। यह जानकारी कोरोना इंचार्ज गौरव मिश्रा ने दी है। वहीं बीमारी के चलते प्रधान पति की मां की मौत हो गई। कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव बराबिकू निवासी प्रधान गीता देवी पत्नी विजय कुमार की मां ओमवती 55 वर्ष पत्नी रामपाल की दिल का दौरा पडने से मौत हो गई। मौत की सूचना पर परिजनों का रो.रोकर बुरा हाल है।

महिला का फांसी के फंदे पर झूलता मिला शव

कायमगंज;फर्रुखाबाद। सदिग्ध परिस्थितियों में महिला का दूसरी मन्जिल पर बाथरूम में दुपट्टे से फांसी पर लटका मिला शव। परिजनों ने लगाया हत्या कर शव को फांसी पर लटकाने का आरोप।जानकारी के अनुसार कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला चिलॉका कोरी धर्मशाला राजीव नगर निवासी सूरजकुमारी उर्फ गुडिया कोरी उम्र 36 वर्ष पत्नी प्रदीप कुमार कोरी का रविवार की सुबह बाथरूम में दुपट्टे से फांसी पर झूलता मिला। जब परिजनों ने देखाए तो आनन.फानन में शव को नीचे उतारा। मौत की सूचना पाते ही मृतका के भाई रजवीर पुत्र लालाराम निवासी उस्मानपुर मंझना थाना नवावगंज ने आरोप लगाते हुए कहा कि मैंने अपनी बहन की शादी हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार लगभग 20 वर्ष पूर्व प्रदीप कुमार पुत्र शिवराम निवासी मोहल्ला चिलॉंका कोतवाली कायमगंज के साथ की थी। सूरजकुमारी ने चार बेटियों को जन्म दिया था। जिसमें खुश्बू उम्र 16 वर्ष, महक 15 वर्ष, निधि 11 वर्ष, तनिशा 5 वर्ष है। भाई ने बताया कि लड़का पैदा न होने पर पति प्रदीप कुमार, देवर व ससुर आये दिन हमारी बहन के साथ गाली.गलौज करते थे तथा ताना देते थे कि तुम्हारे लड़कियां पैदा हो रही हैं। इसलिए हम दूसरी शादी करेंगे। इस बात का वह विरोध करती थी। जिसको लेकर उक्त लोगों ने मेरी बहन के साथ मारपीट की थी। जिसकी सूचना उसने पिता को दी थी। जिस पर पिता लालाराम बहन की ससुराल गये थे। जहां पर ससुरालीजनों ने उनके साथ भी मारपीट की थी। रविवार सुबह उसकी मौत की सूचना मिली। घटना की सूचना मिलते ही सीओ राजवीर सिंह गौर, कस्बा चौकी इंचार्ज अशोक कुमार मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल की। बाद में शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। परिजनों ने पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि वह मामले की जांच पड़ताल कर रही है। जांच के बाद कार्यवाही की जायेगी।

आम की डाल युवक पर गिरी, मौत

फतेहपुर। खखरेरू थाना क्षेत्र के ग्राम बसवां में आम की डाल गिरने से एक लगभग 25 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार बसवां गांव निवासी मान सिंह मौर्या पुत्र राजेन्द्र कुमार मौर्या गांव के समीप आम तोड़ने जा रहा था बताते है जिस पेड़ में आम तोड़ रहा था तभी अचानक एक डाल टूटकर उसके उपर जा गिरी जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गयी।

संदिग्ध अवस्था में युवती ने खाया जहर, तोड़ा दम

फतेहपुर। बांदा जनपद के थाना जसपुरा गांव सिमौला निवासी नन्द किशोर विश्वकर्मा ने अपनी पुत्री राजनी की शादी 01 मार्च 2017 में मदियाखेड़ा गांव निवासी रामबहादुर का पुत्र अशोकर कुमार के साथ की थी। बताते है कि रविवार की शाम संदिग्ध अवस्था में युवती ने जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल ला रहे थे तभी रास्ते में उसकी मौत हो गयी। पोस्टमार्टम हाउस में पिता नन्दकिशोर ने बताया कि पति, ससुर रामबहादुर व सास पर दहेज के लिये प्रताड़ित करना व पैसे की मांग को लेकर उसे मारते पीटते थे। मांग पूरी न होने के कारण ससुरालीजनों ने पुत्री को जबरन जहर खिला दिया।

चोरी की बाइकों समेत एक गिरफ्तार

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के अन्तर्गत रविवार की शाम चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद करते हुये एक युवक को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार रोडवेड बस चौकी प्रभारी शैलेन्द्र यादव अपने हमराही सिपाहियों के साथ चेकिंग अभियान चला रहा थे तभी मुखबिर की सटीक सूचना पर कुलदीप पुत्र जगदीश निवासी भारती विद्यालय ज्वालागंज को गिरफ्तार करते हुये पूंछताछ के दौरान उसके पास दो चोरी की मोटरसाइकिल बरामद किया है।

प्रतिबंधित मांस के साथ पुलिस ने 4 को किया गिरफ्तार

फतेहपुर। कोतवाली पुलिस ने प्रतिबंधित मांस के साथ 04 लोगों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र सिंह ने सलमान पुत्र सईद उर्फ हजारा निवासी पनी थाना कोतवाली, फैज मोहम्मद पुत्र निवासी महाजरी थाना कोतवाली, सद्दाम पुत्र शकील निवासी पीरनपुर थाना कोतवाली, शानू उर्फ समसुद्दीन पुत्र फखरुद्दीन निवासी पुरवा थाना पुरवा उन्नाव हाल मुकाम सदर फातीमा मस्जिद थाना कोतवाली रायबरेली को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की है।

सरकारी भूमि पर खड़ी फसल को दबंग ने काटा

गुरसहायगंज (कन्नौज)। विगत दिनों पूर्व शासन के निर्देश पर राजस्व विभाग द्वारा सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया था। जमीन को एडीओ पंचायत के सुपुर्द कर दिया गया था। जिस में खड़ी फसल को दबंग युवक ने काट कर घर में रख लिया। लेखपाल ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम तामियामऊ के क्षेत्रीय लेखपाल कुलदीप द्वारा कोतवाली में दी गई तहरीर में कहा गया है कि विगत 27 अप्रैल को क्षेत्र के ग्राम मौरा स्थित गाटा संख्या 01/0.304 हेक्टेयर भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया था। जिसे एडीओ पंचायत के सुपुर्द किया गया था। जिसमें खड़ी गेहूं की फसल को ग्राम भंवरगाड़ा निवासी माधवराम पुत्र निरंजन लाल ने चोरी से काटकर अपने घर में रख लिया। लेखपाल की तहरीर पर कोतवाली पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सीडीओ ने अधिकारियों को थमाया कारण बताओ नोटिस

संवाददाता। कानपुर देहात

जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी सौम्या पाण्डेय ने कारण बताओं नोटिस जारी करते हुए 'एआरटीओ प्रर्वतन उमांशकर को निर्देशित करते हुए रिपोर्ट मांगी है कि दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर ष्मोरंग लदे ट्रकों से बेहाल हुई अकबरपुर माती रोडष्ए शीर्षक के तहत अकबरपुर माती रोड पर भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगी हैए इसके बावजूद मौरंग से ओवरलोड ट्रक लगातार निकल रहे हैए इसके परिणाम स्वरूप इस मार्ग पर सड़क हादसा होने की सम्भावना सदैव बनी रहती हैए पुलिस कर्मी भी इस काम में लापरवाही बरत रहे है।' उन्होंने निर्देशित किया है कि दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर का संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्यवाही करें तथा उक्त प्रकाशित खबर की जांच अपने स्तर से सम्पन्न कर रिपोर्ट तीन दिन में प्रस्तुत करेंए ताकि सम्बन्धित के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही की जा सकेए उक्त आदेश का क्रियान्वयन तात्कालिक प्रभाव से किया जाना सुनिश्चित किया जा जाये।

इसी प्रकार उन्होंने उप जिलाधिकारी डेरापुर को आदेश जारी करते हुए बताया कि समाचार पत्र में प्रकाशित खबर ष्'नही सुधरेंगे तो कैसे थमेगा संक्रमणए सड़कों पर बेवजह आवाजाही' शीर्षक के तहत इस समाचार पत्र के माध्यम से यह बताया गया है कि झींझक कस्बे में रविवार सुबह से ही बड़ा चौराहा के आस पास दुकानों में खरीददारी करने के लिए भारी संख्या में लोग एकत्र हुएए निश्चित रूप से कोरोना संक्रमण काल में भीड़ का एक जगह एकत्रित होना कोरोना संक्रमण को और बढ़ायेंगाए' साथ ही प्रशासन के ऊपर एक प्रश्न चिन्ह भी खड़ा करेगा। इस सम्बन्ध में निर्देशित किया जाता है कि आप स्वयं और वहां के क्षेत्राधिकारीए थाना प्रभारी के साथ प्रतिदिन कस्बे में भ्रमण कर इस बात को सुनिश्चित करे कि वहां पर किसी तरह की कोई भीड़ एकत्रित न होए शासन द्वारा निर्धारित लाकडाउन का पालन सख्ती से कराया जाये। उक्त कार्यवाही की रिपोर्ट प्रतिदिन उपलब्ध करायी जाये तथा इस आदेश का क्रियान्वयन तात्कालिक प्रभाव से किया जाना सुनिश्चित किया जाये।

इसी प्रकार राजपुर ब्लाक के 'सहायक विकास अधिकारी ;पंचायतद्ध आरके विश्वकर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर ष्गुबार गांव में गन्दगी का अम्बारए बीमारी फैलने की आशंकाएष् सफाईकर्मी के न आने से गलियां गन्दगी से पटीए आवागमन में परेशानीएष्' शीर्षक के तहत इस समाचार पत्र के माध्यम से यह बताया गया है कि राजपुर ब्लाक के गुबार गांव में सफाई कर्मी के न आने से गलियों में गन्दगी का ढेर लगा रहता हैए सड़क पर पानी भरा रहता हैए इससे ग्रामीणों का आवागमन तो बाधित हो ही रहा हैए साथ ही संक्रामक रोक फैलने का खतरा भी इस क्षेत्र में बढ़ गया हैए राजपुर ब्लाक के गुबार गांव के अधिकांश मोहल्लों का यही हाल हैए गांव वालों ने बताया कि यहां पर अक्सर गन्दगी फैली रहती है कोई भी सफाई कर्मचारी यहां पर नही आता। इस सम्बन्ध में उन्होंने निर्देशित किया है कि समाचार पत्र प्रकाशित खबर की जांच अपने स्तर से सम्पन्न करा रिपोर्ट तीन दिन में प्रस्तुत करेंए ताकि सम्बन्धित के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही की जा सकेए उक्त आदेश का क्रियान्वयन तात्कालिक प्रभाव से किया जाना सुनिश्चित किया जाये। उक्त खबर के विषय में जानकारी देते हुए डीपीआरओ अनिल कुमार सिंह ने बताया कि सफाई कर्मचारियों की टीम भेजकर साफसफाई कराई जा रही हैं

वहीं मुख्य विकास अधिकारी ने 'अधिशाषी अभियन्ता विद्युत रनियां दीपक सिंह कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए निर्देशित किया कि प्रकाशित खबर ष्मीटर जलाए 3000 घरों में पानी बाधितएष् तीन दिन से लोग परेशानए है डपंप से भर रहे पानी मुख्य बाजार की टंकी में शार्टसर्किट से हुई दिक्कत' शीर्षक के तहत इस समाचार पत्र के माध्यम से यह बताया गया है कि रनियां नगर पंचायत के मुख्य बाजार में बनी पानी टंकी का विद्युत मीटर फुकने से वहां जल की आपूर्ति बाधित हो गयी है।

ईद त्योहार से पूर्व बाजार में उमड़ी भीड़

गुरसहायगंज (कन्नौज)। मुस्लिम धर्म के प्रमुख त्योहार ईद से पूर्व खरीदारी करने के लिए बाजार में लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जिसके कारण सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं हो सका। जिस पर कस्बा चौकी प्रभारी का पारा चढ गया और लाठियां पटक कर भीड़ को तितर-बितर किया। वहीं दुकानदारों को कोरोना गाइडलाइन का पालन करने की हिदायत दी। सोमवार को प्रदेश शासन द्वारा जारी गाइड लाइन के अनुसार सुबह 6 बजे से लेकर 11 बजे तक जरूरी वस्तुओं की दुकानें खुली। वही ईद पर्व की तैयारियों के लिए मुस्लिम धर्म के लोगों की भारी भीड़ बाजार में उमड़ पड़ी। अधिक भीड़ होने के कारण सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ती दिखाई दी। हमराह सिपाहियों के साथ कस्बा चौकी प्रभारी प्रेम सिंह राजपूत ने गस्त करते हुए दुकानदारों को बिना मास्क के सामान न देने एवं सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करने की हिदायत दी।

सिकन्दरा उपजिलाधिकारी ने पकड़ा फर्जी गेंहू खरीद केंद्र

- जांच में फंसे हाट केंद्र प्रभारी पर मुकदमा

संवाददाता। कानपुर देहात

ग्रामीणों के इस सूचना पर कि ग्राम कसोलर थाना मंगलपुर तहसील सिकन्दरा में गेंहू खरीद का कोई केन्द्र न होने के बावजूद निजीतौर पर कुछ लोग सरकार बोरी मार्का, इलेक्ट्रानिक कांटा आदि माध्यम से अवैध रूप से गेंहू का व्यापार व कालाबाजारी कर रहे है तथा एक ट्रक माल भेजने की तैयारी में है, इस सूचना पर उप जिलाधिकारी आरसी यादव ने थानाध्यक्ष मंगलपुर, तहसीलदार सिकन्दरा, विपणन निरीक्षक मोबिन अहमद को मौके पर भेजकर जांच करवाई और सूचना को सही पायी, ग्राम कसोलर में दिलीप उर्फ लालू, प्रदीप उर्फपिन्टू पुत्रगण राजेन्द्र प्रसाद, महेन्द्र पुत्र वीरेन्द्र बहादुर व सर्वेश दीक्षित पुत्र श्याम प्रकाश व अवनीश कुमार उर्फ लल्लन दीक्षित पुत्र श्याम प्रकाश ने एक मकान के सहन में गेंहू से भरी हुई 152 बोरी (जूट की नई बोरी) मौके पर पायी गयी। मौके पर ही 122 खाली जूट की सरकारी नई बोरी(खाद्य एवं रसद विभाग) जिसमें झींझक का मार्का लगी हुई पायी गयी,झींझक का मार्का बोरी सिलाई मशीन, एक इलेक्ट्रानिक कांटा, एक नग तसला व गेंहू की बोरी के परिवहन हेतु एक ट्रक जिसका नम्बर यूपी 77 एटी 1166 मौके पर पाया गया है, पूछतांछ व जांच से स्पष्ट हुआ कि उपरोक्त दिलीप उर्फ लालू आदि सभी व्यक्ति निवासीगण कसोलर सरकारी गेंहू की बोरियों में गेंहू खरीद वर्ष 2021-22 के सरकारी मार्का का अंकन कर अवैध रूप से गेंहू का व्यापार व कालाबाजारी भी करते थे। उपरोक्त व्यक्तियों के इस कृत से सरकारी कार्य में बाधा व कृषकों के साथ धोखाधड़ी की जा रही थी। उपरोक्त समस्त बरामद वस्तुएं मय ट्रक नम्बर यूपी 77 एटी 1166 जब्त कर थाना मंगलपुर के सुपुर्दगी में दे दिया गया। थाना मंगलपुर में उपरोक्त व्यक्तियों के विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 420,467,468,471 के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करा दी गयी है। इस प्रकरण में विपणन निरीक्षक हाट शाखा झींझक की भूमिका संदिग्ध प्रतीत होती है, ऐसी स्थिति में इनके विरूद्ध जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी द्वारा जांच कर सही स्थिति स्पष्ट करने को कहा गया है।

घाटमपुर में कोरोना का कहर धीमा पड़ा

घाटमपुर। क्षेत्र की तीनों सीएचसियों के चिकित्साधीक्षक की देखरेख में गठित टीमें गांव-गांव जाकर कोरोना वायरस के संदिग्द की जॉंच में जुटी हैं, उधर जैसे-जैसे कोरोना वायरस की जॉंच का दायरा बढ़ता जा रहा है वैसे ही कहर भी थमता नजर आ रहा है। सीएचसी के चिकित्साधीक्षक डा0 कैलाश चंद्रा ने बताया कि आज सीएचसी गेट व गांवों की टीमों द्वारा 255 लोगों की जॉंच की गयी जिसमें 9 संक्रमित पाये गये हैं। संक्रमित मिले सभी को होम आइलोशन के लिये कहा गया है। सीएचसी पतारा में भी आज 213 लोगों की एंटीजन 717 जॉंच की गयी चिकित्साधीक्षक डा0 नीरज सचान ने बताया कि जॉंच में दो गर्भवती महिलाओं सहित 3 संक्रमित पाये गये है, जिनका होम आइलोशन किया गया है। भीतर गांव में गठित जॉंच टीमों ने कई गांव जाकर जॉंच की, जॉंच में गांव निबियाखेड़ा के तीन लोगों सहित 5 संक्रमित मिले।

अनियंत्रित डीसीएम के पलटने से तीन की मौत

संवाददाता। उन्नाव

शादी समारोह में शामिल होकर वापस घर आ रहे बाइक सवार 3 लोगों को सामने से आ रही तेज रफ्तार डी सी एम टक्कर मारते हुए पलट गई जिससे उसके नीचे दबकर तीनों की दर्दनाक मौत हो गयी। स्थानीय लोगों की मदद से जेसीबी द्वारा डीसीएम को हटवाया गया घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। मृतक के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

जिले की पुरवा कोतवाली क्षेत्र के गांव कुड़ेहरी खेड़ा मजरे लंगरपुर निवासी बिंदा प्रसाद पुत्र हुबलाल ;70द्ध अपने नाती शिव कुमार पुत्र अगनू प्रसाद ; 19द्ध राहुल पुत्र राजपाल ; 20द्ध के साथ बाइक से क्षेत्र के ही गांव भूपतिपुर रिश्तेदारी में अन्य परिजनों के साथ शादी समारोह में शामिल होने गए थे। वहां से वापस घर आते समय बीती देर रात्रि लंगरपुर चौराहे के समीप सड़क किनारे फुटपाथ पर खड़े होकर अन्य परिजनों के आने का इंतजार कर ही रहे थेए तभी सामने से तेज रफ्तार से आ रही डीसीएम टक्कर मारते हुए अनियंत्रित होकर बाइक सवारों के पर पलट गयी। जिससे उसके नीचे दबकर तीनों की दर्दनाक मौत हो गयी। पीछे से आ रहे अन्य परिजनों ने हादसा देख मदद के लिए लोगों को पुकारा जिस पर पास के गांव ऊंचगांव किला व लंगपुर चौराहे पर मौजूद लोगों ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी बुलवा डीसीएम को हटवाया। डीसीएम के हटने तक तीनों की मौत हो चुकी थी।

कन्टेनमेन्ट जोन को प्रभावशाली बनाने के निर्देश

उन्नाव। जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार की अध्यक्षता सम्पन्न हुई टीम 09 की बैठक में सीएमओ को हॉटस्पाट एरिया हेतु कड़े निर्देश देते हुये कहा हॉटस्पाट प्रॉपर तरीके से बनवाये जायें। सभी टीमें पूरी तत्परता के साथ कार्य करें। सर्विलांस एक्टिविटी सुचारू रूप से की जायें। जिस एरिया में पॉजिटिव केस पाये जायें उस एरिया को हॉटस्पाट चिन्हित करते हुये सेनिटाईजेशन का कार्य प्रभावपूर्ण तरीके से कराया जाय। बैठक में सीएमओ डॉ आशुतोष कुमार से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने हेतु निद्रेशित करते हुए कहा गया सीएचसी बांगरमऊए मौरावां के चिकित्सा प्रभारियों से बात कर ऑक्सीजन सिलेन्डर सहित 10.10 बेड की व्यवस्था सुनिश्चित करायें। सीडीओ सरनीत कौर ब्रोका को निगरानी समितियों को एक्टिव रखते हुये अपना कार्य करने को कहा।

प्रभारी कोतवाल ने पीस कमेटी की बैठक में दिए निर्देश

गुरसहायगंज (कन्नौज)। कोतवाली परिसर में ईद त्यौहार से पूर्व पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें प्रभारी कोतवाल जितेन्द्र पाल सिंह ने मौजूद लोगों को कोरोना गाइडलाइन के अनुपालन का पाठ पढ़ाते हुए कहा कि नागरिक घरों में रहकर ईद का पर्व मनाए। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर सोमवार को स्थानीय कोतवाली में आयोजित पीस कमेटी की बैठक में प्रभारी कोतवाल जितेन्द्र पाल सिंह ने मुस्लिम धर्म के लोगों के सुझाव सुनने के उपरांत कहा कि ईद का त्यौहार आपसी सामंजस्य के साथ घरों में रह कर मनाएं। कहा कि कोरोना संक्रमण के प्रकोप के कारण प्रदेश शासन द्वारा नागरिकों के हित के लिए जारी किए गए। लाक डाउन का पूर्णतया पालन कर अपना एवं अपने परिजनों का जीवन सुरक्षित करें।

सपा में दो फाड़ः सभी कर रहे जीत का दावा

संवाददाता। फर्रुखाबाद

जिला पंचायत अध्यक्षी का चुनाव जीतने के लिए दावेदारों ने जोड़तोड़ शुरु कर दी है। तीन दिन पूर्व सुबोध यादव ने जिलाध्यक्ष नदीम फारुकी के समक्ष अपना आवेदन जमा कर 23 सदस्यों के साथ होने की दावेदारी मीडिया को बतायी थी। वहीं सपा नेता सचिन सिंह यादव ने पत्रकार वार्ता में बहुमत पूरा होने की बात कही और कम्पिल चजेयरमैन उदयपाल यादव ने 22 सदस्यों का साथ होने का दावा किया।

दावा करने में भाजपा जिला पंचायत अध्यक्ष पद के दावेदार कुंवरजीत सिंह राजपूत भी पीछे नहीं हैं। उन्होंने भी भाजपा जिलाध्यक्ष रुपेश गुप्ता के समक्ष अपना आवेदन कर 19 सदस्य साथ होने का दावा किया। किसके पास कितने सदस्य हैं। यह पता नहीं। सपा समर्थित सदस्य सबसे ज्यादा समाजवादी पार्टी के जीते हैं। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष 15 सदस्य जीतने की बात कर रहे हैंए वहीं भाजपा के चारए बसपा के तीन के अलावा निर्दलियों की बहुमत रही। जिला पंचायत अध्यक्षी निर्दलियों के पाले में हैँ। जिस ओर निर्दलीय झुकेंगेए वही जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठेगा। दावेदारों ने जोड़तोड़ कर सदस्यों से वोट मांगने शुरु कर दिये हैं और बड़े.बड़े ऑफर भी दिये जा रहे हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष किसको अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार घोषित करेंगेए तभी सभी पत्ते खुल पायेंगे। वैसे सुबोध यादव जोड़तोड़ में लग गये हैं। ताहिर हुसैन सिद्दीकी अपनी पुत्रवधू ताहिरा सिद्दीकी को अध्यक्ष बनाने के लिए तैयारी कर रहे हैं।

डीएम ने कंटेनमेंट जोन एरिया का किया निरीक्षण

उन्नाव। जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार व पुलिस अधीक्षक आनंद कुलकर्णी द्वारा जनपद के मोहल्ला आदर्श नगर एवं आवास विकास कॉलोनी के कंटेनमेंट जोन एरिया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि किसी प्रकार की कोई साफ सफाई नहीं हुई थी और न ही सैनिटाईजेशन का कार्य कराया गया। डब्ल्यू0एच0ओ0 के प्रतिनिधि एवं आशा कार्यकृत्री द्वारा बताया गया कि अधिकांश कंटेनमेंट जोन में सैनिटाईजेशन का कार्य नहीं किया जा रहा हैए जिस पर जिलाधिकारी ने आपत्ति जताई। आवास विकास कॉलोनी में निरीक्षण के दौरान वहां पर भी साफ सफाई की व्यवस्था उचित नहीं पाई गई। मोहल्ले के लोगों से पूछे जाने पर बताया गया कि अभी सर्विलांस एक्टिविटी नहीं हुई है।

कोरोना संक्रमण से हुई सीवीओ की मौत

संवाददाता। फतेहपुर

प्रदेश में बढ़ते कोरोना के मामलों में मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है जिसमें अधिकतर फ्रंटलाइन वर्कर भी शामिल हैं। जनपद के मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ0 राजेन्द्र शर्मा का कोरोना संक्रमण के चलते सुबह निधन हो गया। बताया जा रहा है कि 17 अप्रैल को उनको बुखार खासी हुई थी। 19 अप्रैल को जब कोविड एंटीजेन टेस्ट किया गया तो उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।

डॉ0 पीएन शुक्ला ने बताया कि 19 अप्रैल को एंटीजेन टेस्ट के बाद उनको सांस लेने में तकलीफ हो गई थी। किसी तरह पकड़ कर उनको गाड़ी में बैठाया गया और वो यहां से नोयडा अपने घर चले गए थे लेकिन जब तकलीफज्यादा हुई तो जयपुर में एडमिट हो गए। जहां उनका ऑक्सीजन लेवल हमेशा कम रहा जिसको अंततः वो सारी सुविधाओं के बावजूद मेंटेन नहीं कर सके। बताया कि डॉ0 शर्मा मूलरूप से मथुरा के रहने वाले थे लेकिन नोयडा में वो फ्लैट लेकर रह रहे थे। उनकी पत्नी विनीता शर्मा प्रदेश में शिक्षा विभाग में निदेशक रहीं जो सितंबर 2020 को रिटायर हो चुकी है। वे सितंबर 2021 में रिटायर्ड होने वाले थे।

इस घटना के बाद पशुधन विभाग में शोक की लहर है और नाराजगी भी है। डॉ0 अनिल ने बताया कि पूरे प्रदेश में अब तक 25 डॉक्टरों की मौत कोरोनो संक्रमण से हो चुकी है। फ्रंटलाइन वर्कर में शामिल होने के बाद भी विभाग में किसी का भी सार्वजनिक वैक्सीनेशन नहीं कराया गया है। उनकी ओपीडी को अभी भी शुरू रखा गया है जबकि ऑन कॉल काम करना चाहते हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। फोनः (0522) 4036600 फैक्सः 2346443/2345582

कोरोना से उबरने के करें सभी उपाय

- मंडलीय समीक्षा बैठक में सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दिए निर्देश और जनप्रतिनिधियों से की अपील
- बोले-प्रदेश मे तीन सौ ऑक्सीजन प्लांट का निर्माण को रहा है

संवाददाता। अयोध्या

कोरोना की दूसरी लहर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भगवान श्री राम की जन्म स्थली अयोध्या पहुंचे और अयोध्या मंडल के सभी जिलो की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि कोरोना वायरस के संक्रमण से उबरने के लिए सभी उपाय किए जाय। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगभग 3 बजे अयोध्या एयरपोर्ट पहुंची और वहां से सीधे विकास भवन में कोविड कमांड कंट्रोल रूम का निरीक्षण करने के बाद कलेक्ट्रेट सभागार में पहुंचे जहां मंडलीय समीक्षा बैठक कि जिसमें मंडल के पांचो जिलों के कोविड स्वास्थ्य संबंधित ली। समीक्षा बैठक में अधिकारियों के साथ जनप्रतिनिधियों ने भी भाग गया।

कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर से बेहाल उत्तर प्रदेश को बचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार जिलों का दौरा कर रहे हैं। मुरादाबादए बरेलीए लखनऊए वाराणसीए गोरखपुर के बाद उन्होने अयोध्या का दौरा किया जहां उन्होंने कोरोना वायरस से लड़ने के लिए चिकित्सा संबंधी इंतजामों का जायजा लिया। अफसरों के साथ बैठक कर उन्होंने दूसरी लहर से निपटने के लिए दिशा.निर्देश भी दिए अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऐसी आशंका जताई जा रही थी कि पंचायत चुनाव के बाद गांवों के हालात बिगड़ेंगे। 29 मई को चुनाव संपन्न हुएए 2 और 3 मई को मतगणना के काम हुए और इसके बाद 5 मई से सरकार ने अभियान शुरू कर दिया। सर्विलांस कमिटियों को गांवों में भेजा गया और जिन पर भी संदेह हुआ उनकी जांच की गई। यह अभियान एक सप्ताह से चल रहा है। सीएम ने कहा कि दूसरी लहर ने अचानक ऑक्सीजन की कमी की नई चुनौती पैदा कर दी। अयोध्या के लिए ऑक्सीजन की सप्लाई की गई। यहां से नजदीक के जिलों में भी ऑक्सीजन की आपूर्ति की गई। कहा कि केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने इसके लिए स्पेशल ट्रेनें चलाईं। ऑक्सीजन एक्सप्रेस पटरियों पर दौड़ रही हैंए एयरफोर्स के बड़े एयरक्राफ्ट के जरिए टैंकर्स भेजे जा रहे हैं। इसके साथ.साथ ऑक्सीजन प्लांट भी स्थापित किए जा रहे हैं। प्रदेश में 300 ऑक्सीजन प्लांट के निर्माण का कार्य चल रहा है। सीएम ने कहा कि हमने सभी जिलों को ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर्स उपलब्ध कराए हैं।

कोविड संक्रमित को एमसीएच टांडा में भर्ती कराने के निर्देश

- डीएम ने कहा, प्रतिदिन कम से कम दो बार मरीज का हाल लें चिकित्सक

टीम-9 के साथ बैठक करते जिलाधिकारी

अम्बेडकरनगर। कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु गठित टीम -9 की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में की गई। जिलाधिकारी ने प्रत्येक बिंदुओं पर गहनता से समीक्षा करते हुए सरकारी व निजी चिकित्सालयों में आईसीयू, ऑक्सीजन युक्त बेड्स की उपलब्धता के बारे में पूछा तो अध्यक्ष ध्सदस्य द्वारा अवगत कराया गया कि पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन युक्त बेड्स उपलब्ध हैं। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश देते हुए कहा कि तज-चबत जांच के उपरांत कोरोना पॉजिटिव केस को एमसीएच टांडा में भर्ती कराएं तथा मरीज के गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में भर्ती कराया जाए। उन्होंने अस्पतालों के अधीक्षकों को निर्देश देते हुए कहा कि डॉक्टर प्रतिदिन दो बार मरीजों का हालचाल पूछे। यदि एमसीएच टांडा तथा मेडिकल कॉलेज सदरपुर में बेड खाली है तो मरीज को भर्ती कराया जाए , मना न किया जाए। प्रतिदिन सुबह -शाम अस्पताल की साफ-सफाई कराया जाए। इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल रूम से मरीजों के पास फोन करके उनका हालचाल पूछा जाए। यदि मरीज को कोई दिक्कत है तो उसकी सूचना चिकित्सक को अवश्य बताया जाए तथा शाम के समय मरीज का फीडबैक लिया जाए कि मरीज के पास उपचार हेतु सामग्री पहुंची कि नहीं । इन सभी डिटेल को एक रजिस्टर में नोट किया जाए ।तज-चबत की जांच प्रतिदिन 1000 से कम नहीं होना चाहिए ।नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निगरानी समितियों को सक्रिय किया जाए और अध्यक्षध् सदस्य द्वारा प्रतिदिन उनकी समीक्षा किया जाए ।

निगरानी समितियों को पल्स आक्सीमीटर, थर्मल स्कैनिंग व सैनिटाइजर अवश्य उपलब्ध कराएं: डीएम

- मेडिकल कालेज व एमसीएच विंग में तैनात होंगे मजिस्ट्रेट
- प्रतिदिन 1000 लोगो की हो आरटीपीसीआर जांच

समीक्षा बैठक करते डीएम

अम्बेडकरनगर। कोविड-19 संक्रमण के मामलों में हो रहे वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए ग्रामीण शहरी क्षेत्रों में संक्रमण की रोकथाम हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आहूत की गई। डीएम ने सीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि तजचबत की जांच का लक्ष्य बढ़ाया जाए। प्रतिदिन कम से कम 1000 लोगों की जांच कराना सुनिश्चित करें। ग्रामीण/शहरी क्षेत्रों में गठित निगरानी टीम में आशा/आंगनबाड़ी कार्यकर्ती के अलावा एएनएम को भी शामिल किया जाए। सभी निगरानी समितियों को जांच हेतु पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मल स्कैनिंग ,सैनिटाइजर अवश्य उपलब्ध होना चाहिए। किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। डीएम ने एडीएम को निर्देश देते हुए कहा कि मेडिकल कालेज तथा एमसीएच विंग टांडा में 24 घंटे मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाया जाए जिससे कोरोना पॉजिटिव मरीज भर्ती के लिए वहां जाए तो उनकी भर्ती आसानी से हो जाए। सीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि सभी अस्पतालों में स्टाफ बढ़ाया जाय तथा अस्पताल की साफ-सफाई में कोई लापरवाही न बरती जाए। प्रतिदिन अस्पताल में डॉक्टर मरीजों की देखरेख करते हुए उनका हालचाल पूछे जिससे मरीजों को कोई परेशानी न हो। सीएमओ/ सीएमएस को निर्देश देते हुए कहा कि अस्पताल में मेडिसिन किट पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहना चाहिए। इसकी उपलब्धता को बनाए रखने के लिए पहले से ही मांग करते रहे।होम आइसोलेशन मरीजों को कोविड-19 कंट्रोल रूम से उनके स्वास्थ्य के बारे में फीड बैक लेते रहें जिससे मरीजों को कोई दिक्कत न होने पाए।

अवैध खनन में लगी जेसीबी मशीन और दो ट्रैक्टर पुलिस ने किए सीज

पायनियर समाचार सेवा। नैनी

औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने सोमवार को अवैध खनन एवं परिवहन के साथ ओवरलोडिंग के विरुद्ध अभियान चलाया। इस दौरान ओवरलोड बालू एवं मिट्टी लगे दो ट्रैक्टर और खनन कार्य में लगी एक जेसीबी मशीन को पकड़ा। इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि डेज मेडिकल के समीप से यह गिरफ्तारी की गई। मौके से खनन कार्य कराने वाले और ट्रैक्टर चलाने वाले भाग निकले। तीनों वाहनों को सीज कर दिया गया है।

कार्रवाई के दौरान जमकर कटे चालान

नैनी। प्रयागराज तहसील कर्मियों के संग सेक्टर मजिस्ट्रेट ने नैनी बाजार स्टेशन रोड पर सोमवार शाम कोविड महामारी अधिनियम के तहत फलों के ठेलों व अन्य दुकानों पर जाकर जांच की। इस दौरान बिना मास्क लगाए सामान बेचने के आरोप में तीन फल विक्रेता व हनुमान नगर स्टेशन रोड पर दो दुकानदारों का चालान काट दिया। सेक्टर मजिस्ट्रेट की इस कार्यवाही के दौरान चालान काटने को लेकर गहमागहमी भी हुई। व्यापार मण्डल नैनी के अध्यक्ष राकेश जायसवाल ने मजिस्ट्रेट से वार्ता कर चालान की धनराशि में छूट दिलाई। फल विक्रेताओं से एक हजार रुपये शुल्क वसूला गया। जबकि हनुमान नगर के दुकानदारों से एक एक हजार रुपये वसूले गये।

पांच देसी बम के साथ एक गिरफ्तार

नैनी। इलाकाई पुलिस ने सोमवार सुबह गश्त के दौरान एफसीआई गोदाम के पीछे मजार के पास एक युवक को 5 अदद देसी बम के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह तकरीबन 10.30 बजे गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर नैनी पुलिस ने एफसीआई गोदाम के पीछे मजार के पास से एक युवक को संदिग्ध पकड़ लिया।

तलाशी के दौरान उसके कब्जे से पांच अदद देसी बम बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम राज गौड पुत्र स्वर्गीय संतोष कुमार गौड़ निवासी मुंडी चक नैनी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ धारा 4/5 बम निरोधक अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त को जेल भेज दिया।

क्विक न्यूज

यूपी बोर्ड के अपर सचिव शिव प्रकाश द्विवेदी का निधन

प्रयागराज। यूपी बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय प्रयागराज के अपर सचिव शिव प्रकाश द्विवेदी का आज सोमवार हृदय गति रुक जाने से निधन हो गया। वह 52 वर्ष के थे। वह अप्रैल माह में कोरोना पॉजिटिव आये थे। जहाँ कई दिनों से उनका इलाज चल रहा था। ठीक होने के बाद वह अस्पताल से घर आ गए थे। जहाँ आज दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। श्री द्विवेदी के असामयिक निधन से शिक्षा जगत के साथ साथ विभिन्न सांस्कृतिक धार्मिक एवं आधायत्मिक संगठनों में शोक की लहर है। शिक्षक नेता और अटेवा के प्रदेश उपाध्यक्ष डा हरिप्रकाश यादव डा शैलेश कुमार पाण्डेय राम अवतार गुप्ता हरिश्याम मानव शिक्षा शोध एवं अनुसंधान संस्थान के सचिव राजीव मिश्रा प्रधानाचार्य अमिता मिश्रा पंकज दीक्षित सहित अन्य लोगों ने स्व द्विवेदी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कुशल प्रशासक और सभी की मदद करने वाला बताया। समाजसेवी फूलचंद्र दुबे ने श्री द्विवेदी को एक लोकप्रिय व्यक्तित्व वाला अधिकारी बताया। जिनके निधन से आज हर वर्ग क्षेत्र के लोग दुखी हैं। इनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि बहुत ही सारगर्भित एवं सांस्कृतिक सम्पन्न है। इनसे जो भी एक बार मिलता था वह इनका मुरीद बन जाता था। शोक सभा में सुधीर द्विवेदी राम जी शुक्ल देव व्रत साहा अमित तिवारी शाण्डिल्य जितेंद्र त्रिपाठी बजरंग बली गिरी राकेश मिश्रा डा बी के सिंहए कमलेश दुबे श्याम सूरत पांडेय जितेंद्र तिवारी दुकानजी राम बाबू तिवारी गुड्डू शास्त्री सी पी सिंह सत्यप्रकाश पाण्डेय आदि ने दो मिनट का मौन रखकर मृत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

फाइल फोटो शिव प्रकाश

भयानक रूप ले रहा कोरोना वायरस

प्रयागराज। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण में इन दिनों पूरे देश में तहलका मचा रखा है। अब तक लाखों लोगों की जान जा चुकी है। जबकि लाखों लोग इससे संक्रमित भी हैं। इसमें किसी भी प्रकार का जश्न नही मनाया गया। हम सभी के पास मदर इंडिया भी हैं। जिनका हम अधिक उल्लेख नहीं करते हैं। उन्हें हमारे समर्थन की आवश्यकता है। इसलिए चलो उनकी मदद करें और उनके लिए प्रार्थना करें। कुमकुम भाग्य में रिया की भूमिका निभाने वाली पूजा बनर्जी ने खुलासा किया कि कोरोना महामारी के कारण किसी भी किसी तरह का जश्न मनाना अजीब लगता है। अब और इसलिए मदर्स डे के लिए कुछ खास नहीं करेंगी। मेरी अपनी मां हैं पूर्णिमा बैनर्जी मार्गदर्शक शक्ति रही हैं और उन्होंने मेरा साथ दिया। मुझे जीवन भर आगे बढ़ने में मदद की। मेरी सास राजेश सेजवाल भी मां हैं। जिन्होंने मुझे अपनी बेटी की तरह चाहा है। कोरोना महामारी को लेकर अब किसी भी प्रकार का कार्यक्रम आयोजित नही हुआ। बता दें कि महामारी में मेडिकल के क्षेत्र में कई तरह के नए नए प्रयोग किये गए हैं। तमाम कोशिशों और मास्क सेनेटाइजर और दूरी के बाद भी कोरोना भयानक रूप ले रहा है। तीसरी लहर आने के संकेत के साथ इसकी भी तैयारी शुरू की गई है।

गांजे के साथ दो युवक गिरफ्तार

मिल्कीपुर अयोध्या। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेष कुमार पाण्डेय के दिशा दृ निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत इनायत नगर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लग गई है। प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान दो युवकों के कब्जे से अवैध गांजा बरामद कर लिया है प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार ने पकड़े गए दोनों युवकों के विरुद्ध मुकदमा कायम कर जेल भेज दिया है। सोमवार को इनायत नगर थाने के उपनिरीक्षक मनोज कुमार प्रजापति मय हमराही सिपाहियों राघवेन्द्र कुमार एवं सुशील के साथ वाहन चेकिंग कर रहे थे इसी दौरान सहुलारा तिराहा से आगे ग्राम ईटगाँव मोड़ के पास दो संदिग्ध युवक पुलिस के हत्थे चढ़ गए। दोनों युवकों ने पुलिसिया पूछताछ में अपना नाम मनीष कुमार पुत्र राम हरख कोरी निवासी धौराहरा पूरे शुकुल एवं लवकुश कोरी पुत्र लक्ष्मण कोरी निवासी चिरौली थाना खंडासा बताया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से करीब 950 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पकड़े गए दोनों युवकों को पुलिस टीम थाने ले आई जहां प्रभारी निरीक्षक राहुल कुमार ने उनके विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर दोनों युवकों को जेल भेज दिया है।

माँ की उखड़ रही थीं सांसें और बेटा भटक रहा था सिलेंडर लेकर

- प्रशासन के तुगलकी फरमान के कारण घरेलू मरीजों को नहीं मिल पा रहा ऑक्सीजन

टाण्डा, अम्बेडकरनगर। आक्सीजन के बगैर साँसों की टूटती डोर से एक तरफ मरीज के परिजन हलकान हैं तो वहीं दूसरी तरफ प्रशासन के तुगलकी फरमान के कारण घरेलू मरीजों को ऑक्सीजन मिलने में लाले पड़ गए हैं। मामला जिले के एक मात्र ऑक्सीजन रिफलिंग सेंटर विश्वकर्मा ऑक्सीजन डिस्ट्रीब्यूटर टाण्डा से जुड़ा हुआ है, जिसे कोरोना महामारी से बचाव को दृष्टिगत रखते हुए जिला प्रशासन ने अपने कब्जे में लेकर पुलिस और राजस्व कर्मियों की देख रेख में ऑक्सीजन सिलेंडर के रिफलिंग का कार्य करवा रही है।

कुछ दिन तो यह व्यवस्था सुचारू रूप से चली और अम्बेडकर नगर ही नही बल्कि आसपास के कई जिलों बस्ती, सुल्तानपुर, अयोध्या, जौनपुर और आजम गढ़ को भी यहां से ऑक्सीजन की सप्लाई दिया जाने लगा। तमाम ऐसे मरीज जिनकी किसी भी कोविडसेन्टर पर भर्ती नही हो सकी,उनका इलाज लोग घर पर ही रख कर करा रहे हैं। घर पर इलाज कराने वाले मरीजों की संख्या जिले में ही काफी है, जिनके सांसो की डोर इसी ऑक्सीजन पर ही टिक हुआ है। कई मामले में तो इधर आक्सीजन खत्म और उधर सांसों की डोर टूट गई। इन सबको देखते हुए प्रदेश सरकार ने मरीज के पर्चे पर डॉक्टर के सुझाव के बाद सभी को ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। विश्वकर्मा ऑक्सीजन डिस्ट्रीब्यूटर से लगभग सभी को थोड़ी परेशानी,थोड़ी आसानी से सिलेंडर मिल भी जाता रहा है, लेकिन स्थानीय प्रशासन बिना यह समझे रविवार को किसी भी व्यक्ति को ऑक्सीजन सिलेंडर के रिफलिंग से रोक लगवा दिया कि अब जो स्टॉक है, वह केवल मेडिकल कालेज के लिए है। ऐसे में हाहाकार मचना तय था, सो मचा भी, लेकिन आम नागरिकों की परेशानी पर स्थानीय प्रशासन के कानों पर जूं तक नही रेंगा।

प्रशासन के इस तुगलकी फरमान के बाद वहां मौजूद पुलिस और राजस्व कर्मी कई घंटो से लाइन में खड़े लोगों को सिलेंडर न मिल पाने का हवाला देकर भगाने का भी प्रयास किया, लेकिन ये बेचारे कहाँ भाग कर जाते, उनके किसी प्रियजन की सांस जो इसी सिलेंडर की आस में अटकी पड़ी थी। ऐसा ही किछौछा निवासी आतिफ नाम का एक युवक रविवार की रात 12 बजे से ही लाइन में लगा रहा। उसे उम्मीद थी कि सुबह उसे सिलेंडर मिल जाएगा और उसकी माँ रजिया की उखड़ी सांसे ठीक हो जाएंगी, लेकिन सुबह होते ही उसकी पर्ची काटने से मना कर दिया गया। शाम को तीन बजे तक वह जिम्मेदार लोगों के सामने गिड़गिड़ाता रहा और भूख प्यास से व्याकुल बदहवासी की हालत में घूमता रहा, लेकिन उसकी किसी ने नही सुनी, जबकि तमाम प्राइवेट लक्जरी गाड़ियों से कई सिलेंडर कई गणमान्य लोग दूसरे गेट से लेकर जाते नजर आए। कुछ लोगों ने इसकी शिकायत एसडीएम टाण्डा अभिषेक पाठक से की तो वे एक काउंटर तहसील में खोलकर वहां से टोकन व्यवस्था लागू कर दी। अब सवाल यह उठता है कि महामारी में जिसे ऑक्सीजन चाहिए पहिले वह तहसील के चक्कर लगाए, वहां के बाबू को संतुष्ट करे।

एनसीआर को मिलेंगे दस ऑक्सीजन कनसंट्रेटर

- केंद्रीय अस्पताल प्रयागराज को मिलेंगे 5 ऑक्सीजन कनसंट्रेटर

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे को शकूरबस्ती स्टोर्स डिपो से 10 लीटर क्षमता के 10 ऑक्सीजन कनसंट्रेटर मिलेंगे। मिशन ऑक्सीजन के तहत एक पहल के रूप में प्लासेर इंडिया लि. ने अपनी कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉनसिबिलटी के हिस्से के रूप में शकूरबस्ती रेलवे स्टोर्स डिपो को 70 ऑक्सीजन कनसंट्रेटर प्रदान किए है। केंद्रीय अस्पताल प्रयागराज और झाँसी में कोविड अवसंरचना को मजबूत करने के अपने प्रयासों के क्रम में महाप्रबंधक उमरे वी के त्रिपाठी ने रेलवे बोर्ड से मांग की थी। 10 ऑक्सीजन कनसंट्रेटर को उत्तर मध्य रेलवे के लिए आवंटित किया। प्रयागराज में महामारी से संघर्ष में केंद्रीय रेलवे अस्पताल उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। केंद्रीय अस्पताल प्रयागराज और मंडलीय चिकित्सालय झांसी दोनों को कोविड रोगियों के लिए लेवल टू अस्पतालों के रूप में नामित किया गया है। अस्पताल रेलवे के साथ साथ गैर रेलवे रोगियों को कोविड संक्रमण के संबंध में चिकित्सा सुविधा प्रदान कर रहे हैं। उमरे के प्रधान मुख्य चिकित्सा निदेशक डा आनंद टंडन ने बताया कि वह रेलवे बोर्ड के संपर्क में हैं। इन ऑक्सीजन कनसंट्रेटर को 11 मई को अस्पताल में दे दिया जाएगा। दस ऑक्सीजन कनसंट्रेटर रेलवे अस्पताल झांसी और प्रयागराज प्रत्येक को पांच पांच समान रूप से उपलब्ध कराए जाएंगे। ऑक्सीजन कनसंट्रेटर की स्थापना के साथ कोरोना के खिलाफ उत्तर मध्य रेलवे की लड़ाई को नई मजबूती मिलेगी। पीसीएमडी डा आनंद टंडन ने बताया कि उत्तर मध्य रेलवे कोविड के खिलाफ स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहा है।

अधिवक्ताओं की मदद को सीएम से गुहार

प्रयागराज। कोरोना संक्रमण काल में अदालत की कार्रवाई धीमी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट और अधीनस्थ न्यायालयों में सिर्फ जरूरी मामलों की सुनवाई हो रही है। कोर्ट का काम ठीक से न चलने से वकीलों की आर्थिक स्थिति खराब होने लगी है। कोरोना संक्रमित वकीलों की संख्या निरंतर बढ़ रही है। केवल हाईकोर्ट के करीब सौ वकीलों की मृत्यु हो चुकी है। पीड़ितों की संख्या भी सैकड़ों में है लेकिन उन्हें उचित इलाज नहीं मिल रहा है। इसके मद्देनजर वकीलों ने मुख्यमंत्री से आर्थिक व चिकित्सकीय मदद देने की दिशा में शीघ्र कदम उठाने की मांग की है।

हाईकोर्ट बार एसो. के पूर्व अध्यक्ष राधाकांत ओझा का कहना है कि कोरोना महामारी में वकील ज्यादा प्रभावित हैं। नए व बुजुर्ग वकीलों की दशा खराब है। हाईकोर्ट राज्य सरकार यूपी बार काउंसिल और हाईकोर्ट बार एसो. मिलकर वकीलों को आर्थिक मदद मुहैया कराने की दिशा में शीघ्र उचित कार्रवाई करें। यूपी बार काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष हरिशंकर सिंह का कहना है कि वकीलों को कम से कम पांच हजार रुपये प्रति माह आर्थिक मदद मिलनी चाहिए। इसके लिए काउंसिल के पदाधिकारी महाधिवक्ता से वार्ता करके उचित कार्रवाई कराएं। हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एसके गर्ग व आदर्श अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष शरद चंद्र मिश्र ने कहा कि सीएम जैसे हर वर्ग के लोगों की चिंता कर रहे हैं। उसी प्रकार जरूरतमंद वकील की मदद करें। वकील किसी संगठन के सदस्य हैं अथवा नहींघ् यह न देखा जाए। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरेंद्रनाथ सिंह ने भी सरकार से वकीलों के हित में फंड जारी करने की वकालत किया है। कहा कि मौजूदा समय वकीलों को आर्थिक मदद की ज्यादा जरूरत है। एसोसिएशन अस्पताल में भर्ती वकीलों व मृतकों के आश्रितों को आर्थिक सहयोग दे रहा है। पैसा सभी के खाते में डलवाया जा रहा है। साथ ही वैक्सीनेशन के लिए मेडिकल कालेज से इतर वकीलों के लिए स्थान तय कराया जा रहा है।

इंजीनियर अमित भास्कर और डॉ. आशीष गुप्ता के निधन पर हुई शोकसभा

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि के आईईटी संस्थान एमसीए विभाग के इंजीनियर अमित भास्कर एवं कम्प्यूटर साइंस के एनपीआईयू में कार्यरत डॉ. आशीष गुप्ता की कोविड.19 संक्रमण से आकस्मिक निधन हो गया। ये कुछ दिनों से संक्रमण की चपेट में थे। इंजीनियर अमित भास्कर विवि के एमसीए विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर 2011 से कार्यरत थे। वे अपने गृह जनपद जौनपुर में कोविड से संक्रमित हो गये थे। इलाज कराने के दौरान आज 10 मईए 2021 को देहांत हो गया। दूसरी ओर 01 मईए 2021 को कम्प्यूटर साइंस के डॉ0 आशीष गुप्ता का अपने गृह जनपद शाहजहांपुर में कोरोना संक्रमण से निधन हो गया। डॉ. गुप्ता 2018 में कम्प्यूटर साइंस विभाग में नेशनल प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेंसन यूनिट में कार्यरत थे। ये दोनों शिक्षक अपने पीछे दो साल की एक बेटी एवं पत्नी को छोड़ गये। आज इनके आकस्मिक निधन की सूचना मिलते ही विवि परिवार शोकाकुल हो गया।

मनोवैज्ञानिक प्रतिरोधक क्षमता के लिए लें भरपूर नींद

- स्वस्थ्य नींद के लिए अपनाने होंगे स्लीप हाईजीन के टिप्स

मनीष द्विवेदी। प्रयागराज

कोविड 19 यानी कोरोना संक्रमण से पूरा देश इस समय संघर्ष कर रहा है। कोरोना संक्रमण शारीरिक दिक्कतों के साथ ही साथ मानसिक रूप से भी लोगों को परेशानी में डाल रहा है। कोरोना के भय के कारण लोग मानसिक तनाव में घिर रहे हैं। कोरोना की लड़ाई में व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता को एक बड़ा हथियार माना जा रहा है। उचित पोषण लेने से लोगों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है लेकिन आज शारीरिक क्षमता के साथ ही साइकोलॉजिकल इम्युनिटी या मनोवैज्ञानिक प्रतिरोधक क्षमता भी बहुत ही आवश्यक है। इसके लिए अच्छी और भरपूर नींद बेहद जरूरी है।

मोतीलाल मंडलीय चिकित्सालय की नैदानिक मनोवैज्ञानिक डा ईशान्य राज कहती हैं कि कोविड 19 के कारण लोग अपने घरों में रहने को मजबूर हैं। रोज़गार के साथ ही भविष्य की चिंता भी लोगों में बढ़ रही है। खासकर कोरोना से किसी भी तरह से प्रभावित लोगों में मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत प्रभाव पड़ा है। चिंता अवसाद और अफवाहों के चलते लोगों की नींद पर भी बहुत असर पड़ रहा है जो चिंता की बात है। क्योंकि नींद शरीर को आराम देने के साथ ही साइकोलॉजिकल इम्युनिटी या मनोवैज्ञानिक प्रतिरोधक क्षमता देने का कार्य भी करती है। इसलिए अच्छी नींद लेना बहुत आवश्यक है। डा ईशान्य राज बताती हैं कि लोगों की नींद पर हुए शोध इस बात को प्रमाणित करते हैं कि रात में छह से आठ घंटे की नींद शरीर के लिए आवश्यक है। पर एक ब्रीफ स्लीप नैप भी सेहत के लिए जरूरी है। दोपहर में या जब हम लंच करते हैं तभी नैप को यूटिलाइज कर सकते हैं। इसका आइडल पीरियड बीस मिनट माना जाता है। फिर भी दिन में तीस मिनट से ज्यादा नहीं सोना चाहिए। ताकि रात की नींद प्रभावित न हो। यह पाया गया है कि नैप लेने वाले लोगों की प्रॉडक्टिविटी और फंक्शनिंग इंप्रूव हो जाती है और मेमोरी बेहतर होती है। वर्क एफिसिएंसी भी बढ़ जाती है। इससे काम करते समय एनर्जी बरकरार रहती है। साथ ही उन्हें ताजगी भी महसूस होती है। बेड पर जाने के समय तक वह चुस्ती फुर्ती महसूस करते हैं।

क्यों है स्वस्थ्य नींद आवश्यक

प्रयागराज। भूख प्यास नींद इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि यह हमारी जैविक कार्यशैली का हिस्सा है। जब जैविक कार्यशैली बिगड़ती है। तो पहले शारीरिक और फिर मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ने लगता है। यह देखा जाता है कि जिस दिन हम अच्छे से नहीं सोते हैं तो दूसरे दिन कुछ करने का मन नहीं करता है। छोटी छोटी बात पर गुस्सा चिड़चिड़ापन काम में मन न लगना आदि परेशानियां होती हैं। इसलिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाये रखना आवश्यक है। पहले लोगों की दिनचर्या निर्धारित थी पर आजकल अधिकतर लोग घर से ही अपने ऑफिस के काम कर रहे हैं। विद्यार्थी बच्चे महिलाएं और वृद्ध सभी घर में ही रहते हैं। इस कारण लोगों की दिनचर्या निर्धारित नहीं रह रही है। जिसकी वजह से भी नींद का समय निश्चित नहीं है। अधिकतर लोग टीवी पर ख़बरें मूवी या वेब सिरीज़ देखने में समय का ध्यान नहीं रखते हैं और रात में देर तक जागते हैं। जो कि गलत है।

बेहतर नींद के लिए अपनाएं स्लीप हाइजीन के टिप्स

- शांत और अँधेरे में सोएं।
- सोने से पहले हल्का खाना खाएं।
- धूम्रपान और शराब का सेवन न करें।
- बिस्तर पर जाने से पहले खुली हवा में थोड़ा टहलें।
- कैफीन युक्त पदार्थ जैसे चाय कॉफ़ी या एनर्जी ड्रिंक से परहेज़ करें।
- आरामदायक मुलायम और बराबर लेवल के बिस्तर पर सोएं।
- सोने के लिए उपयुक्त तापमान का ध्यान भी रखें।
- ज्यादा गर्म या ज्यादा ठण्ड में न सोएं।
- सोने और जागने का समय निश्चित करें और उसका पालन करें।
- सोते समय सिर के पास इलेक्ट्रिकल उपकरण न रखें।
- बिस्तर पर जाने से पहले टीवी न देखें न ही वीडियो गेम खेलें।
- नींद न आने की समस्या पर अधिक ध्यान न दें।
- सोने जाने से पहले दातों को ब्रश करने की आदत डालें।
- चिंता अवसाद और अफवाहों को लेकर लोगों की नींद पर असर पड़ रहा है जो चिंतनीय है। क्योंकि नींद शरीर को आराम देने के साथ ही साइकोलॉजिकल इम्युनिटी या मनोवैज्ञानिक प्रतिरोधक क्षमता देने का कार्य करती है। इसलिए अच्छी नींद लेना बहुत आवश्यक है।

असम का फैसला

सोनोवाल की विदाई

जब भाजपा नेतृत्व ने सर्वानंद सोनोवाल को असम विधानसभा चुनाव के पहले मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं घोषित किया था तो स्पष्ट हो गया था कि इस मुद्दे का फैसला चुनाव के बाद किया जाएगा तथा हिमंत बिश्व शर्मा को मौका मिलने की संभावना थी। सोनोवाल ने मुख्यमंत्री के रूप में सफल सरकार का संचालन किया था, एक भ्रष्टाचार मुक्त सरकार चलाई थी तथा बिना कोई गलती किए अनेक जटिल चुनौतियों का सामना किया था। जब भाजपा के हिंदुत्व समर्थन आधार में आदिवासियों को जोड़ने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले उनके जैसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री पद के उपयुक्त नहीं माना गया तो दीवाल की लिखावट साफ थी। केन्द्रीय नेतृत्व ने चार दिन की वार्ता और विचार-विमर्श की औपचारिकता निभा कर राज्य की कमान ऐसे व्यक्ति को दे दी जो अपने तमाम अनुभवों और वित्तीय शक्ति के बावजूद घोटालों और भ्रष्टाचार में लिप्त रहा है। आखिरकार 2015 में कांग्रेस से पाला बदलने के पहले सीबीआई ने उनके खिलाफ कई भ्रष्टाचार मामलों में जांच की थी। निष्ठा और वैचारिक जुड़ाव को बहुत अधिक महत्व देने का दावा करने वाली भाजपा जैसी पार्टी द्वारा मुख्यमंत्री पद के लिए ऐसे व्यक्ति को पुरस्कृत करना उसके दृष्टिकोण में बड़ा बदलाव है। निसंदेह सोनोवाल एक गैर-विवादास्पद लोकप्रिय व्यक्ति थे जिन्होंने 2016 में भाजपा का चुनाव अभियान चला कर मजबूत कांग्रेस सरकार को उखाड़ दिया था। लेकिन

सेनोवाल को इस बात का खामियाजा भुगतना पड़ा कि वे राजनीतिक रूप से चालाक व हिमंत की तरह जनता में लोकप्रिय नहीं थे।

सोनोवाल के पास दिल्ली में अमित शाह जैसा गाडफादर भी नहीं था। आदिवासी नेता का असम के बाहर प्रभाव भी अधिक नहीं था, जबकि हिमंत ने पूरे पूर्वोत्तर में भाजपा की पकड़ मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। येन-केन-प्रकारेण उन्होंने सुनिश्चित किया था कि भाजपा इस क्षेत्र में प्रमुख शक्ति के रूप में उभरे। असंदिग्ध रूप से जहां सोनोवाल लोकप्रिय आदिवासी नेता थे, वहीं हिमंत एकसाथ अनेक आयामों वाले नेता थे। हिमंत को पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा के शानदार प्रदर्शन का जिम्मेदार माना जाता था और वे सीएए-विरोधी आंदोलन तथा महामारी से निपटने में भी सफल हुए थे। इस बीच सोनोवाल को मोदी सरकार में कैबिनेट पद का प्रस्ताव किया गया है, पर पता चला है कि वे अपने साथ हुए व्यवहार से बहुत दुखी हैं और वे यह प्रस्ताव स्वीकारेंगे या नहीं। उनके अगले कदम पर नजर रहेगी। यदि वे केन्द्र में वापसी के लिए तैयार होते हैं जहां वे असम के मुख्यमंत्री बनने के पहले खेल मंत्री थे तो भाजपा नेतृत्व राहत की सांस लेगा। ऐसा न होने पर वे हिमंत के लिए अनेक आदिवासी समूहों तथा विधायकों का समर्थन प्राप्त करने के मामले में एक मजबूत चुनौती बन सकते हैं। पूर्वोत्तर के प्रभावशाली नेता हिमंत जैसे नेता को 'राहुल गांधी द्वारा मुलाकात के पहले घंटो प्रतीक्षा कराने के अपमान' के कारण कांग्रेस छोड़नी पड़ी थी। इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस की ज्यादातर मुसीबतें स्वयं उसकी पैदा की हुई हैं। हिमंत की पदोन्नति से निसंदेह सोनोवाल को चोट लगी है, पर इससे राहुल गांधी को ज्यादा पीड़ा होगी।

जन-स्वास्थ्य बीमा का पुनरीक्षण जरूरी

अब भारत में नीतिगत चिकित्सकों को वास्तविक चिकित्सकों के साथ समन्वय स्थापित करना होगा जिससे कि ऐसे तीव्र समाधान प्रस्तुत किए जा सकें जो सभी के लिए एक स्वस्थ जगत का निर्माण करने में सक्षम हों।

मोईन काज़ी
(लेखक विकास पेशेवर हैं)

स्वस्थ परिवार स्वस्थ समुदायों की नींव हैं, इस प्रकार, परिवार के लिए अच्छे स्वास्थ्य और विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवा से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ नहीं है। सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी लोग वित्तीय कठिनाई से पीड़ित हुए बिना गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्राप्त करें। सबसे बड़ी चुनौती दुनिया के गरीबों और बीमारों को नुकसान पहुंचाने वाले कई संकटों का मुकाबला करना है। वर्तमान महामारी के कारण हम दबाव की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और स्वास्थ्य संबंधी खर्च अब एक प्रमुख मार्ग बन गया है। भारत ने सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा में एक बड़ी छलांग ली जब उसने प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जेएवाई) और आयुष्मान भारत (एबी) योजना शुरू की। ये देश की प्रमुख संरचनाएं हैं जिन्हें सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा में मदद करने के लिए बनाया गया है ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को कर्ज के जंजाल में फंसे बगैर उचित चिकित्सा देखभाल मिल सके । सरकार की लागत लगभग 1,052 रुपए प्रति परिवार है, जिसका 60 प्रतिशत केंद्र और बाकी राज्यों द्वारा वहन किया जाता है।

हालांकि इस योजना के कई प्रशंसनीय उद्देश्य और उपन्यास विशेषताएं हैं, इसकी सीमाएँ हैं। स्पष्ट रूप से दुर्जेय लाभार्थी आधार होने के बावजूद, एबी-पीएमजेएवाई के पास अभी भी समग्र रोगी देखभाल प्रावधान में एक छोटा सा हिस्सा है। यह अस्पतालों के कम समानीकरण के कारण है, एबी-पीएमजेएवाई लाभों के वितरण के लिए निजी प्रदाताओं की एक सामान्य अनिच्छा, और अस्पतालों के समग्र व्यवसाय में एबी-पीएमजेएवाई का सीमित योगदान। सरकार सार्वजनिक और निजी अस्पतालों को कार्यक्रम के तहत कवर किए गए लोगों के इलाज के लिए निर्धारित दरों का भुगतान करती है और यह निजी क्षेत्र की व्यवहार्यता के साथ फिट नहीं है। सार्वजनिक स्वास्थ्य के वितरण में निजी क्षेत्र को किस प्रकार सह-चुना जा सकता है, यह देखने के लिए नए तरीकों की खोज की जानी चाहिए। उसी समय, सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली - विशेष रूप से ग्रामीण भारत में - को पुन: उत्पन्न करना होगा।

गरीबों के लिए, स्वास्थ्य अक्सर समृद्धि के मार्ग या विनाश में एक स्लाइड के बीच विभाजन रेखा है। मामलों को बदतर बनाने के लिए, आमतौर पर अस्थिर और अनिश्चित आय और गुणवत्ता स्वास्थ्य सेवा की अनुपस्थिति के संयोजन का मतलब है कम आय वाले समुदायों को न केवल स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच की आवश्यकता है, बल्कि इसके लिए भुगतान करने की क्षमता भी है। निजी हेल्थकेयर में भयावह लागत है जो रोगियों की कड़ी मेहनत से अर्जित बचत को काट देती है। नतीजों में स्पिलओवर के परिणाम होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप घरों में भोजन, शिक्षा, आवास और अन्य आवश्यकताओं के लिए कम धन उपलब्ध होता है।

असफल फसल की तुलना में स्वास्थ्य आपातकाल किसानों के लिए एक बड़ा जोखिम है। एक बार जब वे अपनी जमीन / पशुधन बेच देते हैं, तो वे गिरमिटिया मजदूर बन जाते हैं और इसे ठीक करने में एक पीढ़ी या उससे अधिक समय लगता है। भारत के सार्वजनिक अस्पतालों में देखभाल तकनीकी रूप से मुफ्त है। लेकिन वास्तव में देखभाल की खराब गुणवत्ता, मानव संसाधनों और उपकरणों की कमी ने उन्हें अत्यधिक रोगी भार का सामना करने से रोक दिया है। परिणामस्वरूप, बहुत से वंचित भारतीयों को महंगे निजी अस्पतालों में इलाज कराने के लिए मजबूर किया जाता है जो वे बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं, या बस बिना देखभाल के चलते हैं।

न केवल एक स्वास्थ्य प्रकरण में खड़ी चिकित्सा लागत शामिल है, बल्कि आकस्मिक खर्च भी हैं। यह उस अवधि के दौरान आय के नुकसान से आगे बढ़ जाता है जब कोई व्यक्ति बीमार हो या घायल हो या किसी प्रियजन की देखभाल कर रहा हो। बीमा के बिना, लोग अक्सर इन जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए अनौपचारिक साधनों की ओर रुख करते हैं, लेकिन ऐसी रणनीतियां अपर्याप्त सुरक्षा प्रदान करती हैं। इसलिए जब दुर्भाग्य का प्रहार होता है, तो कई कर्ज के जाल में फंस जाते हैं क्योंकि वे अपने साधनों से परे हो जाते हैं। यह उन्हें उत्पादक संपत्ति बेचने, बच्चों को स्कूल से निकालने या उन्हें काम पर रखने, भोजन पर समझौता करने, या अन्य बीमारियों को छोड़ने के लिए ले जा सकता है। इस गतिशील के कारण, एक स्वास्थ्य मुद्दा आसानी से वित्तीय सिंकहोल बन सकता है। स्वास्थ्य बीमा व्यक्तियों के लिए दो प्राथमिक कार्य करता है। सबसे पहले, यह निवारक सेवाओं और / या उपचार दोनों के लिए स्वास्थ्य सेवा के लिए वित्तीय पहुंच को सुरक्षित करता है। दूसरा, यह उन सेवाओं की लागतों को बढ़ाता है, जो संभावित विनाशकारी आर्थिक झटके से बचाते हैं।

भारत में स्वास्थ्य बीमा नीतियां आम तौर पर आउट पेशेंट या अधिवास उपचार को कवर नहीं करती हैं, जहां प्रमुख खर्चों में फार्मेसी बिल, नैदानिक ??और रोग परीक्षण शामिल हैं। कई स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम बीमारी या अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण वेतन हानि को कवर करते हैं, लेकिन कई नहीं करते हैं। इन कवरेज अंतरालों के कारण, यहां तक ??कि बीमित लाभार्थी उच्च अप्रत्यक्ष लागतों को उकसा सकते हैं, खासकर ऐसे मामलों में जिन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, भारत की प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजना, एबी, अस्पताल में भर्ती होने से जुड़ी अप्रत्यक्ष लागतों को पहचानने और क्षतिपूर्ति करने में विफल है - और ये गरीबों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। इनमें अस्पताल और वापस आने-जाने का खर्च शामिल है। इसके अतिरिक्त, अस्पताल में या घर पर रहकर, अस्पताल में भर्ती होने के बाद, मजदूरी का नुकसान होता है। अक्सर, परिवार से देखभाल करने वाले परिचारकों को भी कई दिनों तक मजदूरी करनी पड़ती है और इलाज के लिए उनके पैतृक शहर से दूर ले जाने की स्थिति में उनके ठहरने की व्यवस्था करनी पड़ती है। गरीब परिवार कर्ज ले सकते हैं, उत्पादक संपत्ति बेच सकते हैं या अपने घर भी।

यह एक नकारात्मक प्रतिक्रिया पाश का खतरा है- गरीबी खराब स्वास्थ्य की ओर ले जाती है, जो आगे गरीबी उत्पन्न करती है। वे उपचार से बचने या देरी करने के लिए मजबूर हो सकते हैं, क्योंकि वे अपना वेतन नहीं खो सकते। इसी तरह, जिन्हें लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने की आवश्यकता होती है, वे काम पर वापस जा सकते हैं भले ही वे पूरी तरह से ठीक न हुए हों। खोई हुई आय, अक्सर वित्तीय झटके के सबसे बड़े घटकों में से एक, बीमाधारक के बीच बहुत कम होती है, क्योंकि यह उन्हें जल्द देखभाल करने की अनुमति देता है।

चूंकि महिलाओं की कई चिंताएं आसानी से बीमा योग्य नहीं हैं, जैसे, मातृत्व लागत, एक अधिक प्रासंगिक उत्पाद वह होगा जो बीमा और बचत को जोड़ता है। इस तरह, उदाहरण के लिए, एक महिला अपनी बचत का उपयोग सामान्य प्रसव की लागत, और अप्रत्याशित जटिलताओं की लागत को कवर करने के लिए बीमा का उपयोग कर सकती है। एबी की सफलता का मूल्यांकन करने में, जो मायने रखता है, यहां तक कि लाभार्थियों की गिनती से भी अधिक मायने रखता है, क्या यह लक्ष्य की आबादी में उनकी दैनिक जरूरतों पर आजीविका को प्राथमिकता देने की आवश्यकता को हटाता है। यह आमतौर पर ज्यादातर गरीब परिवारों के लिए होता है, जिनके पास उपचार के दौरान आय समर्थन की कमी होती है।

यह सिर्फ माध्यमिक और तृतीयक देखभाल के बजाय प्राथमिक, दिन-प्रतिदिन स्वास्थ्य सेवा सहित विचार कर सकता है। इसका कारण यह है कि खराब ढंग से वितरित प्राथमिक देखभाल अनिवार्य रूप से लाइन पर माध्यमिक और तृतीयक स्तरों पर स्वास्थ्य और वित्त पर बोझ बढ़ाती है। पारंपरिक चिकित्सा के नर्सों और चिकित्सकों को नई बीमारियों के भयावह रूपों के बारे में जानकारी रखने के लिए पुल पाठ्यक्रम लेना होगा। रोग स्थिर चीजें नहीं हैं। रोगजनक बदलते हैं, मेजबान बदलते हैं और वातावरण बदलते हैं। हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली संक्रमणों को दूर करने के परिणामस्वरूप बदल जाती है। और, ज़ाहिर है, हमारी जीवन शैली बदलती है, सामाजिक मानकों, चिकित्सा प्रणालियों और सार्वजनिक-स्वास्थ्य कार्यक्रमों के रूप में भी।

इस प्रकार, अस्पताल में भर्ती के दौरान वेतन और आकस्मिक खर्चों को शामिल करने के लिए लाभों को बढ़ाना आवश्यक है। यह पहले से ही विशिष्ट तुलनीय योजनाओं का प्रचलन है। इस तरह की योजनाएं, अस्पताल की नकदी, या वेतन हानि लाभ प्रदान करती हैं, जो कि अस्पताल में भर्ती होने के प्रत्येक दिन के लिए परिवहन और मजदूरी हानि के लिए एक निश्चित राशि है। विकासशील देशों में कुछ योजनाएं अस्पताल में भर्ती होने की प्रत्येक रात के लिए लाभार्थी को एक निश्चित राशि प्रदान करती हैं, भले ही वास्तविक खर्चों के बावजूद। इस टॉप-अप कवरेज का उपयोग किसी भी अन्य सामाजिक सुरक्षा योजना के साथ किया जा सकता है, जिसका सदस्य नामांकन कर सकते हैं। कवरेज को बढ़ाने से यह योजना सही मायने में गरीब हो सकती है। और, यह देखते हुए कि यह अतिरिक्त लाभ पूर्व अस्पताल में भर्ती होने पर सशर्त होगा, नैतिक खतरे या अनुचित दावों का कोई जोखिम नहीं है।

सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज केवल तभी एक वास्तविकता बन जाएगी, जब व्यक्तियों, परिवार और समुदाय को अपनी स्वयं की स्वास्थ्य आवश्यकताओं की पहचान करने हेतु सशक्त हों तथा उन बीमारियों को संबोधित करने के लिए कदम उठाएं जो देखभाल की लागत में वृद्धि करते हैं और हमारे स्वास्थ्य प्रणालियों पर बोझ को कम करने में योगदान करते हैं।

वैश्विक महामारियों का चरित्र एवं विभीषिका

प्रफुल्ल गोराड़िया
(लेखक लोकप्रिय स्तम्भकार हैं)

हम सभी जानते हैं कि पूरी दुनिया पर भयानक हमला करने वाली कोरोना पहली वैश्विक महामारी नहीं है। ऐसे में केवल यही उम्मीद की जा सकती है कि यह न देशों को पराजित कर सकेगी और न उनके इतिहास की दिशा मोड़ सकेगी। वैश्विक महामारी से मुकाबला करने में उसकी प्रकृति समझना और यह जानना जरूरी है कि वह कैसे पैदा हुई। बीमारी के केन्द्र में क्या नष्ट करने की आवश्यकता है और उसे कैसे नष्ट किया जाए। हालांकि, चिकित्सा वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने इसका रास्ता निकाल लिया है, पर बीमारी ने भयानक विभीषिका पैदा की है। इस बात से सांत्वना मिलती है कि कोरोना पहली वैश्विक महामारी नहीं है। इसके पहले 11 वैश्विक महामारियां आ चुकी हैं और कोरोना बारहवीं है। जहां तक लिखित इतिहास हमें बताता है, पहली विभीषिका ब्यूबोनिक प्लेग ने पैदा की थी सिकी शुरुआत छठी शताब्दी में मिस्र के एक बंदरगाह से अचानक हुई थी। रिकार्ड में इसे ताऊन कहा गया था और वैश्विक महामारी शब्द की खोज बाद में हुई। प्लेग बहुत व्यापक रूप से फैला था और यह एड्रियाटिक समुद्र पार कांस्टैंटिनोपोल तक पहुंचा तथा इसका विस्तार रोम से लेकर उसके साम्राज्य के पश्चिम तक था। शुरुआती वर्षों से प्लेग को 'ब्लैक डेथ' का नाम दिया गया था।

इसके बाद ब्रिटेन समेत इसका विस्तार पश्चिमी यूरोप में हुआ। संयोग से उस समय कांस्टेंटिनोपोल पर जस्टीनियन साम्राज्य का शासन था। मुझे याद है कि उसे इतिहास में हगिया सोफिया के निर्माता, एक शहर के प्रख्यात वास्तुविद व शताब्दियों तक एक साम्राज्य के निर्माता के रूप में जाना जाता था। तुर्क विजेताओं ने इसमें चार मीनारें जोड़ कर इसे मस्जिद में बदल दिया था तथा कमाल मुस्तफा अतातुर्क ने 1920 के दशक में इसे एक संग्रहालय में बदल दिया था। अभी हाल ही में राष्ट्रपति इर्दोगान ने इसे फिर एक मस्जिद में बदल दिया है। संयोग से जर्मन बोलने वाले क्षेत्रों में यहूदियों पर आरोप लगाया जाता था कि उन्होंने कुंओं के पानी में जहर मिला दिया था। इसके लिए दंड स्वरूप यहूदियों को या तो ईसाई बनने या मौत की सजा का विकल्प दिया गया था। धर्मांतरण न करने वाले यहूदियों को उनके धर्मस्थलों में ले

जाकर सामूहिक रूप से जला दिया गया था। कुछ इतिहासकारों का विश्वास है कि पलेग ने पूर्वी रोमन साम्राज्य को भारी धक्का दिया था जो बीतते समय के साथ और कमजोर हो गया। आश्चर्य नहीं कि उसके बाद आने वाला बैजेंन्टियम मध्य एशिया से आने वाले तुर्कों का मुकाबला नहीं कर सका। तुर्कों ने पहले एंटोलिया और इसके बाद कांस्टैंटिनोपोल पर हमला कर इसका नाम इस्तांबूल कर दिया। इससे पता चलता है कि कोई वैश्विक महामारी कैसे एक सभ्यता का भविष्य बदल सकती है। पूर्वी यूरोपीय रोमन साम्राज्य के अवतार के रूप में ईसाइयत पर तो कोई प्रभाव नहीं पड़ा, पर साम्राज्य नष्ट हो गया। चर्च का मुख्यालय अब भी इस्तांबूल में है जहां जनसंख्या में दो या तीन प्रतिशत ईसाई बचे हैं।

चेचक अगली वैश्विक महामारी थी जो समय-समय पर व एक या दूसरे स्थान पर उभरती रही। लेकिन इसके बावजूद यह व्यापक रूप से भय पैदा करने वाली बीमारी थी और इसे वैश्विक महामारी माना गया। यह दशकों बाद तक लोगों को डराती रही। इसका भय इतना अधिक था कि एशिया के अधिकांश हिस्सों में हर बच्चे का इसके लिए अनिवार्य टीकाकरण कराया जाता था। इस भय के कारण भारत में बीमारी को शीतला माता के रूप में पूजा जाता था और उनके मंदिर बने थे। विशेषज्ञों को आशंका है कि इसकी शुरुआत गायों, ऊंटों या बंदरों से निकलने वाले वायरस से हुई थी। उन उपयोगी जानवरों से वायरस मनुष्यों में उस समय आए जब इनको पालना शुरू हुआ था। माना जाता है कि इस बीमारी की शुरुआत ईसा से 1,100 साल पहले हुई थी क्योंकि इसे मिस्र की कुछ ममियों में पाया गया। नई सहस्त्राब्दी शुरू होने के बाद निकट एक या दो रोमन राजा चेचक से मरे थे। चेचक ने पश्चिमी यूरोप व खासकर स्पेन को भी नहीं छोड़ा। वहां से इसका विस्तार 16वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में लैटिन अमेरिका तक हुआ। प्रकाशित विवरणों के अनुसार इसका स्पैनिश समाधान यह था कि पूरे परिवार के संक्रमित होने के बाद पूरी इमारत को गिरा दिया जाता था और इस प्रकार अनेक लोगों को दफ्न करने से बचा जाता था। कालरा एक और विभीषिका थी जिसका विस्तार मुख्यत: पानी या किसी और द्रव के माध्यम से होता था। विश्वास किया जाता है कि इसका जन्म गंगा के मैदान में हुआ था। यहां से इसका प्रसार सारी दुनिया में हुआ और यह रूस समेत 19वीं शताब्दी के प्रारम्भ में यूरोप तक पहुंच गया। इसके बाद यह बीमारी एटलांटिक समुद्र पार कर अमेरिका पहुंच गई तथा इसका विस्तार पूरे अमेरिका के साथ ही लैटिन अमेरिका में हो गया। कालरा वैश्विक महामारी के स्रोत का पता जर्मन वैज्ञानिकों ने 19वीं शताब्दी के अंत में लगाया था। इस खोज के बावजूद कालरा पूरब में इंडोनेशिया तथा दक्षिण-पश्चिम में कुछ अफ्रीकी देशों तक पहुंच गया। कालरा की विभीषिका फैलने से रोकने के लिए लोगों को केवल संदिग्ध पेय जल से दूर रहना था। पश्चिम में इसे 'ब्लू डेथ' का नाम दिया गया था, हालांकि कोलकाता में डाक्टरों ने इसके पहले लक्षण मल के रंग से पहचाने थे। यदि मल सफेद नहीं होता था तो व्यक्ति को कालरा से संक्रमित नहीं माना जाता था।

कुछ अन्य वैश्विक महामारियों में डिप्थीरिया, टायफायड, पोलियो, खसरा, इन्फ्लुएंजा और यलो फीवर शामिल हैं। कालरा की तरह टायफायड भी जल या द्रव-जनित बीमारी थी। पोलियो, खसरा और इन्फ्लुएंजा वायु-जनित बीमारियां हैं। इनके कारण जीव अलग-अलग हैं। इन्फ्लुएंजा ने प्रथम विश्वयुद्ध के बाद दुनिया के अधिकांश हिस्सों में विभीषिका पैदा की थी। मलेरिया इनमें सबसे अलग है। भारत में इसका कारण एक खास प्रजाति के मच्छर का बार-बार पैदा होना है। संयोग से आधुनिक यूरोपीय इतिहास पढ़ते समय मुझे नैपोलियन बोनापार्ट का एक संदर्भ मिला जिसके हजारों सैनिक 'यलो फीवर' के कारण मर गए थे।

आप की बात

दरगाह या आक्सीजन

राजस्थान सरकार के पास अपने अस्पतालों में आवश्यक आक्सीजन प्लांट लगाने के लिए पैसा नहीं था। पर सहसा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पास चिश्ती दरगाह, अजमेर को देने हेतु 100 करोड़ रुपये निकाल आये। सो वे जाकर चढ़ा आये। किसी मीडिया चैनल ने उनसे सवाल पूछने की जहमत नहीं उठायी कि लोगों की जान प्राणवायु से बचेगी या कब्र के श्रृंगार से। वैसे इस प्रश्न के उत्तर में कांग्रेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि जान तो मंदिर बनाने से भी नहीं बचेगी। वे भूल गए कि मंदिर तो जनता खुद के पैसे से बनवा रही है। खैर, गहलोत जहां से प्रेरणा लेते हैं, उस राजीव गांधी फाउंडेशन ने कितना पैसा कोरोना से लड़ाई में खर्च किया? जवाब है शून्य। और हर साल वह भी करोड़ों रुपया चिश्ती दरगाह को देता रहता है। यदि फाउंडेशन निजी रूप से वित्तपोषित होता तो दरगाह को देने की उसकी मर्जी पर शायद किसी को आपत्ति न होती। किन्तु उसका कोष सरकारी अनुदानों से भरा पड़ा है। यूपीए सरकार और उससे भी पहले नरसिम्हा सरकार के दिनों से हर वर्ष 100 करोड़ अथवा उससे ज्यादा जनता के टैक्स का पैसा फाउंडेशन को प्राप्त होता रहा है। इस समय कोरोना के खिलाफ खर्च करके वह जनता के कर्ज को कुछ उतार सकता था।

– **आस्था गर्ग**, मेरठ

शिक्षा की अर्थव्यवस्था

आज पूरा विश्व गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है।ऐसे में शिक्षण संस्थान और शिक्षा दोनों ही बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।पिछले साल महामारी के बाद से लगे लॉकडाउन ने शिक्षा पद्धति को पूरी तरह बदल दिया।आज लगभग सभी देशों के शैक्षिक संस्थान, विद्यार्थियों के सुरक्षा की दृष्टीकोण से ऑनलाइन माध्यम का रुक अख्तियार किए है।जबकि गौर करने वाली बात यह है कि अभी भी भारत में विद्यार्थियों के दो बुनियादी जरूरतें अधूरी है, जिसका नकारात्मक प्रभाव उनकी शिक्षा पर पड़ रहा है।जिसमें एक तो आर्थिक रूप से अपंग और दूसरा जरूरी संसाधन जैसी डिजिटल मोबाइल, लैपटॉप की कमी। ऑनलाइन शिक्षा के अंतर्गत गूगल क्लासरूम, जूम और क्लाउड एप्लिकेशन के कई सारे विकल्प हैं, लेकिन आज भी भारत की आधी आबादी इंटरनेट का उपयोग नहीं करती।जबकि अन्य देशों के मुकाबले, भारत में काफी सस्ता नेट उपलब्ध है। इन्टरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में सिर्फ छत्तीस फीसद लोग ही इन्टरनेट उपयोग कर रहे। जहां एक ओर लगातार बढ़ रहे संक्रमण के मामले सभी तरह से आय के श्रोत को बंद कर दिये हैं। वही दूसरी ओर खर्च अभी भी उतना ही है।

– **अमन जायसवाल**, दिल्ली विश्वविद्यालय

सेवा के विभिन्न रूप

कोरोना संक्रमित परिवारों को भोजन उपलब्ध कराने हेतु लोग आगे आ रहे है। यह बेहद स्वागतयोग्य है। यही मानवता है। इलाज में अधिक खर्च होने के कारण विभिन्न परिवारों की आर्थिक स्थिति बिगड़ जाने से भोजन की पुनीत समाज सेवा का कार्य कर रहे है।जो कि प्रशंसनीय कार्य है।ठीक उसी तरह समाज सेवी लोग एवं समिति सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर जिन सुविधाओं की आवश्यकता है वहाँ पर आवश्यक सामग्री भेंट कर रहे है।मानवसेवा के ऐसे उदाहरण अब हर गांव, शहरों में देखने को मिल रहे है। कई लोग अस्पताल तक ले जाने में अपनी भूमिका निभा रहे है। सहयोग और समर्पण भाव ने कई पीड़ितों एवं परिजनों के मन को शांति प्रदान कर फिक्र,तनाव को कम किया साथ ही रोग प्रतिरोध शक्ति बढ़ाने वाले अभियान जैसे योग, आर्युवैदिक नुस्खे का मार्गदर्शन दिया। कोरोना गाइड लाइन का पालन, चिकित्सा सुविधा, मानव सेवा आदि से इंसान जल्द संक्रमण से मुक्त होकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर सकता है।

– **संजय वर्मा**, मनावर, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

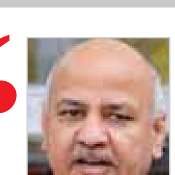

प्रत्येक अस्पताल में आक्सीजन की उचित आपूर्ति बनाए रखना कठिन है। हम केंद्र से दिल्ली को प्रतिदिन 700 मीट्रिक टन आक्सीजन देने की मांग करते हैं।

– **मनीष सिसोदिया**
दिल्ली के उपमुख्यमंत्री

8 मई 1945 मुक्ति का दिन है। उन लोगों की इन स्मृतियों को जीवित रखना हमारा दायित्व है जिनकी उन वर्षों के दौरान अपना जिन्दगियां समाप्त हो गईं।

– **एंजेला मारकेल**
जर्मन चांसलर

जीवन दांव पर लगे हैं। उन्हें बचाना हमारी प्राथमिकता है और यह दायित्व प्रत्येक पंजाबी का है कि वह उन जिंदगियों को बचाए।

– **कैप्टन अमरिंदर सिंह**
पंजाब के सीएम

कौन हारा और कौन जीता आयोग की वेबसाइट अंजान

● मनमानी के चलते साइट पर दर्ज नहीं हो सके नतीजे

संवाददाता। सीतापुर

कोरोना काल में इस बार हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना की निष्पक्षता और पारदर्शिता तार-तार हो गई। कौन जीता, कौन हारा, हारने और जीतने वालों को भी कई कई दिनों तक पता नहीं चल सका। जीत का प्रमाण पत्र पाने के लिए सौ घंटे तक उन्हें इंतजार करना पडा, इस बीच कई प्रत्याशियों से जुडे अधिकारियों पर ही नहीं, सत्ताधारी दल पर भी गडबडी करने का आरोप लगाते रहे, जिसका किसी ने कोई जवाब तक नहीं दिया, निर्वाचन अधिकारियों की मनमानी का आलम तो देखिए, अब राज्य निर्वाचन आयोग ने भी उनके गैरजिम्मेदाराना कार्यशैली पर सवाल खडे कर दिए हैं, ऐसे में सवाल उठता है तो फिर चुनाव लडने वाले अगर शिकायत करते हैं तो वह गलत क्या है, आपको बता दें कि अभी हाल ही में सूबे में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराए गए। चारों पदो के लिए सीतापुर में चौथे चरण यानी 29 अप्रैल को वोट डाले गए। जबकि दो मई से शुरू वोटों की गणना चार मई तक चली। कोविड के दौर में चारों पदों की गणना पूरी कर नतीजे आउट कर दिए गए, लेकिन अभी तक सभी पदों के नतीजे आयोग की वेबसाइट पर फीड नहीं किए गए। जबकि गणना कार्य को पूरा हुए एक सप्ताह बीत चुका है। आयोग की वेबसाइट पर पंचायत चुनाव के नतीजे सौ फीसदी पूरे न होने पर राज्य निर्वाचन आयोग ने नाराजगी जताई, साथ ही पत्र के जरिए निर्वाचन अधिकारियों से आयोग की वेबसाइट पर परिणाम फीड कराने को निर्देश दिए हैं। आयोग के फरमान पर अपर जिलाधिकारी विनय पाठक ने ब्लॉकों में सभी निर्वाचन अधिकारियों को पत्र जारी कर जल्द ही वेबसाइट पर चुनाव परिणाम फीड करने के निर्देश दिए है।

डीएम ने कोविड नियमों को लेकर दिए निर्देश

● कोरोना संक्रमण को लेकर जागरुकता अभियान चलाने के निर्देश सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने को ग्रामीणों को जागरूक किया जाए

संवाददाता। सीतापुर

जिलाधिकारी विषाल भारद्वाज ने सोमवार को लहरपुर ब्लॉक सभागार में ग्राम पंचायत स्तर पर बनी निगरानी समितियो के सदस्यों की बैठक कर कोविड नियमों को लेकर आवष्यक दिशा निर्देष दिए, कोविड या बुखार, खांसी आदि से चिन्हित लोगों की सूचनाएं तुरंत देने की बात कही। जिससे उनका इलाज समय से हो सके। इसके बाद सीएचसी लहरपुर का निरीक्षण करते हुए रजिस्टर व फीडिंग पूरी न होने पर केंद्र अधीक्षक डॉ. आनन्द मित्रा को जल्द डाटा फीड करवाने के लिए निर्देशित किया। एसडीएम लहरपुर को कोरोना कर्यू का पालन करवाने के निर्देश दिए।

निगरानी समिति की हुई बैठक

ब्लॉक सिधौली के हरदोइया गांव में ग्राम पंचायत अधिकारी सुधाकर बाजपेई ने निगरानी समिति सदस्यों की बैठक की। कोरोना संक्रमण को लेकर जागरुकता अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि घर से बाहर निकलते समय मास्क लगाने, समय-समय पर सेनेटाइजर का प्रयोग करने, सोशल डिस्टेंस का पालन करने हेतु ग्रामीणों को जागरूक किया जाए। इस मौके पर बुद्ध प्रकाश, निजामुद्दीन, किरन मिश्रा, सावित्री देवी, विट्टी देवी, केतकी देवी, संगीता गौतम,किरन कुमारी, राम देवी, हरी लाल, अनूप कुमार गौतम, तीर्थराज, कुशमेश गौतम, राजेश कुमार, दिनेश कुमार आदि मौजूद थे।

आईसीयू में शिफ्ट किए गए आजम खां

संवाददाता। सीतापुर

पूर्व मंत्री व सपा सांसद आजम खान का ऑक्सीजन लेबल लगातार गिरता जा रहा है। मेंदाता अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर ने जारी बुलेटिन

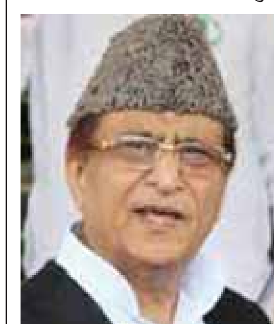

में बताया है कि आजम को 10 लीटर प्रति मिनट ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है। इसको देखते हुए मेंदाता की क्रिटिकल केयर टीम ने उन्हें कोविड आईसीयू में षिट कर दिया है। जहां डाक्टरों की गहन निगरानी में उनका इलाज चल रहा है, जबकि आजम के बेटे मोहम्मद अब्दुल्ला की हालत स्थिर व संतोशजनक है।

क्विक न्यूज

लखीमपुर पुलिस प्रशासन हुआ सख्त

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर नगर में आज पुलिस प्रशासन द्वारा गश्त की गई और भीड़.भाड़ इलाके में पुलिस ने अपना कड़ा रुख अख्तियार कर कोविड.19 नियम का पालन कराने की कोशिश की। गश्त के दौरान पुलिस जब पुरानी गल्ला मंडी संकटा देवी रोड के क्षेत्र में पहुंची तो वहां मार्केट खुली हुई थी और काफी संख्या में भीड़ थी। पुलिस ने भीड़ को तितर.बितर किया तथा कुछ लोगों को 1.2 डंडे भी लगाए था। कुछ लोगों को समझा कर सावधानी बरतने को कह कर छोड़ दिया। अब नगर प्रशासन अपनी सख्ती पर उतर आया है तथा गली गली मोहल्ले मोहल्ले जाकर अपनी गस्त तेज कर दी तथा हर हाल में कोविड.19 नियम का पालन पुलिस प्रशासन द्वारा कराया जाएगा। जिससे समाज सुरक्षित रह सके।

कोटेदार और उपभोक्ता आपस में भिड़े

बरेली। राशन को लेकर कोटेदार और उपभोक्ताओं के बीच मारपीट और विवाद हो गया। कोटेदार ने उपभोक्ता पर लूटपाट का आरोप लगाया और घटना की शिकायत पुलिस से कर दी। पुलिस दोनों पक्षों को थाने ले गई।बारादरी थाना क्षेत्र के मोहल्ला रबड़ी टोला के सरकारी दुकान के कोटेदार परवेज और उनकी उपभोक्ता राणा के बीच राशन को लेकर आज दोपहर लगभग 3 बजे दुकान पर ही विवाद हो गया। कोटेदार ने काकी राणा ने अपने लड़के अरमान के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों ने दुकान में रखा सामान भी फेंक दिया। महिला ने कहां कि परवेज ने उसके राशन कार्ड से एक यूनिट उसके पति के नाम का कम कर दिया और अब राशन देने में भी आनाकानी करता है। पिछले कई दिनों से वह उसके बेटे अरमान को राशन नहीं दे रहा था। कल वह प्रवेश की दुकान पर गई तो उसने आज 3बजे राशन देने के लिए बुलाया था। लेकिन उसने फिर से कहा कि वह अपने बेटे को राशन लेने के लिए भेजा करें। उसने रंजीत नाम के किसी व्यक्ति से राशन लेने के लिए कहा। जिससे विवाद हो गया। दोनों पक्षों में मारपीट की नौबत आ गई। लोगों की भीड़ मौके पर लग गई। परवेज ने राणा को धक्का दिया तो अरमान उससे भीड़ गया दोनों पक्ष पहले श्याम गंज पुलिस चौकी पहुंचे और फिर पुलिस थाने ले गई। दोनों पक्षों में समझौते की कोशिश की जा रही थी।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बरेली। पति से हुए विवाद के बाद पत्नी ने घर में ही छत के गुंडे से लटक कर फांसी लगा ली। मायके वालों ने उसकी मौत के लिए पति को जिम्मेदार बताया। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी।भुता थाना क्षेत्र के गांव इमरती निवासी रिंकू की 35 वर्षीय पत्नी खुशबू ने कल शाम अपने ही घर में छत के कुडे से दुपट्टा बांध कर फांसी लगा ली। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद फतेहगंज पूर्वी निवासी उसके मायके वालों ने बताया कि खुशबू का विवाह लगभग 6 वर्ष पूर्व गुरपाल के लड़के रिंकू से हुआ था। विवाह के बाद से ही पति-पत्नी में छोटी-छोटी बातों पर अक्सर झगड़ा होता था। जिसके चलते रिंकू उससे मारपीट करता था। यह बात कई बार खुशबू ने अपने मायके वालों को भी बताई थी। लेकिन उन्होंने हर बार उसे समझा कर ससुराल भेज दिया। कल दोपहर में भी दोनों में किसी बात पर झगड़ा हुआ था और रिंकू ने उससे मारपीट की थी। झगड़े के बाद वह घर से बाहर चला गया। उसके जाने के बाद खुशबू में कमरा बंद करके फांसी लगा ली। कुछ देर बाद जब वापस घर लौटा तो उसने खुशबू की लाश को फांसी पर लटके देखा और घटना की सूचना उसके मायके वालों व पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी। मृतका तीन बच्चों की मां थी।

नशीले पाउडर सहित एक गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी। पुलिस अधीक्षक खीरी के निर्देशन में सम्पूर्ण जनपद में अवैध मादक पदार्थों की बिक्री व परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के दौरान थाना तिकुनिया पुलिस द्वारा अभियुक्त अमन सिंह उर्फपरमजीत सिंह पुत्र रंजीत सिंह निवासी ग्राम टाटरगंज थाना हजारा जनपद पीलीभीत को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 125 ग्राम अवैध नशीला पदार्थ ;अल्प्राजोलमद्ध बरामद किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना तिकुनिया पर मु0अ0सं0 96 21 धारा 8द्21 एनडीपीसीएस एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

कोविड केयर सेन्टर गोला पहुंचे डीएम और एसपी ने व्यवस्थाओं की पड़ताल की

लखीमपुर खीरी। तहसील गोला गोकर्णनाथ में गुरु हरिकिशन डिग्री कॉलेज में संचालित कोविड केयर सेन्टर में डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह ने एसपी विजय दुल व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज अग्रवाल के साथ व्यवस्थाओ की पड़ताल कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीएम ने मौजूद चिकित्सीय टीम को निर्देश दिए कि भर्ती संक्रमित मरीजों की प्रॉपर देखभाल की जाए। वही सीरियस मरीजों को तत्काल कोविड चिकित्सालय जगसड रेफर किया जाए। उन्होंने भर्ती मरीजों से मिल रही मूलभूत सुविधाओं की जानकारी हासिल की। उन्होंने कहा कि भर्ती मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज अग्रवालए उप जिलाधिकारी अखिलेश यादव मौजूद रहे।

होमगार्ड ने फोड़ा ग्रामीण का सिर

मितौली खीरी। थाना क्षेत्र के ग्राम खुर्दा निवासी होमगार्ड सुदर्शन ने अपनी गुंडागर्दी के चलते शराब के नशे में धुत होकर गांव के ही सोबरन भार्गव के दामाद का सिर फोड़ दिया। लहूलुहान अवस्था में सोबरन भार्गव अपने दामाद को लेकर थाना मितौली में प्रथम सूचना रिपोर्ट अंकित करा कर डॉक्टरी परीक्षण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया। बताया जाता है कि सुदर्शन होमगार्ड की अराजकता को लेकर गांव के काफी लोग परेशान हैं। कई लोगों को मार चुका है थाना प्रभारी अनिल कुमार सैनी ने भुक्तभोगी की प्रथम सूचना रिपोर्ट अंकित कर होमगार्ड के विरुद्ध कार्यवाही किए जाने का आश्वासन दिया है।

प्रदीप कनौजिया ने छोड़ी सपा

सीतापुर। ब्लॉक परसेंडी के चांदपुर गांव निवासी प्रदीप कुमार कनौजिया को जिला पंचायत के वार्ड नंबर 20 पर सपा ने अपना समर्थित प्रत्याषी घोषित किया था। प्रदीप का आरोप है कि समर्थन मिलने के बावजूद सपा के किसी पदाधिकारी व कार्यकर्ता का उन्हें सहयोग नहीं मिला, जिससे चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा। प्रदीप ने इससे आहत होकर सपा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है।

जनपद में मिले 129 नए केस

कोरोना से पूर्व विधायक की पत्नी की मौत

● सेउता के पूर्व विधायक झीन बाबू की पत्नी थी कोरोना पॉजिटिव

संवाददाता। सीतापुर

सीतापुर में कोरोना संक्रमण का व्यापक असर देखने को मिल रहा है। रोजाना एक सैकड़ा से अधिक नए पॉजिटिव केस पाए जा रहे हैं। सोमवार को स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक 129 मरीज मिले हैं। इनमें नगरीय क्षेत्रों से चार गुना अधिक मरीज ग्रामीण इलाकों में पाए गए हैं। नगर क्षेत्र में 23 जबकि ग्रामीण में 106 नए केस मिले हैं। सोमवार को 112 पुरुष और 17 महिलाएं संक्रमित पाई गई हैं। इनमें 0 से 10 साल तक का एक, 10 से 20 साल तक के आठ, 20 से 55 साल तक के 112 तथा 55 साल से अधिक के आठ मरीज शामिल हैं। स्वास्थ विभाग के अनुसार 1418 लोगों की रिपोर्टे आनी अभी बाकी हैं। वहीं, अब तक 134 मरीजों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा भी फिलहाल थम नहीं रहा है। समाजवादी

पार्टी के संस्थापक सदस्य, पूर्व मंत्री भगवती सिंह की बेटी और सेवता से सपा के पूर्व विधायक महेंद्र सिंह झीन बाबू की पत्नी सुनीता सिंह सोमवार को कोरोना से जिंदगी की जंग हार गई। उन्होंने लखनऊ के एक निजी अस्पताल में सोमवार की दोपहर को अंतिम सांस ली। पचास वर्षीया सुनीता सिंह पिछले दिनों कोरोना पॉजिटिव हो गई थी, आपको बता दें कि पिछले महीने कोरोना से संक्रमित उनके पिता भगवती सिंह उसके कुछ दिन बाद भाई राकेश सिंह की मृत्यु हो गई थी। अब सुनीता सिंह के निधन का समाचार मिलते ही इलाके में शोक की लहर दौड गई। पूर्व मंत्री रामपाल राजवंशी ने शोक जताते हुए कहा कि बहुत ही दुखद हुआ है, ईश्वर उनके परिवार को दुख सहन करने की क्षमता प्रदान करें और हम उनके इस दुख की घड़ी में है और रहेगें।

ध्वनि प्रदूषण को लेकर शिकायती पत्र

संवाददाता। सीतापुर, खैराबाद के मोहल्ला कुल्हन सराय के मानसिक रोग से ग्रस्त मरीजों ने इसी मोहल्ले में मोहम्मद कमर की बक्सा फैक्ट्री से ध्वनि प्रदूषण फैलने का आरोप लगाते हुए थाने में षिकायती पत्र दिया है। षिकायतकर्ता सगीर अहमद, जहीर अहमद व इब्राहिम ने ध्वनि प्रदूषण को तत्काल बंद कराए जाने की मांग की है सुनवाई न होने से आहत वह सभी अपने घर से पलायन करने का मन बना चुके हैं। उनका कहना है कि यदि 2 दिनों के भीतर ध्वनि प्रदूषण बंद नहीं कराया गया तो डीएम कार्यालय पर धरना प्रदर्षन का ऐलान किया है। एसडीएम सदर अमित भट्ट ने जांच कर कार्रवाई की बात कही है।

मोक्ष की कामना बनी कोरोना से हुई मौतों का आईना

संवाददाता। नैमिषारण्य सीतापुर

कोरोना महामारी में असमय कितने लोग काल कवलित हो रहे हैं, यह बताने के लिए खबरों में आपको अस्पतालों से बाहर निकाले जाते शवों और शमशान में एक साथ धधकती कई चिताएं दिखाई जाती हैं, लेकिन हम आपको उस पावन धरा पर ले चलते हैं जिसे मोक्ष का द्वार कहा जाता है और दिखाते हैं आपको वहां का नजारा कि इन दिनों कैसे हजारों लोग अपनों को खोने के बाद उनके मोक्ष की कामना लेकर पहुंच रहे हैं। यह स्थान है 88 हजार ऋषि-मुनियों की तपोभूमि नैमिषारयण्य का काशीकुंड तीर्थ। कर्मकांड के लिए पहुंचने वालों की संख्या में यह इजाफा इस बात का संकेत है कि कोरोना काल मे बड़ी संख्या में लोगों की मौतें हो रही है, आपको बता दें, कि नैमिषारण्य का काशीकुंड तीर्थ पितृ कार्यो के लिए जाना जाता हैं, सामान्य तौर पर एक दिन में काशीकुंड तीर्थ पर अपनों को मोक्ष दिलाने के लिए सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालुओं का पहुंचना आम बात है। लेकिन अचानक आगंतुकों की संख्या सैकड़ों से बढ़कर हजारों में पहुंच जाए तो मन में खटकना लाजिमी है। इन दिनों पितृ कार्य के लिए बड़ी संख्या में लोग काशीकुंड पहुंच रहे हैं। आगंतुकों की मानें तो कोरोना महामारी के चलते अपने घरों पर अपने परिवारीजनों का विधि विधान से कार्य नही कर पा रहे हैं, इस वजह से काशीकुण्ड तीर्थ का रुख कर रहे हैं, शायद इसीलिए कोरोना कर्फ्यू लागू होने के बाद भी बड़ी संख्या में लोग पितृ कार्य के लिये आ रहे हैं, जबकि अन्य मंदिरों में इस समय सन्नाटा पसरा हुआ है। काशीकुंड तीर्थ पर इन दिनों क्या माहौल है।

नाबालिग के साथ दुराचार का किया प्रयास

संवाददाता। गोला गोकर्ण नाथ.खीरी

थाना गोला के ग्राम दलेल नगर में एक नाबालिगा के साथ दो दबंग युवकों ने ने खेत में खींच कर दुराचार का प्रयास किया। जब नाबालिगा ने चीखपुकार की तब उसको मारपीट कर फरार हो गए। पुलिस में तहरीर दी पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया।जानकारी के अनुसार थाना गोला के ग्राम दलेल नगर निवासी एक नाबालिगा पडोस में शौंच के लिए गई थी। इस बीच पहले से घात लगाए बैठे ग्राम के ही निवासी कर्मवीर सिंह व उसका सहयोगी ने नाबालिगा को पकडकर उसके साथ जोर जबरदस्ती करने लगा। जब नाबालिगा ने शोर मचाया तब दबंगों ने नाबालिगा को मारापीटा और जान से मारने की धमकी दी। इस बीच नाबालिगा की मां मधुदेवी व उसके परिवारीजन मौके पर आ गए और कर्मसिंह को पकड लिया। वहीं

उसका साथी फरार हो गया। इस बीच उसके समर्थकों ने आकर कर्मवीर सिंह को जबरिया छुडा लिया।नाबालिगा उसकी मां तथा परिवारीजनों ने कोतवाली गोला में आकर पुलिस को तहरीर दी पर पुलिस ने जांच का बहाना बताकर रिपोर्ट दर्ज नहीं की।समाचार लिखे जाने तकपीडिता व परिवारीजन थाना कोतवाली गोला में इस उम्मीद के साथ जमा है कि उनको इंसाफमिलेगा पर पुलिस उनकी नहीं सुन रही है और वह राजनैतिक रंग देने का प्रयास कर रही है।गौरतलब हो कि उप्र सरकार व आलाअधिकारियों तथा न्याय पालिका ने तमाम आदेश निर्देश देकर महिलाओं की सुरक्षा को पहली प्राथमिकता दी है पर गोला पुलिस इसके बावजूद बदलने को तैयार नहीं है। यह पहली घटना नहीं इससे पहले महिलाओं के प्रताडना और अपहरण की वारदात में पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की जिससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ता जा रहा नगर पंचायत बरबर

संवाददाता। लखीमपुर.खीरी

नगर पंचायत बरबर में आजादी के इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी नहीं खुल सका डिग्री कॉलेज। नगर पंचायत बरबर लगातार क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों का दंश सहता आ रहा है और शिक्षा के क्षेत्र में आंसू बहाता नजर आ रहा हैं। सरकारी विद्यालय के नाम पर यहां पर सिर्फ कक्षा 8 तक का विद्यालय उपलब्ध है। बाकी सब शिक्षा की दुकानें खुली हुई है जिनमें मनमानी फीस वसूली जाने के कारण गरीब तबके के बच्चे विद्यालय में नहीं पढ़ पाते हैं। सरकारी विद्यालय के नाम पर डिग्री कॉलेज तो दूर की बात यहां पर हाईस्कूल और इंटर तक की शिक्षा की व्यवस्था नहीं है। अगर जैसे तैसे बच्चों को पढ़ा भी लिया जाता है तो इंटर की पढ़ाई के बाद कि शिक्षा ग्रहण करने के लिए छात्र.छात्राओं को 20 से 30 किलोमीटर दूर मोहम्मदी या और कहीं जाना पड़ता है। आखिर बरवर की छात्र छात्राओं के लिए डिग्री कॉलेज क्यों नहीं खोला जा रहा है। जिस पर जनता सवालिया निशान लगा रही है। चुनाव के दौरान माननीय आते हैं और बड़े बड़े वादे करके लॉलीपॉप दिखाकर विद्यालय खुलवाने के नाम पर वोट लेकर चले जाते हैं।फिर 5 साल तक पीछे मुड़कर नहीं देखते हैं। कहीं नेताओं को यह डर तो नहीं है कि बरवर नगर पंचायत की जनता अगर शिक्षित हो गई तो चुनाव के दौरान इनकी फट्टे कौन बिछाएगा और इनके पोस्टर कौन चिपकाएगा।

कोरोना महामारी को फैलने की दावत दे रही चलने वाली अवैध आइसक्रीम फैक्ट्री

लखीमपुरखीरी। निघासन थाना क्षेत्र के झंडी पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम पंचायत करमूपुरवा के इरफान पुत्र मोहाय्यद्दीन नामक व्यक्ति के द्वारा कोरोना जैसी महामारी को दरकिनार करके इस महामारी को और फैलाने के लिए आइसक्रीम की फैक्ट्री अभी तक बंद नहीं की गई। जबकि सरकार के द्वारा नई नई गाइडलाइन जारी की जा रही है। ज्यादा से ज्यादा लोग एक दूसरे के संपर्क में ना आ पाए और 2 गज की दूरी बनाकर रखें। मगर यहां पर एक आइसक्रीम बेचने वाला लगभग 100 लोगों को अपने हाथों से छूकर आइसक्रीम देता है। अगर यह व्यक्ति कोरोना पॉजिटिव हुआ तो लगभग 100 से 200 लोगों को कोरोना पॉजिटिव कर सकता है। ऐसे बर्फ बेचने वाले फैक्ट्री में लगभग दो दर्जन व्यक्ति रोज आते जाते हैं। इससे यही साबित होता है कि बहुत ही जल्द थाना निघासन क्षेत्र कोरोना पॉजिटिव में बदल सकता है।

अन्नपूर्णा सेवा संस्थान की गोष्ठी में मंथन

संवाददाता। सीतापुर

अन्नपूर्णा साहित्य संगम एक ऐसा मंच है जिसने साहित्य की दुनिया के हर कलम को पहचान दी। इसी क्रम में हर रविवार को साप्ताहिक काव्यगोष्ठी का आयोजन किया जाता है। इस रविवार ऑनलाइन आयोजन के माध्यम से संगम परिवार ने मातृदिवस के अवसर पर सृष्टि की समस्त मातृशक्तियों को नमन करते हुए काव्यपाठ किया। पुष्पा अवस्थी की अध्यक्षता व केपी मिश्रा, जी एल गांधी, विनोदिनी रस्तोगी आदि के संरक्षण में आयोजित काव्यगोष्ठी का संचालन शैलेन्द्री तिवारी ने किया। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अजय श्रीवास्तव विकल की वाणी वन्दना से हुआ। इसके बाद यासीन इब्ने उमर, ममता वर्मा, शिव प्रताप सिंह चौहान, जी.एल. गांधी, सुनीता यादव, एकांत पथिक, सूबेदार वर्मा अंजान, अशोक मिश्र, अजय श्रीवास्तव, लक्ष्मी वर्मा, केपी मिश्र, प्रधुम्न द्विवेदी, रियाज सीतापुरी, राजकुमार श्रीवास्तव, सुमन मिश्रा, रामकिशोर श्रीवास्तव आदि ने काव्यपाठ किया। इस दौरान वीरू वर्मा, श्याम नारायण शुक्ला, रामू वैश्य, आदि श्रोतागणों ने कवियों की हौसला अफ्जाई की।

गेंहू केन्द्र पर किसानों को नहीं मिल रहीं सुविधाएं

संवाददाता। सीतापुर

जिला खाद्य विपणन अधिकारी ने बताया कि सीतापुर में 01 अप्रैल से गेंहू खरीद प्रारंभ है। जनपद में स्थापित क्रय केन्द्रों पर विक्रय करने आये किसानों से गेंहू खरीद को लेकर सवाल किए गए तो उन्होंने बताया अब किसान पहले से ज्यादा और आसानी से अपना गेंहू बेच रहे हैं। केन्द्रों पर सभी अनुमन्य सुविधाएं भी मुहैया कराई जा रही हैं। सीतापुर मंडी द्वितीय पर आये किसान सूर्य नरायन पाठक निवासी मोहकमपुर तहसील मिश्रिख ने बताया कि गेंहू क्रय करने के लिए कृषकों को बेहतर सुविधायें, जिला प्रशासन की और से मुहैया कराई जा रही है। क्रय केन्द्रों पर किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये अच्छी व्यवस्था की गयी है, खाद्य विभाग के लहरपुर मण्डी पर पहुंचे किसान मनबिंदर सिंह निवासी कोरैय्या गंगादास ने बताया कि टोकन से ही गेंहू खरीद की जा रही है, विक्रय करने में कोई समस्या नहीं है।

दबंगों की दबंगई आई सामने बेखौफ होकर चलाई गोली

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत राजापुर चौकी के निकट बीती रात लगभग 10 बजे के आसपास रामकुमार के परिवार वालों को घेराबंदी कर मारने पीटने लगे। वही संदीप पुत्र सोनेलाल ने पुलिस से बेखौफ होने के चलते नाजायज असलहे से फायर झोंक दिया जिससे

रामकुमार अपने घर से खाना खाकर जैसे ही बाहर निकले तो करोना कर्फ्यू के दौरान पुलिस से बेखौफ लोगों ने जैसे संदीप कुमार कुलदीप नरेंद्र कुमार पुत्र सोनेलाल और सत्यम पुत्र संजीव वर्मा ने रामकुमार को लाठी और डंडों से बेल्टों से मारने पीटने लगे। जैसे ही इनके परिवार वालों ने बाहर आकर देखा कि मेरे पापा को मारा पीटा जा रहा है तभी इन लोगों ने विशाल पुत्र रामकुमार बाल बाल बचे। आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। अब देखना यह है कि पुलिस द्वारा पीड़ित परिवार को किस तरीके से न्याय मिल पाता या नहीं पीड़ित परिवार ने लिखित शिकायती प्रार्थना पत्र सदर कोतवाली में दिया। पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए डॉक्टरी परीक्षण के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया।

गोला पहुंचे डीएम-एसपी, साफ सफाई व सैनिटाइजेशन अभियान की पड़ताल

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

सोमवार को डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह व एसपी विजय दुल ने गोला पहुंचकर शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में सफाई व सैनिटाइजेशन अभियान की जमीनी हकीकत जानी।

सोमवार की दोपहर डीएम.एसपी ने गोला नगर के विभिन्न चौराहोंए मोहल्लो में पैदल घूम कर नगर पालिका परिषद गोला गोकरण नाथ द्वारा चलाए जा रहे सैनिटाइजेशन व सफाई अभियान की पड़ताल कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। डीएम ने एसडीएम अखिलेश यादव को निर्देश दिए कि कोई भी व्यक्ति भूखा ना सोए। यह प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाए। वही साफसफाई सैनिटाइजेशन फागिंग अभियान की मानिटरिंग व पर्यवेक्षण किया जाए। डीएम.एसपी ने गोला नगर भ्रमण कर आंशिक लॉक डाउन का अनुपालन समेत साफ सफाई सैनिटाइजेशन अभियान की जमीनी हकीकत जानी। डीएम.एसपी ने ब्लाक

कुंभी के ग्राम पंचायत दतेली पहुंचकर सैनिटाइजेशन व साफ सफाई अभियान को देखा। डीएम ने नवनिर्वाचित प्रधान जहीरूद्दीन को निर्देश दिए कि अपनी देखरेख में साफसफाई व सैनिटाइजेशन अभियान को युद्ध स्तर पर चलाएं। गत दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित डोर टू डोर सर्वे में चिन्हित सिंप्टोमेटिक व्यक्तियों को गांव की आशा से समन्वय कर कोविड मेडिकल किट मुहैया करवाने में लीड रोल ले। उन्होंने कहा कि गांव में प्रत्येक व्यक्ति फेस मास्क का प्रयोग करेंए यह सुनिश्चित कराएं। संपूर्ण गांव में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यक्रमों को क्रियान्वित कराएं। बताते चले कि शासन के निर्देश पर जिले की सभी 10 नगर निकाय व सभी ग्राम पंचायतों में युद्धस्तर पर स्वच्छता व सैनिटाइजेशन का अभियान चला। जिलेभर में प्रशासनिक अधिकारियों ने भ्रमणसील रहकर युद्ध स्तर पर चलाए जा रहे स्वच्छता व सैनिटाइजेशन अभियान की जमीनी हकीकत की पड़ताल की। सभी नगरीय निकायों में अधिशासी अधिकारियों ने अपने नेतृत्व में स्वच्छता एवं सैनिटाइजेशन अभियान चलाया। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी विकास व पंचायती राज विभाग के अधिकारियों ने स्वच्छता व सैनिटाइजेशन अभियान को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित कराया। इस दौरान आमजन से अनिवार्य रूप से मास्क लगाने की भी अपील भी की.इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज अग्रवाल उप जिलाधिकारी अखिलेश यादव जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्यशील सिंहए सहायक विकास अधिकारी पंचायत सरदार सिंह राना प्रभारी निरीक्षक गोला अनिल कुमार पाण्डेय मौजूद रहे।

गरीबों को भुखमरी से बचाने को प्रशासन ने कसी कमर

सभी तहसीलों में हुआ कम्युनिटी किचेन का शुभारंभ

एसडीएम और तहसीलदार गरीबों तक भोजन पहुंचाने में जुटे

संवाददाता। चित्रकूट

वैश्विक महामारी कोरोना के संकट से जूझ रहे गरीब व बेसहारा लोग अब भूखे पेट नहीं सोएगें। जिला प्रशासन ने उनके भोजन का प्रबंध कर दिया है। सभी तहसीलों में सामुदायिक रसोई शुरू करने के निर्देश दिए है। जिसके तहत सदर ब्लाक में सामुदायिक रसोई का शुभारंभ हो गया है। पहले दिन करीब डेढ़ सौ जरूरतमंदों तक भोजन पैकेट पहुंचाए गए। सोमवार को सदर एसडीएम राम प्रकाश ने बताया कि मंडलायुक्त और जिलाधिकारी के निर्देश पर सदर तहसील कर्वी में कम्युनिटी किचन (सामुदायिक रसोई) परिसर में शुरू कर दी गई है।

कोरोना कर्फ्यू की समय सीमा बढ़ने से लोगों की दिक्कतें बढ़ रही हैं। तमाम लोगों के काम धंधें बंद है जो गरीब परिवार है उनके पास तक भोजन पहुंचाने का काम शुरू किया गया है। अभी सदर तहसील में शुरूआत हुई है एक दो दिन में मऊ, मानिकपुर और राजापुर में सामुदायिक रसोई शुरू हो जायेगी। जिले में कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोएगा। जो भी जरूरत मंद वह अपनी तहसील में संपर्क कर सकता है। सदर तहसीलदार संजय अग्रहरि ने बताया कि पहले दिन करीब डेढ़ सौ पेकेट बांटे गए हैं। डिमांड के अनुसार इसकी संख्या बढ़ाई जाएगी। दोनों टाइम ताजा भोजन बनाया जा रहा है।जिसकी गुणवत्ता स्वयं सदर एसडीएम द्वारा समय समय पर चेक की जाती है।समवार को मुख्यालय के रोड वेज बस स्टैंड, इलाहाबाद रोड़, कोलगदहिया के बंजारा पुरवा पहुँच कर गरीबो को भोजन का पैकेट वितरित किया गया।

पालिका ने नगर में चलाया सैनिटाइजेशन अभियान

जालौन (उरई)। नगर पालिका द्वारा नगर के मोहल्ला रावतान, हिरदेशाह व बजरिया में सैनिटाइजेशन कराया गया। नगर पालिका ईओ ने लोगों से कोरोना गाइड लाइन का पालन करने एवं घरों में ही रहने की अपील की। नगर पालिका अध्यक्ष गिरीश गुप्ता व ईओ डीडी सिंह के निर्देश पर नगर पालिका कर्मचारियों ने नगर में सैनिटाइजेशन अभियान चलाया। इस दौरान नगर पालिका कर्मचारियों ने मोहल्ला रावतान, हिरदेशाह व बजरिया समेत बाजार के कुछ हिस्सों में सैनिटाइज किया। वहीं, सैनिटाइज कराने को लेकर लोग भी जागरूक नजर आए। लोगों ने अपने घरों की दीवारों, फर्श और दरवाजों के अलावा गलियों को भी सैनिटाइज कराया। कोरोना वायरस के बढ़ रहे संक्रमण को देखते हुए पालिकाध्यक्ष व ईओ ने संयुक्त रूप से नगर वासियों से अपील की है कि जब तक जरूरी न हो घरों से बाहर न निकलें। कोरोना से बचने का यह अचूक उपाय है। सरकार द्वारा जो गाइड लाइन दी गई है उसका अनिवार्य रूप से पालन करें। कहा कि सभी वार्डों में रूटीन के अनुसार सैनिटाइजेशन कराया जा रहा है। कोई समस्या होने पर उन्हें फोन पर सूचित करें।

फ्रंटलाइन वर्कर दूसरी डोज लगवायें

उरई (जालौन)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ऊषा सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अवगत कराया है कि समस्त हैल्थकेयर वर्कर, फ्रंटलाईन वर्कर एवं समस्त नागरिक (45 वर्ष से अधिक आयु वाले) जिन्होंने कोविड वैक्सीनेशन की प्रथम डोज ली है, और उनकी दूसरी डोज ड्यू है। वह अपनी दूसरी डोज लगवा लें, जिससे कोविड-19 के खतरे से बचा जा सके।

भीड़ के आगे प्रशासन लाचार सोशल डिस्टेंसिंग हुई तार-तार

मौदहा(हमीरपुर)। मौदहा कस्बे में कोविड 19 के कारण शासन द्वारा जारी गाइड लाइन की जमकर धज्जियाँ उड़ाई जा रही हैं।सुबह होते ही दुकानों तथा सड़कों पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ती है वहीं बैंकों में लगी भीड़ कोरोना संक्रमण को बढ़ावा दे रही है।इन सब के बावजूद स्थानीय प्रशासन लाचार दिखाई देता है। कस्बे में नगरपालिका द्वारा कुछ किराना की दुकानों को आवश्यक सामग्री की बिक्री के लिए चिन्हित किया है इसके अलावा फल, शब्जी,दूध बिक्रेताओं की भी सूची बना कर उन्हें अधिकृत किया गया है।लेकिन इसके बावजूद सुबह से ही कस्बे की ज्यादातर दुकानें खुल जाती हैं और यहाँ पर भारी भीड़ एकत्र हो जाती है।यही हाल कोतवाली परिसर के सामने लगने वाली शब्जी तथा फलों की दुकानों का है।दुकानों में खरीदारी के कारण सुबह से दोपहर ग्यारह बजे तक भीड़ ही भीड़ नजर आती है।हलांकि दोपहर बारह बजे से स्थानीय पुलिस की सख्ती के कारण यह भीड़ अपने घरों की ओर प्रस्थान करती है।वहीं कस्बे के इलाहाबाद बैंक सहित अन्य कई बैंकों में खाता धारकों की मारामारी को देखकर कोरोना संक्रमण रोक पाना बहुत ही मुश्किल दिखाई देता है।इस भीड़ को रोकने में स्थानीय प्रशासन भी पूरी तरह से लाचार है।यदि ऐसी ही स्थिति बनी रही तो मौदहा कस्बे में कोरोना का बढ़ता प्रकोप एवं इससे होने वाली मौतों का आंकड़ा कभी कम नहीं हो सकता है।

दुकानें बन्द कराने पर पुलिस कर्मियों से झड़प

चित्रकूट। कोरोना जहां पूरे देश में कोहराम मचा रहा है, वहीं जिला मुख्यालय के पुरानी बाजार काली देवी चौराहा में पूर्वान्ह 11 बजे के बाद दुकानें बन्द करा रहे दो पुलिस कर्मियों से दुकानदारों ने जमकर झडप की। सोमवार को जिला मुख्यालय के पुरानी बाजार काली देवी चौराहा में पूर्वान्ह 11 बजे दो पुलिस कर्मी चौराहे पर लगी सेवई व किराना की दुकान बन्द करने को दुकानदारों से कहने लगे। इस पर दुकानदार एक-दूसरे की दुकान को पहले बन्द कराने की मांग को लेकर पुलिस कर्मियों से झडप करने लगे। ये झडप इस कदर बढी कि लगा कि दुकानदार पुलिस कर्मियों पर हमला बोल देंगे। किसी तरह पुलिस कर्मी दुकानदारों से अपना पिंड छुड़ाकर जाने लगे। इसके बाद भी दुकानदार काफी देर तक झडप करते रहे। ये देखकर तमाम लोगों की वहां भीड़ जुट गई। कोरोना काल में जनता के हित के लिए दुकानें बन्द करा रहे पुलिस कर्मियों से झडप को लोगों ने उचित नहीं ठहराया।

संस्कारी दुकानदार दुकान के बाहर बैठ करते हैं लॉकडाउन का पालन

चित्रकूट। कोरोना के कोहराम दौरान सवेरे सात बजे से बाजार के शटर गिराकर व थोडा सा शटर उठाकर धडल्ले से व्यापारी अपना कारोबार कर रहे हैं। कोरोना गाइडलाइन की व्यापारी जमकर धज्जियां उडा रहे हैं। अपनी दुकानों के बाहर बैठकर दुकानदार लॉकडाउन का पालन कर रहे हैं। सोमवार को भी जिले की तस्वीर कुछ ऐसी ही देखने को मिली। ग्राहक को आता देखकर शटर उठाकर दुकान के अन्दर कर देते हैं। कुछ इस तरह दुकानदार लॉकडाउन का पालन कर रहे हैं। तमाम दुकानदारों ने बताया कि हमे क्या करना है घर जाकर जब शटर गिराकर काम चल रहा है।

जिला मुख्यालय की सवेरे सात बजे से ज्यादातर दुकानें खुल जाती हैं। कपड़ा, इलेक्ट्रानिक, मोबाइल, सौन्दर्य सामग्री आदि तकरीबन सभी दुकानें खुलने से प्रशासन की नजरों में संस्कारी दुकानदार अपनी दुकान के बाहर बैठकर लॉकडाउन का पालन करते नजर आते हैं।

चौकी प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई से क्यों बच रहा पुलिस प्रशासन

घटना से संबंधित कई वीडियो आ चुके हैं सामने

संवाददाता, उरई (जालौन)। पिछले दिनों मंडी चौकी प्रभारी की प्रताड़ना से त्रस्त होकर युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने के मामले में जहां अब तक कई घटना से संबंधित वीडियो सामने आ चुके हैं तो वहीं पुलिस प्रशासन द्वारा अब तक चौकी प्रभारी के खिलाफ किसी भी तरह की कार्यवाही न कर उसे बचाने में जुटी हुयी है। यह बात लोगों के गले नहीं उतर रही है। तो वहीं पीड़ित परिवार आज भी भय के माहौल में जीवन यापन कर रहा है। उल्लेखनीय हो कि सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला इंदिरा नगर निवासी मृतक विनय रायकवार को पहले मंडी चौकी प्रभारी ने तमंचा व कारतूस लगाकर जेल भेज और जब उसकी जमानत हो गयी तो उसके घर पहुंचकर तरह-तरह की धमकियां दी जाने लगी। इतना ही नहीं एक वीडियो में तो कुछ लोग अपने हाथों में लाठी-डंडों से लैस होकर उसके घर पहुंचकर युवक के साथ मारपीट की घटना को भी अंजाम दिया गया। घटना के बाद जहां मृतक युवक विनय रायकवार की मां गुड्डन सहित अनेकों लोगों ने घटना में सीधे तौर पर मंडी चौकी प्रभारी पर प्रताड़ना के आरोप लगाये थे। लेकिन इतना सब कुछ होने के बाद मंडी चौकी प्रभारी के खिलाफ कार्यवाही से पुलिस प्रशासन क्यों बच रहा है यह बात किसी के भी गले नहीं उतर रही है। इससे पूर्व भी मंडी चौकी प्रभारी मोहल्ला तुलसीनगर में भी एक घर में घुसकर परिजनों के साथ अभद्रतापूर्ण व्यवहार कर चुके हैं। जबकि पीड़ित परिवार बराबर अधिकारियों के दफ्तरों में दस्तक देकर न्याय की गुहार लगा रहे हैं।

पत्नी की गला रेंतकर हत्या

रामपुरा (जालौन)। कस्बे के मोहल्ला सुभाष नगर निवासी शिवराज पुत्र मोहर सिंह पाल ने सोमवार की सुबह 4 बजे के लगभग अपनी पत्नी गीता देवी की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर थाने चला गया। जानकारी के अनुसार शिवराज दिल्ली में रहकर काम करता था, जिससे अपने परिवार की जरूरतें पूरी करता था। लॉक डाउन लगने पर वह रामपुरा आ गया था। रविवार को शिवराज कस्वे से एक बारात में सजरौनी गया था। सुबह 3 बजे के लगभग बारात से वापस घर लौटा था। मृतका की शादी को लगभग 14 वर्ष हो चुके थे। मृतका का मायका सजेरा थाना कदौरा हैं। शिवराज के दो मासूम दो बेटे मनीष उर्फ नरेंद्र पाल 10 वर्ष व अनीश उर्फ प्रशांत 8 वर्ष हैं। शिवराज अपने पत्नी व बच्चों के साथ अलग रहता था। सुबह के समय जब शिवराज ने इस घटना को अंजाम दिया तब बच्चे गहरी नींद में सो रहे थे। पड़ोसी को भी भनक नही पड़ी। जब सुबह 5 बजे के लगभग पुलिस घर पहुंची तब जाकर पड़ोसियों व मुहल्ले वालों को इस घटना की जानकारी हुई। फिलहाल शिवराज पुलिस की गिरफ्त में हैं। मृतका के पिता रामपाल पाल को सूचना दे दी गई हैं। मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी निरीक्षक जेपी पाल, एसआई मिथलेश, अनिल कुमार एसआई बर्जेन्द भदौरिया आदि गांव में पहुंचे जहां पर उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया।

डीएम बांदा ने आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और मूल्य नियन्त्रण की गहन समीक्षा की

बांदा। कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी बांदा की अध्यक्षता में कोरोना कर्फ्यू के दृष्टिगत आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति एवं मूल्य नियन्त्रण सम्बन्धित समीक्षा की गई। जिलाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित व्यापारियों को यह निर्देश दिया गया कि वह आवश्यक वस्तुओ की आपूर्ति हेतु कोविड.19 के मानको के अनुसार संयमित व्यवहार करे। इस समय सही रूप से मास्क पहनना तथा पर्याप्त सामाजिक दूरी एवं सेनेटाइजर का प्रयोग अत्यन्त आवश्यक है। फुटकर विक्रेता आपस मे दूरी बनाते हुये विक्री करे। विक्रेता बिना मास्क के आये ग्राहको को हतोत्साहित करे। व्यापारियों द्वारा बताया गया कि इस समय आटाए चावलए आलूए प्याजए हरी सब्जियों एवं अन्य आवश्यक वस्तुओ की आपूर्ति में विशेष दिक्कत नही है। बाहर की मण्डियो में कम कार्य होने के कारण आपूर्ति पक्ष कुछ प्रभावित रहा है। बैठक में जिलाधिकारी बांदा द्वारा निर्देशित किया गया कि आवश्यक वस्तुओ की जमाखोरीए कालाबाजारीए अथवा कृत्रिम अभाव उत्पन्न न करे। फुटकर विक्रेताओ द्वारा थोक मूल्य से काफी अधिक मूल्य न लिया जायें। निर्धारित मूल्य से अनुचित रूप से अधिक मूल्य लेने पर सम्बन्धित व्यापारियों के विरूद्व महामारी अधिनियम तथा अन्य सुसंगत धाराओं में कडी कार्यवाही की जायेगी।

पंचायत सदस्य निर्वाचित न होने से एक दर्जन गांवों के प्रधान नही ले सकेंगे शपथ

मौदहा (हमीरपुर)। खंड विकास क्षेत्र मौदहा में हुए तिरेसठ गांवों में पंचायत चुनाव के बाद एक दर्जन से अधिक गांवों में ग्राम पंचायत का गठन न होने के कारण नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों को शपथ लेने से वंचित रखा जाएगा। इस समस्या के चलते जब तक ग्राम पंचायत का गठन नहीं हो जाता तब तक उक्त गांवों में विकास कार्य पूरी तरह से ठप रहेंगे। जानकारी के मुताबिक ब्लाक मौदहा में तिरेसठ ग्राम पंचायतें हैं जिनमें हाल में संपन्न हुए पंचायत चुनाव के बाद इन सभी गांवों के ग्राम प्रधान तो निर्वाचित हो गए लेकिन पारा,बिगहना, चकदहा, मसगवां, कपसा, भुलसी, बैजेमउ,बुढई, शायर कमहरिया, रीवन, छिरका, भवानी, रतौली व खैरी आदि गांवों में ग्राम पंचायत सदस्य पर्याप्त संख्या में ना चुने जाने से इन गांव के नवनिर्वाचित प्रधानों के मंसूबे धड़ाम हो गये हैं। एडीओ पंचायत रामबरन सिंह ने बताया कि जिन गांवों में ग्राम पंचायत सदस्यों का कोरम पूरा नहीं हुआ है वहां के निर्वाचित प्रधानों को शपथ दिलाने से वंचित रखा जाएगा इसके अलावा इन गांवों के विकास कार्य भी बाधित रहेंगे। पंचायत चुनाव में लोग प्रधान पद व क्षेत्र पंचायत सदस्य पद पर चुनाव लड़ने के लिए ज्यादा उत्सुक रहते हैं जिसके चलते इन पदों पर चुनाव लड़ने वालों की भरमार रहती है जिसके चलते इन पदों की पूर्ति तो हमेशा हो जाती है लेकिन ग्राम पंचायत सदस्य पद पर किसी की खास रूचि ना होने पर इन पदों पर किसी के चुनाव न लड़ने पर अधिकांश यह पद खाली रह जाते हैं जो आगे चलकर ग्राम पंचायत के गठन के समय मुसीबत बन जाते है।

हारजीत की बाजी लगाते आठ जुआरी गिरफ्तार

जालौन (उरई)। जनता कर्फ्यू का उल्लंघन कर सार्वजनिक स्थल पर चल रहे हार-जीत के खेल पर पुलिस ने छापामारी की। छापेमारी कर पुलिस ने 8 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है जिनके पास 11910 रुपए बरामद हुए हैं। चौकी प्रभारी विकास जादौन को सूचना मिल रही थी कि मोहल्ला फर्दनवीस में कुछ लोग बहुत दिनों से जनता कर्फ्यू का उल्लंघन कर रहे हैं। जनता कर्फ्यू का उल्लंघन कर झुंड बनाकर हार-जीत का खेल रहे हैं। पुलिस ने छापामारी कर जुआ खेल रहे गोविंद सिंह, ज्ञान प्रकाश, सर्वेश कुमार, विपिन कुमार, दीपक कुमार, राज गौरव निवासीगण फर्दनवीस व अजय कुमार, गजेन्द्र सिंह निवासीगण चुर्खीवाल को पकड़ लिया है। पकड़े गए आरोपितों के पास से 10970 रूपए माल फड़ तथा 940 रूपए जामा तलाशी के दौरान बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

शराब के नशे में उपद्रव करते गिरफ्तार

जालौन (उरई)। शराब पीकर मोहल्ले में गाली-गलौज कर रहे आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है तथा उसके खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई की है। कोतवाली क्षेत्र धर्मशाला निवासी शंकर शराब पीकर मोहल्ले गाली-गलौज कर रहे थे। मोहल्ले के लोगों की शिकायत पर उप निरीक्षक अनिल कुमार ने आरोपित को पकड़ लिया है तथा कोतवाली ले आये हैं।

महिला के साथ मारपीट के दो आरोपी पकड़े गए

जालौन (उरई)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सहाव में महिला के साथ 2 लोगों ने मारपीट कर दी। महिला की शिकायत पर पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाली क्षेत्र सहाव निवासी मिथलेश के साथ परिवार के ही पिता पुत्र ने मिलकर मारपीट कर दी थी। महिला की शिकायत पर पुलिस दर्शन सिंह व बृजेन्द्र सिंह के साथ गाली गलौज कर मारपीट के आरोपियों को पकड़ लिया है तथा कोतवाली ले आयी है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पेंशनर कोषागार के मेल पर भेजें जीवित प्रमाण पत्र: कोषाधिकारी

चित्रकूट। वरिष्ठ कोषाधिकारी शैलेश कुमार ने कोषागार से पेंशन पाने वाले पेंशनरों से कहा है कि देश व प्रदेश में कोरोना की दूसरी लहर चलने से तमाम पेंशनर अपना जीवन प्रमाण पत्र नहीं पेश कर सके हैं। उनकी पेंशन रुकी हो सकती है। सोमवार को कोषाधिकारी शैलेश कुमार ने बताया कि पेंशन एसोसिएशन ने पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी बिना कोषागार में आये जीवन प्रमाण पत्र देने का अनुरोध किया है। डिजिटल लाइन सर्टिफिकेट बिना कोषागार आये देने की व्यवस्था चालू है। इन हालातों को देखते हुए पेंशनर/पारिवारिक पेंशनर हस्त लिखित प्रार्थना पत्र निर्धारित प्रपत्र पर स्कैनकर खुद अथवा पुत्र-पुत्री के ईमेल आईडी से कोषागार की मेल आईडी में भेज सकते हैं।

एक सप्ताह बाद क्रय केंद्र शुरू होने से किसानों की उमड़ी भीड़

किसानों की नही है सुनने वाला कोई

संवाददाता। मौदहा (हमीरपुर)

कृषि उत्पादन मंडी समिति में स्थित गेहूं खरीद केंद्रों में काफी अरसे के बाद गेहूं की खरीद शुरू होने से किसानों की भीड़ खरीद केंद्रों पर उमड़ पड़ी। क्रय विक्रय समेत हॉट शाखा में किसानों का खरीदा गया गेहूं डम्प होने से इन केंद्र के प्रभारियों ने किसानों का गेहूं खरीदने से हाथ खड़े कर दिए थे जिसके चलते क्षेत्रीय किसान अपना गेहूं स्थानीय आढतियों व सड़क पर फड़्हा लगाने वालों को कौड़ियों भाव बेचने को मजबूर थे। फिलहाल खरीद केंद्रों में गेहूं की खरीद पुन: शुरू होने से क्षेत्रीय किसानों ने राहत की सांस ली है। सरकार ने नगर समेत क्षेत्रीय किसानों का गेहूं खरीदने के लिए अप्रैल माह के पहले सप्ताह से ही नगर की कृषि उत्पादन मंडी समिति में हॉट शाखा, हॉट शाखा प्लस, क्रय विक्रय व पीसी एफअपने अपने गेहूं खरीद केंद्र खोल दिए थे लेकिन संसाधनों के अभाव के चलते इन खरीद केंद्रों में एक सप्ताह बाद किसानों का गेहूं खरीदना शुरू किया गया। इन खरीद केंद्रों में किसानों को अपना गेहूं बेचने के लिए रजिस्ट्रेशन कराने से लेकर टोकन लेने वह। गेहूं बेचने तक काफी पापड़ बेल ने पड़ते हैं उसके बाद भी भुगतान पाने के लिए बैंक के चक्कर लगाने पड़ते हैं। एक पखवारे तक लगातार केंद्रों में गेहूं की खरीद होने होने पर खरीद केंद्रों के गोदाम गेहूं से भर गये। उक्त गेहूं की उठान ना होने से केंद्र प्रभारियों के सामने गेहूं सुरक्षित रखने की समस्या होने के चलते उन्होंने किसानों का गेहूं खरीदने से हाथ खड़े कर दिये जिसके चलते इन खरीद केंद्रों में एक पखवारे से गेहूं की खरीद ठप थी लेकिन गेहूं की उठान हो जाने से केंद्र प्रभारियों ने पुन: किसानों का गेहूं खरीदना शुरू कर दिया है इसकी जानकारी क्षेत्र में फैलते ही खरीद केंद्रों में किसानों की भीड़ उमड़ पड़ी।

जरूरतमन्दों को ट्रस्ट ने पहुंचाये हजार भोजन पैकेट

संवाददाता। चित्रकूट

कोरोना के कोहराम के दौरान कुछ समाजसेवी संस्थायें लोगों की मदद में जीजान से जुटी हैं। पिछले वर्ष भी कोरोना महामारी में श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट ने जरूरतमन्दों तक भोजन के पैकेट पहुंचाने के काम किये थे।

सोमवार को भी श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट जानकीकुण्ड ने कोरोना महामारी के भयावह रुप लेने पर जरूरतमन्दों को भोजन के पैकेट बांट रहे हैं। भीषण गर्मी में दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों एवं आदिवासी बस्तियों में पहुंचकर ग्रामीणों के बीच भोजन के पैकेट बांटे जा रहे हैं। पांचवे दिन क्षेत्र के विभिन्न कस्बों एवं गांवों में एक हजार भोजन पैकेट बांटे गये। ग्रामीणों के बीच भोजन पैकेट के साथ गुरुदेव का प्रसाद और फल भी बांटे गये। श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के परमार्थ के कार्यों की सभी लोग सराहना कर रहे हैं।

जालौन के आंगनबाड़ी केंद्र औरेखी में महिलाओं को बांटा गया पौष्टिक आहार

संवादाता। जालौन (उरई)

आंगनबाडी केंद्र औरेखी में बच्चों, गर्भवतियों, धात्रियों एवं कुपोषित बच्चों को गेंहू, चावल एवं तेल का वितरण किया गया। सामग्री पाकर उनके चेहरे खिले। सरकार द्वारा चलाए जा रहे कुपोषणता भगाओ अभियान के तहत आंगनबाड़ी केंद्र औरेखी में बच्चों व गर्भवती व धात्री महिलाओं को पौष्टिक आहार का वितरण किया गया। स्वयं सहायता समूह की उपस्थिति में 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों एवं धात्री महिलाओं को 1 किग्रा गेंहू, 500 ग्राम चावल व 500 ग्राम सरसों के तेल का वितरण किया गया। आंगनबाड़ी केंद्र संचालिका कुसुम प्रजापति एवं जय रतनगढ़ समूह की अध्यक्षा पूजा कुशवाहा ने लाभार्थियों से कहा कि कुपोषण से बच्चों को बचाने के लिए उन्हें पौष्टिक आहार नियमित खिलाएं। उनके भोजन में दाल, हरी सब्जियां और वसा सम्मिलित होनी चाहिए। रक्ताल्पता को दूर करने के लिए नियमित आयरन की गोलियों का सेवन करें और हरी सब्जियों को अपने नियमित आहार में सेवन करें। समूह की अध्यक्ष राधा देवी, कमला देवी, आसमी, सुमन दुबे एवं माधुरी देवी, श्रीकुंवर आदि मौजूद रहीं।

सफाई कार्य में बाधा उत्पन्न करने की शिकायत नपा अध्यक्ष से

मौदहा (हमीरपुर)। नगर पालिका परिषद मौदहा के सफाई नायकों ने नगर पालिका अध्यक्ष,अधिशाषी अधिकारी को लिखित शिकायती पत्र देकर बताया है कि चार पांच बाहरी लोग अपने को सफाई कर्मचारी संगठन का नेता कहते है, जब कि इनमें से कोई नगर पालिका में कार्यरत नहीं है, आये दिन आकर सफाई कर्मियों का हाजिरी रजिस्टर देखने को मांगते हैं तथा सफाई कर्मियों से कहते हैं कि नगर पालिका में भ्रष्टाचार व्याप्त है, इसको हम साफ करेंगे।

अमावस्या मेले में न आयें श्रद्धालु घर में ही करें पूजा-पाठ: एडीएम

संवाददाता। चित्रकूट

अपर जिला मजिस्टेड्ट जीपी सिंह ने बताया कि बैशाख माह की अमावस्या 11 मई को है। कोरोना महामारी के बढते संक्रमण को नियंत्रित करने एवं बचाव की गरज से शासन ने धार्मिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। सोमवार को अपर जिला मजिस्टेड्ट जीपी सिंह ने बताया कि शासन के निर्देश का पालन कराने को जिले में पांच सौ से ज्यादा एक्टिव कोरोना केस होने के कारण प्रतिदिन रात्रि कर्फ्यू लागू है। ऐसे में अमावस्या पर सीतापुर, रामघाट, कामदगिरि परिक्रमा मार्ग, भरतकूप व अन्य स्थलों में धार्मिक गतिविधियों मेला में पूरी तरह से प्रतिबंध है। उन्होंने संत-महात्माओं धर्मगुरुओं से कहा है कि श्रद्धालुओं को अपने घर में ही रहकर पूजा-अर्चना करने की अपील करें। अपर जिलाधिकारी ने ईओ नगर पालिका, पर्यटन अधिकारी, चौकी प्रभारी सीतापुर, भरतकूप थानाध्यक्ष व कर्वी कोतवाल को निर्देश दिये हैं कि 11 मई को अमावस्या में किसी सूरत से मेला नहीं लगना चाहिए। दस से 17 मई तक सवेरे सात बजे पूरी तरह कोरोना कर्फ्यू लागू है। शासन के निर्देश पर धार्मिक गतिविधियां भीड़भाड मेला प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील किया कि अपने घरों में ही पूजा-अर्चना करें। अमावस्या मेला में आने की कोई आवश्यकता नहीं है।

धीरे-धीरे थम रहा है अब कोरोना का कहर: सीएमओ

चित्रकूट। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ विनोद कुमार ने बताया कि कोरोना का कहर धीरे-धीरे जिले में थम रहा है। आज कुल पॉजिटिव केस 54 मिले हैं। सोमवार को सीएमओ डॉ विनोद यादव ने बताया कि आरओपीसीआर जांच 358, एंटीजन जांच 1030, आरटीपीसीआर से पॉजिटिव केसों की तादाद 19, एंटीजन पॉजिटिव केस की तादाद 35, टूनॉट से पॉजिटिव केस जीरो कुल 54 पॉजिटिव केस मिले हैं। 126 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। अब जिले में कुल 1236 पॉजिटिव केस हैं। उन्होंने बताया कि होम आइसोलेशन के मरीजों से स्वास्थ्य के बारे में कोविड कमांड एण्ड कंट्रोल सेन्टर में लगे कर्मचारी लगातार स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे हैं। सभी अस्पतालों में पर्याप्त दवायें उपलब्ध हैं।

भूखे को भोजन कराना है पुरुस्वार्थ : शैलेन्द्र

चित्रकूट। महोबा के जिला खनिज अधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कामतानाथ की पंचकोसी परिक्रमा कर भगवान राम की सेना बन्दरों को केला मंगाकर अपने हाथ से खिलाया। सोमवार को महोबा के जिला खनिज अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने परिक्रमा मार्ग में बन्दरों व गायों को अपने हाथ से केला खिलाये। उन्होंने कहा कि बन्दरों के साथ गौसेवा का भी मौका मिला है। मनुष्य धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष्य चारों पुरुस्वार्थ से प्राप्त कर सकता है। महामारी में बन्दरों और जानवरों को खाने को कुछ नहीं मिल रहा है। ऐसी दशा में सभी लोगों को आगे आकर बन्दरों व जानवरों की मदद करनी चाहिए। ज्ञात है कि शैलेन्द्र सिंह चित्रकूट के भी जिला खनिज अधिकारी रहे हैं। उन दिनों लॉकडाउन में प्रतिदिन बन्दरों की सेवा करते रहे हैं। बन्दरों व गौसेवा में उनका नाम सुर्खियों में रहा है। यहां से तबादला होने के बाद भी बन्दरों की सेवा को वह सवेरे कामतानाथ की परिक्रमा करने आये थे। उनके साथ समाजसेवी रामबाबू गुप्ता, महेश जायसवाल, रजनीश तिवारी आदि मौजूद रहे।

बैंकों के आसपास संदिग्धों की पुलिस ने की जांच

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल के निर्देश पर जिले के थाना-चौकी प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्र के बैंकों की जांचकर सीसीटीवी कैमरे आदि देखकर सुरक्षा के लिहाज से दिशा-निर्देश दिये। सोमवार को पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले के थाना-चौकी प्रभारियों ने अपने क्षेत्र में स्थित बैंकों की जांच की। बैंक जांच दौरान ड्यूटी रजिस्टर, अलार्म, सीसीटीवी कैमरे देखकर उचित निर्देश दिये। बैंकों की जांच दौरान थानाध्यक्षों ने बैंक प्रबंधक से कहा कि कोरोना गाइडलाइन का सभी लोग पालन करें। बिना मास्क लगाये लोगों को बैंक में प्रवेश न करने दें। डिस्टेंसिंग बरकरार रखें। थानाध्यक्षों ने बैंक के अन्दर व बाहर तथा आसपास संदिग्ध लोगों की भी जांच की।

साहब खाद्य वस्तुओं के दाम तो निर्धारित हो गये, दवाओं के दाम कब होंगे निर्धारित

हमीरपुर। प्रशासन ने आवश्यक वस्तुओं के लिये रेट निर्धारित कर दिये है हालाकि इन दामों से व्यापारियों का कोई लेना देना नही रहता है इधर लोगों का कहना है कि खाद्य वस्तुओं के दाम तो निर्धारित कर दिये गये है मगर दवाओं में दो अनाप शनाप दाम लिये जा रहे है उसके लिये प्रशासन ने कोई कदम नही उठाया है। जानकारी के मुताबिक खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़ने की शिकायते रोजाना प्राप्त हो रही थी लिहाजा प्रशासन ने एडीएम नमामि गंगे की अध्यक्षता में एक चार सदस्यीय एक कमेटी का गठन कर हरेक वस्तु के दाम निर्धारित कर दिये है। जिसमे आटा 21 से 22 रुपये प्रति किलोग्राम, चावल 28 से 32 रुपये प्रतिकिलो,चीनी 38 से चालिस रुपये प्रति किलो, सरसो का तेल 160 से 170 रुपये प्रतिकिलो,अरहर की दाल 105 से 110 रुपये प्रतिकिलो, अंगूर 120 रुपये प्रतिकिलो, प्याज 25 से तीस रुपये प्रतिकिलो, पपीता 70 से अस्सी रुपये प्रतिकिलो की दर से रेट निर्धारित किये गये है। समिति ने कहा है कि यदि किसी भी वस्तुओ के दाम दुकानदार अधिक वसूल करे तो उसकी सूचना प्रशासन को देना होगा ताकि संबंधित अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जा सके। इधर लोगो का कहना है कि कोरोना व वायरस के चलते हरेक मेडिकल स्टोरों में दवाओ के दाम आसमान छू रहे है दुकानदार मनमानी मूल्य ले रहे है दवा निरीक्षक का कई महीने से अता पता नही है जिससे जनता का आर्थिक शोषण किया जा रहा है।दवा के नाम पर चारो तरफ लूट मची है दुकानदार खुलेआम मनमानी पैसा वसूल रहे है किसी उपभोक्ता ने एतराज जताया तो उसे डाट कर भगा दिया जाता है। दवाओं के मूल्य में रोक लगायी जाये तो गरीब मरीजों को राहत मिल जायेगी।

एसीसी वर्क्स ने अमेठी के कोविड मरीजों के लिए दिए 21 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर

संवाददाता। अमेठी

जिलाधिकारी को ऑक्सीजन कंसंट्रेटर देते हुए

जिलाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि जनपद में कोविड मरीजों की चिकित्सीय सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सांसद के स्तर से दिए गए निर्देश के क्रम में औद्योगिक इकाइयों तथा स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा सीएसआर के अन्तर्गत लगातार सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने बताया कि आज एसीसी टिकरिया सीमेंट वर्क्स द्वारा जनपद के कोविड मरीजों की चिकित्सीय सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 21 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी ऑक्सीजन कंसंट्रेटर को मुख्य चिकित्सा अधिकारी अमेठी को सौंपते हुए कोविड मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशुतोष दुबे ने बताया कि यह ऑक्सीजन कंसंट्रेटर एक तरह से मिनी ऑक्सीजन प्लांट हैए इस ऑक्सीजन कंसंट्रेटर से एक साथ दो मरीजों को ऑक्सीजन दी जा सकती हैए यह एक अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस ऑक्सीजन कंसंट्रेटर है। इस दौरान एसीसी टिकरिया सीमेंट वर्क्स के डायरेक्टर प्लांट अतुल दत्ताए हेड एचआर अनिल दुबेए हेड सीएसआर अखिलेश गुप्ताए हेड एनवायरमेंट राम यज्ञ पाठक मौजूद रहे।

सुबह 7 से 11ही खुलेंगी आवश्यक वस्तुओं की दुकानें

लालगंज,रायबरेली। कोतवाली परिसर में व्यापारी नेताओं व प्रशासन के मध्य उपजिलाधिकारी विनय मिश्र की अध्यक्षता में एक बैठक आहूत की गई।जिसमें विभिन्न बिंदुओ पर कोरोना महामारी को लेकर चर्चा की गई। जिसमें निर्णय लिया गया कि आवश्यक वस्तुओ की दुकाने सुबह 7 बजे से 11 बजे तक ही खोली जाएंगी। अन्य कोई दुकान नहीं खुलेगी। मेडिकल स्टोर 24 घंटे खुले रहेंगे।खुलने वाली दुकानो के बाहर सामाजिक दूरी को लेकर गोले बनाए जाने, रस्सी बांधने, मास्क लगाकर दुकानदार के बैठने समेत मास्क लगाकर आने वालों को ही सामान दिए जाने, दुकान पर सैनिटाइजर उपलब्ध रखने जैसे जरूरी उपाय भी बताए गए। अधिकारियों ने कहा कि खुलने वाली दुकानों के बाहर इस बात का जरूर ध्यान रखा जाए कि वहां पर भीड़ न लगने पाए। इस मौके पर कोतवाल अरूण कुमार सिंह, चेयरमैन रामबाबू गुप्त,जीतू सिंह, जिलाध्यक्ष रोहित सोनी,नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा,मृत्युंजय वाजपेई, दीपेंद्र रस्तोगी, महेश सोनी, आदि मौजूद रहे।

सफाईकर्मियों व फायर टैंकर की गाड़ियों के माध्यम से किया गया सैनिटाइजेशन

संवाददाता। रायबरेली

शासन के निर्देशों के अनुपालन व जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के निर्देश पर जनपद रायबरेली में कोविड-19 महामारी पर प्रभावी नियंत्रण हेतु कंटेनमेंट जोन सहित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार साफ-सफाई, सैनिटाइजेशन, फागिंग व स्वच्छता का कार्य कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने जनपद के नगर पालिका परिषद एवं सभी नगर निकायों के वार्डो में नियमित साफ-सफाई के लिये नगर निकायों में कार्यरत सफाई कर्मियों व फायर टैंकर की गाड़ियों के माध्यम से सैनिटाइजेशन कराने के निर्देश दिये गये है। ग्रामीण क्षेत्रो में भी सफाई कर्मचारी के माध्यम से लगातार सफाई अभियान चलाने, सैनिटाइजेशन कराने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये गये है। उन्होने बताया है कि कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत जनपद में विशेष स्वच्छता अभियान संचालित कर सैनिटाइजेशन कराया जा रहा है। इसके साथ ही कन्टेनमेन्ट जोन में भी नियमित सैनिटाइजेशन कराया जा रहा है। उन्होने ग्रामीण क्षेत्र में सफाई, सैनिटाइजेशन हेतु नगर पंचायत के अधिशाषी अधिकारी तथा शहरी क्षेत्र में समस्त अधिशासी अधिकारियों को सफाई कर्मचारियों की टीम गठित कर प्रतिदिन निर्धारित कन्टेनमेन्ट जोन के साथ सम्बन्धित क्षेत्र में कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुये सैनिटाइजेशन व सफाई कराने के निर्देश दिये गये है। उन्होने बताया है कि जनपद की सभी ग्राम पंचायतों के साथ प्रमुख स्थानों पर फायर टैंकर के सहयोग से वृहद सैनिटाइजेशन कराने तथा नालियों में एन्टी लार्वा स्प्रे, ब्लीचिंग पाउडर छिड़काव सहित वृहद स्तर पर सफाई कराने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिये गये है। इसके साथ ही जन सामान्य को भी कोविड-19 संक्रमण से बचाव हेतु क्या करें, क्या न करें के सम्बन्ध में जागरूक करने के निर्देश दिये है।

जिलाधिकारी ने एम्बुलेंस सेवा के लिए किराया दर किया निर्धारित

● अधिक किराया वसूलने पर होगी एफआईआर दर्ज

संवाददाता। अमेठी

जिलाधिकारी अरुण कुमार ने कोविड 19 के मरीजों को एंबुलेंस सेवा के उपयोग हेतु किराया दर निर्धारित कर दिया है। उन्होंने कहा है कि निर्धारित दर से अधिक किराया वसूल किए जाने वाले एंबुलेंस मालिकोध्चालकों पर एफ्आईआर दर्ज कराए जाने के साथ ही कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि कोरोना संक्रमण के रोकथामए बचाव एवं उपचार तथा समुचित प्रबंधन कार्य किए जा रहे है। कोरोना मरीजोंए उनके तीमारदारों तथा मीडिया में प्रकाशित खबरों के माध्यम से लगातार शिकायत प्राप्त हो रही थी कि कोविड मरीजों हेतु प्रयोग में लाये जा रहे एम्बुलेन्स वाहन स्वामियों अथवा चालकों द्वारा कोविड.19 के मरीजों को अस्पताल पहुंचाने हेतु मनमाने तरीके से पैसे वसूले जा रहे हैं जो कि आपत्तिजनक एवं विधि विरूद्ध है। इसके दृष्टिगत एंबुलेंस का किराया दर निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी ने जनपद में कोविड:19 मरीजों से सम्बन्धित एम्बुलेन्स सेवा हेतु निर्धारित किराया दर के विवरण में बताया है कि साधारण बिना आक्सीजन युक्त एम्बुलेन्स रुपए 300६ अधिकतम 10 किमी0 हेतु तत्पश्चात रू0 50६ प्रति अतिरिक्त किमीए आक्सीजन युक्त एम्बुलेन्स रुपए 500६ अधिकतम 10 किमी0 हेतु तत्पश्चात रू 50६ प्रति अतिरिक्त किमी तथा वेंटिलेटर युक्त एम्बुलेन्स रुपए 1000६ अधिकतम 10 किमी0 हेतु तत्पश्चात रु0 100६ प्रति अतिरिक्त किमी निर्धारित किया गया है। जिलाधिकारी ने यह बताया कि अस्पताल पहुंचाने के बाद वापसी का किराया अनुमन्य नहीं होगा। यदि जिला प्रशासन के संज्ञान में यह तथ्य आयेगा कि एम्बुलेन्स वाहन के स्वामियों अथवा उनके चालकों द्वारा इस निर्धारित दर से अधिक किराया वसूला जाएगाए तो उनके विरुद्ध महामारी अधिनियम के अर्न्तगत कठोर विधिक कार्यवाही करते हुए सुसंगत धाराओं में एफ0आई0आर0 दर्ज करायी जायेगी। निर्धारित दर से अधिक किराया वसूले जाने पर डायल 112 अथवा जनपद में स्थापित कोविड कन्ट्रोल रूम नं. 05368.244499ए 244011ए 297006 एवं 80092192021 पर अवगत करायें। जिलाधिकारी ने इसके प्रभावी निगरानी हेतु अपर जिलाधिकारी न्यायिक मो0नं0. 6398462663 एवं सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ;प्रशासनद्ध मो0नं0. 9140674050 को नोडल अधिकारी नामित करते हुए इस आदेश का शत.प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराए जाने के निर्देश दिए है।

डीएम ने टीम-9, स्वास्थ्य व अन्य अधिकारियों के साथ की बैठक, जारी किए निर्देश

अमेठी। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने आज सीएमओ कार्यालय में संचालित एकीकृत कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में प्रभारी इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूमए प्रभारी सर्विलांसए प्रभारी सैम्पलिंगए प्रभारी स्टोरए प्रभारी टीकाकरणए मुख्य विकास अधिकारीए अपर जिला अधिकारीए मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों तथा टीम.9 के अधिकारियों के साथ कोविड.19 व उसके टीकाकरण के संबंध में चल रही समस्त कार्यवाही की विस्तृत समीक्षा कर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान समस्त उपजिलाधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि एल.2 हॉस्पिटल में भर्ती मरीजों तथा होम आइसोलेशन वाले मरीजों से प्रतिदिन फोन के माध्यम से उनके स्वास्थ्य संबंधी फीडबैक लिया जाए यदि किसी भी मरीज को किसी भी प्रकार की समस्या हो तो उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित कराएं। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कांटेक्ट ट्रेसिंगए टेस्टिंग तथा टीकाकरण की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पॉजिटिव व्यक्ति के संपर्क में आये सभी व्यक्तियों की जांच अवश्य किया जाए तथा कोविड टेस्टिंग कार्य में वृद्धि की जाए। जिलाधिकारी ने कांटेक्ट ट्रेसिंग बढ़ाने के साथ.साथ बाहर से आने वाले समस्त व्यक्तियों की सैंपलिंग अनिवार्य रूप से कराए जाने को कहा।

बिना सूचना ड्यूटी से नदारद है कनिष्ठ सहायक

● डीएम के आदेश के बाद भी नहीं हो सका चिकिसकीय परीक्षण

संवाददाता। श्रावस्ती, भिनगा

विकास खण्ड हरिहरपुररानी के चितईपुर गेंहू क्रय केंद्र जिम्मेदारो की लापरवाही के चलते एक माह से बन्द चल रहा है। एक तरफ जहां प्रदेश सरकार गेहूं क्रय केन्द्र को प्राथमिकता के आधार पर हर हाल में संचालित करने को लेकर गंभीर है तो वही श्रावस्ती जनपद के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के चलते विकास खण्ड हरिहरपुर रानी के चितई पुर स्थित पीसीएफका गेंहू खरीद केंद्र 1 अप्रैल से ही बन्द है जिसके कारण अन्नदाता अपनी मेहनत से तैयार की गई उपज की बिक्री के लिए भटकना पड़ रहा हैं। यूपी कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड की ओर से पीसीएफमें कनिष्ठ सहायक के पद पर तैनात विनोद कुमार कुशवाहा को चितई पुर गेंहू क्रय केंद्र का प्रभारी 17 मार्च को बनाया गया था। लेकिन इसके बाद वह अपना चिकित्सकीय परीक्षण कराकर चिकित्सकीय अवकाश पर 17 अप्रैल तक चले गये।इस दौरान इनकी ड्यूटी पंचायत चुनावों में प्रथम मतदान अधिकारी के रूप में लगाई गई थी लेकिन वह चुनाव पर नही आये। इसको लेकर पीसीएफके जिला प्रबंधक रज्जन लाल ने 6 अप्रैल को संयुक्त जिला चिकित्सालय के सीएमएस को पत्र भेजकर विनोद कुशवाहा का पुनः चिकित्सकीय परीक्षण कराने का अनुरोध भी किया जिस पर उन्हें पुनः चिकित्सकीय परीक्षण कराने के लिए 7 अप्रैल को तलब किया गया लेकिन वह नही आये। इसको लेकर पीसीएफ के जिला प्रबंधक ने डीएम टिके शिबु को पत्र लिख उन्हें स्थिति से अवगत कराया जिस पर डीएम ने आदेश जारी कर कहा कि गेहूं खरीद शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजना है जिसका संचालन होना अत्यंत आवश्यक है। डीएम ने अपने आदेश में यह भी कहा कि कनिष्ठ सहायक विनोद कुमार जो चितईपुर गेंहू क्रय केंद्र के प्रभारी है शासकीय कार्यो से बचते हुए सुनियोजित तरीके से चिकित्सा अवकाश प्रार्थना पत्र दिया है। डीएम ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पीसीएफकी ओर से मेडिकल बोर्ड गठित कर विनोद कुमार का चिकित्सकीय परीक्षण कराने के लिए 22 अप्रैल को तीन सदस्यीय कमेटी के गठन करने का निर्देश दिया।कमेटी में एडीएम योगानन्द पांडेय सीएमओ डॉ एपी भार्गव व एसीएमओ को रखा गया है।जिससे यह पता चल सके कि वे शासकीय कार्यो को करने में सक्षम है या नही।विनोद कुमार की ओर से 17 अप्रैल के बाद मेडिकल भी आगे नही बढ़ाया गया है।

घर के अंदर फांसी के फंदे पर लटका मिला युवक का शव

रायबरेली। युवक ने अपने घर के अंदर चारपाई के पट्टे से फांसी अगाकर जान दे दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा है। मामला कोतवाली क्षेत्र के गांव ब्रमहजीत पुर का है। सोमवार की दोपहर गांव के मोहित कुमार 20 पुत्र राम कुमार ने अपने घर के एक कमरे में खुद को बंद करके सीलिंग में लगे पंखे की हुक में चारपाई के पट्टे से फांसी लगा लिया। जिससे उसकी मौत हो गई। काफी देर बाद जब परिजन कमरे में गए तो उसके शव को लटकता देखा। इसके बाद घर में कोहराम मच गया। आसपास के लोगों ने शव को नीचे उतारा और घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा है। कोतवाल विनोद सिंह का कहना है कि युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त था , इसलिए उसने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली है।

कस्बे में फ्लैग मार्च कर पुलिस ने कराया लाक डाउन का पालन

संवाददाता। बछरावां रायबरेली

सरकार द्वारा जारी आदेशों का पालन कराने के लिए बछरावां पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद। जानकारी के अनुसार बताते चलें 10 मई से अगली 17 मई 2021 तक सरकार के आदेशानुसार लॉक डाउन का विधिवत पालन कराने के लिए कोतवाल राकेश सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस बल पूरे कस्बे का पैदल मार्च करते सब्जी किराना दूध फल आदि की दुकानों को छोड़कर बाकी की खुली हुई दुकानों को बंद कराने का कार्य किया गया साथ ही साथ माइक से अलाउंस भी करते रहे कि आप सभी लोग जो जरूरत की खुदरा दुकानें हैं सुबह 7रू00 बजे से 11रू00 बजे तक ही खोलें समय का पूरा ध्यान रखा जाए इसके बाद अगर कहीं कोई दुकान खुली मिली या लॉक डाउन का उल्लंघन किया गया तो उसके ऊपर सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी यदि किसी व्यक्ति को जरूरत पर बाहर निकलना भी पढ़े तो ध्यान रहे चेहरे पर मास्क और सामाजिक दूरी का पालन अवश्य करें क्योंकि कोविड-19 दूसरी लहर बहुत ही भयानक है बस हम सभी को सतर्क रहने की जरूरत है इससे किसी को घबराने की जरूरत नहीं है दुकान में सामान देते समय ज्यादा भीड़ बढ़ने ना पाए इस पर विशेष ध्यान दें वहीं कस्बे का भ्रमण करते समय आने-जाने वालों पर सख्त निगरानी की गई जो फालतू इधर-उधर सड़क पर घूम रहे थे उनको रोक कर सख्त चेतावनी दी गई जिसके कारण आज कस्बे में लॉक डाउन का पूरा असर दिखाई पड़ा इक्का-दुक्का को छोड़कर कहीं कोई चलता हुआ या फालतू घूमता हुआ नजर नहीं आया यदि इसी तरह प्रशासन चुस्त-दुरुस्त रहा और लॉक डाउन का समुचित पालन कराने में सफल रहा तो हम लोग इस महामारी से छुटकारा पाने में कामयाब होंगे।

एसडीएम इकौना ने गेहूं क्रय केंद्र का किया औचक निरीक्षण

संवाददाता। श्रावस्ती,इकौना

एसडीएम इकौना राजेश कुमार मिश्रा ने सोमवार को गेहूं क्रय केंद्र इकौना का औचक निरीक्षण करने पहुचेए इस दौरान उन्होंने कंप्यूटर कांटा के माप तौल के परीक्षण के साथ केंद्र के अभिलेखों की भी जांच की। सोमवार को किसान सेवा सहकारी समिति गेहूं क्रय केंद्र इकौना का एसडीएम इकौना राजेश कुमार मिश्रा ने सी ओ महेंद्र पाल शर्मा के साथ औचक निरीक्षण किया इस दौरान एसडीएम ने निरीक्षण के दौरान अभिलेखए खरीद रजिस्टर एवं टोकन आदि का अवलोकन किया साथ ही क्रय किये गए गेहूं के स्टाक की जानकारी ली । इस दौरान केंद्र प्रभारी माधवराम यादव ने अब तक रजिस्टर्ड 25 किसानों से 1488 कुंतल गेहूँ खरीद करने व भुगतान पीसीएफ भिनगा के माध्यम से किसानो के खाते में भेजे जाने की जानकारी दी।

केंद्र प्रभारी ने एसडीएम महोदय को अवगत कराया कि खरीदे गए गेहूं का स्टाक गोदाम में लगा हुआ है । परिवहन ठेकेदार की लापरवाही के कारण माल की ढुलाई नहीं हो पा रही है । जिससे क्रय केंद्र पर भंडारण की समस्या के चलते गेहूँ खरीद बाधित हो रही है । एसडीएम ने अतिशीघ्र समस्या निस्तारण का आश्वासन देकर किसानों के गेहूं की निर्बाध खरीद व भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश केन्द्र प्रभारी को दिये।

कोविड टीकाकरण के लिए आनलाइन पंजीकरण अनिवार्य

लालगंज, रायबरेली। कोविड-19 का टीकारण अब बिना आनलाईन पंजीकरण कराए नहीं हो सकेगा।पंजीकरण के बाद मिलने वाली तिथि पर ही टीका लगाया जा सकेगा।यह जानकारी देते हुए खंड समुदाय प्रक्रिया प्रबंधक सुधांशू त्रिपाठी ने बताया कि 45 साल से अधिक वालों का टीकाकरण अभी तक अस्पताल आने पर तत्काल कर दिया जाता था। लेकिन नए मिले निर्देशों के क्रम में 10 मई से टीकाकरण कराने के लिए पहले आनलाईन पंजीकरण कराना होगा।उसी समय पंजीकरण कराने वालों को टीकाकरण की तिथि मिल जाएगी। उसी निर्धारित तिथि पर अस्पताल आने पर कोरोनारोधी टीका लगाया जाएगा। वहीं कोविड की द्वितीय डोज के लिए आनलाईन पंजीकरण अनिवार्य नही है। पहले डोज के समय दिए गए कार्ड व पंजीकृत मोबाइल नंबर के साथ आने पर टीकाकरण कर दिया जाएगा।

क्विक न्यूज

मजदूरों की समस्याओं को लेकर डीएम ने गठित की टीम

श्रावस्ती। कोरोना महामारी के दौरान लोगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने व सभी औधोगिक इकाइयों को संचालित रखने व औधोगिक इकाइयों में कार्यरत मजदूरों की समस्याओं को लेकर डीएम ने टीम का गठन किया है। टीम संख्या चार में एडीएम योगानन्द पांडेय के अलावा उप जिला मजिस्ट्रेट आरपी चौधरी व सहायक आयुक्त उद्योग को रखा गया है। इस सम्बंध में एडीएम योगानंद पांडेय ने बताया कि टीम का मुख्य कार्य औद्योगिक इकाइयों का सभी दिन व व्यावसायिक इकाइयों का बन्दी के दिनों को छोड़कर संचालन सुनिश्चित कराना है। इसके अलावा सभी इकाइयों में कोविड हेल्प डेस्क की स्थापना करनी होगी जहां कार्य करने वाले श्रमिको की समस्याओं का समाधान जिला प्रशासन व इकाई स्तर पर सुनिश्चित करना होगाए एडीएम ने इस संबंध में आदेश जारी कर जिले में चल रहे सभी औद्योगिक इकाइयों को तहसीलवार ब्लॉकवार थानावार सूची बद्ध करते हुए उनके मालिको के नाम पता व मोबाइल नंबर के अलावा कार्यरत कर्मचारियों की संख्या व आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराने की बात कही है।

टायर फटने से अनियंत्रित पिकप पलटी, तीन घायल

श्रावस्ती, सोनवा। थाना सोनवा अंतर्गत बहराइच. भिनगा फोरलेन पर शिवालापुरवा गांव के पास बहराइच की तरफ से सब्जी लेकर आ रही पिकप वाहन के टायर फट जाने से तेज रफ्तार पिकप अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसमें पिकअप सवार तीन लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सँयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा भेज दिया है। थाना मल्हीपुर के कानीबोझी निवासी जुबेर सोमवार सुबह सब्जी लेने के लिए अपनी पिकअप से बहराइच गए हुए थे। जब वह वापस बहराइच से कानीबोझी के लिये लौट रहे थे तभी बहराइच भिनगा मार्ग पर शिवाला पुरवा के पास उनके वाहन का टायर फट गया जिससे पिकप अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पलट गई। जिससे पिकअप पर सवार मैनुद्दीन निवासी प्रतापपुर एकासिमए इरसाद निवासी कनीबोझी थाना मल्हीपुर गंभीर रुप से घायल हो गए।

22 ग्राम प्रधान नहीं ले सकेंगे शपथ

लालगंज,रायबरेली। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव सम्पन्न हो चुके हैं।सभी जगहों का परिणाम आ चुका है। अभी शपथ ग्रहण की तिथि चुनाव आयोग द्वारा घोषित नहीं हुई है। लालगंज विकास खंड के 56 ग्राम सभाओं में चुने हुए 34 ग्राम प्रधान ही शपथ ले सकेंगे। 22 ग्राम प्रधान शपथ नहीं ले सकेंगे।ग्राम पंचायत सदस्यों के कुल 718 में से 335 वार्ड खाली हैं जिनमें 334 निर्विरोध चुने गए हैं।383 वार्डों में किसी ने भी नामांकन नहीं किया है।इसे उदासीनता कहें या ग्राम पंचायत सदस्य पद के प्रति रूचि न लेना कि रिक्त पदों पर किसी ने नामांकन तक नहीं किया। बताते चलें कि विशुनखेड़ा,बरहा,गहिरी,कुम्हड़ौरा, मलपुरा, रानीपुर, हरीपुर,युसुफपुर,चांदा, गौरारूपई,लालूमऊ, सोंडासी,उदवामऊ, पलियाविरसिंहपुर,जगतपुर भिचकौरा,मैदेमऊ, बेमौरा महेशखेड़ा, शाहपुर, बंडई, महाखेड़ा, रेवारी पसियाखेड़ा तथा मीठापुर बढ़ैया के ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत सदस्यों के कोरम पूरा न होने के अभाव में शपथ ग्रहण नही कर पाएंगे। शेष बची ग्राम पंचायतों के 34 प्रधान अब शपथ ग्रहण की तिथि निर्धारित होने की राह देख रहे हैं। वहीं 22 ग्राम पंचायतों के प्रधान ग्राम पंचायत सदस्यों के चुनाव के बाद ही शपथ ले सकेंगे।

अज्ञात वाहन की चपेट में आने से युवक घायल

जगदीशपुर,अमेठी। अज्ञात वाहन की टक्कर से साइकिल सवार गम्भीर रूप से घायल हो गया स्थानीय लोगों की मदद सीएचसी में भर्ती कराया गया जहाँ चिकित्सकों ने हालात गम्भीर देख कर ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत कटरा मजरे टाडा निवासी अफरान साइकिल से किसी काम से वारिसगंज बाजार गया था जहाँ अज्ञात वाहन की टक्कर साइकिल सवार गम्भीर रूप से घायल हो गया स्थानीय लोगों की मदद से युवक को जगदीशपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भर्ती कराया गया हालात गम्भीर देख कर चिकित्सकों ने ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया।

बाजारों में कोविड प्रोटोकॉल के उल्लंघन की खबरों को लेकर हरकत में आया प्रशासन

संवाददाता। श्रावस्ती, इकौना

कोरोना कर्फ्यू के बाद भी बाजारो में लगातार बढ़ रही भीड़ को नियंत्रित करने को लेकर प्रशासन ने सख्त रूखअपनाया है। एसडीएम इकौना व सीओ ने पुलिस बल के साथ इकौनाए गिलौलाए कटरा के बाजारों का निरीक्षण कियाए साथ ही दुकानदारों को हिदायत दी कि वे कोरोना कर्फ्यू का पूरी तरह पालन करे। कोरोना कर्फ्यू का पालन करने के लिए एसडीएम राजेश कुमार मिश्रा व क्षेत्राधिकारी महेंद्र पाल शर्मा ने प्रभारी निरीक्षक इकौना के साथ इकौना मे संजय पार्कए बेचू बाबा चौराहा ए भिनगा रोडए सीताद्वार तिराहा मोड़ पर पैदल गश्त किया। और हर आने जाने वाले ग्रामीण व बाइक सवारो को रोककर उन्हें घर में रहने के निर्देश दिये इस दौरान दुकानदारों को दुकान बंद कर घर मे रहने सड़क पर बिना वजह घूमते मिलने पर जुर्माना व सख्त कार्यवाही की चेतावनी दी। इसके बाद एसडीएम ने इकौना बाईपासए कटरा एबीरपुर एगिलौला बाजारों का भी निरीक्षण कर सभी को घर में रहने की अपील की। क्षेत्राधिकारी महेंद्र पाल शर्मा ने कहा की सभी दुकानदार व ग्रामीण अपने अपने घरों में रहकर कोरोना संक्रमण को हराने के लिए पूरा प्रयास करें । जरुरी होने पर ही घर से बाहर निकले । बेवजह बाहर निकलने से संक्रमण फैलने की प्रबल संभावना हो जाती है । इसलिए माक्स लगाकर ही बाहर निकलें। प्रभारी निरीक्षक ज्ञानेंद्र पांडे ने सुबह दस बजे सब्जी मंडी का समय खत्म होते ही कस्बा इकौना मे हमराह पुलिस फोर्स के साथ मुख्य बाजार सब्जी मंडी मे भीड़ लगाए लोगों को खदेड़ाए बेवजह घूम रहे राहगीरों व बाइक सवारों को चेतावनी देकर वापस कर दिया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने संचालित किया आइसोलेशन केंद्र

लालगंज,रायबरेली। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ लालगंज द्वारा सेवा भारती द्वारा संचालित आइसोलेशन केंद्र को कस्बे के बरातीलाल गंगाराम सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज लालगंज में खोला गया है। यह जानकारी देते हुए जिला प्रचारक मनीष जी ने बताया कि 15 बेडों का आइसोलेशन वार्ड बनाया गया है जिसमें कोई भी निर्धन परिवार जिनके पास होम आइसोलेशन के लिए घर में उचित जगह नहीं है या फिर कोई परिजन तीमारदार के रूप में नहीं है तो ऐसी दशा में वह उक्त आइसोलेशन केंद्र में भर्ती हो सकता है।यहां पर उसे चिकित्सीय उपचार,दवा के साथ ही दोनों समय का भोजन व काढ़ा नि:शुल्क रूप से दिया जाएगा।उन्होंने बताया कि संघ से जुड़े तीन सेवा निवृत्त चिकित्सक लगाए गए हैं जो भर्ती होने वाले मरीजों का उपचार करेगे। आरएसएस के स्वयं सेवकों द्वारा मास्क, सैनिटाइजर, काढ़ा वितरित किया जा रहा है वहीं सैनिटाइजेशन करने में भी स्वयं सेवक लगे हैं। उन्होंने बताया कि 15 मई से अवध रसोई शुरू होनी है जिसके माध्यम से लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

एम्बुलेंस निगरानी के लिए डीएम ने नोडल अधिकारियों को लगाया

श्रावस्ती। जिलाधिकारी टी0के0 शिबु ने कोरोना संक्रमित मरीजों व उनके परिजनों से एम्बुलेंस चालकों द्वारा मनमाना किराया वसूलने की शिकायत को संज्ञान में लेते हुए एम्बुलेंस के लिए अधिकतम किराया निर्धारित कर दिया है।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में संक्रमण की रोकथामए बचाव एवं उपचार हेतु समुचित प्रबन्धन किए जा रहे हैं। विभिन्न कोरोना मरीजोंए उनके तीमारदारों द्वारा लगातार शिकायत प्राप्त हो रही हैं कि कोविड मरीजों हेतु प्रयोग में लाये जा रहे एम्बुलेन्स वाहन स्वामियों अथवा चालकों द्वारा कोविड.19 के मरीजों को अस्पताल पहुंचाने हेतु मनमाने तरीके से पैसे वसूले जा रहे हैं जो कि आपत्तिजनक है। जिसको लेकर जनपद में कोविड.19 मरीजों से सम्बन्धित एम्बुलेन्स सेवा हेतु किराया दरें निर्धारित की गई हैं। जिसके अनुसार आक्सीजन रहित एम्बुलेंस रू0 1000 प्रति 10 किमी हेतु उसके पश्चात 100 रुपए प्रति किमी की दर से अतिरिक्तए आक्सीजन युक्त एम्बुलेन्स रू0 1500 प्रति 10 किमी हेतु उसके पश्चात रुपये 100 प्रति किमी अतिरिक्त तथा वेंटीलेटर सर्पोटेडध्वाई पैप एम्बुलेन्स के लिए रू0 2500 प्रति 10 किमी हेतु उसके पश्चात रू0 200 प्रति किमी अतिरिक्त की दर से किराया लिया जा सकेगा। जिलाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया है कि कोविड अस्पताल पहुंचाने के बाद वापसी का किराया अनुमन्य नहीं होगा। यदि जिला प्रशासन के संज्ञान में यह तथ्य आता है कि एम्बुलेन्स वाहन के स्वामियों अथवा उनके चालकों द्वारा निर्धारित किराये से अधिक किराया वसूला जा रहा है अथवा वसूला गया है तो उनके विरूद्ध महामारी अधिनियम के अन्तर्गत कठोर विधिक कार्यवाही करते हुए सुसंगत धाराओं में एफ्आईआर दर्ज करायी जायेगी। निर्धारित दर से अधिक किराया वसूले जाने पर डायल 112ए ट्रैफिक पुलिस हेल्प लाइन नम्बर 9454405155 पर शिकायत दर्ज करायी जा सकती है।

विधायक संजय जायसवाल ने प्रधानाचार्य पर किया बड़ा हमला

● मेडिकल कालेज की बदहाली को लेकर सीएम को लिखा पत्र

● 'पायनियर' की कटिंग के साथ व्यवस्था में सुधार लाने की अपील

संवाददाता। बस्ती

रुधौली के विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य के मनमाने और अनियमित कार्यो को लेकर अब तक का सबसे बड़ा हमला बोला है। 'पायनियर' के खबरों की कटिंग के साथ विधायक ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर उनसे प्राचार्य के अनियमित कार्यो की जांच उच्च स्तरीय टीम से कराने की मांग की है। कहा कि भर्ती कराने जाने वालों से इनका व्यवहार पूरी तरह अमर्यादित रहता है। आक्सीजन की उपलब्धता रहते हुए इनके द्वारा यह कहा जाता है, पहले डीएम से आदेष लेकर आओ फ्रि मरीज को आक्सीजन का सपोर्ट मिलेगा। प्राचार्य के व्यवहार और कार्यषैली के चलते अस्पताल में अव्यवस्था फैला हुआ हैं। इनके इसी व्यवहार के चलते चिकित्सक सामूहिक इस्तीफ तक दे चुके है। आज तक एक भी मरीज को आवष्यकता पड़ने पर भी वेंटिलेटर उपलब्ध रहने के बावजूद सुविधा नहीं दी गई, जिसके चलते कई मरीज असमय ही दम तोड़ चुके है। सबसे गंभीर आरोप करोड़ों रुपये के अनुपयोगी सामान खरीदने का लगाया गया, इस खरीद फ्रोख्त में एक करीबी चिकित्सक की महत्वपूर्ण भूमिका बताई जा रही है। कहा कि ढ़ाई साल बीत जाने के बाद भी मेंटेनेंस कार्य, लांड्री, किचन सफाई एवं कैंटीन का टेंडर नहीं कराया गया। वेंटीलेटर आपरेटर एवं अन्य संविदा कर्मचारियों को समय से वेतन न मिल पाने के कारण आए दिन कर्मचारी लामबंद हो रहे हैं, जिसका प्रभाव मरीजों पर पड़ रहा। बताया कि अस्पताल प्रशासन की लापरवाही के चलते अब तक लगभग दो सौ मरीजों की मौत हो चुकी है।

प्रधानाचार्य, आचार्य, सह आचार्य और सहायक आचार्य की हो वीडियोग्राफी

विधायक ने कहा कि कोविड अस्पताल में भर्ती मरीजों का इलाज जूनियर और अनुभवहीन डाक्टरों के भरोसे हो रहा है। लाखों रुपये वेतन लेने वाले प्रधानाचार्य, आचार्य, सह आचार्य और सहायक आचार्य वार्ड में मरीजों को देखने नहीं जा रहे हैं, जिसके चलते मरीजों का ठीक से इलाज न होने के कारण मौत हो रही है। भाजपा के राजेंद्रनाथ तिवारी, अनूप खरे, विजय कुमार द्विवेदी, अमरेष चंद्रा, सदर विधायक और रुधौली विधायक के मीडिया प्रभारी अजय कुमार श्रीवास्तव एवं अमर सोनी सहित अन्य ने इन डाक्टरों का वार्ड में जाने का शिड्यूल बनाने की मांग की है। प्रधानाचार्य का सप्ताह में एक बार, सीएमएस का सप्ताह में तीन बार और आचार्य, सह आचार्य एवं सहायक आचार्य का प्रतिदिन सुबह-शाम ड्यूटी लगाने और उसकी वीडियोग्राफी कराकर डीएम को भेजने की मांग की है। इन नेताओं का दावा है कि इससे न सिर्फ मरीज के ठीक होने की रिकवरी में सुधार होगा, अलबत्ता मरीजों की मौत पर भी अंकुश लग सकेगा।

'आप' जिलाध्यक्ष ने भी सीएम को लिखा पत्र: आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष कुलदीप जायसवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर उनसे कोविड अस्पताल में सुधार लाने के लिए पांच बिंदुओं पर सुझाव दिया है। कहा कि कैली में खाली पड़े 200 बेड का उपयोग होना चाहिए। खाली ओपीडी का उपयोग कर मरीजों को भर्ती करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। शहर के निजी अस्पतालों और स्कूलों को भी कोविड-19 अस्पताल बनाना चाहिए। भर्ती मरीजों का हालचाल जानने के लिए कोविड अस्पताल पहुंचे आप नेता ने सीएम को बताया कि वार्ड के अंदर मरीजों का बुरा हाल है।

जिला अस्पताल में डाक्टर नहीं अब तीमारदार कर रहे इलाज

विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने जिला अस्पताल की भी अव्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री से व्यवस्था में सुधार लाने को पत्र लिखा है। कहा कि इस अस्पताल की हालत यह है कि मरीजों का इलाज डाक्टर नहीं बल्कि तीमारदार मजबूरी में जो समझ में आता उसी के अनुसार कर रहे है। क्यों कि उनके पास इतना पैसा नहीं रहता कि वह अपने मरीज को दिखाने के लिए किसी डाक्टर को बुला सके। कहा कि जिस जिला अस्पताल में मरीज देखने के लिए सरकारी डाक्टरों द्वारा फीस लिया जाता हो उस अस्पताल और वहां पर भर्ती मरीजों का भगवान ही मालिक है। अस्पताल के डाक्टरों की रुचि भर्ती मरीजों की सेवा करने में नहीं बल्कि प्राइवेट अस्पतालों में जहां पर मोटी रकम मिलती है, वहां अधिक रहती है। किट के अभाव में एंटीजेन जांच भी प्रभावित हो रहा है। कर्मियों के अभाव में छह मिनी वेंटीलेटर का ही इस्तेमाल नहीं हो रहा।

एडीएम बने कोविड कमाण्ड कन्ट्रोल सेन्टर के प्रभारी

गोंडा। जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही ने एकीकृत कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए महामारी नियंत्रण अधिनियम के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राकेश सिंह, अपर जिलाधिकारी गोण्डा को एकीकृत कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर का वरिष्ठ प्रभारी अधिकारी नामित किया है।

जिलाधिकारी ने उन्हें आदेशित किया है कि वहां पर प्रतिदिन उपस्थित रहकर कन्ट्रोल रूम से स पादित किए जा रहे कार्यों तथा सूचनाओं के आदान-प्रदान के विषय में पूरी जानकारी करेंगे तथा आवश्यकतानुसार प्रभारी अधिकारी एवं स बद्ध कार्मिकों का मार्गदर्शन करेंगे। जिलाधिकारी श्री शाही ने बताया कि जनपद मु यालय पर स्थापित एकीकृत कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर का प्रभारी आत्रेय मिश्रा, प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर को नामित करते हुए उन्हें विभिन्न दायित्व आवंटित किए गए हैं।

पैदल गश्त कर डीएम-एसपी ने कराया लॉकडाउन का पालन

● कोरोना महामारी से बचने के लिए अधिकारियों ने किया जागरूक

संवाददाता। संतकबीरनगर

जिलाधिकारी दिव्या मित्तल एवं व पुलिस अधीक्षक डॉ कौस्तुभ ने थाना बखिरा के नन्दौर में पैदल गश्त कर लोगों को कोविड.19 के प्रति लोगों को जागरूककिया गया। बढ़ते कोविड.19 संक्रमण के दृष्टिगत सोमवार को डीएम एसपी ने शासन के निर्देश के क्रम में थाना बखिरा क्षेत्रान्तर्गत नन्दौर में पैदल गश्त कर आमजनमानस को कोविड.19 के प्रोटोकॉल का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया जिससे नोवेल कोरोना वायरस को हराया जा सके । कोविड . 19 से बचाव हेतु मास्कए सैनिटाइजरए सोशल डिस्टेसिंग का पालन करने की अपील की गई । भ्रमण के दौरान बिना मास्क के घूमने वाले व्यक्तियों का चालान भी कराया गया । भ्रमण के दौरान पुलिस बल के साथ पैदल गस्त के समय एनाउंसमेण्ट कर लोगों को कोरोनावायरस से सुरक्षा एवं बचाव हेतु मास्कए ग्लब्स ध् सैनेटाइजर का प्रयोग करने व सामाजिक दूरी का पालन करने हेतु जागरूक किया गया । मास्क पहनने के फायदे को बताया गया कि सुरक्षित मास्क पहनकर वायरस के सांस के माध्यम से शरीर में प्रवेश की संभावनाएं कम होती हैं। जिससे इसका प्रसार रुक सकता है। सभी लोग मास्क पहने तो कोरोना को हराने में आसानी होगी। मास्क पहनने से पहले उसे साफअवश्य करें।

कोरोना से संक्रमित दो लोगों की मौत

करनैलगंज (गोंडा)। कोरोना से संक्रमित दो अलग अलग लोगों की सोमवार को मौत हो गई। जिसमें एक सरकारी गेंहू क्रय केंद्र प्रभारी भी शामिल हैं कोरोना का कहर है कि थमने का नाम नही ले रहा। मौतों का सिलसिला अब तेज होता जा रहा है। कोरोना का कहर इतना घातक होता जा रहा है कि लोग असमय ही काल के गाल में समाते जा रहे हैं। इस महामारी ने करनैलगंज तहसील क्षेत्र अन्तर्गत हलधरमऊ ब्लॉक में तैनात रहे मार्केटिंग इंस्पेक्टर भूपेंद्र कुमार वर्मा की सोमवार को सुबह मौत हो गई। भूपेंद्र वर्मा बाराबंकी के निवासी करीब 42 वर्षीय भुपेन्द्र वर्मा हलधरमऊ ब्लाक के गेंहूँ क्रय केंद्र के प्रभारी थे। वे देखने मे एकदम फ्टि लगते थे। बताया गया कि कोविड की चपेट में आने के बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया गया। करीब 10 दिनों तक जिंदगी मौत से संघर्ष करने के बाद अन्ततः वह सोमवार की सुबह जिंदगी से हार गये। दूसरी तरफ करनैलगंज के ग्राम कूरी के मजरा मजरा बरगदी निवासी एक युवक की मौत हो गई। बताया जाता है कि बरगदी निवासी अरुण कुमार मिश्रा 28 वर्ष पुत्र उमेश दत्त मिश्रा एक सप्ताह पूर्व कोरोना पॉजिटिव आया था। उसे होम आइसोलेशन में रखा गया था।

एसपी से लगाई गुहार

करनैलगंज (गोंडा)। कोतवाली करनैलगंज अंतर्गत ग्राम चंगेरिया निवासी सूरज कुमार अवस्थी ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र दिया है। पत्र में आरोप लगाया गया है जमीनी विवाद के चलते रविवार की दोपहर गांव के दबंगों ने उस पर तथा उसके पिता व चाचा पर लाठी-डंडा व अन्य हथियार से लैस होकर धावा बोल दिया। ग्रामीणों से गुहार लगाने पर पर उसकी जान बची।

'शिवा हास्पिटल' को कैसे मिला 'अभयदान'!

● जांच में फर्जी पाए जाने के बाद भी नहीं हुई अस्पताल के खिलाफकार्रवाई

● एक्शन न होने पर डीएम कार्यालय और सीएमओ पर उठी उंगली

संवाददाता। बस्ती

सवाल उठ रहा है कि बिना पंजीकरण के संचालित हो रहे मड़वानगर स्थित शिवा हास्पिटल को जांच में फर्जी साबित होने के बावजूद क्यों अभयदान दे दिया गया? भाजपा के मंडल मंत्री राहुल पटेल ने डीएम से मिलकर 18 मार्च 21 को एक शिकायत किया। जिसमें मड़वानगर स्थित शिवा हास्पिटल के बारे में कहा गया कि यह हास्पिटल अवैध रुप से संचालित हो रहा है,और कोरोना काल में मरीजों से मनमाने तरीके से वसूली कर रहे है। कमीषन के चक्कर में मंहगी दवाएं लिखी जाती है। झोलाछाप डाक्टरों जैसा मरीजों का इलाज किया जा रहा है। कहा कि अगर कोई अनियमित कार्य का विरोध करता है, तो उसके साथ मारपीट तक करने का प्रयास किया जाता है। शिकायत में दावा किया गया कि यह हास्पिटल बिना किसी पंजीकरण के संचालित हो रहा है। इसकी पुष्टि सीएमओ कार्यालय से भी हुई। षिकायतकर्ता ने डीएम से हास्पिटल के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करने की अपील की। इस पर डीएम ने सीएमओ को रैंडम निरीक्षण करने का आदेष दिया। इसकी जांच भी अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. सीएल कन्नौजिया ने सीएमओ के आदेष पर 31 मार्च 21 को की। पहली अप्रैल 21 को सीएमओ को भेजी गई निरीक्षण रिपोर्ट में हास्पिटल को पूर्णरुप से अनधिकृत दशा में संचालित होते बताया। इस पर सीएमओ ने नौ अप्रैल 21 को निरीक्षण रिपोर्ट के साथ कार्रवाई करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश मांगा। जो कार्रवाई त्वरित हो जानी चाहिए वह एक माह बाद भी नहीं हुई। अलबत्ता शिकायत को निस्तारित करने की रिपोर्ट अवष्य षिकायत पोर्टल पर कर दी गई। शिकायतकर्ता का कहना है कि जब जांच में षिकायत सही पाई गई तो अभी तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई, इसके लिए शिकायतकर्ता ने डीएम आवास और सीएमओ पर मामले को दबाने का आरोप लगाते हुए इसकी शिकायत सीएम और कमिष्नर से करने की बात कही। कहा कि जब भाजपा के मंडल मंत्री के शिकायत के साथ ऐसा किया जा रहा है, तो आम आदमी के साथ किता न्याय किया जाता होगा, यह सोचने वाली बात है। जबकि डीएम ने खुद कहा था कि अगर षिकायत सही मिली तो हास्पिटल को सील और विधिक कार्रवाई की जाएगी।

चौकाने वाली है निरीक्षण रिपोर्ट फिर भी नहीं हो रही कार्रवाई

अपर मुख्य चिकित्साधिकारी ने जो निरीक्षण रिपोर्ट सीएमओ को दी है, वह काफी चौकाने वाला है। इतना बड़ा हास्पिटल और वह भी बिना किसी पंजीयन के संचालित होना हैरान करने वाली बात है। इसी का जिक्र डा. सीएल कन्नौजिया ने किया है। कहा कि निरीक्षण के दौरान कोई भी चिकित्सक मौजूद नहीं मिला। गोरखपुर निवासी माजिद अली पुत्र वारिष अली अवष्य मिले, जो अपने आप को हास्पिटल का स्टाफ बताया। कुछ समय बाद गोरखपुर निवासी षहबाज पुत्र साबिर अली आए और उन्होंने अपने आपको हास्पिटल का मैनेजर बताया। स्वयं उन्होंने कबूल किया कि हास्पिटल का पंजीकरण सीएमओ कार्यालय में नहीं है। हास्पिटल में बायोमेडिकल वेस्ट निस्तारण की कोई व्यवस्था नहीं और न ही अग्निषमन विभाग के द्वारा एनओसी लिया गया। मैनेजर के द्वारा बताया गया कि हास्पिटल के मालिक गीता प्रेस गोरखपुर निवासी मलिक मोहम्मद ताहिर पुत्र नसीम अहमद है। उक्त हास्पिटल का संचालन विगत दो-तीन माह से हो रहा है। यहां पर ओटी, चार आईसीयू बेड एवं चार सामान्य बेड उपलब्ध मिला।

चुनाव के दौरान कोरोना से 18 शिक्षकों की हो चुकी है मृत्यु

● प्राथमिक शिक्षक संघ ने जारी की सूची, सीएम से की अनुग्रह धनराशि की मांग

● जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह की अगुवाई में डीएम को दिया ज्ञापन

संवाददाता। बस्ती

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक षिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह की अगुवाई में सोमवार को डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन दिया गया, जिसमें पंचायत चुनाव के दौरान कोरोना संक्रमित से होने वाले 18 षिक्षकों की मौत को देखते हुए उनसे अनुग्रह धनराषि की मांग की है। मृतक षिक्षकों को कोरोना योद्धा घोषित करते हुए उनके आर्श्रितों को नौकरी और पुरानी पेंशन व ग्रेच्युटी का लाभ देने की मांग की है। जो मृतक शिक्षकों की सूची जारी की गई हैं, उनमें प्रधानाचार्य, सहायक अध्यापक, षिक्षा मित्र और अनुदेशकों का नाम शामिल है। इन सभी की मृत्यु 20 अप्रैल और सात मई 21 के बीच बताई गई है।

जिनकी सूची जारी की गई, उनमें चुनाव वाले दिन यानि 29 अप्रैल को कुदरहा डेल्हवा के बृजेश राव, कन्या नगर बाजार की निर्मला यादव, हर्रैया प्रथम की सीता देवी, 28 को भारतनगर तेनुआ के अवधेश सिंह, जिवधरपुर के चंद्रिका प्रसाद, चोरखरी के कृष्ण श्रीवास्तव, थान्हाखास के संतोष शुक्ल, कनैला के जयगुरुदेव, पगार के रोहित खान, नगहरा की भागवंती देवी, महरीपुर की मालती सिंह, बनकटी के मो0 खालिद, पकरी नासिर के जितेंद्र कुमार, पचवस पूरे हिंद की सुनीता वर्मा, मुड़बरा के रामप्रकाष, बांकेचौर के अषोक कुमार, भक्तूपुर के राघवेंद्र षरण पांडेय एवं प्राथमिक विद्यालय महादेवा में तैनात रहे प्रधानध्यापक राजेंद्र प्रसाद का नाम षामिल है। ज्ञापन सौपने वालों में संघ जिलाध्यक्ष के अलावा दुर्गेष यादव, बालकृष्ण ओझा शामिल रहे।

मतगणना में धांधली व चुनाव हराने का लगाया आरोप

करनैलगंज (गोंडा)। एक प्रधान पद की प्रत्याशी महिला ने मतगणना के दौरान मतगणना कर्मियों के साथ-साथ एआरओ एवं ब्लॉक के अधिकारियों पर मतगणना में धांधली करने एवं उसके मतों को दूसरे प्रत्याशी के खाते में जोड़ देने के साथ-साथ उसे चुनाव हराने का आरोप लगाया गया है। महिला ने उप जिलाधिकारी, जिलाधिकारी एवं मु य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश को प्रार्थना पत्र भेजा है। जिसमें उसकी शिकायतों को मतदान अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज करने का भी आरोप लगाया गया है। करनैलगंज ब्लाक की ग्राम पंचायत फ्तेपुर की प्रधान पद की प्रत्याशी महिला खैरुन्निसां पत्नी अली हुसैन का आरोप है कि मतगणना के दौरान उसने अपने स्थान पर अभिकर्ता के रूप में अपने पति अली हुसैन को भेजा था। उसका चुनाव चिन्ह इमली था। मतगणना कर्मी द्वारा इमली वाले मतपत्र को दूसरे प्रत्याशी के खाते में जोड़ दिया गया और उसकी गड्डी से मतपत्र गायब कर दिए गए। जिसका विरोध किया गया और आरओ से इसकी शिकायत की गई कि मतगणना कर्मी द्वारा उसके मतों को दूसरी गाड़ी में रखा गया है। जिस पर उन्होंने कोई सुनवाई नहीं की इसके अलावा मतगणना के दौरान ब्लॉक के दो अधिकारी उसे चुनाव हराने के लिए लगातार मतगणना काउंटर पर मतगणना कर्मियों को प्रेरित करते रहे। जब उसने आरओ से पुनः मतगणना कराए जाने का प्रार्थना पत्र दिया तो सुनवाई के पूर्व दूसरे प्रत्याशी को विजई घोषित कर दिया गया। मतगणना कर्मियों पर आरओ व ब्लाक के अधिकारियों द्वारा नाजायज दबाव डालकर दूसरे प्रत्याशी को जिताया गया। जिसकी शिकायत महिला ने उप जिलाधिकारी, जिलाधिकारी एवं राज्य निर्वाचन आयुक्त को भेजी गई है। उपजिलाधिकारी शतुघ्न पाठक बताते हैं कि मामला जानकारी में नही है। यदि ऐसा मामला था तो उसी समय उच्चाधिकारियों को इसकी सूचना देनी चाहिए। जबकि करनैलगंज की मतगणना काफी समय तक चली है।

डीएम ने चार सीएचसी का किया औचक निरीक्षण

● गैरहाजिर मिले 28 कर्मचारियों को नोटिस जारी

संवाददाता। गोंडा

सीएचसी पडरी कृपाल का निरीक्षण करते डीएम मार्कण्डेय शाही — पायनियर

कोविड संक्रमण से बचाव को लेकर सीएचसी स्तर पर किए जा रहे कार्यों एवं प्रयासों की हकीकत देखने के लिए डीएम मार्कण्डेय शाही का औचक निरीक्षण लगातार जारी है। सोमवार को डीएम मार्कण्डेय शाही ने सीएमओ के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों अरबन, पण्डरीकृपाल, इटियाथोक तथा मुजेहना का औचक निरीक्षण किया जिसमें सीएचसी अधीक्षक सिहत कई कर्मचारी गैर हाजिर मिले। डीएम ने सभी अनुपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर तथ्यात्मक रिपोर्ट देने व कार्यवाही करने के निर्देश सीएमओ को दिए हैं।

डीएम सबसे पहले नगरीय स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुंचे। वहां पर स्टाफ नर्स अनुप्रिया सिंह बिना मास्क के उपस्थित मिलीं। डीएम ने सीमएओ को आदेश दिए कि स बन्धित स्टाफनर्स के ऊपर एक हजार रूपए का जुर्माना लगायें तथा जुर्माने की रकम की कटौती उसके वेतन से करें। अरबन स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण करने के उपरान्त डीएम सीधे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पण्डरीकृपाल पहुंचे। वहां पर डीएम ने उपस्थिति रजिस्टर चेक किया तो स्वयं प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डा0 शैलेन्द्र सिंह, वार्ड ब्वाय विद्याभूषण, शीबा परवीन स्टाफ नर्स, आयुष्मान मित्र उत्कर्ष त्रिपाठी, एएनएम निर्मला तिवारी, काउन्सलर विनोद कुमार, अर्श काउन्सलर जितेन्द्र सिंह, आरबीएसके फार्मासिस्ट मोहित सिंह, स्टाफनर्स मंजू देवी, चपरासी राजेश्वर, आईओ अनुराग श्रीवास्तव तथा एमओ डा0 सत्यवान सिंह 13 कर्मचारी ड्यूटी से अनुपस्थित मिले। डीएम ने मौके पर उपस्थित सीएमओ को निर्देश दिए कि तत्काल गैर हाजिर अधिकारियों-कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया जाए कि क्यों न उनके विरूद्ध महामारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर दी जाए। सीएचसी पर तैनात एक्सरे टेक्नीशियन प्रगति श्रीवास्तव को तत्काल वहां से हटाकर एक्सरे मशीन उपलब्ध अस्पताल में तैनात करने के आदेश दिए हैं। आरआरटी टीम के बारे में पूछने पर ज्ञात हुआ कि 11 बजे तक आरआरटी टीम फील्ड में निकली ही नहीं। इससे नाराज डीएम ने प्रभारी चिकित्साधिकारी के खिलाफ कड़ा एक्शन लेने के निर्देश सीएमओ को दिए हैं। सीएचसी पण्डरी कृपाल का निरीक्षण करने के बाद डीएम इटियाथोक सीएचसी पर पहुंचे। वहां पर प्रभारी चिकित्साधिकारी डा0 श्वेता त्रिपाठी अनुपस्थित मिलीं। पूछने पर बताया गया कि वे कोरोना संक्रमित हैं। एमओ डा0 सुनील पासवान, हरिओम यादव एक्सरे टेक्निशियन, वार्ड ब्वाय प्रवीण चन्द्र पाण्डेय, वार्ड ब्वाय कमल कुमार तथा कर्मचारी दुखहरण व अरविन्द कुमार प्रजापति तथा आरबीएसके टीम में गुरचरण प्रसाद, अनिल कुमार पाण्डेय, शरद श्रीवास्तव तथा सुनीता देवी सहित 11 कर्मी अनुपस्थित मिले।

छह मीट्रिक टन ऑक्सीजन मिला

संवाददाता। संतकबीरनगर

अपर जिला जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व मनोज कुमार सिंह ने बताया कि जनपद को अम्बेडकरनगर जनपद से 6 मेट्रिक टन ऑक्सीजन एलएमओ (एक टेंकर) ऑक्सीजन प्राप्त हुआ है। जो कि जिले के लिए राहत की बात है। उन्होनें बताया कि सोमवार की देर शाम अपर पुलिस अधीक्षक सन्तोष कुमार सिंह के साथ अपने सामने जनपद के मयूर ऑक्सीजन प्लांट में अनलोड कराया गया। उन्होंने बताया कि मंडल के 3 जनपदों में ऑक्सीजन की उपलब्धताध्आपूर्ति यही से की जा रही है। प्रशासन मरीज़ो के स्वास्थ सेवा के लिए संकल्पित है। वैश्विक महामारी से निपटने के लिए जिला प्रशासनए पुलिस प्रशासनए स्वास्थ्य अमला के साथ हमारे कोरोना योद्धा मनोयोग के साथ लगे है। कहि भी अव्यवस्था की जानकारी मिलने पर उसे तत्काल दूर किया जाता है। एडीएम मनोज सिंह ने बताया कि जिला अस्पताल के एमसीएच विग के पीछे ऑक्सीजन प्लांट लगाए जाने हेतु निर्माण कार्य जारी है। जिसका निरीक्षण उन्होंने किया है। कार्यो में गुणवत्ता के साथ तेजी लाये जाने का निर्देश दिया गया है। जिसकी मॉनिटरिंग डीएसटीओ एनण् केण्सिंह कर रहे है।

बिक रहा है 'जिला पंचायत सदस्य' और 'बीडीसी' का प्रमाणपत्र

अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रत्याशी प्रमाण-पत्र खरीदने को बहा रहे पानी की तरह पैसा

अधिक से अधिक प्रमाण-पत्र खरीदने के लिए मची होड़ शान के साथ प्रत्याशी कह रहे कि उनके पास 40-50 प्रमाणपत्र इक्ट्ठा हो गए

विधायक संजय जायसवाल ने इसे रोकने को एसपी को लिखा पत्र

बस्ती। सुनने और कहने में अजीब लग रहा है, मगर यह सच है कि जिले में जिला पंचायत सदस्य और क्षेत्र पंचायत सदस्य का प्रमाण-पत्र खुले आम बिक और खरीदे जा रहे है। पहले लोग प्रत्याशी को खरीदते थे, मगर इस हाईटेक के जमाने में खरीद फ्रोख्त का तरीका खरीदारों ने बदल दिया है। जीत सुनिश्चित करने और दिखाने के लिए की उनके खेमें में कितने सदस्य हैं, के लिए पानी की तरह पैसा बहाया जा रहा है। हैरान करने वाली बात यह है कि लोग मीडिया के सामने शान से कहते फ्रि रहे हैं, कि उनके पास अब तक कितना प्रमाण-पत्र जमा हो गया, कोई 40 का आंकड़ा बताता है, तो कोई 50 प्रमाणपत्र खरीदने का दम भर रहे है। इसकी शुरुआत विक्रमजोत ब्लॉक प्रमुख के लिए हुआ, जहां पर यह खेल एक 'जनप्रतिनिधि' के संरक्षण में हुआ। इन्हें इसके लिए 'वास्कोडिगामा' का खिताब भी दिया गया। देखते ही देखते यह सुरक्षित खेल अधिकतर ब्लॉकों में होने लगा। इसकी भनक लगते ही रुधौली के विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने इसे रोकने के लिए एसपी को पत्र लिखा है, और कहा है कि नवनिर्वाचित जिला पंचायत और क्षेत्र पंचायत के सदस्यों की बैठक बुलाकर उन्हें जागरुक करे, विधायक ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है। विधायक ने कहा लोकतंत्र की रक्षा हो सके और बिना किसी लालच और भय के सदस्य अपने मतों का उपयोग कर सके, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई करना आवश्यक है। हांलाकि जानकारों का मानना है कि प्रमाण-पत्र खरीदने का कोई औचित्य नहीं है, यह तो अपने मन को शांत करने का तरीका मात्र हैं, क्यों कि मतदान के समय प्रमाण-पत्र की अनिवार्यता नहीं है। अगर प्रमाण-पत्र खरीदने का फार्मूला हिट कर गया, तो आगामी चुनाव में इसे हर कोई अपनाएगा। सबसे अधिक बीडीसी के प्रमाण-पत्र खरीदने की बाते सामने आ रही हैं,इसका प्रमाण रिपोर्टर के पास उपलब्ध है। देखा जाए तो ब्लॉक प्रमुख बनने के लिए औसतन 40 सदस्यों के प्रमाण-पत्र की जरुरत पड़ेगी, अगर दो लाख में ही एक प्रमाण-पत्र खरीदा गया तो कम से कम 80 लाख खर्च हुआ। अब अंदाजा लगाइए कि अगर 14 ब्लॉकों में यह खरीद फ्रोख्त हुआ तो 11 करोड़ से अधिक का खर्च हुआ। इस खरीद फ्रोख्त में सबसे अधिक जनप्रतिनिधि और पूर्व ब्लॉक प्रमुखों का नाम सामने आ रहा है। करोड़ों खर्च के बाद भी 'डबल क्रास' करने की रहेगी संभावना।

बाबार, हीली सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम और ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम की विकेटकीपर एलिसा हीली को सोमवार को अप्रैल महीने में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए आईसीसी महीने का सर्वश्रेष्ठ आईसीसी खिलाड़ी चुना गया। आजम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई श्रृंखला मे सभी प्रारूपो मे लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। प्रशंसकों और आईसीसी वोटिंग अकादमी के द्वारा उन्हें अप्रैल महीने का विजेता के रूप में चुना गया।

एटीके मोहन बागान के गोलकीपर अरिंदम की मां का निधन

नई दिल्ली। एटीके मोहन बागान के गोलकीपर अरिंदम भट्टाचार्य ने सोमवार को कहा कि उनकी मां का एक पखवाड़े तक कोविड-19 संक्रमण से जूझने के बाद कोलकाता मे निधन हो गया। अरिंदम ने ट्विटर के जरिए अपनी मां अंतरा भट्टाचार्य के निधन की सूचना दी।

विलो की जगह बांस के बल्ले के इस्तेमाल पर शोधकर्ता कर रहे अध्ययन

लंदन। क्रिकेट मे कश्मीर या इंग्लिश विलो (विशेष प्रकार के पेड़ की लकड़ी) के बल्ले का इस्तेमाल होता है लेकिन इंग्लैंड के कैम्ब्रिज विश्व विद्यालय के एक शोध मे पता चला है कि बांस के बने बल्ले का इस्तेमाल कम खर्चीला होगा और उसका स्वीट स्पॉट भी बड़ा होगा। बल्ले में स्वीट स्पॉट बीच के हिस्से से थोड़ा नीचे लेकिन सबसे नीचले हिस्से से ऊपर होता है और यहां से लगाया गया शॉट दमदार होता है। इस शोध को दर्शील शाह और बेन टिक्लेर डेविस ने किया है।

सुशील पर आरोपों से छवि को नुकसान : डब्ल्यूएफआई

नई दिल्ली। सुशील कुमार जब अपने खेल के शीर्ष पर थे तो उन्होने अकेले दम पर भारतीय कुश्ती को बुलंदियों पर पहुंचाया लेकिन अब जब पुलिस हत्या के मामले में जब उनकी तलाश कर रही है तो खेल की छवि को भी उतना ही नुकसान पहुंचा है जितना इस पहलवान की छवि को पहुंचा है। सुशील की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता ने खेल को नई बुलंदियों तक पहुंचाया और प्रेरणादाई विरासत तैयार की। बापरोला गांव का यह पहलवान इस खेल मे अब तक भारत का एकमात्र विश्व चैंपियन (2010) है। वह एकमात्र भारतीय खिलाड़ी है जिसके नाम पर दो व्यक्तिगत ओलंपिक पदक दर्ज है।

गुणवर्धने के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोप खारिज

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के स्वतंत्र भ्रष्टाचार-रोधी पंचाट ने सोमवार को श्रीलंका के पूर्व खिलाड़ी अविष्का गुणवर्धने पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपो से मुक्त कर दिया, जिससे उन्हें तत्काल प्रभाव से क्रिकेट से संबंधित गतिविधियो में भाग लेने की अनुमति मिल गई। गुणवर्धने पर अमीरात क्रिकेट बोर्ड के भ्रष्टाचार के दो आरोप लगे थे। पंचाट ने श्रीलंका के ही नुवान के खिलाफ एक आरोप (2.4.6) को बरकरार रखा लेकिन अन्य तीन आरोपो को खारिज कर दिया।

कैरेबियाई खिलाड़ी स्वदेश लौटे

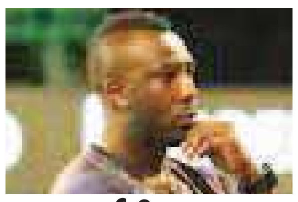

● आईपीएल पर कोरोना कहर
●वेस्टइंडीज सीईओ जॉनी ग्रेव ने दी जानकारी

भाषा। किंगस्टन

क्रिकेट वेस्टइंडीज के सीईओ जॉनी ग्रेव ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और संबंधित फ्रेंचाइजी टीमों के प्रयासों से इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भाग लेने वाले सभी कैरेबियाई खिलाड़ी सकुशल स्वदेश लौट गए हैं। कोविड-19 के कई मामले पाए जाने के बाद आईपीएल को चार मई को स्थगित कर दिया गया था। वेस्टइंडीज के शीर्ष खिलाड़ी सीमित ओवरों के कप्तान कीरोन पोलार्ड, जैसन होल्डर, सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, ड्वेन ब्रावो, निकोलस पूरण, शिमरोन हेटमायर और फैबियन एलेन आईपीएल का हिस्सा थे। वेस्टइंडीज के कुल नौ खिलाड़ी लीग में भाग ले रहे थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने ट्वीट किया, आईपीएल के हमारे खिलाड़ी तथा टीवी प्रॉडक्शन से जुड़े कैरेबियाई सकुशल स्वदेश पहुंच गए हैं। हम उनकी सकुशल वापसी की व्यवस्था करने के लिए बीसीसीआई और आईपीएल के आभारी हैं।

अनिवार्य पृथकवास पूरा करने के बाद घर लौटे वरुण चक्रवर्ती और संदीप वारियर

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लेग स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ओर तेज गेंदबाज संदीप वारियर 10 दिन का अनिवार्य पृथकवास पूरा करने के बाद अपने शहरों को लौट गए हैं। चक्रवर्ती और वारियर को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के जैव सुरक्षित वातावरण मे कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाया गया था। यह लीग बाद में अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई थी। तमिलनाडु के चक्रवर्ती आधिकारिक तौर पर पहले क्रिकेटर थे जिनका परीक्षण पॉजिटिव पाया गया था। वह कुछ स्कैन कराने के लिए गए थे जहां वह वायरस से संक्रमित हो गए थे। इसके बाद उनके साथी वारियर और प्रसिद्ध कृष्णा भी वायरस की चपेट में आ गए थे। केरल के वारियर इस बीच दिल्ली कैपिटल्स के अमित मिश्रा के संपर्क में आए जिससे यह लेग स्पिनर भी संक्रमित हो गया था। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, हां, चक्रवर्ती और संदीप घर लौट गए है।

मुझे नहीं लगता कि भारत में इस साल फिर से आईपीएल हो पाएगा : नीशाम

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैड के आलराउंडर जिम्मी नीशाम को नही लगता कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाकी बचे 31 मैच इस साल भारत में हो पाएंगे। नीशाम को इस साल के आखिर मे टी20 विश्व कप के भारत मे आयोजन को लेकर भी संदेह है। भारत अभी कोविड-19 की दूसरी लहर से जूझ रहा है। देश मे प्रतिदिन चार लाख से अधिक मामले सामने आ रहे है जबकि हर दिन 4000 से अधिक लोगो की मौत हो रही है। ऐसी स्थिति मे आईपीएल और टी20 विश्व कप दोनो का आयोजन यूएई मे किए जाने की संभावना है। नीशाम ने न्यूजहब से कहा, यदि आईपीएल फिर से शुरू होता है तो मुझे नही लगता कि इसका भारत मे आयोजन हो पाएगा।

आईओसी अध्यक्ष बाक ने जापान दौरा रद्द किया

भाषा। तोक्यो

जापान में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस बाक ने अपने दौरे को रद्द कर दिया है। तोक्यो ओलंपिक आयोजन समिति ने सोमवार को यह जानकारी दी। बाक को ओलंपिक मशाल रिले में शामिल होने के लिए अगले सोमवार को हिरोशिमा आना था। उसके बाद उनके तोक्यो यात्रा पर भी आने की संभावना थी। आयोजन समिति की अध्यक्ष सीको हाशिमोतो ने पिछले हफ्ते कहा था कि बाक के लिए इस दौरे पर आना मुश्किल होगा, तभी कयास लगाए गए थे कि उनका दौरा रद्द हो जाएगा। तोक्यो और देश के अन्य हिस्सों में आपातकाल लागू है। इसे मंगलवार को खत्म होना था लेकिन अब यह 31 मई तक बढ़ा दिया गया है।

पीयूष चावला के पिता का कोविड-19 के कारण निधन

मुंबई। भारतीय लेग स्पिनर पीयूष चावला के पिता प्रमोद कुमार चावला का सोमवार को कोविड-19 बीमारी के कारण निधन हो गया। उनकी उम्र 60 वर्ष के आसपास थी। चावला ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, हम गहरे दुख के साथ यह घोषणा कर रहे हैं कि हमारे प्रिय पिताजी प्रमोद कुमार चावला का 10 मई 2021 को स्वर्गवास हो गया। वह कोविड और उसके बाद की जटिलताओं से जूझ रहे थे। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। चावला की आईपीएल टीम मुंबई इंडियन्स ने भी शोक व्यक्त किया।

हॉकी के पूर्व खिलाड़ी फर्नांडिस का निधन

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सोमवार को पूर्व खिलाड़ी जार्ज फर्नांडिस के निधन पर शोक व्यक्त किया जिनका कोविड-19 के कारण रविवार को बेंगलुरू में निधन हो गया था। फर्नांडिस 67 साल के थे और पिछले कुछ दिनों से कोविड-19 से जूझ रहे थे। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोमबाम ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, हॉकी इंडिया में हम सभी जूनियर स्तर पर हमारे देश का प्रतिनिधित्व करने वाले जार्ज फर्नांडिस के असामयिक निधन से बेहद दुखी हैं।

स्वर्ण पदक विजेता फुटबॉलर फ्रैंको नहीं रहे

नई दिल्ली। भारत की 1962 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य रहे फोर्टुनाटो फ्रैंको का सोमवार को निधन हो गया। वह 84 साल के थे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने उनके निधन की पुष्टि की लेकिन इसका कारण नहीं बताया। फ्रैंको के परिवार में पत्नी, बेटा और बेटी हैं। भारत के मध्यपंक्ति के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक फ्रैंको 1960 से 1964 तक भारतीय फुटबॉल के स्वर्णिम युग का हिस्सा थे। वह 1960 के रोम ओलंपिक में भी भारतीय टीम का हिस्सा थे लेकिन उन्हें कोई मैच खेलने का मौका नहीं मिला था लेकिन वह जकार्ता में 1962 में खेले गए एशियाई खेलों में भारतीय टीम के अहम सदस्य थे।

सनराइजर्स के मालिकों ने 30 करोड़ दिए

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम सनराइजर्स हैदराबाद की मालिक सन टीवी ने सोमवार को राज्य और केंद्र सरकारों के अलावा विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों (एनजीओ) के सहयोग से चलाए जा रहे कोविड-19 राहत कार्यों के लिए 30 करोड़ रुपए दान किए। भारत अभी कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से जूझ रहा है जिसके कारण प्रतिदिन 4000 से अधिक लोगों की मौत हो रही है। सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने ट्विटर पेज पर जारी बयान में कहा, सन टीवी कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर से प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए 30 करोड़ रुपए दान कर रहा है।

कोहली और इशांत ने पहला टीका लगवाया

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान विराट कोहली और वरिष्ठ तेज गेंदबाज इशांत शर्मा ने सोमवार को कोविड-19 का पहला टीका लगवाया। मुंबई में रहने वाले कोहली ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर पोस्ट की है जबकि इशांत और उनकी पत्नी प्रतिमा ने भी टीकाकरण केंद्र की अपनी फोटो ट्विटर पर डाली है। इशांत ने अपने ट्विटर पेज पर लिखा है, इसके लिए आभारी हूं तथा इस काम में लगे सभी लोगों का भी आभार व्यक्त करता हूं। व्यवस्था के सुचारू संचालन से खुशी हुई। सभी जल्द से जल्द टीका लगवाएं। भारतीय उप कप्तान अजिंक्य रहाणे, तेज गेंदबाज उमेश यादव और सलामी बल्लेबाज शिखर धवन पहले ही टीका लगवा चुके हैं।

पाकिस्तान ने दूसरा टेस्ट जीतकर जिम्बाब्वे का सूपड़ा साफ किया

हरारे। पाकिस्तान ने सोमवार को यहां दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे को पारी और 147 रन से हराकर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया। पाकिस्तान को चौथे दिन जीत के लिए केवल एक विकेट की जरूरत थी। शाहीन शाह अफरीदी ने दिन के पांचवें ओवर में ही ल्यूक जोंगवे (37) को विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के हाथों कैच कराकर जीत की औपचारिकता पूरी की। जिम्बाब्वे ने सुबह अपनी दूसरी पारी नौ विकेट पर 220 रन से आगे बढ़ाई और केवल 11 रन जोड़कर उसकी टीम 231 रन पर आउट हो गई। अफरीदी ने 52 रन देकर पांच विकेट लिए। दूसरी पारी में उनके अलावा नौमान अली (86 रन देकर पांच) ने भी पांच विकेट लिए। हसन अली ने पहली पारी में पांच विकेट लिए थे। जिम्बाब्वे पहली पारी में केवल 132 रन बना पाया था और उसे फालोआन के लिए मजबूर होना पड़ा था।

ज्वेरेव दूसरी बार मैड्रिड ओपन का खिताब जीता

● बेरेटिनी को हराया

भाषा। मैड्रिड

एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रेंच ओपन से पहले अपनी शानदार फार्म जारी रखते हुए मैटियो बेरेटिनी को पराजित करके दूसरी बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता। क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त राफेल नडाल और सेमीफाइनल में चौथी वरीयता प्राप्त डोमिनिक थीम को हराने के बाद ज्वेरेव ने फाइनल में दसवीं रैंकिंग के बेरेटिनी को 6-7 (8), 6-4, 6-3 से हराकर इस सत्र का अपना दूसरा खिताब हासिल किया। जर्मनी के छठी रैंकिंग के खिलाड़ी ने मार्च में अकापुल्को में मैक्सिकन ओपन का खिताब जीता था। उन्होंने इससे पहले 2018 में थीम को हराकर अपना पहला मैड्रिड ओपन खिताब जीता था। चौबीस वर्षीय ज्वेरेव ने कहा, फ्रेंच ओपन में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आपको क्ले कोर्ट सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत होती है। आखिर में मैने मास्टर्स जीता है। इसलिए यह जीत मेरे लिए महत्वपूर्ण है। मैं इस उपलब्धि से खुश हूं। पुरुष युगल के फाइनल में स्पेन के ग्रैनोलर्स और अर्जेंटीना के जेबालोस ने क्रोएशिया के निकोला मेटकिच और मैट पाविच को।-6, 6-3, 10-8 से हराकर खिताब जीता।

सेरेना कड़े अभ्यास के बाद वापसी करने को तैयार

रोम। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद सेरेना विलियम्स के भावनात्मक इशारे को संन्यास लेने का संकेत समझा गया था लेकिन इस दिग्गज टेनिस खिलाड़ी ने तीन महीने के कड़े अभ्यास के बाद वापसी की तैयारी कर ली है। इस साल फरवरी में मेलबर्न में सेमीफाइनल मे नाओमी ओसाका से हार के बाद सेरेना पिछले तीन महीने से मार्गरेट कोर्ट के रिकार्ड 24 ग्रैंड स्लैम खिताब की बराबरी करने के लिए कड़ा अभ्यास कर रही है।

द हंड्रेड में बर्मिंघम फ्रेंचाइजी की ओर से खेलने की तैयारी में शेफाली, बिग बैश में भी खेल सकती हैं

नई दिल्ली। भारत की युवा बल्लेबाज शेफाली वर्मा द हंड्रेड टूर्नामेंट में बर्मिंघम फीनिक्स की ओर से खेलने की तैयारी में हैं और वह इस साल के अंत में महिला बिग बैश टी20 लीग में सिडनी फ्रेंचाइजी की ओर से भी खेल सकती हैं। शेफाली अपनी कप्तान हरमनप्रीत, उप कप्तान मंधाना, जेमिमा और दीप्ति के बाद 100 गेंद के टूर्नामेंट से जुड़ने वाली पांचवीं भारतीय क्रिकेटर हैं।

रीयाल मैड्रिड ने शीर्ष पर पहुंचने मौका गंवाया

भाषा। मैड्रिड

मौजूदा चैंपियन रीयाल मैड्रिड ने सेविला के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच 2-2 से ड्रा खेलकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में शीर्ष पर पहुंचने का मौका गंवा दिया। इस परिणाम का लाभ पहले स्थान पर काबिज मैड्रिड को मिला जिसने शनिवार को बार्सिलोना के खिलाफ मैच गोलरहित ड्रा खेला था। एटलेटिको के 35 मैचों में 77 अंक हैं जबकि रीयाल मैड्रिड के इतने ही मैचों में 75 अंक हैं। बार्सिलोना के भी रीयाल के समान ही अंक हैं लेकिन वह गोल अंतर में पीछे है। अब जबकि तीन दौर के मैच बचे हुए हैं तब इन तीनों के अलावा सेविला भी खिताब की दौड़ में है। सेविला के 35 मैचों में 71 अंक हैं। सेविला ने दो बार बढ़त हासिल की। इनमें से दूसरा गोल पेनल्टी पर किया गया जिसके लिए वीडियो समीक्षा प्रणाली (वीएआर) का सहारा लिया गया। रीयाल ने बाद में इसको लेकर शिकायत भी दर्ज कराई। फर्नांडो ने 22वें मिनट में सेविला को बढ़त दिलाई और मध्यांतर तक इसे कायम रखा। एसेनसियो ने 67वें मिनट में रीयाल की तरफ से बराबरी का गोल दागा। सेविला के रेकिटिक ने 78वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदला। रीयाल पर हार का खतरा मंडरा रहा था लेकिन हेजार्ड ने दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम के चौथे मिनट में गोल करके उसे एक अंक दिलाया। अन्य मैचों में वेलेंसिया ने मैक्सी के दो गोल तथा थियरी कोरिया के एक गोल की मदद से वल्लाडोलिड को 3-0 से हराया। सेल्टा विगो ने विल्लारीयाल को 4-2 से जबकि इबार ने गेटाफे को।-0 से पराजित किया। एथलेटिक क्लब और ओसासुना का मैच 2-2 से बराबर छूटा।

वूमेन्स सुपर लीग चैंपियन चेल्सिया

मिलान से हारकर पांचवें स्थान पर खिसका युवेंटस

मिलान। इंटर मिलान ने पिछले सप्ताह युवेंटस की इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए का खिताब जीतने की उम्मीदो पर पानी फेर दिया था और अब एसी मिलान ने उसे 3-0 से हराकर उसकी चैंपियन्स लीग मे जगह बनाने की कोशिशो को भी करारा झटका दिया। पिछले नौ साल से सेरी ए मे अपना दबदबा रखने वाला युवेंटस इस हार से पांचवे स्थान पर खिसक गया है। उसके और चौथे स्थान पर काबिज नैपोली के बीच एक अंक का अंतर है। लीग से शीर्ष चार मे रहे वाली टीमे चैंपियन्स लीग मे जगह बनाती है। युवेंटस के 35 मैचो मे 69 अंक है। अटलांटा और एसी मिलान दोनो के समान 72 अंक है। अटलांटा ने एक अन्य मैच मे पार्मा को 5-2 से हराया और वह बेहतर गोल अंतर के कारण इंटर मिलान (35 मैचो मे 85 अंक) के बाद दूसरे स्थान पर है। इंटर मिलान पहले ही खिताब अपने नाम सुरक्षित कर चुका है। एसी मिलान की तरफ से युवेंटस के खिलाफ ब्राहिम डियाम ने पहले हाफ के इंजुरी टाइम मे पहला गोल किया। इसके बाद एंटे रेबिच (78वे) और फिकायो टोमोरी (82वे मिनट) ने दूसरे हाफ मे गोल किए। अन्य मैचो मे रोमा ने क्रोटोन को 5-0 से जबकि कैगलियारी ने बेनेवेंटो को 3-। से शिकस्त दी।

रेन से ड्रा खेलकर पीएसजी खिताब की दौड़ में पिछड़ा

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की रेन के खिलाफ मैच।-। से ड्रा खेलने के कारण फ्रांसीसी फुटबॉल लीग का खिताब अपने पास बरकरार रखने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। पीएसजी ने मध्यांतर से ठीक पहले नेमार के पेनल्टी पर किए गए गोल से बढ़त बनाई। रेन के स्ट्राइकर सरेहु गुएर्सी ने 70वे मिनट मे विंगर बेंजामिन बोरिगीड के कार्नर पर हेडर से गोल करके अपनी टीम को बराबरी दिलाई। अब जबकि दो दौर के मैच बचे हुए है तब पीएसजी शीर्ष पर काबिज लिली से तीन अंक पीछे और तीसरे स्थान की टीम मोनाको से केवल दो अंक आगे है। मोनाको ने एक अन्य मैच मे रीम्स को।-0 से हराकर चैंपियन्स लीग मे जगह बनाने की अपनी उम्मीदे जीवंत रखी। उसकी तरफ से यह महत्वपूर्ण गोल इलियट मैटाजो ने 20वे मिनट मे किया।

प्रशांत महासागर में दक्षिण पश्चिम मैक्सिको के तट के निकट उठा तूफान आंद्रेस

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको के दक्षिण पश्चिम तट से तूफान उठा है जिसे आंद्रेस नाम दिया गया है। यह पहली बार है जब पूर्वी प्रशांत चक्रवातीय प्रणाली में किसी तूफान को नाम दिया गया है। अमेरिका के राष्ट्रीय चक्रवातीय केंद्र ने कहा कि आंद्रेस से क्षेत्र को खतरे की आशंका कम है। उन्होंने अनुमान जताया कि तूफान समुद्र से दूर ही रहेगा और खुले प्रशांत की ओर मुड़ जाएगा।
दोपहर के वक्त तूफान मैक्सिको के बाजा कैलिफोर्निया प्रायद्वीप के दक्षिणी छोर पर करीब 620 मील (1,000 किलोमीटर) दक्षिण में था। इसकी अधिकतम गति 40 मील प्रति घंटा (65 किलोमीटर प्रति घंटा) थी।

चीन माउंट एवरेस्ट के शिखर पर भी खींचेगा सीमा की लकीर

बीजिंग। चीन दुनिया की सबसे उंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट पर सीमा रेखा खींचेगा ताकि नेपाल से आने वाले पर्वतरोहियों को अपने इलाके में आने से रोका जा सके। चीन के सरकारी मीडिया ने इस कदम के लिए कोरोना वायरस महामारी को वजह बताया है। इस कार्य के तिब्बती पर्वतारोहियों का समूह बनाया जाएगा। सरकारी संवाद एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि चीन की ओर से पर्वतरोहियों के चोटी पर पहुंचने से पहले रेखा बनाई जाएगी।

पाक में सुरक्षा चौकी पर सशस्त्र हमलावरों ने किया हमला, तीन जवानों की मौत

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक सुरक्षा चौकी पर अज्ञात सशस्त्र हमलावरों ने गोलीबारी की, जिसमें अर्द्धसैन्य बल के कम से कम तीन जवानों की मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह हमला बोलान जिले के मोराट क्षेत्र में रविवार को हुआ। एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने बताया कि अज्ञात सशस्त्र लोगों ने क्वेटा से करीब 70 किलोमीटर दूर मोराट में चौकी पर रविवार को हमला किया। अधिकारी ने कहा, हमले में फ्रंटियर कोर्प्स के तीन जवानों की मौत हो गई और एक जवान घायल हो गया। चौकी पर तैनात जवानों ने जवाबी कार्वाई की, लेकिन हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे।

विक्ट्री डे के अवसर पर मास्को के विश्वविद्यालय में आतिशबाजी की गई

इज़राइली पुलिस के साथ झड़प में 153 फलस्तीनी घायल

भाषा। यरुशलम

यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद के पास सोमवार को फलस्तीनी प्रदर्शनकारियों और इज़राइली पुलिस के बीच हुई झड़प में करीब 153 फलस्तीनी घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
मौके पर मौजूद एपी के एक छायाकार ने बताया कि अल-अक्सा मस्जिद के पास आंसू गैस और स्टन ग्रेनेड के दर्जनों गोले आकर गिरे। फलस्तीनी चिकित्सकों ने बताया कि अल-अक्सा मस्जिद परिसर में हुई इस हिंसा में करीब 215 फलस्तीनी घायल हुए और इनमें से 153 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फलस्तीन श्रद्धालुओं की शुक्रवार देर रात भी अल-अक्सा मस्जिद परिसर में इज़राइली पुलिस के साथ झड़प हो गई थी। इसके बाद से ही फलस्तीनियों और इज़राइल के अधिकारियों के बीच झड़प जारी है। पिछले कुछ दिनों में सैकड़ों फलस्तीनी और 20 से अधिक पुलिस अधिकारी हताहत हुए हैं। सोमवार सुबह करीब सात बजे के बाद एक बार फिर झड़प शुरू हुई। परिसर के अंदर मौजूद लोग बाहर पुलिस पर पत्थर फेंक रहे थे। वहीं, पुलिस आंसू गैस के गोले और स्टन ग्रेनेड दागते हुए परिसर के अंदर दाखिल हुई। उस समय करीब 400 लोग अल-अक्सा मस्जिद में मौजूद थे। पुलिस ने मस्जिद के अंदर आंसू गैस के गोले और स्टन ग्रेनेड दागे। पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने वेस्टर्न वॉल के पास सड़क पर अधिकारियों पर पथराव किया, जहां हजारों इज़राइली यहूदी इबादत करने के लिए एकत्रित हुए थे। मुसलमानों के रमजान के पाक महीने में ऐसी कार्वाई के लिए इज़राइल की लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की जा रही है। इस बीच, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के एक प्रवक्ता ओफिर गेंदलमैन ने एक ट्वीट में दावा किया, फलस्तीनी चरमपंथी साजिश के तहत पवित्र स्थल दंगा करने आए थे।

गाजा बार्डर पर गिरे बैलून से लगे आग को बुझाता एक कर्मी

कोलोराडो में जन्मदिन समारोह में बंदूकधारी ने छह लोगों की हत्या करने के बाद ली खुद की जान

कोलोराडो स्प्रिंग्स (अमेरिका)। अमेरिका के कोलोराडो मे एक जन्मदिन समारोह के दौरान एक बंदूकधारी ने छह लोगो की हत्या करने के बाद गोली मारकर खुद की भी जान ले ली। पुलिस ने बताया कि कोलोराडो स्प्रिंग्स में एक घर मे रविवार आधी रात के कुछ देर बाद गोलीबारी हुई। कोलोराडो स्प्रिंग्स गजट के अनुसार, अधिकारियो को घटनास्थल पर छह लोग मृत मिले और एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति मिला, जिसने बाद मे अस्पताल मे दम तोड़ दिया। संदिग्ध हमलावर पार्टी मे मौजूद एक युवती का मित्र था। पार्टी मे बच्चे भी शामिल थे। बंदूकधारी भीतर आया और उसने गोलीबारी करने के बाद खुद को गोली मार ली। उसने बताया कि जिस व्यक्ति के लिए समारोह आयोजित किया गया था,

तालिबान ने ईद के मद्देनजर तीन दिन के संघर्षविराम की घोषणा की

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान ने मुस्लिम त्योहार ईद के मद्देनजर तीन दिन के संघर्षविराम की सोमवार को घोषणा की जोकि इस सप्ताह मनाया जाएगा। हालांकि, कुछ ही घंटे बाद पूर्वी अफगानिस्तान में एक बस बम धमाके की चपेट में आ गई, जिसमें सवार 11 यात्रियों की मौत हो गई। किसी भी संगठन ने तत्काल इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। संघर्षविराम की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए काबुल में सरकार ने स्थाई संघर्षविराम का आह्वान किया। राष्ट्रपति भवन से जारी एक बयान में देश में बढ़ती हिंसा के लिए तालिबान की आलोचना की। सरकार भी त्योहार के मद्देनजर लागू इस संघर्षविराम का पालन करेगी। तालिबान ने कहा कि यह सघंर्षविराम बुधवार या बृहस्पतिवार से प्रभावी होगा जोकि त्योहार की शुरुआत के लिए चांद दिखाई देने पर निर्भर करेगा।

पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के बाद हिंसा के खिलाफ भारतीय-अमेरिकी समुदाय ने प्रदर्शन किए

ह्यूस्टन। भारत के राज्य पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणामो के बाद हुई हिंसा के खिलाफ अमेरिका के 30 से अधिक शहरों में बंगाली समुदाय के लोगों समेत अनेक प्रवासी भारतीयों ने प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि दो मई को विधानसभा चुनाव के परिणामों की घोषणा के बाद पश्चिम बंगाल में हिंसा की अनेक घटनाएं हुई। भाजपा ने आरोप लगाया कि नतीजों के बाद तृणमूल कांग्रेस के लोगों ने उसके अनेक कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी और अनेक कार्यकर्ताओं को घायल कर दिया।

अमेरिका में पाइपलाइन से साइबर वसूली के प्रयास के बाद गैसोलीन के दाम में वृद्धि

न्यूयॉर्क। खाड़ी तट से उत्तर पूर्व में ईंधन पहुंचाने वाली अमेरिका की अहम पाइपलाइन पर साइबर वसूली की कोशिश के बाद सोमवार को गैसोलीन के वायदा बाजार मे तेजी नजर आई। यह कोलोनियल पाइपलाइन टेक्सास से लेकर न्यूजर्सी तक दस प्रांतो को गैसोलीन एवं अन्य ईंधनो को पहुंचाती है। कंपनी के अनुसार यह पूरे ईस्ट कोस्ट में करीब 45 ईंधन की आपूर्ति करती है।

न्यूजीलैंड के सुपरमार्केट में व्यक्ति ने पांच लोगों को चाकू घोंपा, तीन गंभीर

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के सुपरमार्केट में सोमवार को एक व्यक्ति ने लोगों पर चाकू से हमला कर दिया। घटना में पांच लोग घायल हुए हैं जिनमें से तीन की हालत गंभीर है।
अधिकारियों ने इस बारे में बताया। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। डुनिडन शहर के काउंटडाउन सुपरमार्केट में घटना के बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। घायलों में सुपरमार्केट के दो कर्मचारी भी शामिल हैं।

रॉकेट मलबा मामला : चीन ने अमेरिका पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया

भाषा। बीजिंग

अमेरिका पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए चीन ने उसके अनियंत्रित रॉकेट का मलबा मालदीव के पास हिंद महासागर में गिरने के संबंध में वैश्विक चिंताओं को कम करने का प्रयास किया। चीन के अनियंत्रित हुए रॉकेट लॉन्ग मार्च 5बी का मलबा रविवार को पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर गया और इसके ज्यादातर अवशेष जल गए तथा मालदीव के पास हिंद महासागर में गिर गए। इससे किसी तरह की क्षति की खबर नहीं है। हालांकि, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अनियंत्रित रॉकेट के मलबे को लेकर चीन की आलोचना करते हुए उस पर तय मानकों को पूरा करने में नाकाम रहने का आरोप लगाया था। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने बयान जारी कर कहा था, यह साफ है कि चीन अंतरिक्ष के मलबे के संबंध में जिम्मेदार मानकों को पूरा करने में नाकाम रहा है।

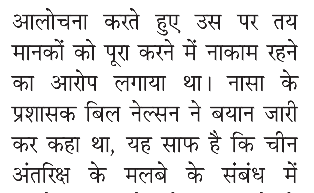

ताइवान को विश्व स्वास्थ्य संगठन की बैठक में बुलाने की अमेरिका के अपील की चीन ने निंदा की

बीजिंग। चीन की सरकार ने अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन द्वारा विश्व स्वास्थ्य संगठन से उसकी इस महीने होने वाली बैठक मे ताइवान को बुलाए जाने के अनुरोध की सोमवार को निंदा की। चीन ताइवान को अपने देश का हिस्सा मानता है। ब्लिंकन द्वारा शुक्रवार को जारी बयान मे वैसी ही अपील की गई थी जैसे इस महीने लंदन में जी7 के विदेश मंत्रियो ने संयुक्त अपील के जरिए की थी।

भारत से लोगों के आने पर रोक के खिलाफ दायर याचिका ऑस्ट्रेलियाई अदालत में खारिज

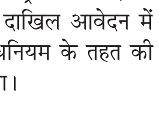

भाषा। मेलबर्न

सिडनी की एक अदालत ने ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा कोविड-19 से प्रभावित भारत से आने वाले यात्रियों पर अस्थाई रोक लगाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। यह याचिका बेंगलुरु में फंसे 73 वर्षीय एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक ने दायर की थी। मामले की पहली सुनवाई में न्यायमूर्ति थॉमस थॉवले ने कहा कि कानून जैव सुरक्षा आपात स्थिति को देखते हुए बनाया गया है और भविष्य में इसके खतरे की जानकारी नहीं है। न्यायमूर्ति ने कहा, यह स्पष्ट है कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सोचा कि और लोगों के प्रवेश को रोकने से ऑस्ट्रेलिया के पृथकवास संबंधी प्रयास को राहत मिलेगी, यहां तक उन लोगों को रोकने से जो परोक्ष रूप से ट्रांसजिट केंद्रों के जरिए आ रहे हैं। गैरी न्यूमैन की ओर से पिछले सप्ताह दाखिल आवेदन में स्वास्थ्य मंत्री ग्रेग हंट द्वारा पिछले महीने जैव सुरक्षा अधिनियम के तहत की गई आपात घोषणा को रद्द करने का अनुरोध किया गया था।

कलर्स डाँस दीवाने प्रतियोगी उदय ने हृदयस्पर्शी डाँस परफॉर्मेंस के जरिए सुनाई मार्मिक कहानी

कलर्स डाँस दीवाने का आगामी एपिसोड सशक्त परफॉर्मेंस के साथ मदर्स डे के अवसर पर सभी माताओं को समर्पित होगा। जज तुषार कालियाए धर्मेश येलंडे और मेहमान नोरा फतेही के साथ कुछ विशेष मेहमानए सभी प्रतियोगियों की माताएं शामिल होकर बच्चों की परफॉर्मेंस देखेंगे। यह वक्त भावनाओं से सराबोर होगा। उदय सिंह अपने खुद के जीवन की एक कहानी पर परफॉर्म करेंगे और यह कहानी सबको सुनाएंगे। इस कहानी में बताया गया है कि उनके साथ उनकी माँ ने किस प्रकार जीवन के सबसे मुश्किल चरणों को पार किया।

यह एक्ट उदय की माँ को समर्पित होगा। इस एक्ट में बताया गया कि उनके पिता ने किस प्रकार उनकी माँ की गंभीर दुर्घटना के बाद उसके इलाज के लिए कर्ज लिया। दैनिक मजदूर होने के चलते उनके पिता रिकवरी एजेंट्स को पैसा नहीं लौटा पाए और उनके इस अपमान का असर उनके दिमाग पर हो गया और उन्होंने आत्महत्या कर ली। भारी वित्तीय संकट के बीच उदय और उसकी माँ अकेले रह गए। जैसे जैसे यह एक्ट आगे बढ़ता हैए हर कोई भावनाओं में डूब जाता है और सबकी आंखों में आँसू आ जाते हैं। मां और बेटे के बीच का यह अनकहा प्यार हर किसी के दिल को छू लेगा। उदय अपनी माँ को धन्यवाद देंगे कि वह सदैव से उनकी सबसे बड़ी सपोर्ट बनी रही। उदय के संघर्षों को सुनकर जज तुषार कालिया ने उन्हें हर संभव मदद देने का वादा किया। तुषार कालिया ने कहा मैं नहीं जानता कि यह सुनने के बाद क्या कहूँ। इन संघर्षों से गुजरना बहुत मुश्किल है और केवल आप ही समझ सकते हो कि आपने किन संघर्षों का सामना किया है। यह बहुत मर्मस्पर्शी है। मैं आपको एक चीज कहना चाहता हूँए मुझे नहीं पता कि आप इस शो में कितना आगे जाएंगे, लेकिन जो कुछ भी होए जब आपको मेरी जरूरत पड़े तो मैं आपको हर संभव मदद दूंगा।

अमेज़न प्राइम वीडियो ने शो मार्केट डाउन है की घोषणा की

मुंबई। अमेज़न प्राइम वीडियो ने लोकप्रिय स्टैंड.अप कॉमेडियन गौरव गुप्ता द्वारा पेश किए जाने वाले अपने आगामी अमेज़न फनीज स्टैंड.अप स्पेशल मार्केट डाउन है का टीजर जारी करते हुए आज इस शो की घोषणा कर दी है। दुनिया भर के दर्शकों को हंसी की जबर्दस्त खुराक देने का वादा करने वाले इस शो का प्रीमियर 14 मई, 2021 को होगा। इस टीजर में गौरव गुप्ता हमें हंसी के उस सफर पर ले जाते दिख रहे हैं, जहां वह एक पिता, पति, बेटे, एक दिल्लीवाला और इस सबके ऊपर एक बनिया होने के हास्यप्रद अनुभव सुनाएंगे!स्टैंड.अप कॉमेडियन गौरव गुप्ता ने बताया, अमेज़न प्राइम वीडियो जैसे एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म से जुड़ कर मैं बेहद खुश हूं और अपने कॉमेडी स्पेशल के जरिए दुनिया भर के स्टैंड.अप प्रेमियों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हूं। उनकी ही बदौलत ढेर सारे कॉमेडियन लाइमलाइट हासिल कर पाए हैं और मैं भी एक व्यापक दर्शक.वर्ग तक पहुंचने तथा नए प्रशंसक बनाने हेतु उत्सुक हूं। अगर लोगों को पता चले कि कोई शो अमेज़न प्राइम वीडियो पर मौजूद है, तो हर कोई उसे देखना चाहता है। इतना कहने के बावजूद मार्केट डाउन है मेरे लिए वाकई एक बेहद खास शो है, क्योंकि अमेज़न प्राइम वीडियो पर यह मेरा पहला स्टैंड.अप स्पेशल है। इसमें मैंने अपने जीवन के असली हास्यप्रद अनुभवों को पेश किया है। मैं एक बनिया हूं और बनिया बिरादरी पर चुटकुले छोड़ना मुझे कभी पुरानी बात नहीं लगती। मुझे पूरी उम्मीद है कि मार्केट डाउन है को दर्शक उतना ही पसंद करेंगे जितना कि उन्होंने मेरे दूसरे स्टैंड.अप परफॉर्मेंस को प्यार दिया है। मार्केट डाउन है का अमेज़न प्राइम वीडियो पर 14 मई 2021 को विशेष प्रीमियर होगा।

भोजपुरी लोकगीतों के मर्मज्ञ और रचयिता जितेन्द्र नाथ सिंह का निधन

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

भोजपुरी लोकगीतों के मर्मज्ञ एवं रचयिता जितेंद्र नाथ सिंह जीत का रविवार को कोरोना से निधन हो गया। वह 76 साल के थे। सांस की तकलीफहोने पर उन्हें बीएचयू में भर्ती कराया गया था। दो हफ्ते पहले कोविड संक्रमण से उनकी पत्नी लीलावती सिंह का निधन हो गया था। उनके परिवार में पुत्र शमशेरए दो पुत्रियां और नाती पोतों का भरापूरा परिवार है। गाजीपुर के पातेपुर निवासी जितेंद्र नाथ सिंह जीत ने भारतीय सेना में सिग्नल ऑपरेटर के पद पर रहते हुए 1965 और 71 की लड़ाई में हिस्सा लिया था। वहां से सेवानिवृति होने के बाद आकाशवाणी वाराणसी में सुरक्षा अधिकारी के पद पर तैनात हुए। वे आकाशवाणी के बी हाई ग्रेड के कलाकार और गीतकार थे। उनके गीतों को मनोज तिवारीए

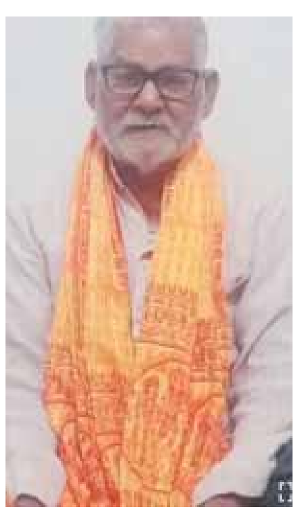

महुआ बनर्जीए रेवती साकलकर जैसे कलाकारों ने गाया है। उन्होंने जइब देवी के दुअरियाए गीत गुंजनए बाजे मेरी वीणा के तारए चटक चांदनीए लोक संगीत सागर आदि पांच पुस्तके लिखी हैं।

चीन अब माउंट एवरेस्ट के शिखर पर भी खींचेगा सीमा की लकीर

बीजिंग। चीन दुनिया की सबसे उंची पर्वत चोटी माउंट एवरेस्ट पर सीमा रेखा खींचेगा ताकि नेपाल से आने वाले पर्वतरोहियों को अपने इलाके में आने से रोका जा सके। चीन के सरकारी मीडिया ने इस कदम के लिए कोरोना वायरस महामारी को वजह बताया है। इस कार्य के तिब्बती पर्वतारोहियों का समूह बनाया जाएगा।

सरकारी संवाद एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि चीन की ओर से पर्वतरोहियों के चोटी पर पहुंचने से पहले रेखा बनाई जाएगी। हालांकि, आभी यह स्पष्ट नहीं है कि चीन द्वारा यह विभाजन रेखा किस चीज से बनाई जाएगी। उत्तर में चीन की ओर से चोटी की चढ़ाई करने वाले पर्वतरोहियों को इस विभाजन रेखा को पार करने से रोका जाएगा ताकि वे दक्षिण की ओर से चढ़ाई करने वाले किसी व्यक्ति या वस्तु या नेपाली के संपर्क में नहीं आएं। नेपाल सरकार या पर्वतारोहण अधिकारियों ने इस विभाजन रेखा को लेकर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। गौरतलब है कि पिछले साल कोरोना वायरस महामारी के चलते नेपाल और चीन ने माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई पर रोक लगा दी थी लेकिन इस साल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए नेपाल ने 408 विदेशियों को माउंट एवरेस्ट की चोटी फतह करने की अनुमति दी थी। शिन्हुआ के मुताबिक, 21 चीनी पर्वतरोहियों को उत्तरी हिस्से से एवरेस्ट की चढ़ाई करने की अनुमति दी गई है। चीन में जहां कोरोना वायरस के संक्रमण पर काफी हद तक लगाम लगी हुई है वहीं नेपाल में इस बीमारी के मामलों में इन दिनों तेजी आई है।

कश्मीर में जीवन का अक्स दिखाती है लाइफ इन द क्लॉक टावर वैली

नई दिल्ली। प्रेम कहानियों के माध्यम से एक नए उपन्यास में कश्मीर घाटी में रोजर्मा की जिंदगी और भावनाओं को दर्शाया गया है। लाइफ इन द क्लॉक टावर वैली प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पीटीआई) के पत्रकार शकूर राथेर की पहली किताब है। किताब का प्रकाशन स्पीकिंग टाइगर ने किया है। इसमें कश्मीर के सुन्दर अतीत, तकलीफदेह वर्तमान और हमेशा अनिश्चित रहने वाले भविष्य के बारे में बात की गई है। इसमें कश्मीर के इतिहास और राजनीति के अलावा पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर भी चर्चा की गई है, जिनपर सामान्य रूप से कोई बात नहीं करता। घाटी में जीवन के विभिन्न पहलुओं के अलावा लेखक अपनी किताब में रोज-रोज के जीवन में उभरने वाले अलग-अलग किरदारों पर भी चर्चा करता है। प्रेम कहानियों की बात करें तो लेखक बताता है कि कैसे मेटाडोर, कैम्पस कॉरिडोर और शहर के ऐतिहासिक विरासतों में

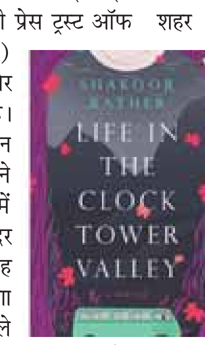

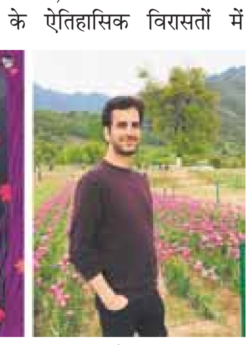

घूमते-घूमते समर और राबिया एक-दूसरे को जानते हैं और करीब आते हैं। लेकिन साथ ही घाटी में बार-बार लगने वाले कर्फ्यू और अपने परिवारों के राजनीतिक झुकाव के कारण उनके प्रेम पर संकट के बादल भी मंडराते हैं। इसके अलावा भी कई अन्य प्रेम कहानियां इस उपन्यास का हिस्सा हैं।

कोविड से जंग हार गये यूट्यूबर राहुल वोहरा

नई दिल्ली। अभिनेता-यूट्यूबर राहुल वोहरा का कोविड-19 के कारण यहां एक अस्पताल में रविवार को निधन हो गया। थिएटर निर्देशक-नाटककार अरविंद गौड़ ने इसकी पुष्टि की ।वोहरा (35) ने एक फेसबुक पोस्ट पर इस हफ्ते की शुरूआत में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने की खबर दी थी। उन्हें राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, ताहिरपुर में भर्ती कराया गया था और शनिवार शाम को द्वारका के आयुष्मान हॉस्पिटल में ले जाया गया था। गौड़ ने वोहरा के निधन की खबर की फेसबुक पर पुष्टि की। उन्होंने लिखा, राहुल वोहरा चला गया। मेरा होनहार अभिनेता अब नहीं रहा। कल ही राहुल ने कहा था कि मुझे अच्छा इलाज मिल जाता तो मैं भी बच जाता। कल शाम ही उसे राजीव गांधी अस्पताल से आयुष्मान, द्वारका में स्थानांतरित किया गया था। राहुल हम तुम्हें नहीं बचा पाए, मुआफ करना, हम तुम्हारे अपराधी हैं। आखिरी नमन। वोहरा ने शनिवार को फेसबुक पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को टैग किया था और उनसे बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए कहा था। वोहरा ने लिखा था, अगर मुझे भी बेहतर इलाज मिल जाता तो मैं भी बच जाता। दिल्ली में शनिवार को कोविड-19 से 332 लोगों की मौत हो गई थी और 17,364 नए मामले आए।

कोरोना वायरस संक्रमण से और एक संत की मृत्यु

देहरादून। जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर श्रीमहंत विमल गिरि की कोरोना वायरस संक्रमण से मृत्यु हो गई है। संक्रमित होने के बाद 45 वर्षीय महंत को यहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां बृहस्पतिवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। जूना अखाड़ा के थानापति रवींद्रानंद सरस्वती ने बताया कि हाल में संपन्न हुए हरिद्वार कुंभ के दौरान आचार्य महामंडलेश्वर श्रीमहंत अवधेशानंद गिरि ने उनका पट्टाभिषेक किया था। वह पिछले 20 वर्षों से वह अखाड़े से जुड़े थे। शनिवार को उन्हें हरिद्वार के कांगड़ी ग्राम स्थित श्रीमहंत प्रेम गिरि आश्रम में भूसमाधि दे दी गई। हाल में संपन्न कुंभ के दौरान कई संत कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं जिनमें से छह से ज्यादा साधुओं की मृत्यु हो गई है।

उच्च हिमालई घाटियों में जाने वाले लोगों के लिए आरटी-पीसीआर जांच जरूरी

पिथौरागढ। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले के धारचूला उप मंडल की दारमा, व्यास और चौदास की उच्च हिमालई घाटियों में प्रवेश से पहले आदिवासी ग्रामीणों तथा अन्य लोगों के लिए आरटीपीसीआर जांच अनिवार्य कर दी गई है।

धारचूला के उपजिलाधिकारी ए के शुक्ला ने सोमवार को बताया कि आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही किसी व्यक्ति को इन घाटियों में प्रवेश करने दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रशासन ने इस संबंध में स्थानीय लोगों से बात की थी और उन्होंने इस बात पर अपनी सहमति व्यक्त की है। शुक्ला ने कहा, उच्च हिमालई घाटियों में कोविड 19 के प्रसार को रोकने के लिए हमने यह कदम उठाया है।

पुलिस के अभियान के बाद कोटा में एक दिन में 75 शादियां स्थगित

कोटा। राजस्थान में कोविड-19 को नियंत्रित करने के लिए लागू लॉकडाउन का अनुपालन कराने के अभियान के तहत कोटा ग्रामीण जिले की पुलिस ने उन परिवारों से संपर्क किया जहां शादी होनी थी और एक दिन में ही 75 शादियां स्थगित कराई।

पुलिस उपाधीक्षक और इटावा के सीओ विजयशंकर शर्मा ने पीटीआई-भाषा को बताया कि उप पुलिस महानिरीक्षक (डीआईजी) रविदत्त गौड़ के इलाके के दौरे के दौरान आश्रम दिगोड पुलिस थाने के दो बीट सिपाहियों और कैथुन पुलिस थाने के नवनीत ने बताया कि उन्होंने तीन परिवारों से संपर्क किया और इस महीने होने वाली शादी को स्थगित करने के लिए मनाया। उन्होंने बताया कि उक्त सिपाहियों को।,100 रुपए का पुरस्कार दिया गया है। शर्मा ने बताया कि डीआईजी ने इसके बाद अधिकारियों को ग्राम पंचायत स्तर पर प्रभावशाली लोगों और जन प्रतिनिधियों की मौजूदगी में परिवारों के साथ बैठक करने और उनके यहां होने वाली शादी को स्थगित करने के लिए मनाने का निर्देश दिया। पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि कोटा ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी के मार्गदर्शन में शनिवार सुबह ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान चलाया गया जिसमें बीट कांस्टेबल और थाना प्रभारियों ने परिवारों से संवाद किया और एक दिन में ही 75 शादियां स्थगित कराई। गौरतलब है कि राजस्थान मंत्रिमडल ने बृहस्पतिवार को 10 मई से 24 मई के बीच राज्य में सख्त लॉकडाउन लगाने का फैसला किया है।

परमार्थ कार्यों को लेकर अनुचित टिप्पणियों का अमिताभ ने ब्लॉग लिखकर दिया जवाब

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने महामारी के दौरान उनके द्वारा किए जा रहे परमार्थ कार्यों को लेकर उठ रहे सवालों पर सोमवार को ब्लॉग लिखकर जवाब देते हुए बताया कि वह परोपकार के अपने काम का ज्यादा जिक्र नहीं करना चाहते। उन्होंने हालांकि ऐसे कुछ परोपकारी कामों का जिक्र ब्लॉग में किया है, जो उन्होंने कोविड के इस दौर में किए।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने ट्वीट कर बताया था कि नई दिल्ली के गुरुद्वारा रकाब गंज में श्री गुरु तेग बहादुर कोविड देखभाल केंद्र के लिए अमिताभ बच्चन ने दो करोड़ रुपए दान दिए हैं। इसके कुछ घंटों बाद 78 वर्षीय अभिनेता ने अपने ब्लॉग पर परोपकार के लिए अपने योगदान का जिक्र करते हुए लंबी पोस्ट लिखी।

इस पोस्ट में बच्चन ने कहा कि पिछले साल देश में जब महामारी का प्रकोप बढ़ा था तबसे उन्होंने जहां तक संभव हो सका लोगों की मदद की। सोशल मीडिया पर उपयोगकर्ताओं के एक वर्ग द्वारा फिल्मी सितारों की तरफ से कोविड-19 महामारी से उबरने की दिशा में योगदान न करने को लेकर की जा रही आलोचनाओं पर बच्चन ने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा अपने परमार्थ कार्यों का प्रचार करना शर्मिंदा करने वाला लगता है।

इस पोस्ट में बच्चन ने कहा कि पिछले साल देश में जब महामारी का प्रकोप बढ़ा था तबसे उन्होंने जहां तक संभव हो सका लोगों की मदद की। सोशल मीडिया पर उपयोगकर्ताओं के एक वर्ग द्वारा फिल्मी सितारों की तरफ से कोविड-19 महामारी से उबरने की दिशा में योगदान न करने को लेकर की जा रही आलोचनाओं पर बच्चन ने कहा कि किसी व्यक्ति द्वारा अपने परमार्थ कार्यों का प्रचार करना शर्मिंदा करने वाला लगता है।

उन्होंने ब्लॉग में लिखा, हां मैं परमार्थ कार्य करता हूं, लेकिन हमेशा से मानना रहा है कि यह किया जाना चाहिए, न कि इसके बारे में बोला जाना चाहिए। आत्म चेतना में भी ऐसा करना शर्मिंदा करने वाला है। ऐसे पेशे में होने के बावजूद सार्वजनिक रूप से मौजूदगी दिखाने में शर्म महसूस होती है।

बच्चन ने कहा कि उन्होंने अपने व्यक्तिगत कोष से अग्रिम पंक्ति के कर्मियों को मास्क और

पीपीई किट मुहैया कराया जबकि रकाबगंज साहिब गुरुद्वारा में दान के जरिए 250-450 बिस्तरों वाले देखभाल केंद्र की स्थापना में मदद की तथा दिल्ली और मुंबई में दान देने के लिए विदेशों से ऑक्सीजन सांद्रक खरीदे।

उन्होंने कहा, दिल्ली में आज रकाबगंज साहिब गुरुद्वारा में 250-450 बेड के केयर सेंटर की स्थापना की गई है और जल्द उनके लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स का इंतज़ाम किया जाएगा। इसका सीमित स्टॉक है , इसलिए जहां ज़रूरत है वहां दिल्ली और मुंबई में दिया जाएगा।

उन्होंने आगे लिखा है, 15 मई तक उनमें से 50 पोलैंड से आ रहे हैं जबकि 150 संभवत: अमेरिका..अन्य जगहों से। कुछ आ गए हैं और उन्हें अस्पतालों को दिया गया है। अभिनेता ने कहा कि जब वायरस का प्रसार हो रहा था तो

उन्होंने ब्लॉग में लिखा, हां मैं परमार्थ कार्य करता हूं लेकिन हमेशा से मानना रहा है कि यह किया जाना चाहिए न कि इसके बारे में बोला जाना चाहिए। आत्म चेतना में भी ऐसा करना शर्मिंदा करने वाला है। ऐसे पेशे में होने के बावजूद सार्वजनिक रूप से मौजूदगी दिखाने में शर्म महसूस होती है। बच्चन ने कहा कि उन्होंने अपने व्यक्तिगत कोष से अग्रिम पंक्ति के कर्मियों को मास्क और पीपीई किट मुहैया कराया।

उन्होंने दिल्ली के बंगला साहिब गुरुद्वारा में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के जरिए एक पूरा डायग्नोस्टिक सेंटर दान किया था। यह उन्होंने अपनी मां और सामाजिक कार्यकर्ता तेजी बच्चन तथा उनके माता-पिता के सम्मान में किया था। अभिनेता ने कहा कि वह और उनका परिवार इंटरनेट पर रोजाना उनके बारे में की जाने वाली भद्दी बातों से कभी दबाव महसूस नहीं करता और चुपचाप लोगों की मदद करता है। बच्चन ने अपने कुछ और परमार्थ कार्यों का जिक्र किया जिनमें 1500 किसानों का कर्ज चुकाकर उनकी आर्थिक मदद करना शामिल है। अभिनेता ने यह भी साझा किया कि उन्होंने पुलवामा में 14 फरवरी 2019 को आतंकी हमले में मारे गए सीआरपीएफ के 40 कर्मियों के परिवार की भी मदद की। बच्चन ने कहा कि पिछले साल उन्होंने देश भर में एक महीने तक चार लाख से ज्यादा दिहाड़ी मजदूरों को भोजन उपलब्ध कराया जबकि शहर में रोजाना करीब पांच हजार लोगों के भोजन की व्यवस्था की।